भारतीय रिज़र्व बैंक

बुलेटिन

मई 2026

खंड 80 अंक 5

संपादक समिति
संजय हंसदा
रवि शंकर
रेखा मिश्र
राजीब दास
सुनिल कुमार
राजीव जैन
स्नेहल हेरवाडकर
वी. धन्या
श्वेता कुमारी
अनिर्बन सान्याल
सुजाता कुंडू

संपादक
राधेश्याम वर्मा

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन संपादकीय समिति के निर्देशन में आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मासिक आधार पर प्रकाशित की जाती है।
इसमें व्यक्त व्याख्याओं और विचारों के लिए बैंक का केंद्रीय निदेशक मंडल उत्तरदायी नहीं है।
हस्ताक्षरित आलेखों में व्यक्त विचारों के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी हैं।

© भारतीय रिज़र्व बैंक 2026

सर्वाधिकार सुरक्षित।
सामग्री के पुनः उत्पादन की अनुमति है,
बशर्ते स्रोत का उल्लेख किया जाए।

बुलेटिन की सदस्यता के लिए कृपया 'हाल के प्रकाशन' खंड देखें।

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन को
https://bulletin.rbi.org.in पर देखा जा सकता है।

आरएनआई संख्या 13997/67

भारतीय रिज़र्व बैंक, शाहिद भगत सिंह रोड, फोर्ट, मुंबई - 400 001 की ओर से जी. वी. नथनयेल द्वारा मुद्रित और प्रकाशित।
जयंत प्रिंटरी एलएलपी. 352/54, गिरगांव रोड, मुरलीधर मंदिर कंपाउंड, ठाकुरद्वार पोस्ट ऑफिस के पास, मुंबई - 400 002 द्वारा मुद्रित।

विषय-वस्तु

भाषण

भारतीय वित्तीय बाजार - लचीलापन और पुनरुत्थान 1
श्री संजय मल्होत्रा

बढ़ी हुई अनिश्चितता के समय में मौद्रिक नीति - हस्तक्षेप का प्रतिलेख 7
श्री संजय मल्होत्रा

शिक्षा, निर्णय और जन-हित – बैंकिंग से सबक 9
श्री स्वामीनाथन जे.

भारत में मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण: अतीत, वर्तमान और भविष्य 15
डॉ. पूनम गुप्ता

समृद्ध भारत के लिए समृद्ध राज्य 25
डॉ. पूनम गुप्ता

आलेख

अर्थव्यवस्था की स्थिति 35

वर्तमान सांख्यिकी **61**

हाल के प्रकाशन **119**

भाषण

भारतीय वित्तीय बाजार - लचीलापन और पुनरुत्थान
श्री संजय मल्होत्रा

बढ़ी हुई अनिश्चितता के समय में मौद्रिक नीति - हस्तक्षेप का प्रतिलेख
श्री संजय मल्होत्रा

शिक्षा, निर्णय और जन-हित – बैंकिंग से सबक
श्री स्वामीनाथन जे.

भारत में मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण: अतीत, वर्तमान और भविष्य
डॉ. पूनम गुप्ता

समृद्ध भारत के लिए समृद्ध राज्य
डॉ. पूनम गुप्ता

भारतीय वित्तीय बाजार - लचीलापन और पुनरुत्थान*

श्री संजय मल्होत्रा

सम्मानित प्रतिभागियों, मुझे 25वें एफआईएमएमडीए[1] पीडीएआई[2] वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए बहुत खुशी हो रही है। भारत के निश्चित आय और डेरिवेटिव बाजारों के विकास का श्रेय ऐसे सम्मेलनों को जाता है, जो सभी हितधारकों को एक साथ आने और न केवल अब तक की यात्रा पर विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान करते हैं, बल्कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि आगे की राह पर विचार-विमर्श करने का मौका देते हैं। मुझे विश्वास है कि यह सम्मेलन हमें बाजारों के और विकास के लिए कई नवीन विचार और सुझाव देगा।

आज मार्केट में मौजूद चुनौतियों और मौकों पर चर्चा करने के लिए इस सम्मेलन के लिए इससे बेहतर शहर कोई और नहीं हो सकता था। एम्स्टर्डम ही वह जगह थी जहाँ व्यापारियों ने चार शताब्दियों से भी पहले डच ईस्ट इंडिया कंपनी के शेयरों और बांड का व्यापार शुरू किया था। 17वीं शताब्दी में जो सामने आया, वह आधुनिक वित्तीय बाज़ार के शुरुआती उदाहरणों में से एक था: एक संगठित प्रणाली जहां निवेशक पूंजी जमा कर सकते थे, जोखिम स्थानांतरित कर सकते थे और महाद्वीपों में महत्वाकांक्षी वाणिज्यिक उद्यमों को वित्तपोषित कर सकते थे। व्यापार योग्य प्रतिभूतियां, द्वितीयक बाजार और वित्तीय मध्यस्थता जैसे नवाचारों ने जड़ें जमा लीं, उन्होंने कई मायनों में आधुनिक वैश्विक वित्त की नींव रखी, जैसा कि हम आज जानते हैं।

I. वैश्विक अर्थव्यवस्था और वित्तीय प्रणाली के लिए चुनौतियां

यह सम्मेलन इससे अधिक उपयुक्त समय पर नहीं हो सकता था, जब वैश्विक वित्तीय प्रणाली बढ़ी हुई अनिश्चितता और चुनौतियों के दौर से गुजर रही है। इनका असर न केवल वास्तविक क्षेत्र पर बल्कि वित्तीय बाजारों पर भी प्रभाव पड़ता है।

टैरिफ, व्यापार प्रतिबंधों और औद्योगिक नीतियों के कारण भू-आर्थिक विखंडन न केवल वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को नया आकार दे रहा है, बल्कि वे पूंजी की मुक्त आवाजाही को भी प्रभावित कर रहे हैं और वित्तीय प्रवाह के विखंडन का कारण बन रहे हैं।

कई प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सार्वजनिक ऋण का उच्च स्तर भी एक और चिंता का विषय है। निरंतर राजकोषीय विस्तार ने उनके लिए राजकोषीय सुदृढ़ीकरण के रास्ते पर लौटना मुश्किल बना दिया है, जिसकी महामारी से संबंधित प्रोत्साहन के बाद उम्मीद की जा रही थी। दूसरी ओर, भू-राजनीतिक दबाव रक्षा खर्च काफी बढ़ रहा है, यह एक ऐसा बदलाव है जो राजकोषीय स्थिरता के लिए बड़ी चुनौतियां पैदा कर सकता है।

कुछ आस्ति वर्गों, विशेष रूप से कुछ तकनीकी शेयरों सहित इक्विटी में बढ़े हुए मूल्यांकन का असर बाजारों और भौगोलिक क्षेत्रों में भी प्रभाव डाल सकता है।

वैश्विक स्तर पर निजी ऋण बाजारों के तेजी से विस्तार ने विनियमित क्षेत्रों के साथ बढ़ते अंतर्संबंध के माध्यम से अपारदर्शिता और संभावित प्रणालीगत जोखिम के नए क्षेत्रों को पेश किया है।

एआई अनिश्चितता का एक और स्रोत है। जबकि एआई में उत्पादकता बढ़ाने की क्षमता है, फिर भी कुछ व्यावसायिक प्रस्तावों की व्यवहार्यता, दक्षता लाभ के स्तर, परिवर्तन की गति और नौकरियों पर इसके प्रभाव के बारे में चिंताएं बनी हुई हैं।

इन चुनौतियों के साथ-साथ पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव भी हाल ही में बढ़ा है। ऊर्जा के बुनियादी ढांचे को नुकसान और आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान के कारण ऊर्जा की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है। इससे आर्थिक गतिविधियां पहले ही प्रभावित हो चुकी हैं। यदि संकट लंबे समय तक बना रहता है, तो यह दूसरे क्रम के मुद्रास्फीति के दबाव में भी बदल सकता है।

* 1 मई, 2026 को एम्स्टर्डम में आयोजित 25वें एफआईएमएमडीए-पीडीएआई वार्षिक सम्मेलन में भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर श्री संजय मल्होत्रा का मुख्य भाषण।

[1] एफआईएमएमडीए - फिक्स्ड इनकम मनी मार्केट एंड डेरिवेटिव्स एसोसिएशन।

[2] पीडीएआई - प्राइमरी डीलर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया।

II. वैश्विक उथल-पुथल के बीच भारत का आर्थिक लचीलापन

इस चुनौतीपूर्ण वैश्विक पृष्ठभूमि के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया है। इसे देखते हुए, इस सम्मेलन का विषय, "भारतीय वित्तीय बाजार- लचीलापन और पुनरुत्थान" सबसे उपयुक्त और सामयिक है।

महामारी के बाद से, भारत लगातार दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक रहा है। यह प्रदर्शन मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों, संरचनात्मक सुधारों और विवेकपूर्ण व्यापक आर्थिक प्रबंधन के संयोजन को दर्शाता है।

अर्थव्यवस्था में विकास की मजबूती बनी हुई है। घरेलू मांग को मजबूत खपत और सरकारी निवेश द्वारा समर्थन दिया जा रहा है। पूंजीगत व्यय पर सरकार के जोर ने निजी निवेश को बढ़ावा देने और उत्पादक क्षमता में सुधार करने में मदद की है। परिणामस्वरूप, हमने 2021-25 के दौरान 8.2 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर्ज की है। 2025-26 में अर्थव्यवस्था के 7.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। 2026-27 में संवृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

मुद्रास्फीति, हालांकि आवधिक आपूर्ति के झटकों के प्रति संवेदनशील है, मोटे तौर पर मौद्रिक नीति ढांचे के सहिष्णुता बैंड के भीतर बनी हुई है। लचीली मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण (एफआईटी) व्यवस्था ने मुद्रास्फीति की अपेक्षाओं को प्रबंधित करने और इसे अपनाने के बाद औसत मुद्रास्फीति और अस्थिरता को कम करने के लिए एक विश्वसनीय आधार प्रदान किया है। हाल की अवधि में, हेडलाइन मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत के मुद्रास्फीति लक्ष्य से नीचे बनी हुई है। हमने वित्त वर्ष 2027 के लिए औसत सीपीआई मुद्रास्फीति 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

भारत राजकोषीय सुदृढ़ीकरण के रास्ते पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। राजस्व के मामले में, जीएसटी और अन्य व्यापक कर सुधारों को अपनाने से कर संग्रहण की क्षमता बेहतर हुई है। व्यय पक्ष पर, लक्षित सरकारी खर्च ने व्यय की गुणवत्ता में सुधार किया है, जबकि सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में राजस्व व्यय को कम किया है।

भारत के बैंकिंग और एनबीएफसी क्षेत्रों में हाल के वर्षों में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। पूंजी पर्याप्तता, आस्ति गुणवत्ता और लाभप्रदता में सुधार के साथ उनके तुलन पत्र को काफी सक्षम किया गया है।

मजबूत कमाई के कारण, कॉर्पोरेट तुलन पत्र में भी सुधार हुआ है। पिछले दो वित्तीय वर्षों में, सार्वजनिक बाजारों, विशेष रूप से कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजारों के माध्यम से भारतीय कॉरपोरेट्स द्वारा फंड जुटाना समर्थ बना हुआ है, जो पारंपरिक बैंक ऋण से परे वित्तपोषण माध्यमों के लगातार विस्तार की ओर इशारा करता है।

बाहरी मोर्चे पर,

i. 11 महीने के आयात कवर के साथ हमारा विदेशी मुद्रा भंडार संतोषजनक बना हुआ है।

ii. चालू खाता घाटा (सीएडी) धारणीय है; जबकि बढ़ी हुई ऊर्जा की कीमतें घाटे पर ऊपर की ओर दबाव डालेंगी, हाल ही में संपन्न व्यापार समझौतों को कुछ प्रभाव की भरपाई करनी चाहिए।

iii. पूंजी खाते पर, सकल एफडीआई उत्साहजनक रहा है[3]. यह विशेष रूप से वित्त और तकनीकी क्षेत्रों में ग्रीनफील्ड एफडीआई घोषणाओं की हालिया होड़ के साथ मजबूत बना रहेगा।

iv. वित्तीय आस्ति मूल्यांकन में हालिया सुधार के साथ, हम पूंजी की वापसी को कम करने की उम्मीद करते हैं, जिससे आगे चलकर निवल पूंजी खाते की स्थिति में सुधार होगा।

[3] 2024-25 के दौरान सकल एफडीआई लगभग 71 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 80 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया और 2025-26 में इसके और बढ़कर लगभग 90 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है।

संक्षेप में, भारत की मजबूत व्यापक आर्थिक और व्यापक वित्तीय बुनियादी आधार मजबूत बने हुए हैं, जो नीतिगत निश्चितता, मूल्य स्थिरता, वित्तीय स्थिरता और सुधारों पर जोर, व्यापार करने में आसानी और समावेशी विकास पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने से समर्थित है।

III. भारतीय वित्तीय बाजार - विकास के लिए किए गए उपाय

व्यापक अर्थव्यवस्था से वित्तीय बाजारों की ओर बढ़ते हुए, मुझे यह स्वीकार करना होगा कि पिछले कुछ वर्षों में हमारे वित्तीय बाजार काफी परिपक्व हुए हैं। यह वर्षों से सोच-समझकर लिए गए निर्णयों का परिणाम है।

मुद्रा बाजार

मुद्रा बाजारों से शुरू करते हुए, जो मौद्रिक नीति संचरण के लिए प्राथमिक माध्यम के रूप में कार्य करते हैं, हम वित्तीय प्रणाली में पर्याप्त चलनिधि सुनिश्चित करने के लिए एक ज्यादा बेहतर चलनिधि प्रबंधन प्रणाली की ओर बढ़ गए हैं।

सरकारी प्रतिभूति बाजार

सरकारी प्रतिभूति बाजार गहरे और तरल बने हुए हैं, लेकिन हमारे प्रयास, विशेष रूप से खुदरा और अनिवासी भागीदारी को प्रोत्साहित करके निवेशक आधार को व्यापक बनाने के लिए हैं। बेंचमार्क जारी करने की रणनीति, जिसने एक विश्वसनीय सॉवरेन यील्ड कर्व बनाने और नियत-आय बाजारों में मूल्य खोज में सुधार करने में मदद की है, उसे अब वित्त वर्ष 27 से राज्य विकास ऋण तक बढ़ाया जा रहा है।

डेरिवेटिव बाजार

डेरिवेटिव बाजारों के लिए विनियामक प्रणाली भी व्यापार करने में आसानी, व्यापक भागीदारी और नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए विकसित हुई है।

हम कॉरपोरेट बॉन्ड पर कुल रिटर्न स्वैप और कॉरपोरेट बॉन्ड सूचकांकों पर डेरिवेटिव की शुरुआत के माध्यम से अधिक उत्पाद विविधता की सुविधा प्रदान कर रहे हैं। इनका उद्देश्य ऋण जोखिम के प्रबंधन द्वारा एक अच्छी तरह से विकसित कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार का समर्थन करना है।

हमने सरकारी प्रतिभूतियों पर वायदा संविदा भी पेश किए हैं। यह देखकर अच्छा लगा कि दीर्घकालिक निवेशक, विशेष रूप से बीमा कंपनियां अपने दीर्घकालिक ब्याज दर जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए सिंथेटिक वित्तीय तरीकों पर निर्भर रहने के बजाय इस उत्पाद का उपयोग कर रही हैं।

कुशल वित्तीय बाजार पारितंत्र

विभिन्न बाजार क्षेत्रों के विकास के लिए उपाय करते समय, हमने बाजार के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और सभी बाजार क्षेत्रों में विदेशी निवेशकों के लिए पारदर्शिता और निवेश में आसानी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया है;

बाजार के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना

मैं बाजार के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए हाल ही में शुरू की गई तीन पहलों पर प्रकाश डालना चाहूंगा।

- सबसे पहले, दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए विदेशी मुद्रा विकल्प और संशोधित एमआईएफओआर आधारित डेरिवेटिव जैसे नए उत्पादों के लिए इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पेश किए गए हैं। इन उत्पादों के लिए केंद्रीय समाशोधन और निपटान का भी विस्तार किया गया है।
- दूसरा, 36 महीने की अवधि तक के एफएक्स फॉरवर्ड को अब केंद्रीय रूप से मंजूरी दी जा रही है; इससे पहले, केवल 13 महीने की अवधि तक के फारवर्ड को केंद्रीय रूप से मंजूरी दी जाती थी।
- तीसरा, गैर-केंद्रीय रूप से स्वीकृत डेरिवेटिव के लिए प्रारंभिक मार्जिन के लिए नियम लागू हो गए हैं। सीसीआईएल ने प्रारंभिक मार्जिन के आदान-प्रदान के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार किया है। मैंने पाया है कि बाजार प्रतिभागी सीसीआईएल द्वारा इस प्रणाली का उपयोग कर रहे हैं।

पारदर्शिता बढ़ाना

पारदर्शिता बढ़ाने के लिए, अब हमारे पास इसकी रिपोर्टिंग की व्यवस्था है:

- बाजार निर्माताओं के संबंधित पक्षों द्वारा किए गए ओटीसी रुपया विदेशी मुद्रा और ब्याज दर डेरिवेटिव अनुबंध; तथा
- विदेशी मुद्रा बाजार में नकद, टॉम और स्पॉट ट्रेड तथा बैंकों और निवासियों द्वारा किए गए ओटीसी गोल्ड डेरिवेटिव लेनदेन।

विदेशी निवेशकों के लिए निवेश में आसानी

आखिर में, लेकिन जो किसी भी तरह कम महत्वपूर्ण नहीं, वह है, हमने विदेशी निवेशकों के लिए निवेश को आसान बनाने का प्रयास किया है:

- हमने कॉरपोरेट बॉन्ड में एफपीआई निवेश के लिए लागू मैक्रोप्रूडेंशियल मानदंडों को आसान बना दिया है।
- हमने स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग के तहत निवेश का दायरा बढ़ाया है और अधिक परिचालनगत लचीलापन प्रदान किया है;
- विशेष रुपया वोस्ट्रो खातों में शेष राशि को कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियों और सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने की अनुमति दी गई है;
- अनिवासियों को अपने भौगोलिक क्षेत्र में और प्राधिकृत डीलरों की विदेशी शाखाओं में रुपया खाते खोलने की अनुमति दी गई है;
- एक अन्य महत्वपूर्ण उपाय एनडीएस-ओएम को जी-सेक में द्वितीयक बाजार को मजबूत करने के लिए वैश्विक बॉन्ड ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से जोड़ना है।

IV. सुधार के क्षेत्र

हालांकि हमने अपने वित्तीय बाजारों को गहरा और मजबूत करने में काफी प्रगति की है, लेकिन अभी और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। मैं आपके विचार-विमर्श के लिए सुधार के पांच क्षेत्रों का उल्लेख कर रहा हूं:

i. यद्यपि हमारा केंद्र सरकार का प्रतिभूति बाजार अधिकांश मानकों से तरल है, लेकिन सभी अवधि और प्रतिभूतियों में तरलता में सुधार की गुंजाइश है।

ii. ओटीसी डेरिवेटिव बाजार, विशेष रूप से ब्याज दर डेरिवेटिव, केवल एक या दो कुछ उत्पादों में केंद्रित रहते हैं। हितधारकों को कुशल ब्याज दर हेजिंग विकल्प उपलब्ध कराने के लिए इसमें सुधार करने की आवश्यकता है।

iii. भारतीय बैंक अंतिम उपयोगकर्ताओं के बजाय केवल अपतटीय बाजार निर्माताओं के साथ काम कर रहे हैं। यदि वैश्विक रुपया बाजार को ऑन-शोर्ड करना है, तो भारतीय बैंकों को वैश्विक स्तर पर बाजार निर्माता के रूप में विकसित करने की आवश्यकता होगी।

iv. एफएक्स रिटेल प्लेटफॉर्म का उपयोग अभी भी सीमित रहता है। सभी बैंकों को इसे प्राथमिकता के तौर पर बढ़ावा देना चाहिए, ताकि खुदरा उपयोगकर्ताओं को उचित सौदा मिल सके।

v. क्रेडिट डेरिवेटिव का विकास अभी तक किसी भी सार्थक तरीके से शुरू नहीं हो पाया है। यह काफी हद तक एक कम उपयोग वाला क्षेत्र है।

साथ ही, बाजार सहभागियों को यह समझना चाहिए कि जहां एक विशेषाधिकार कुछ लाभ प्रदान करता है, इसमें जिम्मेदारियां भी शामिल हैं। उदाहरण के लिए, जी-सेक बाजार में बैंकों और प्राथमिक डीलरों के पास हमारी चलनिधि सुविधाओं और अल्पकालिक मुद्रा बाजारों तक विशेष पहुंच है। वे ओटीसी डेरिवेटिव बाजारों में बाजार निर्माता हैं, जिसका अर्थ है कि प्रत्येक इकाई केवल हेजिंग के लिए आपके साथ लेनदेन कर सकती है। इसी तरह, उपयोगकर्ताओं को अपनी बाजार संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए उनसे संपर्क करना होता है। ये विशेषाधिकार प्राथमिक डीलर्स और बैंकों को अपार बाजार शक्ति प्रदान करते हैं, जो उनके विकास के लिए फायदेमंद है।

लेकिन इसके साथ कुछ जिम्मेदारियां भी जुड़ी हैं-

i. यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारियां कि प्रत्येक उपयोगकर्ता के पास वित्तीय बाजारों तक आसान पहुंच हो;

ii. यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारियां कि प्रत्येक उपयोगकर्ता आकार और परिष्कार के बावजूद निष्पक्ष और पारदर्शी शर्तों पर लेनदेन कर सके;

iii. यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारियां कि संगठनात्मक हितों को साध्य करते हुए भी व्यापक विनियामक उद्देश्यों को अक्षरशः और भावना के अनुरूप पूरा किया जा सके।

iv. और बाजार की अखंडता की रक्षा, उसे बढ़ावा देने और उसे बनाए रखने की जिम्मेदारियां।

मुझे विश्वास है, आप अपनी क्षमताओं के अनुसार अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे।

निष्कर्ष

इसी के साथ मैं अपनी बात समाप्त करना चाहूँगा।

इस वर्ष एडम स्मिथ की महान कृति - द वेल्थ ऑफ नेशंस की 250 वीं वर्षगांठ है। स्मिथ की अंतर्दृष्टि और ज्ञान, विशेष रूप से बाजारों के महत्व के बारे में, वर्तमान उथल-पुथल भरे दौर में भी बहुत प्रासंगिक बने हुए हैं।

इसलिए, आरबीआई में हमारी प्राथमिकताएं स्पष्ट हैं। हम वित्तीय बाजारों को और गहरा करना, भागीदारी को व्यापक बनाना और संस्थागत ढांचे को और मजबूत करने का कार्य जारी रखेंगे। हम दक्षता, उपभोक्ता संरक्षण, निष्पक्षता, पारदर्शिता और नैतिक आचरण के लिए प्रयास करना जारी रखेंगे। इस दिशा में, हम उभरते बाजार की जरूरतों का आकलन करना और उन्हें पूरा करने का प्रयास जारी रखेंगे। हम प्रभाव -विस्तार को कम करने और सुव्यवस्थित बाजार स्थितियों को सुनिश्चित करने के लिए यथासमय उचित नीतिगत उपायों को लागू करने के लिए भी तैयार रहेंगे।

लेकिन हम इसे अकेले नहीं कर सकते। वित्तीय लचीलेपन को मजबूत करना एक सामूहिक और साझा जिम्मेदारी है। ट्रेड रिपॉज़िटरी जैसे संस्थानों को जोखिम मूल्यांकन और प्रभावी नीति निर्माण का समर्थन करने के लिए डेटा गुणवत्ता और उपलब्धता में सुधार करना होगा। एफआईएमएमडीए और पीडीएआई को बाजार प्रथाओं, मानकीकरण और अनुशासन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

मुझे विश्वास है कि हम सभी के निरंतर सहयोग से भारतीय वित्तीय बाजार और परिपक्व होंगे। मैं आशावादी हूं कि वे आने वाले वर्षों में गहरे, अधिक कुशल और अधिक गतिशील हो जाएंगे।

इन्हीं शब्दों के साथ, मैं आप सभी को आपके धैर्य के लिए धन्यवाद देता हूं और इस सम्मेलन की बड़ी सफलता की कामना करता हूं। मैं आपके बहुमूल्य सुझावों और नीतिगत इनपुट की प्रतीक्षा कर रहा हूं।

धन्यवाद।

*बढ़ी हुई अनिश्चितता के समय में मौद्रिक नीति - हस्तक्षेप का प्रतिलेख **

श्री संजय मल्होत्रा

सुप्रभात, एडम और मेरे साथी पैनलिस्ट।

सबसे पहले, मैं फेडरल रिजर्व के पूर्व अध्यक्ष एलन ग्रीनस्पैन की बात दोहराना चाहूंगा जिन्होंने कहा था कि "अनिश्चितता केवल मौद्रिक नीति परिदृश्य की एक महत्वपूर्ण विशेषता नहीं है; यह उस परिदृश्य की सबसे खास पहचान है। दूसरे शब्दों में, मौद्रिक नीति में अनिश्चितता ही एकमात्र निश्चितता है।

ऐसा इसलिए है क्योंकि कम अनिश्चितता और अस्थिरता के समय में भी, अर्थव्यवस्था, मौद्रिक नीति संचरण, आर्थिक मॉडल जटिल होते हैं और लगातार बदलते रहते हैं, जो नीति निर्माण में अनिश्चितता लाते हैं।

अत:, केंद्रीय बैंकरों ने अनिश्चितता के साथ काम करना सीख लिया है। मौद्रिक नीति ढांचे में ऐसे अंतर्निहित सिद्धांत हैं, जो उन्हें अनिश्चितता से निपटने में मदद करते हैं।

i. पहला सिद्धांत अनिश्चित समय के दौरान 'सबसे बेहतर स्थिति' के बजाय 'स्थिरता' को प्राथमिकता दी जाए।

ii. दूसरा 'ब्रेनार्ड का एटेन्यूएशन सिद्धांत' है, जो मुख्य रूप से नीति बनाने में धीरे-धीरे बदलाव की बात करता है।

iii. मुद्रास्फीति की प्रत्याशाओं को स्थिर रखना, पारदर्शिता बनाए रखना और प्रभावी व स्पष्ट संवाद यह कुछ अन्य सिद्धांत हैं।

* भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर श्री संजय मल्होत्रा द्वारा 12 मई, 2026 को स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "बढ़ती अनिश्चितता के दौर में मौद्रिक नीति" नामक एक पैनल चर्चा के दौरान अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली पर 12वें उच्च स्तरीय सम्मेलन के एक भाग के रूप में सम्बोधन का ट्रांसस्क्रिप्ट। इस पैनल का संचालन पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स के अध्यक्ष श्री एडम पोसेन ने किया। अन्य पैनलिस्ट में डॉयचे बुंडेसबैंक के अध्यक्ष श्री जोआचिम नागेल; फेडरल रिजर्व बैंक ऑफ न्यूयॉर्क के अध्यक्ष और सीईओ श्री जॉन सी. विलियम्स; और श्री सेंट्रल बैंक ऑफ स्वीडन के गवर्नर एरिक थेडीन शामिल थे।

मैं यह भी बताना चाहूंगा कि भारत में, हम अक्सर आपूर्ति में अचानक कमी या रुकावट के आदी हैं। हमारे सीपीआई बास्केट में खाद्य पदार्थों का हिस्सा लगभग 40 प्रतिशत है। भारतीय कृषि काफी हद तक मानसून पर निर्भर होने के कारण, आपूर्ति के झटके के प्रति संवेदनशील है।

आपूर्ति के झटके एक चुनौती पेश करते हैं - यदि झटका अस्थायी है, तो पहले ही और तेज नीति को सख्त करना, उत्पादन के नुकसान (विकास पूर्व) को बढ़ा सकता है जबकि इसमें देरी करने से मुद्रास्फीति की प्रत्याशा में कमी हो सकती है, जिससे मुद्रास्फीति पर काबू पाना मुश्किल हो जाता है।

आपूर्ति के झटके में, अगर हमें लगता है कि इसका असर कुछ समय के लिए ही है और यह जल्द ही खत्म हो जाएगा, तो हम आम तौर पर इसके शुरुआती असर को नज़रअंदाज़ करने की कोशिश करते हैं। हालांकि, अगर कीमतों में निरंतर वृद्धि से मजदूरी, उत्पादन और परिवहन लागत (दूसरे दौर के प्रभाव) बढ़ जाती है और मुद्रास्फीति का दबाव हर जगह फैलने लगता है, तो इस असर को नज़रअंदाज़ करने का तरीका सही नहीं रहता; जिसके लिए सख्त नीति की आवश्यकता होती है।

महामारी के बाद से और विशेष रूप से रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद, केंद्रीय बैंक नीति निर्माण में अधिक लचीले, बैठक-दर-बैठक दृष्टिकोण की ओर बढ़ गए हैं। अब वे जानकारी के कई अलग-अलग स्रोतों पर निर्भर हैं और तेज़ी से और सही जानकारी के आधार पर निर्णय लेने के लिए उच्च-आवृत्ति डेटा का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके अलावा, हेडलाइन मुद्रास्फीति को लक्षित करते हुए, वे अब हेडलाइन मुद्रास्फीति में कुछ समय के लिए होने वाली तेज़ी और लगातार बनी रहने वाली कोर मुद्रास्फीति के रुझानों के बीच अंतर कर रहे हैं, ताकि बिना ज़रूरत के नीति को सख़्त करने से बचा जा सके।

केंद्रीय बैंकों ने यह भी महसूस किया है कि संरचनात्मक आपूर्ति चुनौतियों का सामना करते हुए, मौद्रिक नीति अकेले आपूर्ति-पक्ष की बाधाओं को संभाल नहीं सकती है। झटकों की प्रकृति और उनके कारणों से निपटने के लिए राजकोषीय और संरचनात्मक नीतियों के साथ मिलकर काम करना आवश्यक है। उदाहरण के लिए, खाद्य मुद्रास्फीति पर प्रभाव डालने वाले

प्रतिकूल आपूर्ति झटकों के मामले में, सरकार को इस तरह की मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न माध्यमों- आयात, जमाखोरी की रोकथाम, खाद्य भंडार और बफर के उपयोग के माध्यम से आपूर्ति बाधाओं को कम करना होगा।

इस प्रकार, मूल्य स्थिरता पर केंद्रित ढांचे बहुत आवश्यक आधार हैं। इसके अलावा, पारंपरिक आर्थिक मॉडल अक्सर अचानक और अभूतपूर्व आपूर्ति व्यवधानों के दौरान विफल हो जाते हैं, जिससे डेटा-निर्भर निर्णय (स्थिति के अनुसार हर बैठक में लिए जानेवाले निर्णय) अधिक महत्वपूर्ण हो जाते हैं। केंद्रीय बैंकों को प्रभावी होने के लिए, मध्यम अवधि के लक्ष्य को नजरंदाज किए बिना झटके के तत्काल प्रभाव से निपटने के लिए पर्याप्त लचीला होना चाहिए।

इसके अलावा, उन्हें अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए अल्पकालिक लक्ष्यों का सख्ती से पालन किए बिना, ट्रेड-ऑफ को स्पष्ट रूप से समझाने की आवश्यकता है। मूल्य स्थिरता केंद्रित ढांचे का भविष्य उन्हें छोड़ने के बजाय उनकी तेज कार्यक्षमता और विश्वसनीयता बढ़ाने में निहित है।

उपरोक्त पृष्ठभूमि को देखते हुए, भारत का नियम-आधारित मौद्रिक नीति ढांचा, जिसमें लचीलेपन के तत्व अंतर्निहित हैं, ने लगातार आने वाले झटकों से निपटने में मदद की है और हमें उभरती परिस्थितियों के आधार पर प्रतिक्रिया देने के लिए लचीलापन प्रदान किया है। मैं यह उल्लेख करना चाहूंगा कि मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण लागू किए जाने के बाद औसत मुद्रास्फीति में लगभग दो प्रतिशत की कमी आई है।

4% के मुद्रास्फीति लक्ष्य के आसपास (+)/(-) 200 आधार अंकों की पर्याप्त व्यापक स्वीकार्य सीमा, मूल्य स्थिरता के मध्यम अवधि के उद्देश्य पर भी ध्यान केंद्रित करते हुए, हमें अल्पावधि में आपूर्ति के झटके से प्रेरित अस्थिरता को समायोजित करने के लिए आवश्यक नीति अंतराल प्रदान करती है। यह ब्याज दर में लगातार बदलाव के बिना अस्थायी झटके के कारण लक्ष्य से विचलन की अनुमति देती है। महामारी जैसे पहले आपूर्ति के झटके के दौरान, यह व्यापक स्वीकार्य सीमा काम आई थी, जब आपूर्ति में व्यवधान के कारण लक्ष्य से हुए अस्थायी विचलन में यह मुद्रास्फीति के ऊपरी स्वीकार्य सीमा से भी ऊपर चली गई थी, इसे विकास को समर्थन देने के लिए नजरअंदाज कर दिया गया था।

तीन तिमाहियों (नौ महीने) की पर्याप्त लंबी लक्ष्य अवधि भी हमें अनिश्चित वातावरण में संचरण चुनौतियों से निपटने के लिए उचित लचीलापन देती है।

वर्तमान ऊर्जा झटके के संबंध में, हमने अप्रैल 2026 के अपने एमपीसी संकल्प में स्पष्ट किया है कि अर्थव्यवस्था आपूर्ति के झटके का सामना कर रही है और बदलती परिस्थितियों और विकसित संवृद्धि-मुद्रास्फीति दृष्टिकोण को देखते हुए प्रतीक्षा करना और उसपर नजर रखना विवेकपूर्ण हो सकता है।

हम पारदर्शी रहे हैं और हमने उन शर्तों के बारे में सूचित किया है जिनके लिए मौद्रिक नीति को सख्त बनाने की आवश्यकता होगी।

ऐसा कहा जा रहा है कि, हम जानते हैं कि वैश्विक स्थिति अभी भी बदल रही है, और इसके व्यापक आर्थिक निहितार्थ अभी भी सामने आ रहे हैं। हम इस बात पर कड़ी नजर रख रहे हैं कि क्या और कब आपूर्ति का झटका सामान्य मूल्य स्तर में अंतर्निहित हो सकता है जिससे मौद्रिक नीति के तहत कदम उठाने की आवश्यकता पढ सकती है। हम जून 2025 से तटस्थ रुख अपनाए हुए हैं, जो हमें अपने दृष्टिकोण में लचीलापन बनाए रखने और आने वाले डेटा और सूचनाओं पर विवेकपूर्ण प्रतिक्रिया देने की सुविधा देता है।

संक्षेप में, आपूर्ति के झटके और अनिश्चितता का सामना करते हुए, यह महत्वपूर्ण है कि मूल्य स्थिरता पर केंद्रित नीतिगत ढांचे इतने लचीले हों कि केंद्रीय बैंक चुस्त और लचीले बने रहते हुए, कुछ समय के लिए आने वाले झटकों को नज़रअंदाज़ कर सकें, एक व्यापक नीतिगत रुख अपनाएं और नीति के भविष्य के पथ पर दृढ़ प्रतिबद्धताएं बनाने से बचे। ऐसी परिस्थितियों में, ज्यादा से ज्यादा डेटा पर निर्भर होना और जोखिमों के संतुलन का लगातार पुनर्मूल्यांकन करना ही व्यापक दृष्टिकोण है। झटकों को नज़रअंदाज़ करना है या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि मुद्रास्फीति कितने समय तक रहती है और क्या यह पूरी अर्थव्यवस्था में फैल गई है।`

*शिक्षा, निर्णय और जन-हित – बैंकिंग से सबक**

श्री स्वामीनाथन जे.

इस अवसर पर मद्रास स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के अध्यक्ष डॉ. सी. रंगराजन, मद्रास स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के निदेशक डॉ. एन. आर. भानुमूर्ति, सदर्न इंडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री वी. एन. शिवा शंकर, स्वर्गीय श्री जी. रामचंद्रन के परिवार के सदस्य, उद्योग, शिक्षा और बैंकों के विशिष्ट अतिथि, सम्मानित संकाय सदस्य, कर्मचारी और प्रिय छात्रों, देवियों और सज्जनों। आप सभी को सुप्रभात।

जी. रामचंद्रन स्मृति व्याख्यान देना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं विशेषाधिकार शब्द का इस्तेमाल सोच-समझकर कर रहा हूँ क्योंकि यह मौका तीन अहम मूल्यों को एक साथ लाता है: एक प्रतिष्ठित जन-सेवक की स्मृति, मद्रास स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स का बौद्धिक माहौल, और सदर्न इंडिया चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की लंबी संस्थागत विरासत।

श्री जी. रामचंद्रन उस पीढ़ी से थे जिन्होंने आज़ादी के बाद के दशकों में भारत के आर्थिक और वित्तीय संस्थानों को आकार देने में मदद की। मद्रास विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में प्रथम श्रेणी में प्रथम और सिविल सेवाओं के लिए अखिल भारतीय परीक्षा में अव्वल रहने के बाद, उन्होंने तमिलनाडु में बेहतरीन काम किया, वहाँ के सबसे कम उम्र के वित्त सचिव बने, बाद में उन्हें प्रधानमंत्री सचिवालय के लिए चुना गया, और आखिरकार वे भारत सरकार के वित्त सचिव बने। वे बैंकों के राष्ट्रीयकरण और गरीबी उन्मूलन जैसे बड़े आर्थिक नीतिगत उपायों से निकटता से जुड़े हुए थे, और बाद में एशियाई विकास बैंक के कार्यकारी निदेशक के रूप में सेवानिवृत्त हुए। उनका करियर हमें याद दिलाता है कि अर्थशास्त्र और सार्वजनिक नीति का असली मतलब लोगों, संस्थानों और व्यापक अर्थव्यवस्था पर उनके असर से ही तय होता है।

मैं डॉ. सी. रंगराजन की मौजूदगी का भी अत्यंत सम्मान और प्रशंसा के साथ ज़िक्र करना चाहता हूँ। भारतीय आर्थिक सोच, मौद्रिक नीति, वित्तीय क्षेत्र में सुधार और संस्था-निर्माण में उनके योगदान का हमारे आर्थिक इतिहास में एक विशिष्ट स्थान है। रिज़र्व बैंक में उनके लंबे कार्यकाल के दौरान उनकी विद्वता, सही निर्णय लेने की क्षमता और संस्थागत प्रतिबद्धता की चर्चा आज भी होती है। आज उनकी मौजूदगी में बोलना मेरे लिए सम्मान की बात है, और इस मौके की गरिमा बढ़ाने के लिए हम उनके आभारी हैं।

मैं आज प्रख्यात अर्थशास्त्रियों और अर्थशास्त्र के छात्रों की उपस्थिति में बोल रहा हूं। मैं एक पेशेवर अर्थशास्त्री के रूप में नहीं, बल्कि एक कैरियर बैंकर और बैंकिंग पर्यवेक्षक के रूप में यह कहता हूं। इसलिए मेरा दृष्टिकोण एक अभ्यासी का है। मैं आर्थिक सिद्धांत का बहुत सम्मान करता हूँ। जब सिद्धांत वास्तविकता से मिलता है तो जो होता है, उसके लिए मेरा सम्मान और भी ज़्यादा है।

आज मैं जिस विषय पर बात करना चाहता हूँ, वह है शिक्षा, निर्णय और पर्यवेक्षण अर्थात मेरे बैंकिंग करियर से मिली सीख है। मेरा मुख्य विषय यह है कि बैंकिंग को केवल संख्याओं, मॉडल या विनियमों के माध्यम से नहीं समझा जा सकता है, हालांकि तीनों महत्वपूर्ण हैं। इसे अनुभव, संस्थागत व्यवहार और सेवा के लिए वित्त है - इस सार्वजनिक उद्देश्य के माध्यम से भी समझा जाना चाहिए।

इस लिहाज़ से, बैंकिंग में मेरे कार्यकाल ने मुझे तीन तरह की शिक्षा दी है: कक्षा की शिक्षा, बैंकिंग काउंटर की शिक्षा, और पर्यवेक्षण की शिक्षा। हर एक का अपना अलग नज़रिया है, और इन तीनों ने मिलकर मुझे बैंकिंग को ज़्यादा बेहतर ढंग से समझने में मदद की है। मैं इसी अनुभव को विशेष रूप से, यहाँ मौजूद छात्रों के साथ साझा करना चाहता हूँ।

* 30 अप्रैल, 2026 को मद्रास स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स, चेन्नई में भारतीय रिज़र्व बैंक के उप गवर्नर श्री स्वामीनाथन जे. द्वारा 12वां जी. रामचंद्रन स्मारक व्याख्यान दिया गया।

कक्षा

मैं कक्षा से शुरू करता हूं। अर्थशास्त्र से मेरा पहला परिचय स्कूल और कॉलेज में परीक्षा के पेपर के माध्यम से हुआ। इसके विषय कई मायनों में हमेशा प्रासंगिक थे जैसे मांग और आपूर्ति, धन और बैंकिंग, सार्वजनिक वित्त, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, राष्ट्रीय आय और व्यवसाय चक्र। बहुत से छात्रों की तरह, मैं भी इन्हें इतना समझता था कि परीक्षा दे सकूं। लेकिन मुझे नहीं लगता कि उस समय मुझे पूरी तरह से अंदाज़ा था कि आगे चलकर ये विषय बैंकिंग और वित्त के बारे में मेरी समझ को कितनी गहराई से प्रभावित करेंगे।

जब मैंने बैंकिंग के क्षेत्र में कदम रखा, तब इनमें से कई बातें असल ज़िंदगी से जुड़ीं। मांग और आपूर्ति अब सिर्फ़ पाठ्यपुस्तक में बने ग्राफ़ नहीं रह गए थे। उन्हें ऋण की मांग, धन के मूल्य और उधारकर्ताओं के व्यवहार में देखा जा सकता था। धन और बैंकिंग, जो कभी पाठ्यक्रम का एक विषय हुआ करता था, अब वह दुनिया बन गया जिसमें मैंने रोज़ काम किया।

इसीलिए, पीछे मुड़कर देखने पर मैं कहता हूं कि अर्थशास्त्र की अच्छी शिक्षा एक बहुत ताकतवर चीज़ है। यह आपको ऐसे सवाल पूछना सिखाती है जो देखने में तो सरल होते हैं, लेकिन उनके नतीजे बहुत गहरे होते हैं। प्रोत्साहन क्या हैं? लागत कौन उठाता है? लाभ किसे मिलता है? अगर कोई नियम बदल जाए तो क्या होगा? अनपेक्षित परिणाम क्या हो सकते हैं? किस चीज़ की तुलना में?

बैंकिंग का ही उदाहरण लें। बैंक सिर्फ़ एक इमारत, तुलन पत्र या आपके फ़ोन पर मौजूद कोई ऐप नहीं है। बैंक वादों का एक समूह है। यह जमाकर्ताओं से वादा करता है कि उनका पैसा सुरक्षित रहेगा और ज़रूरत पड़ने पर मिल जाएगा। यह उधारकर्ताओं से वादा करता है कि उन्हें उचित शर्तों पर ऋण मिलेगा। यह शेयरधारकों से वादा करता है कि उनकी पूंजी का सावधानीपूर्वक प्रबंधन किया जाएगा। यह विनियामक से वादा करता है कि वह विवेकपूर्ण तरीके से काम करेगा। आख़िर में, भारत जैसे देश में बैंकों से समावेशी आर्थिक विकास में सहयोग करने के लिए विकास से जुड़ी व्यापक उम्मीदें भी होती हैं।

अर्थशास्त्र हमें इन वादों को समझने में मदद करता है। यह हमें नैतिक जोखिम, प्रतिकूल चयन, जानकारी में असमानता और प्रणालीगत जोखिम जैसी अवधारणाएं प्रदान करता है।

ये सिर्फ़ किताबी बातें नहीं हैं। ये बैंकिंग में रोज़मर्रा की वास्तविकताएं हैं।

नैतिक खतरा तब होता है जब कोई संस्था बहुत ज़्यादा जोखिम उठाती है क्योंकि उसे लगता है कि इसके परिणाम कोई और भुगतेगा। प्रतिकूल चयन तब होता है जब ऋणदाता अच्छे और बुरे जोखिमों के बीच पूरी तरह अंतर करने में असमर्थ होता है और कमज़ोर आस्ति गुणवत्ता वाले लोगों को ऋण दे बैठता है। सूचना विषमता तब आती है जब बैंक को उधारकर्ता की वास्तविक वित्तीय स्थिति का पता नहीं चल पाता। प्रणालीगत जोखिम तब पैदा हो सकती है जब एक संस्था की विफलता से कई अन्य संस्थाओं में जनता का विश्वास डगमगा जाए।

कक्षा हमें इन वास्तविकताओं को समझने की भाषा देती है। अभ्यास हमें सिखाता है कि असल ज़िंदगी में ये कैसे दिखते हैं। वित्तीय प्रणाली सिर्फ़ चर से नहीं बनी है। यह लोगों, संस्थाओं, प्रोत्साहनों, आदतों, संस्कृतियों, याद, भय और कभी-कभी लालच से बनती है। इसीलिए कक्षा, भले ही कितनी भी मूल्यवान क्यों न हो, अनुभव के बिना अधूरी है।

काउंटर

अब मैं दूसरी शिक्षा पर आता हूँ, वह है काउंटर।

मेरी पीढ़ी के कई बैंकरों के लिए, बैंकिंग की शुरुआत एक शाखा से हुई। काउंटर पर ग्राहक, अलग-अलग रंगों के वाउचर, बहीखाता, नकदी बुक, कागजी फाइलों में ऋण आवेदन, साइट विज़िट और क्रेडिट प्रस्ताव, जिनकी जाँच कक्षा के अभ्यास की तरह नहीं, बल्कि वास्तविक व्यवहार में की जानी थी। यह वह दौर भी था जब बैंकिंग बदल रही थी। डॉ. रंगराजन की समितियों[1] की सिफ़ारिशों ने बैंकों में कंप्यूटरीकरण के शुरुआती दौर को लाने में मदद की और एएलपीएम[2] उस परिवर्तन के दृश्यमान प्रतीकों में से एक बन गया।

[1] बैंकिंग उद्योग में मशीनीकरण पर समिति (अध्यक्ष: डॉ. सी. रंगराजन, 1984), बैंकों में कंप्यूटरीकरण पर समिति (अध्यक्ष: डॉ. सी. रंगराजन, 1988)।

[2] 1980 के दशक के दौरान भारतीय बैंकों में बहीखाता रखरखाव और शाखा-स्तरीय बैंकिंग संचालन को स्वचालित करने के लिए पेश किए गए एएलपीएम, या एडवांस्ड लेजर पोस्टिंग मशीन एकल-उपयोगकर्ता कंप्यूटर प्रणाली थे।

लेकिन आज मेरा विषय कंप्यूटरीकरण नहीं है। यह किसी ज़्यादा बुनियादी और शायद ज़्यादा लंबे समय तक चलने वाली चीज़ के बारे में है। बैंकिंग में पहला सबक जो कोई सीखता है, वह यह है कि यह सिर्फ़ पैसा, लेखांकन या प्रक्रियाओं के बारे में नहीं है। यह सही फ़ैसला लेने के बारे में है।

क्रेडिट भविष्य के बारे में एक निर्णय है। क्या यह ऋण उधारकर्ता चुकाएगा? क्या यह व्यवसाय उतना नकदी प्रवाह उत्पन्न करेगा जितना उसने अनुमान लगाया है? क्या संपार्श्विक का मूल्य वही है जितना बताया गया है? क्या प्रमोटर हकीकत को देख रहा है, उम्मीद से ज़्यादा सोच रहा है, या बहुत ज़्यादा विस्तार करने की कोशिश कर रहा है?

इन सवालों का पक्का जवाब नहीं दिया जा सकता, क्योंकि ऋण का संबंध भविष्य से होता है और जानकारी लगातार बदलती रहती है। जोखिम अक्सर सूक्ष्म तरीकों से सामने आते हैं: जैसे उधारकर्ता अपने खाते कैसे प्रस्तुत करता है, प्रोजेक्ट रिपोर्ट के पीछे क्या सोच है, या रिलेशनशिप मैनेजर का उत्साह कैसा है। इनके लिए विश्लेषण की ज़रूरत होती है, लेकिन साथ ही लोगों, बाज़ारों और संस्थानों की समझ और अंतर्ज्ञान की भी ज़रूरत होती है।

काफ़ी सारे ऋण प्रस्ताव, उधारकर्ता के साथ बैठक और क्रेडिट समिति की चर्चाओं को देखने के बाद, कुछ संकेत समझ में आने लगते हैं। कोई व्यवसाय जो कागज़ पर तो लाभदायक है लेकिन उसमें हमेशा नकदी की कमी रहती है; उधारकर्ता जो हर देरी को अस्थायी बताता है; क्रेडिट प्रस्ताव जो नकद प्रवाह की तुलना में संपार्श्विक पर अधिक निर्भर करता है, एक ऋण बुक जो बैंक की निगरानी क्षमता से तेज़ी से बढ़ती है, ये सभी बातें कुछ न कुछ बताती हैं। इनमें से कोई भी संकेत अपने आप में सबूत नहीं है। लेकिन हर संकेत रुकने, बेहतर सवाल पूछने और गहराई से जाँच करने का इशारा देता है।

काउंटर आपको प्रस्तुति और वास्तविकता के बीच अंतर सिखाता है। लेखापरीक्षित तुलन पत्र और सूचना ज्ञापन उपयोगी हैं, लेकिन वे ही पूरा व्यवसाय नहीं हैं। व्यवसाय कारखाने में, दुकान के फर्श पर, बाजार में, आपूर्ति श्रृंखला में, प्रबंधन की गुणवत्ता में और लिए गए निर्णयों में होता है। इसलिए बैंकर का काम शक करना नहीं है, बल्कि जिज्ञासु होना है।

यहीं से कोई व्यक्ति अर्थशास्त्र और बैंकिंग के विज्ञान के साथ-साथ उसकी कला को भी समझने लगता है। संख्या, अनुपात और मॉडल ज़रूरी हैं। वे अनुशासन लाते हैं, तुलना की अनुमति देते हैं और हमें सिर्फ़ अंतर्ज्ञान पर निर्भर रहने से बचाते हैं। लेकिन वे खुद अपनी व्याख्या नहीं करते। एक सटीक विज्ञान के विपरीत, बैंकिंग का वास्ता लोगों, फ़र्मों, संस्थानों और अनिश्चितता से होता है। वर्तमान अनुपात हमें चलनिधि के बारे में कुछ बता सकता है, लेकिन उधारकर्ता के तनाव प्रबंधन की क्षमता के बारे में सब कुछ नहीं बता सकता। ऋण-इक्विटी अनुपान हमें उत्तोलन के बारे में कुछ बता सकता है, लेकिन प्रबंधन की गुणवत्ता के बारे में सब कुछ नहीं। एक पुनर्भुगतान ट्रैक रिकॉर्ड हमें पिछले व्यवहार के बारे में कुछ बता सकता है, लेकिन भविष्य में मुश्किल हालात का सामना करने की क्षमता के बारे में हमेशा पर्याप्त जानकारी नहीं देता।

यह अर्थशास्त्र के छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण सबक है। संस्थाओं और कंपनियों को सिर्फ़ रिपोर्ट किए गए आंकड़ों से नहीं समझा जा सकता। आंकड़े एक कहानी बताते हैं, लेकिन यह पूछना सीखना चाहिए कि उनके पीछे क्या है: क्या मुनाफ़े को नकदी प्रवाह का सहारा है और क्या विकास क्षमता द्वारा समर्पित है, क्या जोखिम को समझा गया है या वह सबके सामने छिपा हुआ है, और क्या अनुशासन एक असल अभ्यास है या सिर्फ़ एक औपचारिक संरचना है।

काउंटर वित्त के मानवीय पहलू को भी सिखाता है। हर ऋण खाते के पीछे सिर्फ़ एक उधारकर्ता ही नहीं, बल्कि एक कहानी भी होती है। कभी-कभी यह असली व्यवसाय के मुश्किलों की कहानी होती है जैसे एक अच्छी कंपनी जो अपने नियंत्रण से बाहर के झटके से प्रभावित हुई हो। कभी-कभी यह गलत फ़ैसलों की कहानी होती है जैसे बहुत तेज़ी से विस्तार करना, आसानी से कर्ज़ लेना, या अच्छे समय में जोखिम को कम आंकना। बेशक, कभी-कभी यह जानबूझकर की गई कदाचार की कहानी भी होती है। एक बैंकर को इन स्थितियों के बीच अंतर करना सीखना चाहिए, इसलिए नहीं कि कर्ज़ चुकाने का अनुशासन कम ज़रूरी है, बल्कि इसलिए कि कारण को समझने से बेहतर तरीके से प्रतिक्रिया देने में मदद मिलेगी।

काउंटर की यह शिक्षा बहुत अमूल्य है। यह बैंकर को अनुभव, समझ और जोखिम का एहसास देती है। लेकिन एक बैंकर आमतौर पर जोखिम को अपनी संस्था के नज़रिए से देखता है। पर्यवेक्षक को उसी संस्था को प्रणाली के नज़रिए से देखना

चाहिए। नज़रिए में यह बदलाव हमें तीसरी शिक्षा तक ले जाता है, वह है पर्यवेक्षण और जनहित की शिक्षा।

पर्यवेक्षक का दृष्टिकोण

जब कोई पर्यवेक्षण की ओर बढ़ता है, तो दृष्टिकोण बदल जाता है। एक बैंकर स्वाभाविक रूप से विकास, लाभप्रदता, ग्राहक संबंधों और प्रतिस्पर्धा स्थिति के बारे में सोचता है। एक पर्यवेक्षक सुरक्षा, सुदृढ़ता, अनुशासन और व्यापक जनहित के बारे में सोचता है।

इसका मतलब यह नहीं है कि पर्यवेक्षक बैंक चलाने की मुश्किलों के प्रति उदासीन है। इसके विपरीत, अच्छे पर्यवेक्षण के लिए उन मुश्किलों को समझना ज़रूरी है। बैंकिंग में अनिश्चितता होती है। इसमें जोखिम उठाना, रिश्तों का प्रबंधन करना, विकसित जानकारी के साथ निर्णय लेना और प्रतिस्पर्धा का सामना करना शामिल है। लेकिन पर्यवेक्षक की ज़िम्मेदारी अलग होती है। पर्यवेक्षक को न सिर्फ़ यह पूछना चाहिए कि क्या बैंक सफल है, बल्कि यह भी कि क्या वह सुरक्षित और स्वस्थ है।

यह फ़र्क महत्वपूर्ण है। कोई बैंक कुछ समय के लिए सफल दिख सकता है क्योंकि वह तेज़ी से बढ़ रहा है, बाजार शेयर हासिल कर रहा है और अच्छा मुनाफ़ा दिखा रहा है। पर्यवेक्षक का काम सतह के नीचे देखना और संस्था के बारे में एक स्वतंत्र दृष्टिकोण बनाना है।

सच तो यह है कि पर्यवेक्षक का काम समझना हमेशा आसान नहीं होता। पर्यवेक्षण बैंकों पर कुछ शर्तें लागू करता है। यह जानकारी मांगता है, प्रणाली की समीक्षा करता है, कामकाज के तरीकों पर सवाल उठाता है और कभी-कभी ऐसे बदलाव की आवश्यकता होती है जो बोझिल लग सकते हैं।

पर्यवेक्षण की लागत अक्सर साफ़ दिखाई देती है। यह अनुपालन समूहों के आकार, रिपोर्ट, लेखापरीक्षा, प्रौद्योगिकी प्रणालियों और प्रबंधन अवधि के आकार में दिखाई देते हैं। हालाँकि, इसके लाभ को मापना बहुत मुश्किल है। जो संकट आया ही नहीं, उसे कैसे मापा जाए? बैंक से अचानक बड़ी मात्रा में पैसे निकाले जाने की स्थिति को टालने, जमाकर्ता की सुरक्षा करने, धोखाधड़ी रोकने या किसी नियंत्रण अंतर को एक प्रणालीगत बड़ी समस्या बनने से पहले ठीक करने संबंधी मूल्य की गणना कैसे की जाए?

अच्छे पर्यवेक्षण का यही विरोधाभास है। जब यह ठीक से काम करता है, तो अक्सर इस पर कम ध्यान दिया जाता है, ज़्यादा नहीं। इसका मकसद सुर्खियाँ बटोरना नहीं है। इसका मकसद चुपचाप भरोसा बनाए रखना है, ताकि परिवार अपनी बचत बैंकों में रख सकें, कारोबारियों को ऋण मिल सके और वित्तीय प्रणाली अस्थिरता का कारण बने बिना वास्तविक अर्थव्यवस्था को सहारा दे सके।

इसीलिए पर्यवेक्षण को सिर्फ़ औपचारिक अनुपालन से परे देखना चाहिए। अनुपालन यह देखता है कि नियम का पालन हुआ है या नहीं। पर्यवेक्षण यह देखता है कि क्या अंतर्निहित जोखिम को समझा गया है और उसका समाधान किया गया है।

एक बैंक के पास आवश्यक समितियां, नीतियां और रिपोर्ट हो सकती हैं, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या ये तंत्र प्रभावी हैं। क्या जोखिमों को समय पर पहचाना जा रहा है? क्या ऋणों की सही निगरानी की जा रही है? क्या शासन संरचनाएं कठिन प्रश्न पूछ रही हैं? क्या विकास ध्वनि हामीदारी द्वारा समर्थित है? ये सवाल इसलिए मायने नहीं रखते हैं क्योंकि पर्यवेक्षक उन्हें पूछने का आनंद लेते हैं, बल्कि इसलिए कि एक संस्था में अनियंत्रित कमजोरी कई अन्य लोगों पर लागत लगा सकती है।

इस नज़रिए से देखें तो बैंकिंग पर पर्यवेक्षण कोई बाधा नहीं, बल्कि उस नीव का हिस्सा है जिससे बैंकिंग को लोगों का भरोसा मिलता है।

कम पर्यवेक्षण वाली प्रणाली कुछ समय के लिए तो कुशल लग सकती है, क्योंकि इसमें लागत कम होती है और विकास तेज़ी से हो सकता है। लेकिन अगर वह विकास कमज़ोर अनुशासन, खराब क्रेडिट मानकों या छिपे हुए जोखिमों पर टिका हो, तो अंतिम लागत न केवल शेयरधारकों या प्रबंधन द्वारा वहन की जाती है, बल्कि जमाकर्ताओं, उधारकर्ताओं, करदाताओं और व्यापक अर्थव्यवस्था द्वारा वहन की जाती है। पर्यवेक्षण का सही मूल्य ऐसे परिणामों की संभावना और गंभीरता को कम करने में निहित है।

अर्थशास्त्र के छात्रों के लिए, यह सार्वजनिक नीति में भी एक महत्वपूर्ण सबक है। कुछ सार्वजनिक वस्तुओं का मूल्य तय करना मुश्किल है क्योंकि उनका सबसे बड़ा मूल्य रोकथाम में निहित है। वित्तीय स्थिरता ऐसी ही एक सार्वजनिक वस्तु है। मौजूद होने पर इसे हल्के में लिया जाता है, लेकिन इसकी अनुपस्थिति बहुत ज़्यादा उथल-पुथल मचा देती है। बैंकिंग पर्यवेक्षण उन संस्थागत

तरीकों में से एक है जिसके माध्यम से उस सार्वजनिक वस्तुओं की रक्षा की जाती है।

सबको एक साथ लाना

आइए, अब इन सभी बातों को एक साथ जोड़ते हैं। कक्षा, काउंटर और पर्यवेक्षी दृष्टिकोण अलग-अलग दुनिया के लग सकते हैं। लेकिन असल में, वे गहराई से जुड़े हुए हैं। कक्षा हमें स्पष्ट रूप से सोचने में मदद करती है। काउंटर हमें ध्यान से देखने का मौका देता है। पर्यवेक्षण हमें निकटतम संस्थान से परे व्यापक प्रणाली को देखने में सक्षम बनाता है।

इस कमरे में मौजूद छात्रों के लिए, मैं तीन आसान बातें कहना चाहूँगा।

पहली बात, अपनी औपचारिक शिक्षा को गंभीरता से लें। अवधारणाएँ मायने रखती हैं। फ्रेमवर्क मायने रखते हैं। प्रोत्साहन, ट्रेड-ऑफ़ और आप जिस किसी भी क्षेत्र में जाएँगे, अनपेक्षित परिणामों के बारे में सोचने की क्षमता आपको काम आएगी।

दूसरी बात, केवल अवधारणाओं तक ही सीमित न रहें। यह भी देखें कि संस्थाएँ असल में कैसे काम करती हैं। यह समझें कि निर्णय कैसे लिए जाते हैं, जोखिम कैसे उठाए जाते हैं, संगठनों के अंदर रिवॉर्ड स्ट्रक्चर कैसे काम करते हैं, और नीति को व्यवहार में कैसे लागू किया जाता है।

तीसरी बात, याद रखें कि वित्त का असर तुलन पत्र से कहीं ज़्यादा होता है। ऋण से जुड़े निर्णय व्यवसाय, लोगों की आजीविका और विकास पर असर डालते हैं। किसी एक वित्तीय संस्थान में कमज़ोर अनुशासन का असर उन लोगों पर भी पड़ सकता है जिनका उस कमज़ोरी को पैदा करने में कोई हाथ नहीं था। इसलिए, मज़बूत वित्त न केवल लाभप्रदता का मामला है, बल्कि ज़िम्मेदारी का भी मामला है।

आप जिस दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं, वह बैंकरों और प्रशासकों की पिछली पीढ़ियों की दुनिया से बहुत अलग है। बैंकिंग ज़्यादा डिजिटल, ज़्यादा डेटा-संचालित और ज़्यादा परस्पर जुड़ी हुई होती जा रही है। क्रेडिट अब प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए भी दिया जा सकता है। भुगतान तुरंत हो जाते हैं। एल्गोरिदम ऋण देने के निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं। वित्तीय मध्यस्थता में गैर-बैंक संस्थाओं की भूमिका बढ़ती जा रही है।

ये परिवर्तन अपार संभावनाएं लाते हैं। इनसे पहुँच बढ़ सकती है, लागत कम हो सकती है और काम करने की क्षमता बेहतर हो सकती है। लेकिन इनसे नए सवाल भी खड़े होते हैं: क्या ग्राहक के साथ उचित व्यवहार किया जा रहा है? क्या मॉडल समझने लायक है? क्या जवाबदेही साफ़ है? क्या जोखिमों की पहचान समय रहते की जा रही है?

इन सवालों का जवाब सिर्फ़ तकनीक से नहीं मिल सकता। इनके लिए सही समझ और निर्णय लेने की क्षमता की ज़रूरत होती है। इनके लिए संस्थागत अनुशासन की ज़रूरत होती है। इनके लिए इस बात को विनम्रता से स्वीकार करने की ज़रूरत होती है कि हम क्या नहीं जानते। और सबसे बढ़कर, इनके लिए जन-सेवा की भावना की ज़रूरत होती है।

मेरे विचार से, श्री जी. रामचंद्रन के जीवन और कार्य की अहमियत भी यही है। वे उस पीढ़ी से थे जिसे संस्थाएँ बनाने का काम सौंपा गया था, न कि सिर्फ़ उन्हें चलाने का। उन्होंने ऐसे समय में काम किया जब आर्थिक नीति राष्ट्र निर्माण के काम से अलग नहीं थी। उस समय उपलब्ध साधन अलग थे, चुनौतियाँ अलग थीं, और वित्तीय प्रणाली आज की तुलना में बहुत कम जटिल थी। लेकिन मुख्य सवाल वही है: हम यह कैसे सुनिश्चित करें कि वित्त अर्थव्यवस्था और लोगों की ज़रूरतों को पूर करता है?

हर पीढ़ी को इस सवाल का जवाब अपने तरीके से देना होता है। श्री रामचंद्रन की पीढ़ी ने संस्थाएँ बनाकर, लोक प्रशासन और अहम नीतिगत निर्णयों के ज़रिए इसका जवाब दिया। आज की पीढ़ी को इसका जवाब सही विनियमन, ज़िम्मेदार नवोन्मेष, बेहतर अनुशासन और एक ऐसी वित्तीय प्रणाली के ज़रिए देना होगा जो अस्थिरता का कारण बने बिना विकास में मदद करे। आपकी पीढ़ी को इसका जवाब ऐसे तरीकों से देना होगा जो शायद अभी हमें पूरी तरह दिखाई न दे रहे हों, लेकिन जिनके लिए ज्ञान, सही समझ और जन-हित के उद्देश्य के समान संयोजन की ज़रूरत होगी।

भविष्य की वित्तीय प्रणाली के लिए तकनीकी कौशल की ज़रूरत होगी, लेकिन इसके लिए कुछ अधिक की आवश्यकता होगी। इसके लिए ऐसे लोगों की आवश्यकता होगी जो ज्ञान को निर्णय के साथ और महत्वाकांक्षा को सार्वजनिक उद्देश्य के साथ जोड़ सकें।

इस संदर्भ में, ज्ञान के अनुप्रयोग के बारे में तिरुवल्लुवर की एक सटीक कहावत याद आती है:

கற்க கசடறக் கற்பவை கற்றபின்

நிற்க அதற்குத் தக. (391)

"जो सीखना चाहिए उसे अच्छी तरह सीखें, और आपका आचरण उस सीख के अनुरूप हो।"

इसी भावना के साथ हम आज श्री जी. रामचंद्रन को याद कर रहे हैं। उनका करियर हमें याद दिलाता है कि जन-सेवा को सिर्फ़ हासिल की गई शिक्षा या संभाले गए पदों से ही नहीं मापा जाता, बल्कि उन संस्थाओं से भी मापा जाता है जिन्हें मज़बूत करने में किसी ने मदद की हो, और उस बड़े मकसद से भी जिसे पूरा करने के लिए काम किया हो।

मैं मद्रास स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स, सदर्न इंडिया चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और श्री जी. रामचंद्रन के परिवार का आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे यह स्मारक व्याख्यान देने का सम्मान दिया। धन्यवाद। जय हिंद।

*भारत में मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण: अतीत, वर्तमान और भविष्य**

- डॉ. पूनम गुप्ता

एनसीईआर में भारत की वर्तमान मौद्रिक नीति ढांचे पर बोलना मेरे लिए हर्ष का विषय है। मेरे विचार इस बात पर केंद्रित हैं कि कैसे मौजूदा ढांचे ने पिछले एक दशक के दौरान विकास किया है, आज यह किस स्थिति में है, और वे मुद्दे क्या हैं जो पांच वर्ष बाद इसके अगले संस्करण को आकार दे सकते हैं।

जैसा कि आप जानते हैं, भारत सरकार ने 25 मार्च, 2026 को एक राजपत्र अधिसूचना जारी की है, जिसमें मौजूदा मुद्रास्फीति लक्ष्य अर्थात 4 प्रतिशत को ±2 प्रतिशत की सहनशीलता सीमा के साथ पांच वर्षों के लिए नवीनीकृत किया गया है, जिससे वर्तमान मुद्रास्फीति लक्ष्य (आईटी) के अधिदेश को मार्च 2031 तक बढ़ा दिया गया है। यह नवीनीकरण, जिसमें ढांचे की सभी विशेषताओं को बरकरार रखा गया है, केवल निरंतरता पर ही नहीं, बल्कि इस बात पर भी विचार करने के लिए आमंत्रित करता है कि एक दशक के अनुभव ने हमें क्या सिखाया है और भविष्य में किन सुधारों, यदि किसी की, की आवश्यकता हो सकती है।

मेरे विचार निम्नलिखित क्रम में व्यवस्थित हैं। मैं फ्रेमवर्क की संरचना और मौद्रिक नीति के निर्णयों एवं परिणामों के एक दशक का संक्षिप्त विवरण देते हुए प्रारंभ करती हूँ। इसके उपरांत, मैं नवीनतम समीक्षा में अपनाई गई जन परामर्श प्रक्रिया की ओर बढ़ता हूँ, जिसमें उन चार प्रश्नों पर केंद्रित रहते हुए, जिनके आधार पर इसे संरचित किया गया था, प्रत्येक के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय साक्ष्यों तथा प्राप्त प्रतिपुष्टि को प्रस्तुत किया गया है। अंत में, मैं उन कुछ मुद्दों पर स्पर्श करूँगी जिन पर विचार किए जाने की आवश्यकता हो सकती है, जब वर्ष 2031 में इस फ्रेमवर्क की अगली समीक्षा होगी।

1. फ्रेमवर्क की संरचना और मौद्रिक नीति के निर्णयों एवं परिणामों का एक दशक

भारत का मौद्रिक नीति फ्रेमवर्क पिछले दशकों के दौरान घरेलू समष्टि आर्थिक वास्तविकताओं के साथ-साथ वैश्विक सर्वोत्तम पद्धतियों[1] में हुई प्रगति के अनुरूप निरंतर विकसित होता रहा है। एक अधिक मौलिक पुनर्विचार के लिए प्रेरणा 2010 के दशक की शुरुआत में उस समय उभरने लगी, जब भारत में मुद्रास्फीति ऐतिहासिक औसत और अन्य समकक्ष अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कहीं अधिक थी, जो मौद्रिक नीति[2] के लिए एक मजबूत और स्पष्ट सांकेतिक आधार की आवश्यकता को रेखांकित करती थी। इस समय तक, कई देशों ने मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण को सफलतापूर्वक लागू कर लिया था और इसके प्रभावों को व्यापक रूप से अनुकूल आंका गया था। भारत ने भी इसे अपनाने के लिए उपयुक्त फ्रेमवर्क[3] के रूप में देखना शुरू कर दिया।

मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण को मई 2016 में भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 में संशोधन के द्वारा औपचारिक रूप से संस्थागत स्वरूप प्रदान किया गया। भारतीय रिज़र्व बैंक को भारत में मौद्रिक नीति संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई, जिसका प्राथमिक उद्देश्य "संवृद्धि के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए मूल्य स्थिरता बनाए रखना" है।

रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45ज़ेडए यह अनिवार्य करती है कि "केंद्रीय सरकार, बैंक के परामर्श से, प्रत्येक पांच वर्ष में एक बार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के संदर्भ में मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारित करेगी"। सरकार ने प्रारंभ में वर्ष 2016 से 2021 की अवधि के लिए 4 प्रतिशत की मुद्रास्फीति लक्ष्य को +/- 2 प्रतिशत की सहनशीलता सीमा के साथ अधिसूचित किया था। मार्च 2021 में समीक्षा के पश्चात, इस लक्ष्य को वर्ष 2021 से 2026 तक की अगली पांच वर्षीय अवधि के लिए बनाए रखा गया। दूसरी

*भारतीय रिज़र्व बैंक की उप-गवर्नर डॉ. पूनम गुप्ता द्वारा 5 मई, 2026 को नई दिल्ली स्थित एनसीईआर में आयोजित संयुक्त संगोष्ठी और चर्चा—'भारत का मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण फ्रेमवर्क' और 'एशिया और प्रशांत के लिए क्षेत्रीय आर्थिक आउटलुक'—में दिया गया भाषण। संगीता मिश्रा, सोमनाथ शर्मा और अन्य सहयोगियों से प्राप्त इनपुट के लिए उनका आभार व्यक्त किया जाता है।

[1] मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण से पूर्व डेढ़ दशक तक भारत ने 'बहु-संकेतक दृष्टिकोण' अपनाया था, जब मौद्रिक नीति के उद्देश्यों को मूल्य स्थिरता, संवृद्धि और वित्तीय स्थिरता के रूप में निर्धारित किया गया था। देखें: राकेश मोहन और पार्थ रे (2018), "मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण और विमुद्रीकरण के समय भारतीय मौद्रिक नीति", ब्रुकिंग्स इंडिया, डबल्यूपी 4; पूनम गुप्ता (2016), 'पूंजी प्रवाह और केंद्रीय बैंकिंग: भारतीय अनुभव', नीति अनुसंधान कार्य पत्र, विश्व बैंक, फरवरी; दास एस (2020), "भारत की मौद्रिक नीति के सात युग", RBI बुलेटिन, फरवरी; दुआ पी (2020), "भारत में मौद्रिक नीति फ्रेमवर्क", इंडियन इकोनॉमिक रिव्यू, स्प्रिंगर, खंड. 55(1), पृष्ठ 117-154, जून।

[2] विशेष रूप से वैश्विक वित्तीय संकट के बाद की अवधि में, जब हेडलाइन मुद्रास्फीति कई वर्षों तक दोहरे अंकों के निकट बनी रही।

[3] सितंबर 2013 में तत्कालीन गवर्नर डॉ. रघुराम राजन द्वारा मौद्रिक नीति के उप-गवर्नर डॉ. ऊर्जित पटेल की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट जनवरी 2014 में प्रस्तुत की। दो अंकीय मुद्रास्फीति की पृष्ठभूमि के मद्देनजर, समिति ने मुद्रास्फीति में कमी के लिए एक ग्लाइड पथ की सिफारिश की – जिसके तहत जनवरी 2015 तक मुद्रास्फीति को घटाकर 8 प्रतिशत और जनवरी 2016 तक 6 प्रतिशत किया जाना था। सरकार और रिजर्व बैंक के बीच वार्ता के विभिन्न चरणों के बाद, फरवरी 2015 में आईटी फ्रेमवर्क को अपनाने पर अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

वैधानिक समीक्षा में, 25 मार्च, 2026 की राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से, इस फ्रेमवर्क को पुनः मार्च 2031[4] तक की पांच वर्षीय अवधि के लिए नवीनीकृत किया गया है।

मौद्रिक नीति संबंधी निर्णय लेने का दायित्व मौद्रिक नीति समिति के पास निहित है, जिसे विशेष रूप से मुद्रास्फीति लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक नीतिगत रेपो दर निर्धारित करने का कार्य सौंपा गया था। एमपीसी के निर्णय बहुमत से लिए जाने है, जिसमें मतों के बराबर आने की स्थिति में गवर्नर के पास निर्णायक मत का प्रावधान है - उल्लेखनीय रूप से, पिछले दशक के दौरान इस प्रावधान को कभी लागू करने की आवश्यकता नहीं पड़ी।

स्पष्ट संचार और पारदर्शिता को प्रभावी मुद्रास्फीति-लक्ष्यी शासन की परिभाषित विशेषताओं के रूप में मान्यता प्राप्त है। भारत का मुद्रास्फीति-लक्ष्यी (आईटी) ढांचा इस जोर को दर्शाता है: भारतीय रिज़र्व बैंक प्रत्येक बैठक के बाद मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) द्वारा अपनाए गए संकल्प को प्रकाशित करता है; इसके 14वें दिन बाद एमपीसी के व्यक्तिगत सदस्यों की कार्यवाही मिनट्स जारी करता है; गवर्नर के बयान और प्रेस ब्रीफिंग का उपयोग नीति संचार के प्रभावी माध्यमों के रूप में किया जाता है; और आरबीआई हर छह महीने में एक बार मौद्रिक नीति रिपोर्ट (एमपीआर) प्रकाशित करता है, जो घरेलू और वैश्विक समष्टि आर्थिक और वित्तीय स्थितियों का मध्यमकालिक आकलन और मुद्रास्फीति की गतिशीलता और पूर्वानुमान का विश्लेषण प्रदान करता है।

मुद्रास्फीति-लक्ष्यीकरण का वैश्विक स्तर पर तीन दशकों से अधिक का इतिहास रहा है, जबकि इस दिशा में भारत का अनुभव अपेक्षाकृत हालिया है। न्यूजीलैंड द्वारा 1990 के दशक की शुरुआत में इसको पहली बार अपनाए जाने के बाद से, यह विकसित अर्थव्यवस्थाओं (एई) और उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (ईएमडीई) में मौद्रिक नीति के लिए एक मानक फ्रेमवर्क के रूप में स्थापित हो गया है। वर्तमान में, 48 देश (जिनमें 14 विकसित अर्थव्यवस्थाएं और 34 उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं) मुद्रास्फीति-लक्ष्यी फ्रेमवर्क के तहत कार्य कर रहे हैं। भारत ने जब औपचारिक रूप से 2016 में इस फ्रेमवर्क को संस्थागत रूप दिया, तब इसे अपनाने वाले देशों में काफी बाद में शामिल हुआ। मुद्रास्फीति-लक्ष्यीकरण को अपनाने के बाद अब तक किसी भी देश ने इसे त्यागा नहीं है, हालांकि देशों ने अपनी विकसित होती आर्थिक संरचनाओं के अनुरूप समय-समय पर अपने फ्रेमवर्क में संशोधन किया है। ये तथ्य मुद्रास्फीति-लक्ष्यी फ्रेमवर्क की दोनों विशेषताओं—टिकाऊपन और लचीलेपन—की ओर संकेत करते हैं।

अंतरराष्ट्रीय साक्ष्य मोटे तौर पर मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण को तीन परिणामों से जोड़ते हैं। पहला, मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण के तहत कार्यरत देशों में मुद्रास्फीति मापनीय रूप से कम और अधिक स्थिर रही है। दूसरा, इन देशों में मौद्रिक नीति की विश्वसनीयता में सुधार हुआ है और मुद्रास्फीति संबंधी अपेक्षाएं बताए गए लक्ष्य के साथ बेहतर ढंग से स्थिर हो गई हैं। तीसरा, इन देशों में राजकोषीय प्रभुत्व कम हुआ है तथा मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों के बीच समन्वय मजबूत[7] हुआ है।

भारत में भी वृहद तौर पर एक समान प्रवृत्ति देखी गई है। मुद्रास्फीति में गिरावट आई है और यह स्थिर हुई है। औसत शीर्षक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति, मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण से पूर्व के दशक (2006-16) में 8.1 प्रतिशत से घटकर मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण अवधि (2016-26) में 4.6 प्रतिशत रह गई है, जो कि 3.5 प्रतिशत बिंदुओं की गिरावट है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि मुद्रास्फीति में उतार-चढ़ाव कम हुआ है, क्योंकि परिवर्तन की सीमा आईटी से पूर्व के दशक में 3.3-13.4 प्रतिशत से घटकर आईटी अवधि के दौरान 0.3-7.8 प्रतिशत रह गई है (चार्ट 1)[8]। इसी बीच, संवृद्धि बनी रही है और यह अधिक स्थिर हो गई है।

मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण को लेकर कभी-कभी जो चिंता व्यक्त की जाती है, वह यह है कि मूल्य स्थिरता की एकाग्र अनुसरण नीति वृद्धि की कीमत पर हो सकती है। भारत का अनुभव इसका समर्थन नहीं करता। वास्तव में, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की औसत वार्षिक संवृद्धि दर मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण (आईटी)

[4] दिनांक 25 मार्च, 2026 की राजपत्र अधिसूचना का.आ. 1580 (अ).

[5] बोरियो, सी. ई. (2024). 'वैश्विक मौद्रिक मानक के रूप में मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण का भविष्य क्या है? बीआईएस वर्किंग पेपर संख्या 1230.

[6] एहरमैन, एम. (2021)। लक्ष्य बिंदु, सहनशीलता बैंड या लक्ष्य सीमाएँ? मुद्रास्फीति लक्ष्य के प्रकार और मुद्रास्फीति अपेक्षाओं का स्थिरीकरण। जर्नल ऑफ इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स, 132, 103514।

[7] मिशकिन, एफ. एस., और काइली, एम. (2025)। 1990 के दशक से 2020 के दशक तक मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण का विकास: विकास और चुनौतियाँ (क्रमांक w33585)। नेशनल ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च।

[8] उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई - 2012=100) श्रृंखला के आधार पर, मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण (आईटी) के बाद की अवधि में, अप्रैल 2012 से अगस्त 2016 के दौरान हैडलाइन मुद्रास्फीति का औसत 7.4 प्रतिशत से घटकर सितंबर 2016 से दिसंबर 2025 की अवधि में 4.7 प्रतिशत हो गया।

चार्ट 1: मुद्रास्फीति के रुझान: दशकीय औसत आईटी से पहले और आईटी के दौरान

(प्रतिशत में)

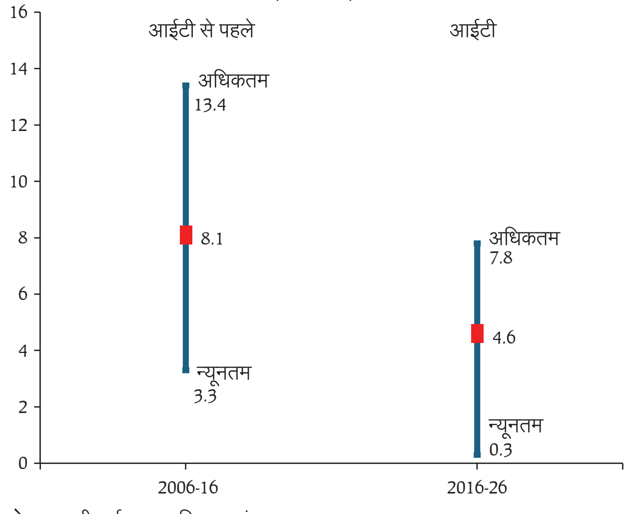

स्रोत: आरबीआई स्टाफ की गणनाएं।

चार्ट 2: वृद्धि के रुझान: दशकीय औसत आईटी से पहले और आईटी के दौरान

(प्रतिशत में)

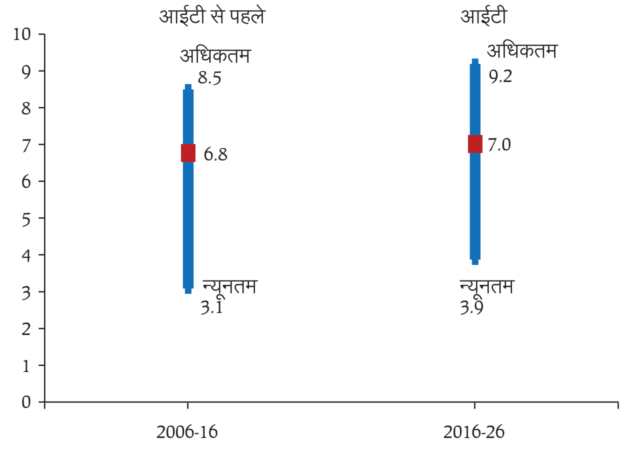

टिप्पणी : कोविड के वर्षों (2020-21 और 2021-22) को छोड़कर, लाल बिंदु अवधि के औसत को दर्शाता है और रेखा इसकी सीमा को प्लॉट करती है।

स्रोत : आरबीआई स्टाफ की गणनाएं।

से पूर्व के दशक में 6.8 प्रतिशत से बढ़कर आईटी दशक में 7.0 प्रतिशत हो गई—इसमें कोविड से प्रभावित वर्ष 2020-21 और 2021-22 को छोड़कर (चार्ट 2)। उतना ही महत्वपूर्ण स्थिरता में सुधार है: वार्षिक संवृद्धि के परिणामों की सीमा आईटी से पूर्व 3.1–8.5 प्रतिशत से संकुचित होकर आईटी के पश्चात 3.9–9.2 प्रतिशत रह गई, जिसमें न्यूनतम स्तर (फ्लोर) लगभग एक पूर्ण प्रतिशत बिंदु तक बढ़ गया। इस प्रकार, भारतीय फ्रेमवर्क के तहत मूल्य स्थिरता और संवृद्धि एक-दूसरे के विरोधी नहीं बल्कि पूरक उद्देश्य सिद्ध हुए हैं।

भारत ने अनेक अन्य अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में मुद्रास्फीति में अधिक मजबूत कमी हासिल की है। मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण (आईटी) को अपनाने से पूर्व, भारत में मुद्रास्फीति लगातार विश्व औसत और यहां तक कि उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (ईएमडीई) के औसत से भी ऊपर थी। आईटी अवधि के दौरान, एक निर्णायक उलटफेर देखा गया: भारत में मुद्रास्फीति घटकर ईएमडीई के औसत से नीचे आ गई है और विश्व औसत की ओर अभिसरण (converged) कर गई है (तालिका 1)। वर्ष 2025 में, भारत में समग्र मुद्रास्फीति 2.2 प्रतिशत रही, जो ईएमडीई के 5.2 प्रतिशत के औसत और विश्व के 4.1 प्रतिशत के औसत से काफी नीचे थी।

सारणी 1: भारत, ईएमडीईएस और विश्व में औसत दशकीय मुद्रास्फीति

	1996-2005	2006-15	2016-25	2025
भारत	5.8	8.1	4.4	2.2
ईएमडीईएस	10.4	6.0	6.1	5.2
विश्व	5.4	3.9	4.7	4.1

स्रोत: डबल्यूईओ डेटाबेस।

मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण की शुरुआत के बाद से मुद्रास्फीति संबंधी अपेक्षाएं अधिक स्थिर हो गई हैं। यह इस तथ्य का स्पष्ट प्रतिबिंब है कि मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ने देशों को न केवल महामारी और यूक्रेन युद्ध के दौरान जैसे लगातार चल रहे आपूर्ति झटकों का सामना करने में सहायता की है, बिना अपेक्षाओं को पटरी से उतारे, बल्कि इन झटकों के बाद मुद्रास्फीति को लक्ष्य की ओर तेजी से अभिसरण सुनिश्चित किया है। यह भारत का भी अनुभव रहा है। अन्य लाभों में, इसे मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों के बीच बेहतर समन्वय का परिणाम भी देखा गया है; तथा मौद्रिक नीति में अधिक पारदर्शिता और विश्वसनीयता आई है।

2. मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण के फ्रेमवर्क की पाँच वर्षीय समीक्षा

भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप, मुद्रास्फीति लक्ष्य की पहली वैधानिक समीक्षा मार्च 2021 में संपन्न हुई। इस प्रक्रिया के भाग के रूप में, रिज़र्व बैंक ने 'मुद्रा

[9] देखें: आइचेंग्रीन, गुप्ता और चौधरी (2021), आइचेंग्रीन और गुप्ता (2024), और आरबीआई (2025)।

[10] बेन एस. बर्नान्के और फ्रेडरिक एस. मिशकिन (1997)। मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण: मौद्रिक नीति के लिए एक नया फ्रेमवर्क? जर्नल ऑफ इकोनॉमिक पर्स्पेक्टिव्स, 11(2), 97–116; मिशकिन, एफ. एस., और काइली, एम. (2025)। 1990 के दशक से 2020 के दशक तक मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण का विकास: विकास और चुनौतियाँ (क्रमांक w33585)। नेशनल ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च।

नीति फ्रेमवर्क की समीक्षा' शीर्षक से एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें वर्ष 2016–2021[11] के दौरान मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण की प्रथा और परिणामों की समीक्षा की गई। इसके पश्चात, भारत सरकार ने 31 मार्च, 2021 की राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से मौजूदा लक्ष्य को मार्च 2026 तक के अगले पाँच वर्षों की अवधि के लिए बनाए रखा।

आरबीआई ने दूसरी समीक्षा में एक भिन्न और अधिक परामर्शात्मक दृष्टिकोण अपनाया। इसने 21 अगस्त, 2025[12] को एक चर्चा-पत्र प्रकाशित किया, जिसमें स्थापित मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण फ्रेमवर्क वाली अर्थव्यवस्थाओं में प्रचलित प्रथाओं, संस्थागत डिजाइनों और उभरते साहित्य का सर्वेक्षण किया गया तथा भारतीय संदर्भ में साक्ष्य प्रस्तुत किए गए। इस पत्र में फ्रेमवर्क से जुड़े निम्नलिखित चार केंद्रीय पहलुओं पर टिप्पणियों और सुझावों का आह्वान किया गया: (i) खाद्य और कोर मुद्रास्फीति की बदलती गतिशीलता और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक बास्केट में खाद्य के भार को देखते हुए, क्या मुद्रा नीति के लिए संचालन मार्गदर्शक के रूप में हैडलाइन सीपीआई मुद्रास्फीति बेहतर रहेगी या कोर मुद्रास्फीति? (ii) क्या मूल्य स्थिरता और संवृद्धि के उद्देश्यों के बीच संतुलन बनाए रखते हुए, 4 प्रतिशत का मुद्रास्फीति लक्ष्य भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए इष्टतम बना हुआ है? (iii) क्या लक्ष्य के चारों ओर ±2 प्रतिशत की स्वीकार्य सीमा में संकीर्णकरण, विस्तार या समाप्ति के माध्यम से संशोधन की आवश्यकता है? (iv) क्या फ्रेमवर्क की विश्वसनीयता को प्रभावित किए बिना संचालनात्मक लचीलेपन को बनाए रखने के लिए, स्वीकार्य सीमा वाले बिंदु लक्ष्य को एक सीमा द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए?

इस चर्चा-पत्र ने गोष्ठियों तथा प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में कवरेज के माध्यम से व्यापक चर्चाओं को प्रेरित किया। आरबीआई को चारों प्रश्नों में से एक या अधिक पर 75 प्रत्यक्ष उत्तर प्राप्त हुए, हालाँकि प्रत्येक उत्तरदाता ने सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दिया (सारणी 2)।

अब मैं इनमें से प्रत्येक प्रश्न पर चर्चा करती हूँ।

प्रश्न 1: क्या नीतिगत लक्ष्य समग्र मुद्रास्फीति होनी चाहिए या कोर मुद्रास्फीति?

हैडलाइन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक को बनाए रखने का काल्पनिक पक्ष निम्नलिखित आधारों पर टिका है: सर्वप्रथम, खाद्य और ईंधन मुद्रास्फीति, जो हैडलाइन में शामिल है लेकिन कोर में नहीं, उसे क्षणिक आपूर्ति-पक्षीय व्यवधान नहीं माना जा सकता है। उदाहरण के लिए, लगातार बनी रहने वाली उच्च खाद्य मुद्रास्फीति द्वितीय-चरण के प्रभावों के माध्यम से कोर मुद्रास्फीति में समाहित हो सकती है, विशेष रूप से मजदूरी और लागत सूचकांकीकरण के जरिए, और यह जड़ जमा सकती है (सुदृढ़ हो सकती है)। द्वितीय, एक सामान्य नागरिक कीमतों का अनुभव और बोध समग्रता में वैसा ही करता है जैसा कि हैडलाइन में होता है।[13] तृतीय, हैडलाइन संस्थागत निरंतरता का प्रतीक है, और इससे विचलन के लिए पर्याप्त रूप से उच्च स्तर का औचित्य आवश्यक होगा।[14]

कोर मुद्रास्फीति के मामले में, यह निम्नलिखित आधारों पर टिका होता है। खाद्य और ईंधन की कीमतें अंतर्निहित रूप से अस्थिर होती हैं और मुख्य रूप से आपूर्ति-पक्षीय कारकों, जैसे कि मानसून में परिवर्तनशीलता और वैश्विक जिंस चक्रों, द्वारा संचालित होती हैं, जिन पर मौद्रिक नीति की पकड़ सीमित होती है।[15] विशेष रूप से भारत में, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक टोकरी में खाद्य का भारांक काफी अधिक होता है, जिसका अर्थ यह है कि क्षणिक आपूर्ति आघात हेडलाइन मुद्रास्फीति में तेज उतार-चढ़ाव पैदा कर सकते हैं, जो आवश्यक रूप से मौद्रिक नीति प्रतिक्रिया की मांग नहीं करते हैं।

सारणी 2: चर्चा पत्र में दिए गए चार प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न	1. हेडलाइन बनाम कोर	2. लक्ष्य 4% हो या कुछ और	3. सहनशीलता बैंड +/-2% हो या कोई अन्य	4. सहनशीलता बैंड के साथ बिंदु लक्ष्य या कोई सीमा
उत्तरों की संख्या	72	71	60	56

स्रोत: मौद्रिक नीति फ्रेमवर्क की समीक्षा पर चर्चा पत्र पर प्राप्त प्रतिक्रियाओं पर आधारित।

[11] यह रिपोर्ट 'मुद्रा और वित्त पर रिपोर्ट, 2020-21 के एक संस्करण के रूप में प्रकाशित की गई थी।

[12] https://www.rbi.org.in/scripts/BS_PressReleaseDisplay.aspx?prid=61067

[13] दास, एस. (2024)। 25 अक्टूबर, 2024 को वाशिंगटन डी.सी. में पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स में आयोजित एक मंच पर।

[14] आरबीआई (2014)। मौद्रिक नीति फ्रेमवर्क की समीक्षा और सुदृढ़ीकरण हेतु विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट (अध्यक्ष: उर्जित आर. पटेल), जनवरी ।

15 डेटा से संकेत मिलता है कि भारत में कोर मुद्रास्फीति जरूरी नहीं कि हैडलाइन मुद्रास्फीति से कम हो; हालाँकि, औसतन यह हैडलाइन मुद्रास्फीति की तुलना में कम अस्थिर (volatile) है।

चार्ट 3: हेडलाइन बनाम कोर मुद्रास्फीति का समर्थन करने वाले उत्तरदाता

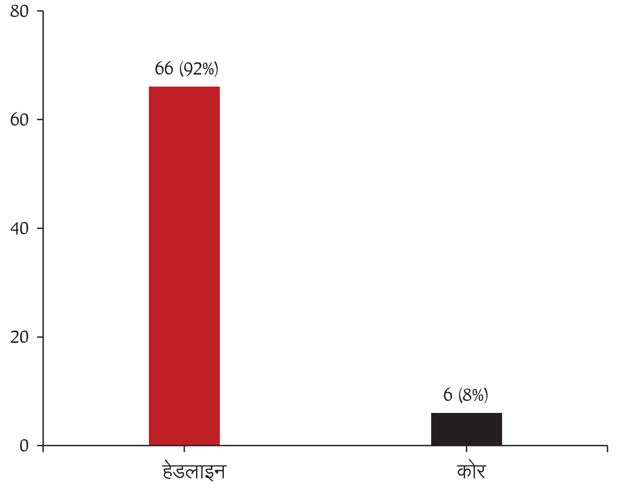

स्रोत: मौद्रिक नीति फ्रेमवर्क की समीक्षा से संबंधित चर्चा पत्र पर प्राप्त प्रतिक्रिया पर आधारित।

प्रतिक्रियाओं के संदर्भ में, 90 प्रतिशत से अधिक (72 में से 66) उत्तरदाताओं ने लक्ष्य के रूप में हैडलाइन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति को बनाए रखने का पक्ष लिया (चार्ट 3)।

उन 66 उत्तरदाताओं का विखंडित विवरण, जिन्होंने हैडलाइन सीपीआई का समर्थन किया, व्यापक सहमति के भीतर कुछ बारीकियों को उजागर करता है (सारणी 3)। यद्यपि उनमें से 41 ने हैडलाइन का समर्थन एकमात्र और पर्याप्त लक्ष्य के रूप में किया, वहीं 25 का एक महत्वपूर्ण अल्पमत यह महसूस करता है कि कोर मुद्रास्फीति को एक पूरक भूमिका निभानी चाहिए—इनमें से 21 ने नीतिगत विचार-विमर्श के लिए परिचालन मार्गदर्शक के रूप में कोर के साथ हैडलाइन को औपचारिक लक्ष्य के रूप में पक्ष में रखा; जबकि 4 ने हैडलाइन के साथ-साथ कोर को एक स्पष्ट अतिरिक्त लक्ष्य का दर्जा दिए जाने की वकालत की।

सारणी 3: हेडलाइन सीपीआई समर्थकों के विचार

	व्यक्तियों की संख्या	कुल का प्रतिशत
लक्ष्य के रूप में हेडलाइन	41	63%
लक्ष्य के रूप में हेडलाइन और परिचालन मार्गदर्शक के रूप में कोर	21	31%
हेडलाइन को मुख्य लक्ष्य और कोर को स्पष्ट अतिरिक्त लक्ष्य के रूप में उपयोग करना	4	6%
कुल	66	100%

स्रोत: मौद्रिक नीति फ्रेमवर्क की समीक्षा पर चर्चा पत्र पर प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर।

दिलचस्प बात यह है कि हैडलाइन और कोर मुद्रास्फीति के बीच चयन के संबंध में अंतरराष्ट्रीय अनुभव काफी स्पष्ट है। वर्तमान में मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण फ्रेमवर्क के तहत कार्य करने वाले 48 देशों में से 47 देश हैडलाइन मुद्रास्फीति को लक्ष्य बनाते हैं। युगांडा कोर मुद्रास्फीति को लक्ष्य बनाने वाला एकमात्र अपवाद है। उल्लेखनीय है कि कई देशों, जिनमें थाईलैंड और नॉर्वे शामिल हैं, जिन्होंने शुरू में कोर मुद्रास्फीति को अपना लक्ष्य अपनाया था, बाद में हैडलाइन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर शिफ्ट कर गए (सारणी 4)। इस प्रकार, देश-दर-देश का साक्ष्य हैडलाइन के पक्ष में तर्क को मजबूत करता है।

भविष्य की ओर देखें, तो हैडललाइन और कोर मुद्रास्फीति की गतिशीलता के बीच का संरचनात्मक अंतर कम स्पष्ट होता जा रहा है। कुछ साक्ष्य दर्शाते हैं कि भारतीय कृषि वर्षा संबंधी आघातों के प्रति अधिक आघातसहनीय हो गई है; और बेहतर प्रबंधन तथा सरकार द्वारा मांग-आपूर्ति के अंतर को कम करने के कारण खाद्य मूल्यों में अस्थिरता मध्यम हो गई है। इसके अतिरिक्त, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा सीपीआई बास्केट में हाल ही में किए गए संशोधन के साथ, समग्र सीपीआई में खाद्य का भार भारांक कम हो गया है, जिसका अर्थ है कि भविष्य में हैडललाइन और कोर मुद्रास्फीति एक-दूसरे का अधिक निकटता से अनुसरण करने की संभावना है।

अतः, प्राप्त सुझाव, पिछले दस वर्षों का अनुभव, और अंतरराष्ट्रीय साक्ष्य सभी हैडललाइन मुद्रास्फीति को लक्ष्य के रूप में बनाए रखने के पक्ष में प्रतीत होते हैं।

प्रश्न 2: क्या 4 प्रतिशत की मुद्रास्फीति लक्ष्य दर अभी भी इष्टतम है?

मुद्रास्फीति की लक्ष्य दर पर दूसरे प्रश्न के संबंध में, सार्वजनिक परामर्श से प्राप्त प्रतिक्रियाओं में 4 प्रतिशत की लक्ष्य दर को बनाए रखने के लिए मजबूत समर्थन देखा गया (सारणी 4)।

सारणी 4: आईटी देशों में मुद्रास्फीति लक्ष्य की प्रकृति

लक्ष्य की प्रकृति	देशों की संख्या
हेडलाइन को लक्ष्य बनाना	47 (ईयू सहित)
कोर को लक्ष्य बनाना	एक (युगांडा)
कोर से हेडलाइन में परिवर्तन	कुछ* (थाईलैंड, नॉर्वे)

स्रोत: आईएमएफ़ एआरईएईआर, केंद्रीय बैंक की वेबसाइटें।

टिप्पणी: * सूची संपूर्ण नहीं है।

चार्ट 4: इष्टतम लक्ष्य के संबंध में प्रतिक्रियाएं

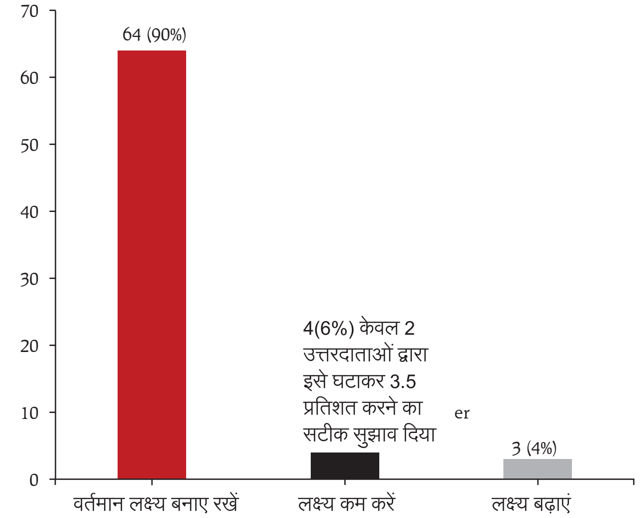

स्रोत: मौद्रिक नीति फ्रेमवर्क की समीक्षा से संबंधित चर्चा पत्र पर प्राप्त प्रतिक्रिया पर आधारित।

4 प्रतिशत की लक्ष्य दर को बनाए रखने का पक्ष कई पारस्परिक रूप से सुदृढ़ करने वाले कारकों पर टिका है। सर्वप्रथम, 4 प्रतिशत की लक्ष्य दर रिजर्व बैंक की विशेषज्ञ समिति (2014) के मूल्यांकन के अनुरूप थी। समिति ने इसे उस दर के रूप में स्थापित किया था जिस पर समष्टि आर्थिक स्थितियों को शून्य-उत्पादन अंतर के साथ इष्टतम माना गया था। भारत में प्रवृत्ति मुद्रास्फीति के बाद के पुनः-आकलनों ने भी इस मूल्यांकन की पुष्टि की है।[16]

दूसरा, अन्य मुद्रास्फीति-लक्ष्यीकरण अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में, वर्तमान 4 प्रतिशत की लक्ष्य दर को आर्थिक विकास के इसके चरण के लिए उपयुक्त माना जाता है। उन्नत अर्थव्यवस्थाएं (एई), जैसे कि अमेरिका, यूके, यूरो क्षेत्र, जापान, कनाडा और अन्य, 2 प्रतिशत की लक्ष्य दर के आसपास समूहित हैं, जो उनकी विकसित और निम्न-वृद्धि अर्थव्यवस्थाओं से जुड़ी निम्न संतुलन मुद्रास्फीति दरों को दर्शाती हैं। उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं (ईएमडीई) 2.5 से 4 प्रतिशत की उच्च सीमा में स्थित हैं (सारणी 5)। भारत की 4 प्रतिशत की लक्ष्य दर इसे ईएमडीई के उच्चतम छोर पर रखती है।

इस प्रकार, विश्लेषणात्मक तर्क; प्राप्त सुझाव; और अंतरराष्ट्रीय अनुभव 4 प्रतिशत की लक्ष्य दर को भारत के लिए इष्टतम होने के पक्ष में प्रतीत होते हैं।

प्रश्न 3: क्या स्वीकार्य सीमा को बनाए रखा जाना चाहिए, संकीर्ण किया जाना चाहिए, या इसे पुनः डिज़ाइन किया जाना चाहिए?

उत्तरदाताओं में से दो-तिहाई ने ±2 प्रतिशत के मौजूदा स्वीकार्य सीमा को बनाए रखने का पक्ष लिया (सारणी 6)। शेष 21 उत्तरदाताओं ने एक संकीर्ण बैंड का समर्थन किया, यह तर्क देते हुए कि कसी हुई सीमाएं नीतिगत प्रतिबद्धता को मजबूत करेंगी, लक्ष्य की संकेतन सामग्री को तीखा करेंगी, और मुद्रास्फीति अपेक्षाओं को और अधिक स्थिर करेंगी।

चार्ट 5: सभी मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण केंद्रीय बैंकों के मुद्रास्फीति लक्ष्य का स्तर (प्रतिशत में), सीमा और उपाय

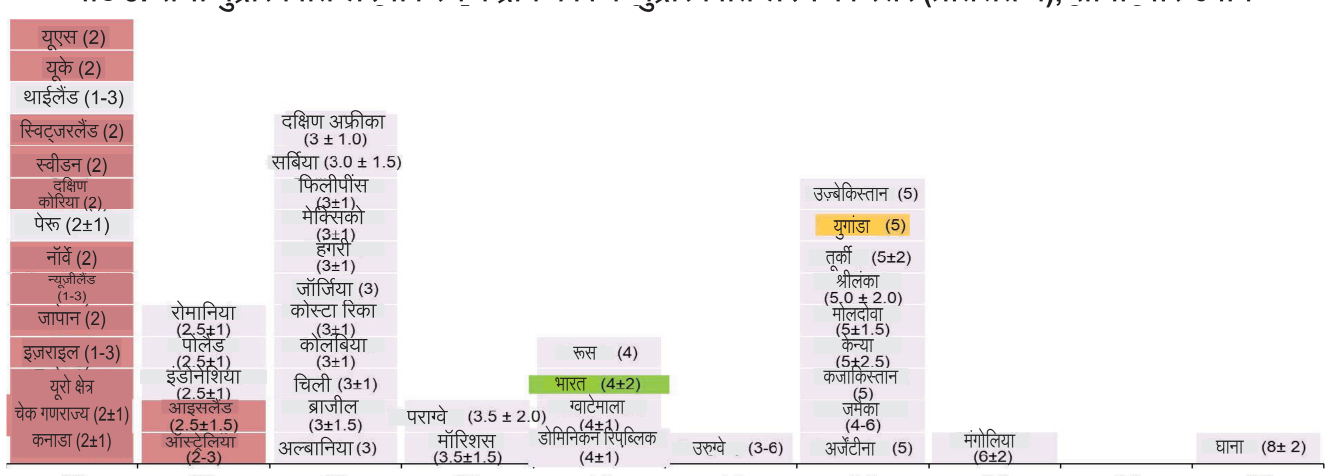

टिप्पणियां: 1. लाल ब्लॉक वाले देश एई हैं और अन्य ईएमडीई हैं। 2. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े लक्ष्य और बैंड (यदि कोई हों) को दर्शाते हैं। 3. कुछ देश जो केवल एक सीमा को लक्षित करते हैं, उनमें एकरूपता के लिए, चार्ट में मध्य-बिंदु को लक्ष्य के रूप में लिया गया है। 4. नारंगी रंग से छायांकित देश 'कोर मुद्रास्फीति ' को लक्षित करते हैं, अन्य सभी देश 'हेडलाइन मुद्रास्फीति' को लक्षित करते हैं; 5. भारत को हरे रंग से हाइलाइट किया गया है।

स्रोत: आईएमएफ़ एआरईएईआर, केंद्रीय बैंक की वेबसाइटें (अंतिम बार 9 फरवरी, 2026 को एक्सेस की गईं)।

16 आरबीआई चर्चा पत्र, अगस्त 2025, अनुलग्नक 9।

चार्ट 6: इष्टतम सहनशीलता बैंड पर विचार

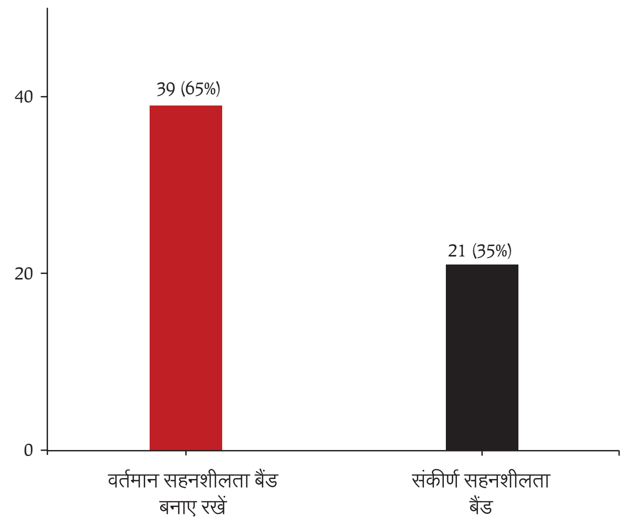

स्रोत: मौद्रिक नीति फ्रेमवर्क की समीक्षा से संबंधित चर्चा पत्र पर प्राप्त प्रतिक्रिया पर आधारित।

जिन उत्तरदाताओं ने बैंड को संकीर्ण करने का समर्थन किया, उनके प्रस्ताव विशिष्टता और डिजाइन के मामले में भिन्न-भिन्न थे (सारणी 5)। सर्वाधिक सामान्य रूप से अनुशंसित विकल्प ±1.5 प्रतिशत का एक सममित बैंड था, जिसका 9 उत्तरदाताओं ने समर्थन किया। इसके अतिरिक्त, 4 उत्तरदाताओं ने ±1 प्रतिशत के और भी कड़े बैंड की वकालत की, जबकि 6 ने कोई सटीक चौड़ाई निर्दिष्ट नहीं की। एक अल्पसंख्यक रूप में 02 उत्तरदाताओं ने एक असममित बैंड का प्रस्ताव रखा, जिसमें सहनशीलता बैंड ऊपरी पक्ष पर अधिक और निचले पक्ष पर कम हो; उदाहरण के लिए, 4 प्रतिशत की लक्ष्य दर के आसपास 3-6 प्रतिशत का बैंड, जो निचली सीमा को मजबूत बनाए रखते हुए ऊपरी पक्ष पर आपूर्ति-पक्ष के आघातों को समायोजित करने की अधिक गुंजाइश प्रदान कर सके।

सारणी 5: वर्तमान सहनशीलता बैंड के लिए सुझाई गई वैकल्पिक व्यवस्था

	व्यक्तियों की संख्या	कुल का प्रतिशत
+/- 1.5% तक कम करें	9	43%
+/- 1% तक कम करें	4	19%
कम करें (कोई सटीक बैंड निर्दिष्ट नहीं)	6	29%
असममित बैंड	2	10%
कुल	21	100%

स्रोत: मौद्रिक नीति फ्रेमवर्क की समीक्षा से संबंधित चर्चा पत्र पर प्राप्त प्रतिक्रिया पर आधारित।

भारत का स्वयं का मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण अनुभव सहनशीलता बैंड की उपयोगिता को प्रदर्शित करता है। मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण अवधि के वार्षिक मुद्रास्फीति आंकड़ों में, कोविड-19 महामारी के कारण 2020-21 में और फिर 2022-23 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान मुद्रास्फीति 6 प्रतिशत की ऊपरी सहनशीलता सीमा से अधिक हो गई (सारणी 7)। वार्षिक औसत के आधार पर निचली सहनशीलता सीमा का उल्लंघन नहीं हुआ, हालांकि अत्यंत सुगम खाद्य वस्तुओं की कीमतों में मुद्रास्फीति के कारण 2025-26 के दौरान एक संक्षिप्त अवधि के लिए मुद्रास्फीति 2 प्रतिशत से नीचे बनी रही।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, विकसित अर्थव्यवस्थाएँ सामान्यतः निश्चित लक्ष्यों की ओर बढ़ी हैं, जबकि उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में सहनशीलता बैंड अधिक प्रचलित और व्यापक हैं। देशों के बीच के साक्ष्य बताते हैं कि लक्ष्य सीमाएँ या बैंड वाले लक्ष्य आघातों से निपटने के लिए लचीलापन प्रदान करने में अधिक सफल रहे हैं, जबकि साथ ही विश्वसनीयता बनाए रखने और मुद्रास्फीति को स्थिर करने में सहायक सिद्ध हुए हैं (एहरमैन, 2021)। अधिकांश बड़ी उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाएँ मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण के साथ अपनी संचित सफलता का लाभ उठाते हुए 1 से 1.5 प्रतिशत के बैंड के साथ 3 से 4 प्रतिशत के लक्ष्य की ओर बढ़ी हैं (आइचेंग्रीन और गुप्ता, 2024)।

चार्ट 7: आईटी के वर्षों में मुद्रास्फीति की प्रवृत्ति, वार्षिक औसत

(प्रतिशत में)

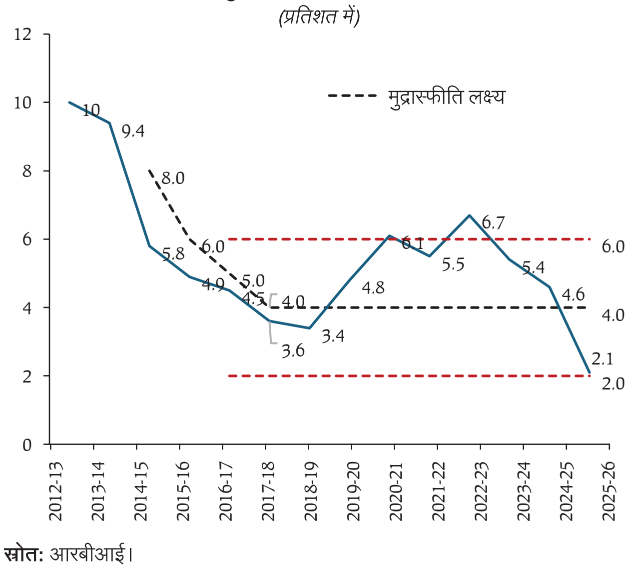

स्रोत: आरबीआई।

17 उल्लंघन तिमाही डेटा में अधिक स्पष्ट है। 38 तिमाहियों में से, 11 तिमाहियों में मुद्रास्फीति 6 प्रतिशत से अधिक रही और 2 तिमाहियों में यह 2 प्रतिशत से नीचे गिर गई।

समग्र रूप से, परामर्श प्रतिक्रियाएँ और भारत का स्वयं का मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण अनुभव एक ही निष्कर्ष पर सहमत होते हैं: ±2 प्रतिशत की सहनशीलता बैंड के लिए बहुत उपयोगी साबित हुआ है, जिसने लक्ष्य की विश्वसनीयता का त्याग किए बिना बड़े बाहरी आघातों को अवशोषित करने के लिए आवश्यक लचीलापन प्रदान किया है।

प्रश्न 4: सहनशीलता सीमा के साथ बिंदु लक्ष्य, अथवा केवल रेंज लक्ष्यीकरण (Pure range targeting)?

अंतिम प्रश्न पर सबसे कम प्रतिक्रियाएँ प्राप्त हुईं, जिसके उत्तर में केवल 56 प्रतिभागियों ने अपना मत व्यक्त किया। यद्यपि सहनशीलता बैंड वाले बिंदु लक्ष्य के स्थान पर एक शुद्ध रेंज उतनी ही लोचनीयता प्रदान कर सकता है, तथापि रेंज लक्ष्यीकरण के विरुद्ध तर्क समान रूप से प्रबल प्रतीत होते हैं। सर्वप्रथम, किसी भी रेंज का मध्य-बिंदु, केंद्रीय बैंक द्वारा व्यक्त इरादों की परवाह किए बिना, वास्तविक केंद्रीय लक्ष्य के रूप में व्याख्यायित होने की प्रवृत्ति रखता है। द्वितीय, एक बिंदु लक्ष्य के अंतर्गत, यदि मौद्रिक नीति समिति के सदस्यों की ब्याज दर कार्रवाई के संबंध में वरीयताएँ भिन्न होती हैं, तो इसे सीधे तौर पर अर्थव्यवस्था के संबंध में उनके आकलन में अंतर के रूप में देखा जा सकता है। रेंज लक्ष्यीकरण एक अतिरिक्त स्तर की अस्पष्टता जोड़ता है, क्योंकि यह भी माना जा सकता है कि ये अंतर लक्ष्य स्वयं की उनकी धारणा से उत्पन्न होते हैं। यह बाजारों और निवेशकों जैसे अन्य हितधारकों के लिए भी सत्य हो सकता है, जिससे अपेक्षाओं का स्थिरीकरण कमजोर पड़ सकता है। तृतीय, ऐसा संक्रमण वैश्विक प्रवृत्ति के विपरीत होगा और इसे विचाराधीन बनाने के लिए अत्यंत प्रबल तर्क की आवश्यकता होगी। अंततः, कोई प्रबल औचित्य न होने की स्थिति में, ऐसे बदलाव को प्रतिबद्धता में कमी के रूप में व्याख्यायित किया जा सकता है, जिससे विद्यमान फ्रेमवर्क की कठिन परिश्रम से अर्जित विश्वसनीयता को ठेस पहुंच सकती है।

सार्वजनिक परामर्श में इन विचारों का प्रतिबिंब देखा गया। 56 प्रतिभागियों में से 52 ने सहनशीलता बैंड वाले वर्तमान लक्ष्य बिन्दु को बनाए रखने का पक्ष लिया। केवल 4 प्रतिभागियों ने केवल रेंज लक्ष्य की ओर बढ़ने का समर्थन किया (सारणी 8)। मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण करने वाले केंद्रीय बैंकों में, रेंज लक्ष्यीकरण एक लोकप्रिय विकल्प नहीं है। चेक गणराज्य, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों ने शुरू में संक्रमणकालीन व्यवस्था के रूप में परिसर लक्ष्यों को अपनाया, लेकिन बाद में सहनशीलता बैंड वाले बिंदु लक्ष्यों की ओर स्थानांतरित हो गए। वर्तमान में, केवल ऑस्ट्रेलिया, इजराइल और थाईलैंड क्रमशः 1 से 3 प्रतिशत, 1 से 3 प्रतिशत और 2 से 3 प्रतिशत के केवल रेंज के साथ कार्य कर रहे हैं। मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण अपनाने वाले देशों की दिशा रेंज लक्ष्यीकरण से दूर रही है, न कि उसकी ओर।

चार्ट 8: सीमा लक्ष्यीकरण पर दृष्टिकोण

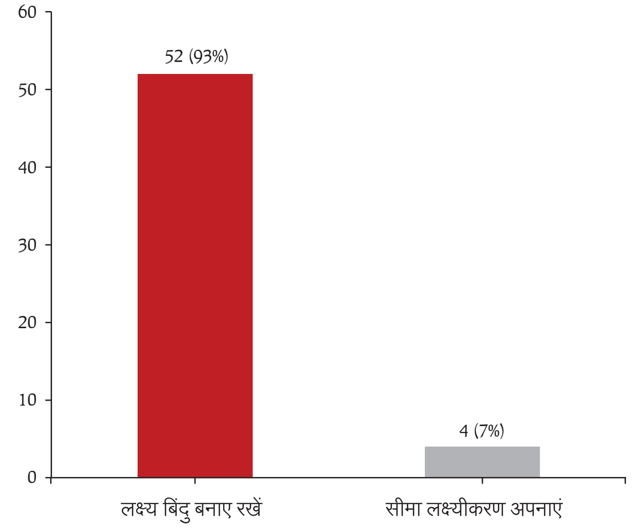

स्रोत: मौद्रिक नीति फ्रेमवर्क की समीक्षा से संबंधित चर्चा पत्र पर प्राप्त प्रतिक्रिया पर आधारित।

3. भविष्य की राह

मार्च 2031 तक भारत के मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ढांचे फ्रेमवर्क का नवीनीकरण एक ऐसे समय में हुआ है जब वैश्विक स्तर पर काफी अनिश्चितता बनी हुई है। भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक संवृद्धि के असमान परिदृश्य ने समष्टि आर्थिक वातावरण को अधिक जटिल और कम अनुमाननीय बना दिया है। इस संदर्भ में, फ्रेमवर्क की मूल वास्तुकला, जिसमें 4 प्रतिशत की हेडलाइन मुद्रास्फीति (सीपीआई) का लक्ष्य और ±2 प्रतिशत की सहनशीलता बैंड शामिल है, को बनाए रखने का निर्णय एक महत्वपूर्ण नीतिगत पसंद है। यह समीक्षा फ्रेमवर्क को ठीक उसी समय मजबूत करती है जब इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।

यह कहा जा सकता है कि मौजूदा फ्रेमवर्क को जारी रखने के निर्णय को परिवर्तन के प्रति जड़त्व के रूप में नहीं देखा जाना

चाहिए; बल्कि पिछले एक दशक में फ्रेमवर्क के टिकाऊपन अनुभवों से सीखने की इच्छाशक्ति को दर्शाता है।

यह प्रश्न उठता है कि भविष्य की समीक्षा कैसी दिख सकती है? क्या पांच वर्ष बाद भी वही प्रश्न प्रासंगिक रहेंगे? उस समय कौन से नए मुद्दे सामने आ सकते हैं? यह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगा कि अगले पांच वर्षों के दौरान मुद्रास्फीति और संवृद्धि के परिणाम कैसे विकसित होते हैं; और इस बीच अर्थव्यवस्था को किन आघातों, विशेष रूप से वैश्विक आघातों, का सामना करना पड़ सकता है। यदि मुद्रास्फीति-संवृद्धि का मिश्रण उसी प्रकार विकसित होता है जैसा कि पिछले दस वर्षों में रहा है: मजबूत संवृद्धि और निम्न तथा अधिक स्थिर मुद्रास्फीति, तो शायद मुद्रास्फीति के स्तर और सहनशीलता बैंड में थोड़ा बदलाव करने पर विचार किया जा सकता है (अंतरराष्ट्रीय अनुभवों को ध्यान में रखते हुए, यह थोड़ी कम मुद्रास्फीति और थोड़े संकरे बैंड की ओर संकेत करेगा)।

किंतु यदि वैश्विक वातावरण पिछले छह वर्षों की भांति चुनौतीपूर्ण बना रहता है, तो यह वर्तमान फ्रेमवर्क में निहित पूर्वानुमेयता और लचीलेपन दोनों को आवश्यक बनाएगा।

निरंतर आधार पर, रिज़र्व बैंक भी अपनी ओर से कुछ और परिष्करणों पर विचार कर सकता है, विशेष रूप से अपनी मुद्रास्फीति मापों पर अधिक संलग्नता के संबंध में। अधिक बेहतर और समय पर संचार एक प्रगति पर कार्य रहा है और भविष्य में भी बना रहेगा।

निष्कर्षतः, वर्तमान मौद्रिक नीति फ्रेमवर्क में वे सभी निहित विशेषताएं हैं जिनका उचित रूप से लाभ उठाकर अर्थव्यवस्था को और बेहतर समष्टि आर्थिक परिणामों की ओर अग्रसर किया जा सकता है। यदि कोई हो, तो संरचनात्मक परिवर्तनों द्वारा समर्थित अंशांकित परिष्करण, आने वाले वर्षों में फ्रेमवर्क की प्रासंगिकता और औचित्य को बनाए रख सकते हैं।

समृद्ध भारत के लिए समृद्ध राज्य*

डॉ. पूनम गुप्ता

कोलंबिया भारतीय अर्थव्यवस्था शिखर सम्मेलन, 2026 में उपस्थित होना मेरे लिए हर्ष का विषय है। मैं प्रोफेसर अरविंद पनगढ़िया को राष्ट्रीय और राज्यों के स्तर पर भारत की संवृद्धि की गतिविधि से संबंधित मुद्दों पर बोलने के लिए मुझे आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूँ।

मेरा भाषण तीन भागों में है। सबसे पहले, मैं पिछले चार दशकों में भारत की आर्थिक संवृद्धि की गतिविधि की कुछ प्रमुख विशेषताओं को प्रस्तुत करूंगी और बताऊंगी कि यह आने वाले वर्षों के लिए क्या संकेत देती है। इसके बाद, मैं विभिन्न राज्यों की संवृद्धि की गतिविधियों की प्रमुख विशेषताओं को प्रस्तुत करूंगी। अंत में, मैं 2047 तक एक अत्यधिक समृद्ध अर्थव्यवस्था का दर्जा प्राप्त करने की हमारी महत्वाकांक्षा के लिए इन अवलोकनों से कुछ निष्कर्ष और निहितार्थ निकालूंगी।

1. पिछले चार दशकों में भारत की आर्थिक वृद्धि की गतिविधि की प्रमुख विशेषताएं

भारत की आर्थिक वृद्धि में 1980 के दशक की शुरुआत से लगातार तेजी आई है। औसत वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 1980 के दशक में 5.7 प्रतिशत से बढ़कर 1990 के दशक में 5.8 प्रतिशत हुई, जो 2000 के दशक में और बढ़कर 6.3 प्रतिशत हो गई, 2010 के दशक में 6.6 प्रतिशत तक पहुंची और सबसे हाल के चार वर्षों की अवधि में 7.7 प्रतिशत तक पहुंच गई (सारणी 1)।

प्रति व्यक्ति आय में यह तेजी और भी अधिक स्पष्ट है (चार्ट 1)। 1981 में लगभग 274 अमेरिकी डालर और 1991 में 306 अमेरिकी डालर से, प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 2024 में लगभग 2700 अमेरिकी डालर हो गई है, जो कि लगभग दस गुना वृद्धि है। महत्वपूर्ण बात यह है कि जबकि शुरुआत में प्रति व्यक्ति आय को दोगुना होने में दो दशक से अधिक का समय लगा, इसके बाद के दो दशकों में यह लगभग पांच गुना बढ़ गई है, जो संवृद्धि की गति में एक स्पष्ट संरचनात्मक बदलाव को इंगित करती है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अक्टूबर 2025 के विश्व आर्थिक आउटलुक (डब्ल्यूईओ) में किए गए अनुमानों के अनुसार, प्रति व्यक्ति आय के 2025 में 2818 अमेरिकी डालर, 2026 में 3051 अमेरिकी डालर और 2030 में 4346 अमेरिकी डालर तक बढ़ने का अनुमान है।

सारणी 1: जीडीपी वृद्धि और प्रति व्यक्ति आय वृद्धि

	वार्षिक औसत वास्तविक जीडीपी वृद्धि (प्रतिशत)	वार्षिक औसत वास्तविक प्रति व्यक्ति आय वृद्धि (प्रतिशत)
1980-81 से 1989-90	5.7	3.5
1990-91 से 1999-2000	5.8	3.7
2000-01 से 2009-10	6.3	4.6
2010-11 से 2019-20	6.6	5.2
2022-23 से 2025-2026*	7.7	6.7

टिप्पणी: 1. *: 2020-21 और 2021-22 के कोविड वर्षों को छोड़कर।
2. डेटा आधार वर्ष 2011-12 के लिए है।

स्रोत: सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई)। 2011-12 आधार वाली बैक सीरीज़ इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली रिसर्च फाउंडेशन (ईपीडब्ल्यूआरएफ़), https://epwrfits.in/index.aspx से ली गई है (अंतिम बार 10 अप्रैल, 2026 को एक्सेस किया गया)।

जनसंख्या वृद्धि में गिरावट ने भी प्रति व्यक्ति आय में तेज संवृद्धि में योगदान दिया है। भारत की जनसंख्या वृद्धि, जो एक समय वैश्विक औसत से काफी अधिक थी, लगातार मंद हुई है और लगभग 2014 से वैश्विक स्तर के अनुरूप हो गई है, जिससे प्रति व्यक्ति आधार पर लाभ बढ़े हैं।

भारत ने तेज संवृद्धि और समष्टि आर्थिक स्थिरता का एक बेहतर चक्र प्राप्त कर लिया है। समष्टि आर्थिक स्थिरता का प्रतिबिंब मुद्रास्फीति, चालू खाता शेष, राजकोषीय स्थिति, ऋण की गुणवत्ता और वित्तीय क्षेत्र के स्वास्थ्य, सहित अन्य क्षेत्रों में स्थायी और आघातसहनीय परिणामों में देखा जा सकता है। प्रमुख समष्टि आर्थिक परिणाम, विशेष रूप से संवृद्धि (समग्र और क्षेत्रवार) और मुद्रास्फीति, मोटे तौर पर कम अस्थिर हैं और एक संकीर्ण, अधिक पूर्वानुमेय सीमा में चलते हैं।

मुद्रास्फीति में अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में तेजी से गिरावट आई है, जिसके परिणामस्वरूप विकसित

* श्रीमती पूनम गुप्ता, उप-गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा 11 अप्रैल, 2026 को कोलंबिया विश्वविद्यालय के राज सेंटर फॉर इंडियन इकोनॉमिक पॉलिसी में आयोजित 'कोलंबिया इंडियन इकोनॉमी शिखर सम्मेलन 2026' में दिया गया भाषण। आशीष थॉमस जॉर्ज, सोमनाथ शर्मा और शिवम द्वारा प्रदान किए गए इनपुट्स के उनका आभार व्यक्त किया जाता है।

[1] यह खंड गुप्ता (2026) पर आधारित है।

चार्ट 1: भारत में प्रति व्यक्ति आय बढ़ने की दर जीडीपी की वृद्धि दर की तुलना में तेज़ी से बढ़ी है, जिसमें जनसंख्या वृद्धि दर में कमी का भी योगदान रहा है।

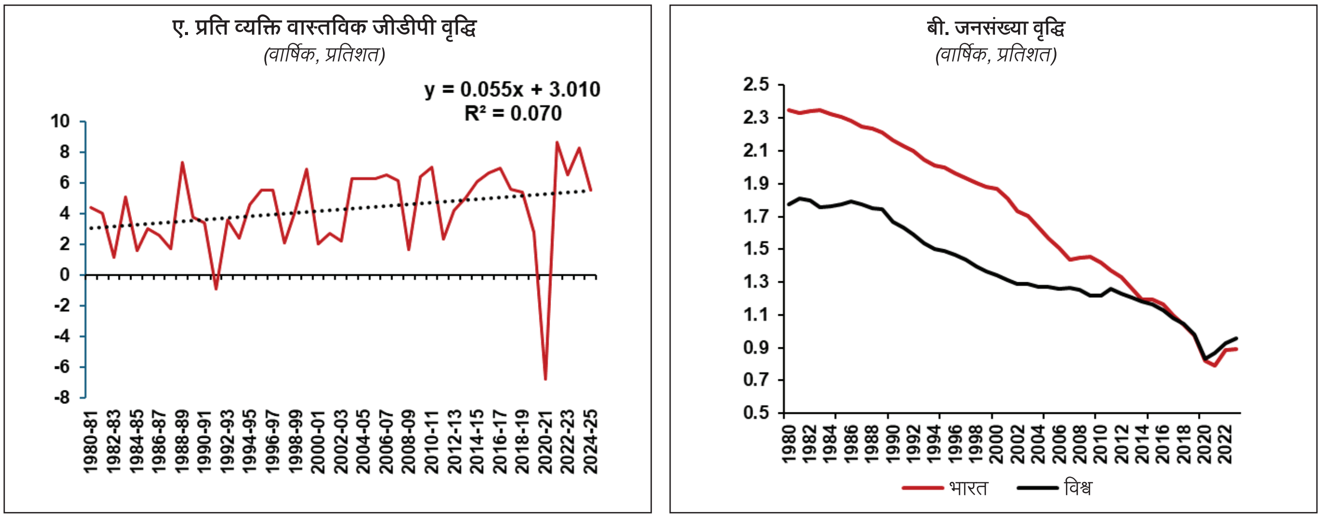

स्रोत: एनएसओ, विश्व बैंक और स्टाफ गणनाएँ।

अर्थव्यवस्थाओं और अन्य उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में मुद्रास्फीति का अंतर संकुचित हुआ है।

भारत का दशकीय औसत चालू खाता घाटा 1990 से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.5-2.2 प्रतिशत की मध्यम सीमा में बदलता रहा है और हाल के वर्षों में यह मामूली बना हुआ है। बैंकिंग क्षेत्र में एक संरचनात्मक बदलाव आया है—तुलन पत्र में सुधार के एक दशक लंबे चरण के बाद, आज बैंक ऐतिहासिक रूप से और अपने समकक्षों की तुलना में काफी मजबूत और बेहतर पूंजीकृत हैं।

राजकोषीय मोर्चे पर, हालांकि कोविड-19 के दौरान घाटे और ऋण के स्तर में वृद्धि हुई थी, भारत पुनः समेकन के मार्ग पर लौट आया है, जिसका स्पष्ट फोकस मध्यम अवधि में घाटों को कम करने और ऋण को स्थिर करने पर है। राजकोषीय परिणामों की गुणवत्ता को बढ़ाने पर एक विशिष्ट ध्यान दिया गया है, जिसमें पूंजीगत व्यय की ओर एक उल्लेखनीय बदलाव शामिल है, जिससे अर्थव्यवस्था की संवृद्धि क्षमता मजबूत हुई है (भारत सरकार, 2026)।

इन बेहतर परिणामों का श्रेय मजबूत नीतिगत फ्रेमवर्क और चुस्त नीतिगत प्रतिक्रियाओं को जाता है। भारत के नीतिगत फ्रेमवर्क लगातार विकसित हुए हैं और आज वे वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को दर्शाते हैं, जबकि घरेलू वास्तविकताओं में दृढ़ता से जड़े हुए हैं। राजकोषीय नीति में, राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एफ़आरबीएम) फ्रेमवर्क ने राजकोषीय प्रबंधन के लिए नियम-आधारित मार्ग प्रदान किया है, जबकि कोविड और अन्य बाहरी घटनाओं जैसे आघातों के प्रति प्रतिक्रिया देने के लिए लचीलापन बनाए रखा है। कर नीति में, वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) जैसे सुधारों ने अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को एकीकृत किया है और अनुपालन में सुधार किया है।

मौद्रिक नीति में, 2016 में पेश की गई लचीली मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण (एफ़आईटी) फ्रेमवर्क ने मुद्रास्फीति को कम किया है, मुद्रास्फीति अपेक्षाओं को स्थिर किया है, समष्टि आर्थिक अस्थिरता को घटाया है और नीतिगत विश्वसनीयता को बढ़ाया है। व्यापक वित्तीय क्षेत्र में, मजबूत बैंकिंग पर्यवेक्षण, बेहतर पूंजी मानदंडों और वित्तीय बाजारों में व्यापक विनियामक सुधारों ने प्रणाली की आघातसहनीयता को मजबूत किया है।

2. राज्यों में आर्थिक विकास के मार्ग की प्रमुख विशेषताएँ

राज्य पहले की तुलना में अधिक समृद्ध हो गए हैं। भारत की संवृद्धि की कहानी व्यापक समृद्धि से युक्त है, जिसमें पिछले

[2] भारत का सार्वजनिक ऋण टिकाऊ बना हुआ है। जैसा कि आइकनग्रीन, गुप्ता और अहमद (2024) द्वारा उल्लेख किया गया है, इसकी संरचना—मुख्य रूप से घरेलू, दीर्घावधि और रुपया आधारित—रीलोवर और मुद्रा जोखिमों को कम करती है, और अधिकांश धारणाओं के तहत, ऋण-से-सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अनुपात में धीरे-धीरे गिरावट आने की उम्मीद है।

दो दशकों में प्रत्येक राज्य ने प्रति व्यक्ति सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की है, जो यह इंगित करता है कि प्रगति केवल कुछ राज्यों या क्षेत्रों तक सीमित न रहकर संपूर्ण देशव्यापी रही है।[3] यह अमेरिकी डॉलर के मूल्यों में ही नहीं, बल्कि मुद्रास्फीति के लिए समायोजित स्थिर रुपये के मूल्यों में भी देखा गया है।

पिछले दो दशकों में, राज्यों में औसत प्रति व्यक्ति आय चालू अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में लगभग पांच गुना और स्थिर रुपये के संदर्भ में तीन गुना से अधिक बढ़ गई है, जो भारत की दीर्घकालिक आय में वृद्धि की शक्ति और निरंतर गति को रेखांकित करती है (सारणी 2)।

फिर भी, राज्यों में आय संवृद्धि की गति भिन्न-भिन्न रही है। पिछले दो दशकों में कुछ राज्य पांच से दस गुना अधिक समृद्ध हो गए हैं, जबकि अन्य ने लगभग तीन गुना की अधिक मामूली वृद्धि दर्ज की है। सापेक्ष प्रदर्शन का एक प्रबल सहसंबंधी कारक उनकी प्रारंभिक समृद्धि का स्तर है। अधिक समृद्ध राज्यों में प्रति व्यक्ति आय का स्तर अपेक्षाकृत कम समृद्ध राज्यों की तुलना में तेजी से बढ़ा है। यह तथ्य कि अतीत में गरीब राज्यों की तुलना में धनी राज्यों ने अधिक समृद्धि का अनुभव किया है और यह प्रवृत्ति उलटी नहीं हुई है, इसका तात्पर्य यह है कि राज्यों में आय के स्तर में अभिसरण नहीं हुआ है।

इसके बावजूद, समय के साथ विचलन की सीमा काफी कमजोर हुई है (चार्ट 2ए, 2बी, और 2सी)। दूसरे शब्दों में, हाल के वर्षों में धनी और गरीब राज्यों के बीच संवृद्धि का अंतर संकरा हुआ है। 1990 के दशक के दौरान प्रारंभिक आय और बाद की संवृद्धि के बीच का संबंध सकारात्मक और सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण (5 प्रतिशत स्तर पर) था (चार्ट 2ए)। अगले दशक में यह संख्यात्मक रूप से छोटा और सांख्यिकीय रूप से कम महत्वपूर्ण (10 प्रतिशत स्तर पर, चार्ट 2बी) हो गया। पिछले दशक के दौरान, गुणांक में तेजी से गिरावट आई है; और प्रारंभिक आय तथा बाद की दशकीय संवृद्धि के बीच का संबंध अब महत्वहीन हो गया है (चार्ट 2सी)। विचलन में इस कमी को पिछले दशक के दौरान ओडिशा, असम और उत्तर प्रदेश जैसे अपेक्षाकृत कम आय वाले राज्यों के बेहतर प्रदर्शन सहित अन्य कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

सारणी 2: 2024-25 से 2003-04 का प्रति व्यक्ति जीएसडीपी अनुपात

राज्य	नियत आईएनआर	वर्तमान अमेरिकी डॉलर
सिक्किम	6.0	11.4
तेलंगाना	4.5	7.9
कर्नाटक	3.9	6.7
तमिलनाडु	4.2	6.6
उत्तराखंड	3.9	6.1
आंध्र प्रदेश	3.5	5.9
अरुणाचल प्रदेश	2.7	5.8
ओडिशा	3.4	5.7
हरयाणा	3.3	5.6
गोवा	3.3	5.5
गुजरात	4.0	5.4
मिजोरम	4.3	5.3
राजस्थान	2.7	5.2
मध्य प्रदेश	2.9	5.2
बिहार	3.0	5.1
केरल	3.2	5.0
त्रिपुरा	3.9	4.9
असम	2.8	4.9
महाराष्ट्र	3.3	4.8
उतार प्रदेश	2.7	4.7
छत्तीसगढ	2.7	4.7
नगालैंड	3.0	4.6
हिमाचल प्रदेश	3.2	4.4
पश्चिम बंगाल	2.5	4.4
झारखंड	2.6	3.7
पंजाब	2.5	3.6
मणिपुर	2.1	3.5
मेघालय	2.2	3.3
औसत	3.3	5.4

टिप्पणी: 1. आंकड़ों की अनुपलब्धता के कारण, सिक्किम, गोवा, गुजरात, मिजोरम, नागालैंड और मणिपुर के लिए 2024-25 के आंकड़ों की जगह 2023-24 के आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया है।

2. स्थिर कीमतों पर जीएसडीपी (आईएनआर) 2011-12 के आधार वर्ष पर आधारित है;

3. औसत एक भारहीन (अनवेटेड) औसत है।

4. वर्ष 2003-04 से तेलंगाना के आंकड़े, जिसमें बैककास्टेड सीरीज़ शामिल है, ईपीडबल्यूआरएफ़ से प्राप्त किया गया था।

5. अमेरिकी डॉलर में प्रति व्यक्ति आय की गणना, वर्तमान मूल्य प्रति व्यक्ति आय को संबंधित वार्षिक औसत विनिमय दर से विभाजित करके की गई थी।

स्रोत: सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (ईपीडबल्यूआरएफ़ से प्राप्त); भारतीय अर्थव्यवस्था डेटाबेस (डीबीआईई) आरबीआई; और स्टाफ की गणनाएं।

समग्र रूप से, अतीत में धनी राज्यों द्वारा किया गया बेहतर प्रदर्शन न केवल उच्च आय संवृद्धि से, बल्कि धीमी जनसंख्य

[3] पिछले दशकों में इसके प्रभाव के साक्ष्यों के लिए पनगरिया (2010) देखें।

चार्ट 2: आय के स्तर अभी तक समान नहीं हो रहे हैं, लेकिन असमानता बढ़ने की दर धीमी हो गई है

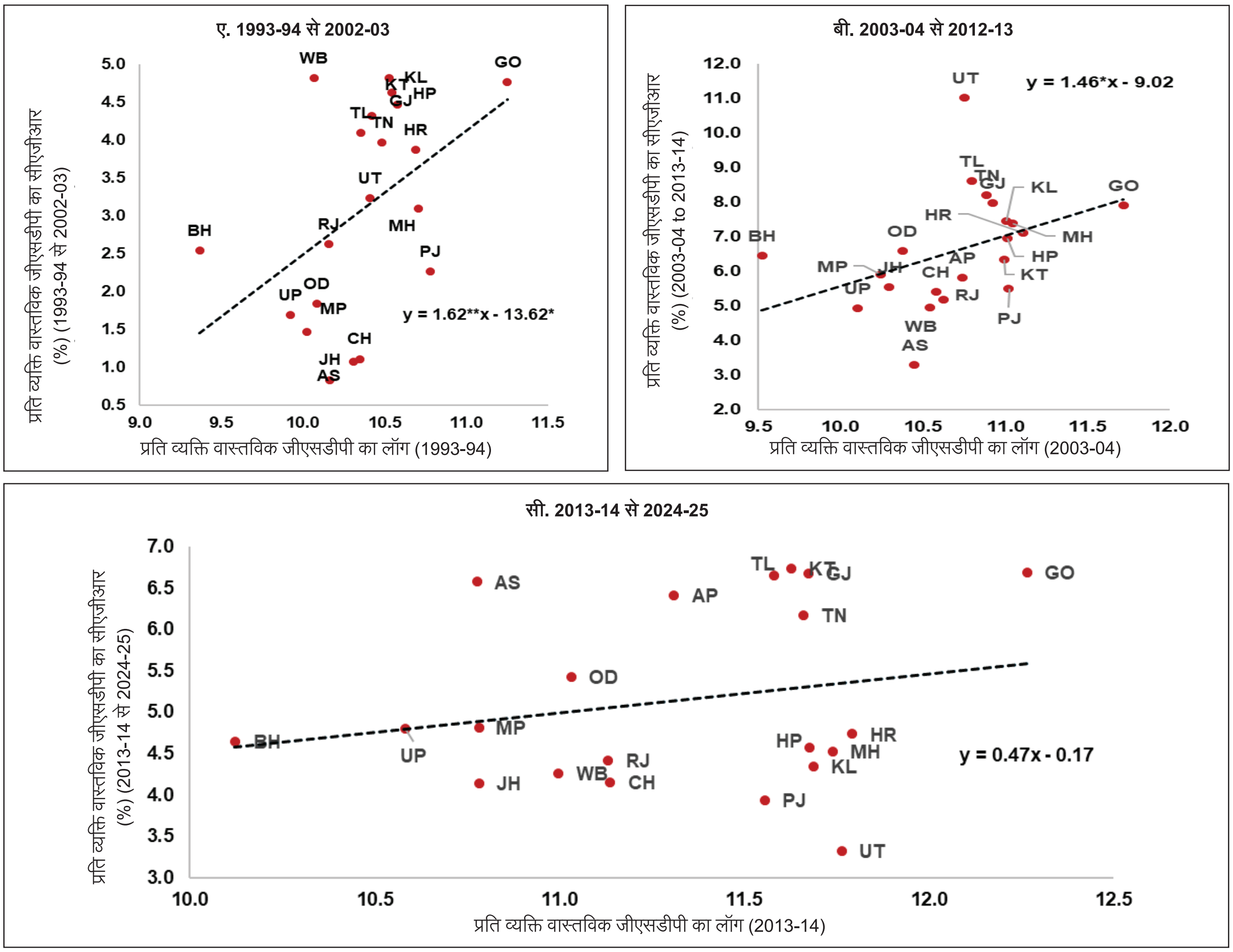

टिप्पणी: 1. चार्ट में राज्यों के लिए इस्तेमाल किए गए शॉर्ट नाम इस प्रकार हैं: आंध्र प्रदेश (AP), असम (AS), बिहार (BI), छत्तीसगढ़ (CS), गोवा (GO), गुजरात (GU), हरियाणा (HR), हिमाचल प्रदेश (HP), झारखंड (JH), कर्नाटक (KA), केरल (KL), मध्य प्रदेश (MP), महाराष्ट्र (MH), ओडिशा (OD), पंजाब (PB), राजस्थान (RJ), तमिलनाडु (TN), तेलंगाना (TL), उत्तर प्रदेश (UP), उत्तराखंड (UK), और पश्चिम बंगाल (WB)। हर पैनल में ऑब्जर्वेशन की संख्या 21 है। 2. सीएजीआर का अर्थ चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर है; 3. *, **, *** क्रमशः 10%, 5% और 1% स्तरों पर सार्थकता को दर्शाते हैं। 4. झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लिए 1993-94 के वर्ष से, जिसमें बैककास्टेड श्रृंखला शामिल है, डेटा ईपीडबल्यूआरएफ़ से प्राप्त किया गया था। 5. गोवा और गुजरात के आंकड़े 2023-24 तक उपलब्ध है। 6. चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) का अनुमान लगाने के लिए, निम्नलिखित सूत्र का उपयोग किया जाता है: सीएजीआर = ((अंतिम मान/आधार मान)1/t -1) * 100। उदाहरण के लिए, पैनल ए में, अंतिम मान 2002-03 में वास्तविक प्रति व्यक्ति आय है। आधार मान 1993-94 में प्रति व्यक्ति आय है और T समय अवधि है, जो यहाँ 9 वर्ष है।
स्रोत: एमओएसपीआई (ईपीडबल्यूआरएफ़ से प्राप्त) और स्टाफ गणनाएँ।

वृद्धि से भी संचालित रहा है (सारणी 3)। मध्यम आय स्तर से ऊपर के राज्यों में सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) की संवृद्धि दर अधिक रही है और साथ ही जनसंख्य वृद्धि दर धीमी रही है, जिसके परिणामस्वरूप प्रति व्यक्ति आय में तेज संवृद्धि हुई है।

सारणी 3: राज्यों में औसत सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी वृद्धि और जनसंख्या वृद्धि

(प्रतिशत)

	2003-04 से 2024-25 तक औसत वार्षिक वास्तविक जीएसडीपी वृद्धि	2003-04 से 2024-25 तक औसत वार्षिक जनसंख्या वृद्धि
माध्यिका से नीचे	6.8	1.4
माध्यिका से ऊपर	7.7	1.1

टिप्पणी: 1. आंकड़ों की अनुपलब्धता के कारण, सिक्किम, गोवा, गुजरात, मिजोरम, नागालैंड और मणिपुर के लिए 2024-25 के स्थान पर 2023-24 के आंकड़ों का उपयोग किया गया है।
2. 2003-04 में वास्तविक प्रति व्यक्ति राज्य सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर, राज्यों को माध्यिका से ऊपर या नीचे के रूप में वर्गीकृत किया गया है। माध्यिका से ऊपर वाले राज्यों में आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, पंजाब, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना और उत्तराखंड शामिल हैं। माध्यिका से नीचे वाले राज्यों में असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, उड़ीसा, राजस्थान, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।
3. बिना भारित औसत प्रस्तुत किया गया है।
4. तेलंगाना के लिए 2003-04 से आंकड़े, जिसमें पश्चगामित श्रृंखला शामिल है, ईपीडबल्यूआरएफ़ से प्राप्त किए गए थे।

स्रोत: एमओएसपीआई (ईपीडबल्यूआरएफ़ से प्राप्त) और स्टाफ गणनाएं।

यद्यपि राज्यों के बीच आय अभिसरण धीमी गति से हो रहा है, कई अन्य कल्याण संकेतक, विशेष रूप से प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय, अधिक निश्चित रूप से अभिसरण की ओर अग्रसर हैं। पिछले अवधियों में, उदाहरण के लिए ग्रामीण उपभोग व्यय के मामले में, उपभोग संवृद्धि का प्रारंभिक उपभोग स्तर के साथ सकारात्मक संबंध पाया जाता था, जिसका अर्थ है कि धनी राज्यों में उपभोग संवृद्धि का स्तर उच्च था (चार्ट 3ए और 3बी)। हालाँकि, हाल की अवधि (2011-12 से 2023-24) में, यह संबंध उलट गया है: ऐतिहासिक रूप से कम उपभोग स्तर वाले राज्य अब तेज उपभोग संवृद्धि दर्ज कर रहे हैं, जो प्रारंभिक उपभोग स्तर पर एक सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण ऋणात्मक गुणांक द्वारा पुष्टि होती है (चार्ट 3सी)। यह भारतीय राज्यों में जीवन स्तर के वितरणात्मक अभिसरण की दिशा में एक सार्थक परिवर्तन को चिह्नित करता है।

उपभोग व्यय से परे, सामाजिक-आर्थिक कल्याण के कई अन्य आयाम भी अभिसरण की ओर अग्रसर हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा,

चार्ट 3: मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय में अभिसरण

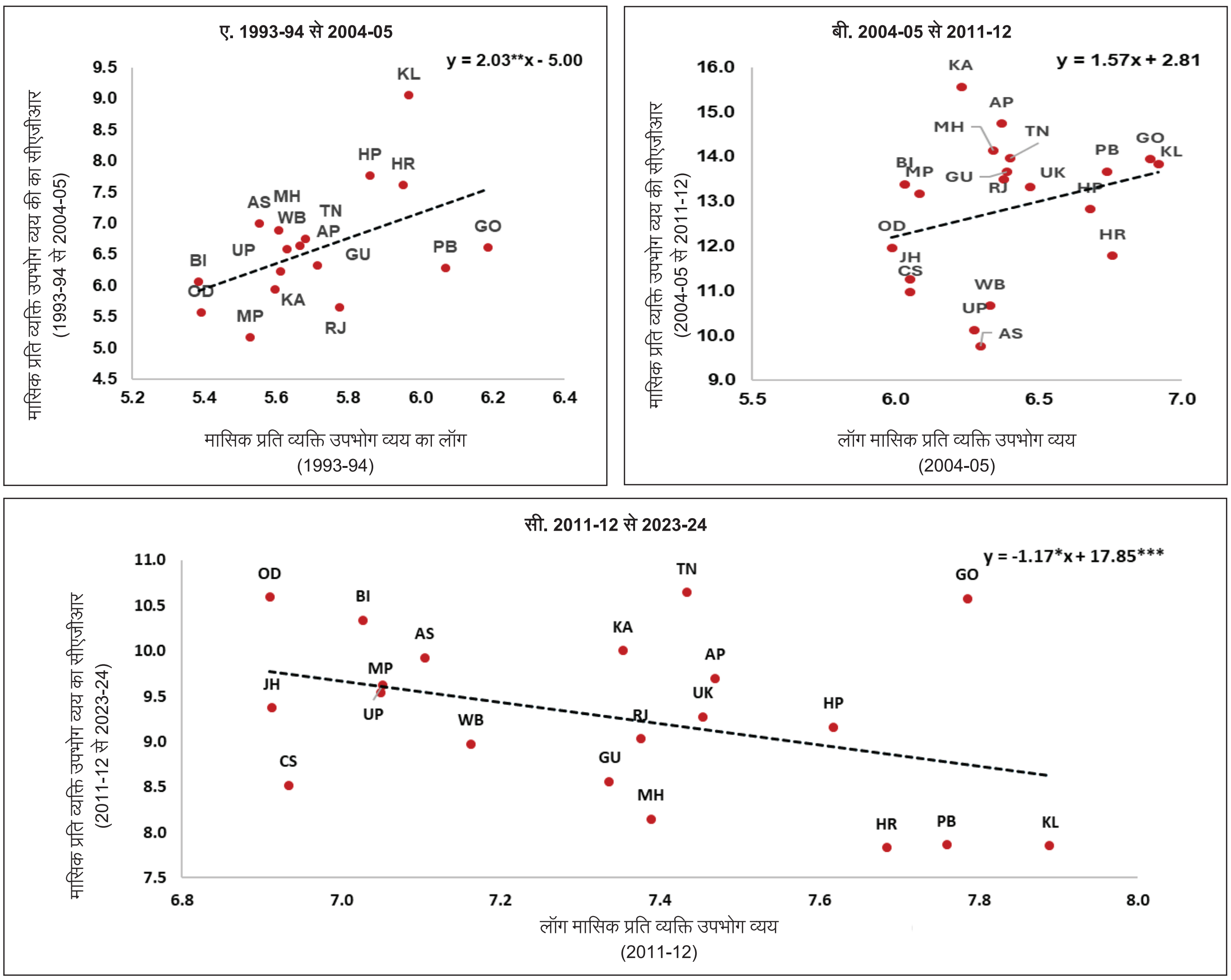

टिप्पणी: 1. *** क्रमशः 10%, 5% और 1% के स्तर पर महत्व को दर्शाते हैं। 2. सीएजीआर का मतलब चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर है। 3. एमपीसीई ग्रामीण डेटा पर आधारित है। 4. पैनल 3ए और पैनल 3बी रिग्रेशन में यूनिफ़ॉर्म रेफरेंस पीरियड का इस्तेमाल करके इकट्ठा किया गया डेटा है। पैनल 3ए में 17 राज्य शामिल हैं, जो हैं: आंध्र प्रदेश (AP), असम (AS), बिहार (BI), गोवा (GO), गुजरात (GU), हरियाणा (HR), हिमाचल प्रदेश (HP), कर्नाटक (KA), केरल (KL), मध्य प्रदेश (MP), महाराष्ट्र (MH), ओडिशा (OD), पंजाब (PB), राजस्थान (RJ), तमिलनाडु (TN), उत्तर प्रदेश (UP) और पश्चिम बंगाल (WB)। पैनल 3b रिग्रेशन में, ऊपर बताए गए राज्यों के साथ-साथ कुछ और राज्य भी जोड़े गए, जैसे छत्तीसगढ़ (CS), झारखंड (JH) और उत्तराखंड (UK)। पैनल 3सी रिग्रेशन में मॉडिफ़ाइड मिक्स्ड रेफरेंस पीरियड का इस्तेमाल करके इकट्ठा किया गया डेटा है।

स्रोत: घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस), एमओएसपीआई (ईपीडबल्यूआरएफ़ से लिया गया) और कर्मचारियों की गणना।और स्टाफ गणनाएं।

जनसांख्यिकी, भौतिक अवसंरचना, बिजली तक पहुंच, सुरक्षित पेयजल, स्वच्छता, खाना पकाने का स्वच्छ ईंधन और वित्तीय समावेशन से संबंधित संकेतक, राज्यों की प्रारंभिक आय के स्तर की परवाह किए बिना, सभी राज्यों में अधिक समानता की ओर अग्रसर हुए हैं। यह व्यापक अभिसरण संभवतः निरंतर नीतिगत प्रयासों, धनी राज्यों में संतृप्ति स्तर (जहाँ आगे की वृद्धि संख्यात्मक रूप से संभव नहीं है या प्राप्त करना स्वाभाविक रूप से कठिन है), और गरीब राज्यों में बढ़ती मांग (जहाँ आय स्तर में वृद्धि का अनुभव हो रहा है) से संचालित है।

चार्ट 4 (4ए से 4एच तक) मुख्य परिणाम संकेतकों के एक चयन पर इन प्रवृत्तियों को चित्रित करते हैं। महिला साक्षरता दर (प्रति 100 महिलाओं पर साक्षरता दर) दशकों से लगातार बढ़ी है, जबकि प्रजनन दर (प्रति महिला जन्मों की संख्या) में क्रमिक गिरावट आई है (चार्ट 4ए और 4बी)। उन बच्चों का प्रतिशत जो कुपोषित नहीं हैं, में सार्थक सुधार हुआ है, जो 2005-06 में लगभग 62 प्रतिशत से बढ़कर 2019-21 में 70 प्रतिशत के करीब पहुंच गया है (चार्ट 4सी)। शिशु उत्तरजीविता दर में भी दशकों से क्रमिक सुधार हुआ है (चार्ट 4डी)।

चार्ट 4: विकास संकेतकों में समानता

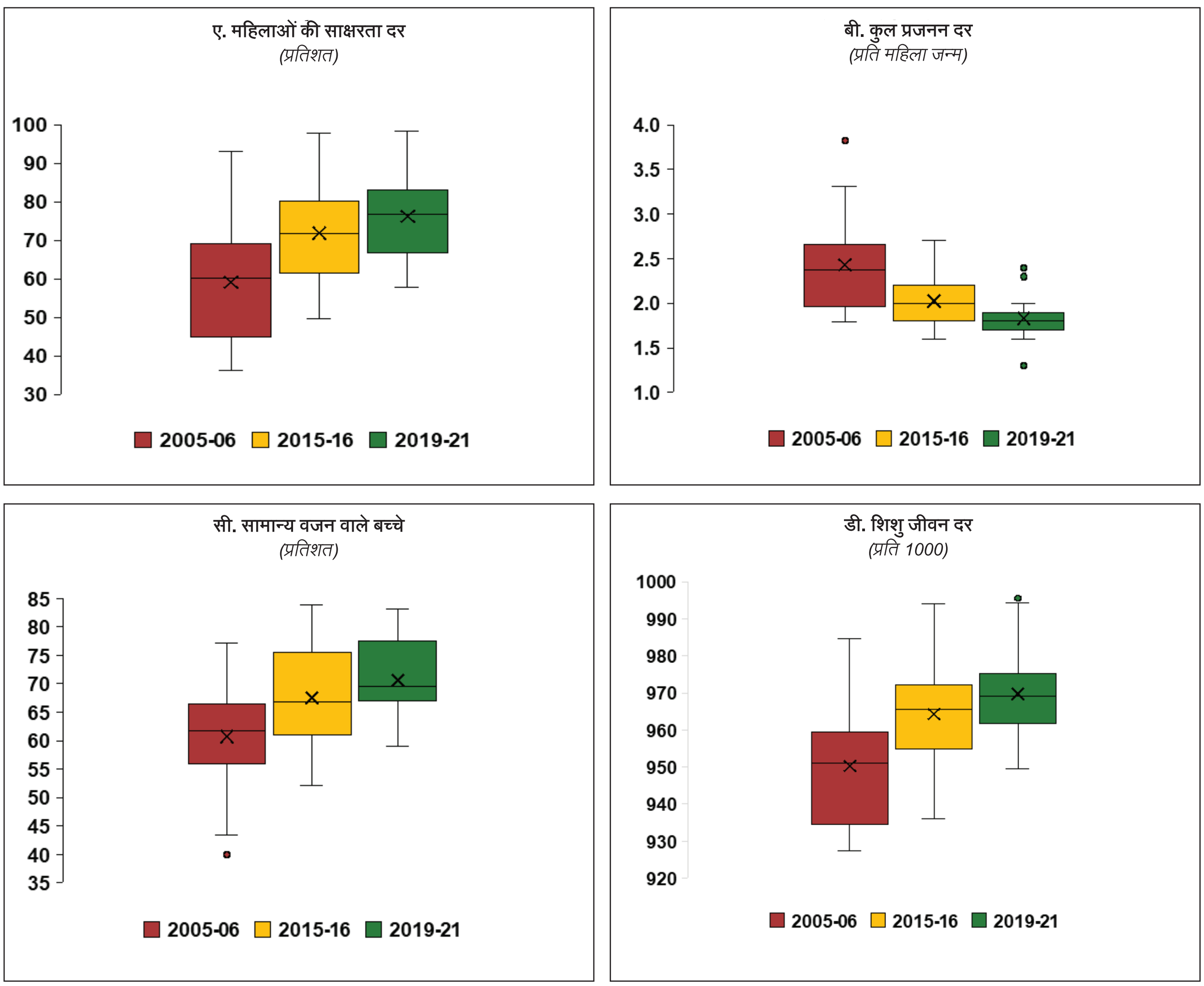

(Contd.)

चार्ट 4: विकास संकेतकों में समानता (जारी.)

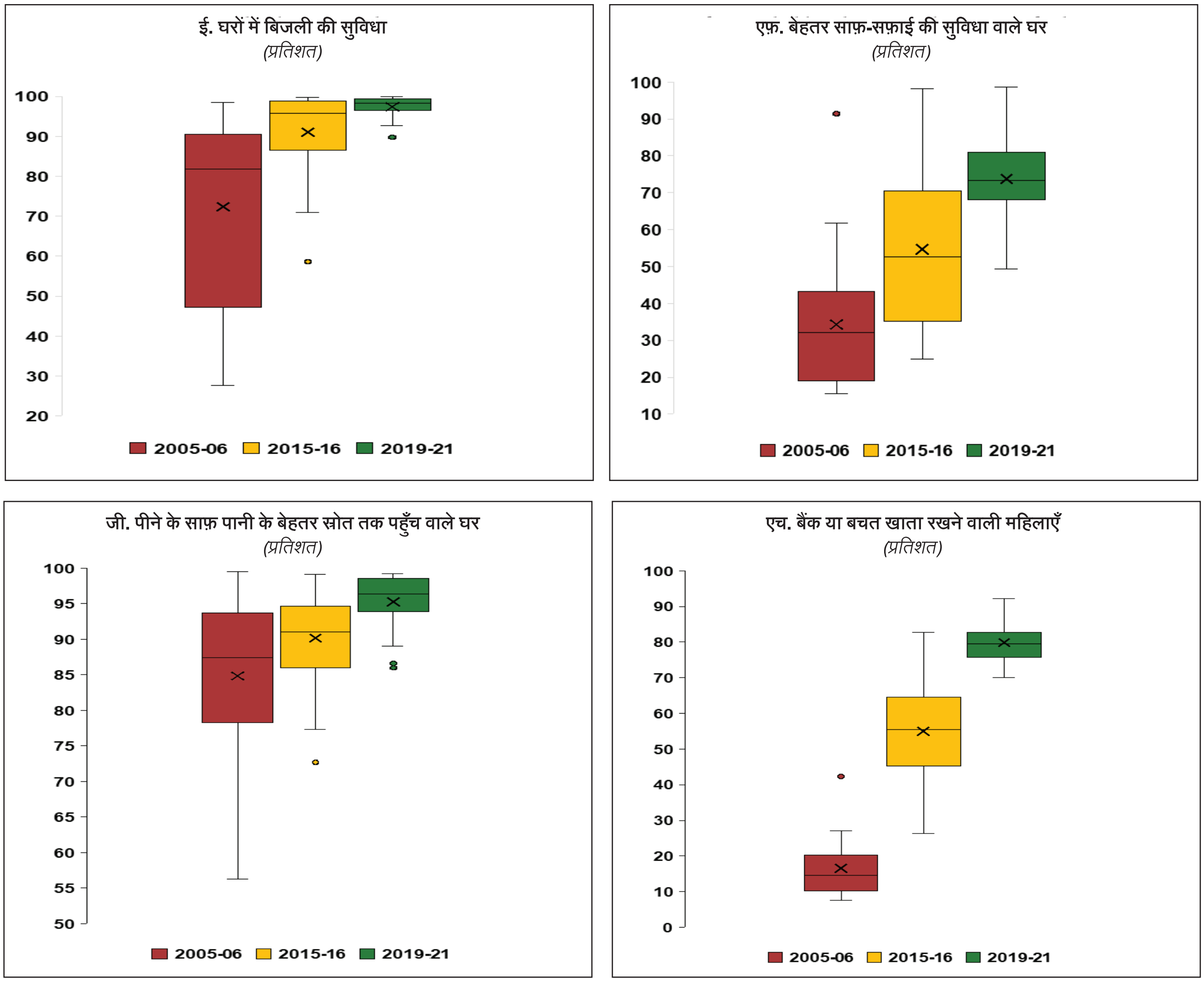

टिप्पणी: 1. बॉक्स इंटरक्वाटाइल रेंज (आईक्यूआर) का प्रतिनिधित्व करता है, जो तीसरे और पहले क्वार्टाइल (Q3-Q1) के बीच का अंतर है, और डेटा के बीच के 50% हिस्से को कवर करता है। औसत को क्रॉस ("x") से दर्शाया जाता है, जबकि माध्यिका को बॉक्स के अंदर की रेखा से दिखाया जाता है। व्हिस्कर 1.5 × IQR के भीतर के न्यूनतम और अधिकतम मानों तक जाते हैं। आउटलायर्स को व्हिस्कर के बाहर अलग से प्लॉट किया जाता है। 2. सामान्य वज़न वाले बच्चों का अनुपात 100 में से कम वज़न वाले बच्चों का प्रतिशत घटाकर निकाला जाता है। शिशु उत्तरजीविता दर, 1,000 में से शिशु मृत्यु दर को घटाकर प्राप्त की जाती है। 3. कुल प्रजनन दर के लिए, 2005-06 में उत्तर प्रदेश (3.82) और गोवा (1.3); तथा 2019-21 में झारखंड (2.3) और उत्तर प्रदेश (2.4) में अपसामान्य (आउटलायर) देखे गए हैं। जिन बच्चों का वज़न कम नहीं है, उनके लिए 2005-06 में मध्य प्रदेश (40) में अपसामान्य (आउटलायर) देखा गया। शिशु जीवित रहने की दर के लिए, 2019-21 में केरल (995.6) अपसामान्य (आउटलायर) है। बिजली की सुविधा वाले घरों के लिए, 2015-16 में बिहार (58.6) और 2019-21 में उत्तर प्रदेश (89.8) में अपसामान्य (आउटलायर) देखे गए हैं। बेहतर स्वच्छता सुविधाओं का उपयोग करने वाले परिवारों के लिए, 2005-06 में केरल (91.4) एक अपवाद (आउटलायर) के रूप में देखा गया। बेहतर पेयजल स्रोत तक पहुँच रखने वाले परिवारों के लिए, 2015-16 में आंध्र प्रदेश (72.7) और 2019-21 में असम (86) के साथ-साथ झारखंड (86.6) अपवाद रहे। जिन महिलाओं के पास बैंक या बचत खाता है, उनके लिए 2005-06 में गोवा (42.3) एक अपवाद के रूप में सामने आया।

स्रोत: एनएफ़एचएस (ईपीडबल्यूआरएफ़ से प्राप्त)।

बिजली, स्वच्छता सुविधाओं और बेहतर पेयजल सुविधाओं तक घरों की पहुंच में वृद्धि के साथ, मूलभूत सेवाओं तक पहुंच पूरे राज्यों में काफी मजबूत हुई है (चार्ट 4ई, 4एफ़ और 4जी)। वित्तीय गहनकरण के संकेतकों में सुधार हुआ है; उदाहरण के लिए, भारत में बैंक खाते तक पहुंच वाली महिलाओं का प्रतिशत 2005-06 में 14 प्रतिशत से बढ़कर 2019-21 के दौरान लगभग 80 प्रतिशत हो गया है (चार्ट 4एच)।

अभिसरण अन्य विकास संकेतकों जैसे लिंगानुपात (पुरुषों की तुलना में महिलाओं का अनुपात), बच्चों में विटामिन ए कवरेज, महिलाओं और बच्चों में एनीमिया की घटना, स्टंटिंग (आयु के अनुसार कम लंबाई) और वेस्टिंग (लंबाई के अनुसार कम वजन), स्वच्छ ईंधन तक पहुंच, महिलाओं द्वारा फोन और घर/भूमि का स्वामित्व, तथा घरेलू स्वास्थ्य बीमा कवरेज में भी स्पष्ट है। इनमें से प्रत्येक संकेतक में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है,

जिससे राज्यों के बीच फैलाव कम हुआ है। यह कल्याणकारी परिणामों में व्यापक सुधार के साथ-साथ राज्यों में जीवन स्तर में बढ़ते अभिसरण को दर्शाता है। यहाँ हमने जो चित्रित किया है, वह केवल संकेतकों का एक उप-समुच्चय है। ऐसे कई अन्य संकेतक हैं जहाँ इसी प्रकार की घटना स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

यह ध्यान देना उतना ही महत्वपूर्ण है कि संवृद्धि और विकास के सभी सक्षमकारकों में अभिसरण सार्वभौमिक नहीं रहा है। आंकड़ों की सीमाएँ इसे पूर्ण आंकिक यथार्थता के साथ स्थापित करना कठिन बनाती हैं, लेकिन कुछ संरचनात्मक चरों के लिए अंतर-राज्यीय अभिसरण सीमित प्रतीत होता है, जिनमें राज्य अर्थव्यवस्थाओं में कृषि का हिस्सा, कृषि से बहार निकलने की गति, उत्पादकता संवृद्धि, पूंजी निर्माण, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ़डीआई) के अंतर्वाह और बैंक ऋण संवृद्धि शामिल हैं। इन संकेतकों में देखे गए पैटर्न के अनुसार, संवृद्धि के कुछ चालक या सहसंबंधी अभी भी राज्यों में अपसरण दिखा रहे हैं।

यदि संवृद्धि की पिछली दरें बनी रहती हैं, तो 2047 तक कई राज्य "धनी" बन जाएंगे या धनी बनने के करीब पहुंच जाएंगे (समृद्धि की वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के अनुसार)। एक सरल काल्पनिक प्रयोग के रूप में, हमने पिछले दशक (2013-14 से 2024-25) में प्रति व्यक्ति सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) (अमरीकी डॉलर के पदों में और पुनः स्थिर भारतीय रुपये में) की प्रत्येक राज्य की औसत वार्षिक संवृद्धि दर की गणना की है; और अगले दो दशकों तक उसी संवृद्धि दर के बने रहने की धारणा पर 2046-47 में आय स्तर का अनुमान लगाने के लिए इनका उपयोग किया है।

इस आधार पर, 2046-47 तक भारत की प्रति व्यक्ति आय अमरीकी डॉलर के पदों में 4 गुना बढ़ने का अनुमान है। यह विस्तार व्यापक आधार वाला होने की उम्मीद है: मध्यम स्तर से ऊपर और नीचे दोनों तरह के राज्यों में महत्वपूर्ण लाभ दर्ज किये जाने का अनुमान है, जिसमें मध्यम स्तर से नीचे के राज्यों द्वारा काफी गति प्रदान की जा रही है, जो भारत की संवृद्धि पथ की समावेशी प्रकृति को और मजबूत करती है (चार्ट 5)।

चार्ट 5: दशकों के दौरान प्रति व्यक्ति जीएसडीपी

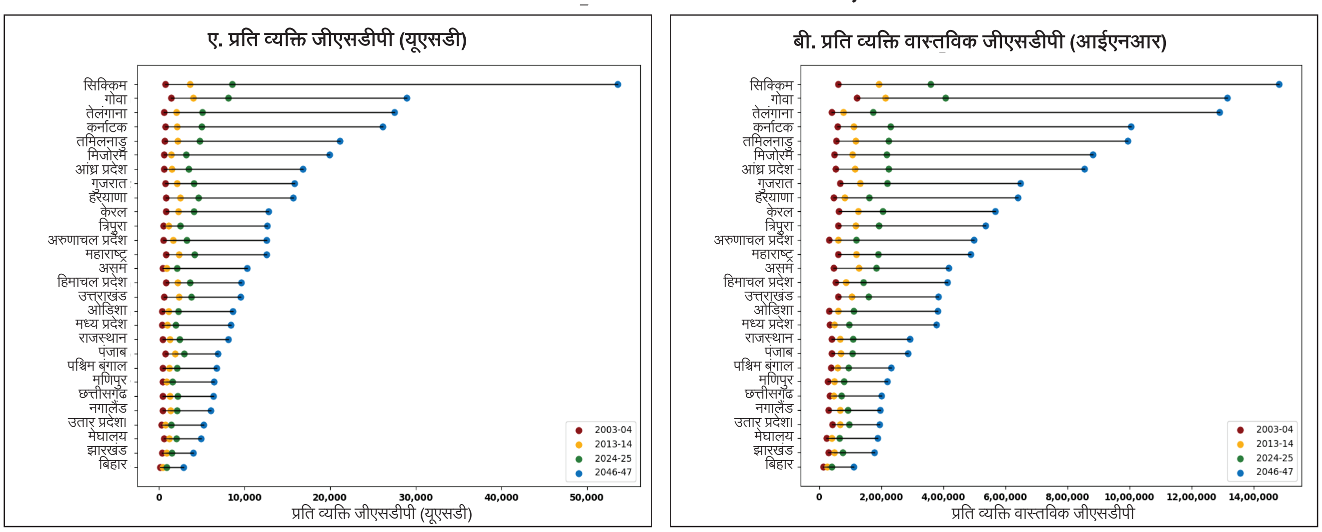

टिप्पणी: 1. आंकड़े उपलब्ध न होने के कारण, सिक्किम, गोवा, गुजरात, मिजोरम, नागालैंड और मणिपुर के लिए 2024-25 के आंकड़ों की जगह 2023-24 के आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया है; 2. तेलंगाना के लिए 2003-04 से डेटा (जिसमें बैककास्टेड सीरीज़ भी शामिल है) ईपीडबल्यूआरएफ़ से लिया गया था। 3. यूएसडी में प्रति व्यक्ति आय की गणना, मौजूदा कीमत पर प्रति व्यक्ति आय को संबंधित औसत वार्षिक विनिमय दर से विभाजित करके की गई थी।
4. 2046-47 में प्रति व्यक्ति जीएसडीपी का अनुमान लगाने के लिए, निम्नलिखित फ़ॉर्मूले का इस्तेमाल किया गया है। $p^{2046-47} = p2024\text{-}25 * (1+g/100)^t$
*p*2046-47: 2046-47 में प्रति व्यक्ति जीएसडीपी
*p*2024-25: 2024-25 में प्रति व्यक्ति जीएसडीपी
g: 2013-14 से 2024-25 की अवधि के लिए औसत वार्षिक वृद्धि
t = समय अवधि, जो 22 साल है। जिन राज्यों के लिए 2023-24 का नवीनतम डेटा उपलब्ध है, उनके लिए समय अवधि 23 साल है।
स्रोत: एमओएसपीआई (ईपीडबल्यूआरएफ़ से लिया गया); भारतीय अर्थव्यवस्था पर डेटाबेस (डीबीआईई) आरबीआई; और स्टाफ़ की गणनाएँ।

[4] ऐसे परिवार जिनके कम से कम एक सदस्य के पास स्वास्थ्य बीमा का कवरेज है।

[5] यह सरल दृष्टिकोण संवृद्धि के स्रोतों या जनसंख्या वृद्धि दरों, सांकेतिक सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) वृद्धि दरों; या डिफ्लेटर की संबंधित प्रवृत्तियों के बारे में तटस्थ है।

3. 2047 तक एक अत्यधिक समृद्ध अर्थव्यवस्था का दर्जा प्राप्त करने की हमारी कवायद के लिए उपरोक्त अवलोकनों के निष्कर्ष और निहितार्थ

2047 तक समृद्धि के एक और उच्च स्तर तक पहुंचने के लिए हालिया संवृद्धि पथों को बनाए रखना या उनसे बेहतर प्रदर्शन करना, उप-राष्ट्रीय स्तरों पर हमारे संवृद्धि फ्रेमवर्कों का विस्तार करने की मांग करेगा। नीतिगत प्राथमिकताएं स्वाभाविक रूप से राज्यों के स्पेक्ट्रम में भिन्न-भिन्न होंगी। मध्यम स्तर से ऊपर के राज्यों के लिए, ध्यान केंद्रित नवाचार और पैमाने, नियोजित शहरीकरण, वैश्विक और घरेलू प्रतिभा को आकर्षित करने, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर बाजार हिस्सेदारी का विस्तार करने, तथा व्यापार, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और वित्त पर राष्ट्रीय फ्रेमवर्क को आकार देने में सक्रिय रूप से भाग लेने पर होना चाहिए। मध्यम स्तर से नीचे के राज्यों के लिए, प्राथमिकताओं में कृषि में उत्पादकता को अनलॉक करना और इस क्षेत्र की पुनः कल्पना करना; कौशल निर्माण; राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय श्रम बाजारों में अधिक एकीकरण; अधिक उन्नत राज्यों की पूरकता करना (विशेष रूप से श्रम-गहन गतिविधियों में); राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सिद्ध सर्वोत्तम प्रथाओं का अनुकरण करते हुए विशिष्ट ताकतें विकसित करना; और तेज संवृद्धि का समर्थन करने के लिए राजकोषीय क्षमता को मजबूत करना शामिल हो सकता है।

वृद्धि को गति प्रदान करने के लिए केंद्र और राज्यों के पास उपलब्ध विशिष्ट नीतिगत भूमिकाओं का स्पष्ट स्वीकरण और अधिक प्रभावी उपयोग आवश्यक है।

अनेक समष्टि आर्थिक नीतियां राष्ट्रीय स्तर पर तैयार की जाती हैं। इनमें मौद्रिक नीति; बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों को कवर करने वाला वित्तीय क्षेत्र विनियमन; इक्विटी और ऋण बाजारों तथा निजी इक्विटी का विकास; व्यापार, विनिमय दर और पूंजी खाता खुलेपन सहित बाह्य क्षेत्र से संबंधित नीतियां; और औद्योगिक तथा प्रतियोगिता नीति सहित अन्य शामिल हैं।

राज्य स्तर पर, उपलब्ध नीतिगत अवकाश और साधन भिन्न हैं, हालांकि वे कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। राज्य सरकारें व्यापार करने में सुगमता के वातावरण को आकार देती हैं; भूमि और श्रम बाजार की स्थितियों का निर्धारण करती हैं; शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच; सार्वजनिक सेवाओं की डिलीवरी; और अपने बजट का आवंटन आवर्ती और पूंजीगत व्यय के बीच तथा मेरिट और नॉन-मेरिट गतिविधियों के बीच करके सार्वजनिक वित्त की गुणवत्ता को बढ़ाने का कार्य करती हैं। एक समग्र फ्रेमवर्क में इन सभी को सुदृढ़ करना प्रत्येक राज्य की समृद्धि की संवृद्धि दर और राष्ट्रीय औसत को तेज करने के लिए महत्वपूर्ण होगा।

निष्कर्ष

समृद्धि भारत की महत्वाकांक्षा भी है और उसका भाग्य भी। अब मूल प्रश्न यह नहीं है कि क्या भारत समृद्ध होगा, बल्कि यह है कि यह समृद्धि कितनी शीघ्रता से, कितनी व्यापकता से और कितनी न्यायसंगत रूप से अपने राज्यों और जनता के बीच साझा की जाएगी।

आय में विचलन की गति काफी कमजोर पड़ी है, क्योंकि समृद्ध और गरीब राज्यों के बीच वृद्धि का अंतर लगातार कई दशकों से संकुचित हुआ है। इसी बीच, कल्याण और विकास के एक विस्तृत श्रेणी के संकेतकों—जैसे प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय, साक्षरता, पोषण, बुनियादी सेवाओं तक पहुंच, वित्तीय समावेशन, और स्वास्थ्य तथा लिंग संबंधी परिणामों की एक श्रृंखला—में अभिसरण तेज और अधिक निर्णायक रहा है। पिछड़े राज्य पीछे से आगे बढ़ रहे हैं, और भारत में कल्याण का वितरण अधिक समान होता जा रहा है।

भविष्य की ओर देखें, तो यदि पिछले दो दशकों की वृद्धि प्रवृत्तियां बनी रहती हैं, तो 2046-47 तक औसत राज्य प्रति व्यक्ति आय उच्च-आय सीमाओं के निकट पहुंच सकती है। महत्वपूर्ण रूप से, अनुमान है कि माध्यिका से नीचे वाले राज्य इस विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान देंगे, जो भारत की वृद्धि की कहानी की व्यापक-आधारित प्रकृति को और सुदृढ़ करेगा। हालांकि, इस संभावना की पूर्ति और इसकी गति को त्वरित करने के लिए, राज्य-विशिष्ट वृद्धि रणनीतियों की ओर बढ़ना आवश्यक होगा, जो स्थानीय शक्तियों, संरचनात्मक वास्तविकताओं और विकास के अपने-अपने चरणों पर आधारित हों।

इसके लिए समग्र मूल्यांकन, समृद्ध संवाद, अधिक जागरूकता, राज्यों में विशिष्ट कार्रवाईयां, और एक-दूसरे से सीखते हुए अपनी मौजूदा शक्तियों का पूर्णतः लाभ उठाने और नए तुलनात्मक लाभों का निर्माण करने की आवश्यकता है।

संदर्भ

आइकनग्रीन, बैरी, गुप्ता, पूनम, और अहमद, आयशा। (2024)। भारत का ऋण दुविधा, इंडिया पॉलिसी फॉरम, खंड 20(1), पृष्ठ 1-62।

भारत सरकार (2026)। राजकोषीय विकास - विश्वसनीय समेकन के माध्यम से स्थिरता को सुदृढ़ बनाना, अध्याय 2, आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26, वित्त मंत्रालय।

गुप्ता, पूनम (2025)। आर्थिक आघातसहनीयता के लिए नीति फ्रेमवर्क: उभरते बाजारों और भारत का मामला (बिजनेस स्टैंडर्ड बीएफएसआई इनसाइट शिखर सम्मेलन, मुंबई में संबोधन)।

गुप्ता, पूनम (2026)। भारत की संवृद्धि पर परिप्रेक्ष्य: पिछले चार दशकों से वर्तमान तक (केंद्र फॉर डेवलपमेंट स्टडीज का 14वां स्थापना दिवस व्याख्यान)।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (2025)। विश्व आर्थिक आउटलुक, अक्टूबर।

पनागड़िया, अरविंद (2010)। संवृद्धि के मार्ग पर भारत: कोई राज्य पीछे नहीं, कोलंबिया प्रोग्राम ऑन इंडियन इकोनॉमिक पॉलिसीज वर्किंग पेपर नं. 2010-1।

भारतीय रिज़र्व बैंक (2025)। वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट, दिसंबर।

आलेख

अर्थव्यवस्था की स्थिति

अर्थव्यवस्था की स्थिति*

वैश्विक अर्थव्यवस्था पश्चिम एशिया में अनिश्चितताओं से घिरी हुई है। घरेलू आर्थिक गतिविधियों ने अप्रैल में आघात-सहनीयता दर्शाई, जिसमें औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों ने कई क्षेत्रों में मजबूती बनाए रखी। कृषि में, गर्मियों की बुवाई अच्छी तरह से आगे बढ़ी, जो सामान्य से अधिक मॉनसून पूर्व वर्षा और पर्याप्त जलाशय स्तरों से समर्थित है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल में बढ़कर 3.5 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मुख्य रूप से खाद्य मुद्रास्फीति के कारण हुई। मार्च में निवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) लगातार दूसरे महीने सकारात्मक रहा। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक अप्रैल और मई में निवल बिकवाल बने रहे, हालांकि निकासी की गति कम रही।

भूमिका

अप्रैल में वैश्विक आर्थिक गतिविधि पश्चिम एशिया में अनिश्चितताओं और ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार प्रवाह में व्यवधान से प्रभावित रही। इसके व्यापक आर्थिक प्रभावों पर चिंताओं के परिणामस्वरूप वित्तीय बाजारों के विभिन्न क्षेत्रों में अस्थिरता बढ़ गई। मार्च की तुलना में वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में मामूली सुधार देखा गया। हालांकि, बढ़ती इनपुट लागत, आपूर्ति श्रृंखलाओं की बाधाओं और कमजोर कारोबारी धारणा के बीच विस्तार की गति धीमी रही। संकुचित शिपिंग मार्गों और व्यापार प्रवाह ने 2022 के बाद से आपूर्ति श्रृंखला के दबाव को अपने उच्चतम स्तर पर बढ़ा दिया।

वस्तुएं, विशेष रूप से ऊर्जा बाज़ारों में, दबाव में रहीं। उच्च परिवहन और रसद लागत और रिफाइनरी शटडाउन ने धातुओं, उर्वरकों और खाद्य कीमतों पर ऊपर की ओर दबाव डाला, जिसके परिणामस्वरूप वैश्विक कमोडिटी की कीमतों में व्यापक वृद्धि हुई। स्वर्ण की कीमतें सीमाबद्ध बनी रहीं, उतार-चढ़ाव मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर की सुरक्षित स्तर मांग के पुनरुद्धार और मुद्रास्फीति के दबाव से प्रेरित थे।

प्रौद्योगिकी से संबंधित शेयरों में तेजी और जोखिम उठाने की क्षमता में सुधार के समर्थन से अप्रैल में इक्विटी बाजारों में तेजी आई। हालांकि, पश्चिम एशिया युद्ध और बातचीत की प्रगति की अस्थिर खबरों से बाज़ार में उतार-चढ़ाव रहा। बॉण्ड प्रतिफल अर्थव्यवस्थाओं में मजबूत हुए, जो मुद्रास्फीति संबंधी चिंताओं और बढ़े हुए ऋण को दर्शाते हैं। विकास और मुद्रास्फीति के परिदृश्य पर बढ़ती अनिश्चितताओं के परिदृश्य में, प्रमुख केंद्रीय बैंकों ने अपनी नीतिगत दरों पर यथास्थिति बनाए रखने का विकल्प चुना।

अप्रैल में घरेलू आर्थिक गतिविधियों में कुछ संकेतकों में गिरावट के बावजूद आघात-सहनीयता दिखी। कई क्षेत्रों में औद्योगिक और सेवा गतिविधि मजबूत रही। 2025-26 की चौथी तिमाही के लिए सूचीबद्ध निजी गैर-वित्तीय कंपनियों के शुरुआती परिणामों ने भी पिछली तिमाही की तुलना में व्यावसायिक प्रदर्शन में सुधार दिखाया, जिसमें कुल बिक्री और परिचालन लाभ में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई।

कृषि क्षेत्र में, गर्मियों की बुवाई की तेजी से प्रगति को सामान्य से अधिक मॉनसून पूर्व वर्षा और पर्याप्त जलाशय भंडारण स्तर का समर्थन प्राप्त हुआ। हालांकि, देश के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान और बेमौसम बारिश की उच्च संभावना शेष रबी फसलों की कटाई के लिए जोखिम पैदा कर सकती है। मौजूदा सार्वजनिक खाद्यान्न स्टॉक घरेलू खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बफर मानदंडों से काफी ऊपर है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल में बढ़कर 3.5 प्रतिशत हो गई। वृद्धि मुख्य रूप से खाद्य से प्रेरित थी। कोर मुद्रास्फीति (खाद्य और ईंधन को छोड़कर सीपीआई) स्थिर रही, जो उच्च इनपुट लागत स्थितियों के सीमित प्रभाव-अंतरण को दर्शाती है।

* यह आलेख राजीब दास, राधेश्याम वर्मा, शशि कांत, ऋषभ कुमार, रजनी दहिया, श्रेया कंसल, दुर्गा जी, बजरंगी लाल गुप्ता, अमीन अशरफ, सत्यार्थ सिंह, निलावा दास, सत्येंद्र कुमार, साक्षी चौहान, राधिका सिंह, श्रीतमा रे, शिवम, आलोक कुमार घोष, मनीष कुमार त्रिपाठी, स्निग्धा योगींद्रन, श्रेया गुप्ता, कार्तिकेय भार्गव, अजय कुमार, सतद्रू दास, कपिल देव मन्हास, और खुशी सिन्हा द्वारा तैयार किया गया है। उप गवर्नर डॉ. पूनम गुप्ता द्वारा प्रदान किए गए मार्गदर्शन और टिप्पणियों को कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार किया जाता है। विनीत कुमार श्रीवास्तव, आशीष थॉमस जॉर्ज और अभिषेक रंजन द्वारा सहकर्मी समीक्षा के लिए आभार। इस आलेख में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के हैं और भारतीय रिज़र्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

मुख्य रूप से कच्चे तेल और स्वर्ण के आयात के कारण आयात बिल में वृद्धि के साथ मार्च 2026 की तुलना में अप्रैल 2026 में पण्य वस्तु व्यापार घाटा बढ़ गया। व्यापार घाटे में भी अप्रैल 2025 की तुलना में मामूली वृद्धि दर्ज की गई।

सरकारी व्यय में वृद्धि के कारण अप्रैल में कमी के बाद मई प्रणाली चलनिधि में थोड़ी कमी आई। मौजूदा आसान चलनिधि स्थितियों को दर्शाते हुए, भारित औसत कॉल दर (डब्ल्यूएसीआर) आम तौर पर अप्रैल और मई के दौरान नीति रेपो दर से नीचे रही। ट्रेजरी बिलों और दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों पर प्रतिफल मई में बढ़ गया। वाणिज्यिक पत्र और जमा प्रमाणपत्रों पर प्रतिफल माह की दूसरी छमाही से मजबूत होने से पहले अप्रैल की शुरुआत में सौम्य रहा। कॉर्पोरेट बॉण्ड प्रतिफल मई में बढ़ा, जो कि सरकारी बॉण्ड प्रतिफल के कारण रहा, जबकि उनके स्प्रेड ने मिश्रित रुझान प्रदर्शित किए।

अमेरिका-ईरान संघर्ष विराम की घोषणा के बीच अप्रैल में भारतीय इक्विटी बाज़ारों में तेजी आई, हालांकि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने लाभ को सीमित कर दिया। अन्य बातों के साथ-साथ पश्चिम एशिया में लगातार तनाव और तेल की ऊंची कीमतों के कारण मई में अब तक बाजार सुस्त रहे हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफ़पीआई) निवल विक्रेता बने रहे, लेकिन बिकवाली की मात्रा पिछले माह के ऊंचे स्तरों की तुलना में कम हो गई।

वर्ष 2025-26 के दौरान, सकल और निवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) दोनों प्रवाह पिछले वर्ष की तुलना में अधिक थे। सकल एफडीआई में गिरावट के बावजूद मार्च में निवल एफडीआई लगातार दूसरे माह सकारात्मक रहा। मई में नए सिरे से भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के साथ रुपये का अवमूल्यन हुआ।

इस पृष्ठभूमि में, आलेख के शेष भाग को चार खंडों में संरचित किया गया है। खंड II वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकसित विकास को कवर करता है। खंड III घरेलू व्यापक आर्थिक स्थितियों का आकलन प्रदान करता है। खंड IV भारत में वित्तीय स्थितियों को समाहित करता है, जबकि खंड V समापन टिप्पणियों को प्रस्तुत करता है।

II. वैश्विक सेटिंग

वैश्विक अनिश्चितता बनी रही, हालांकि अप्रैल में भू-राजनीतिक जोखिम सूचकांक कम हो गया, जो पश्चिम एशिया में विकसित भू-राजनीतिक गतिकी को दर्शाता है (चार्ट II.1ए)। अप्रैल में घोषित एक अस्थायी युद्धविराम ने भू-राजनीतिक तनाव को कम किया, और मार्च में देखे गए शिखर से वित्तीय बाजार की अस्थिरता में कुछ कमी आई। हालांकि, उभरती अर्थव्यवस्थाओं में वित्तीय बाजार की अस्थिरता मई में फिर से बढ़ गई, क्योंकि कई अर्थव्यवस्थाएं बढ़ी हुई ऊर्जा की कीमतों और बाह्य आघातों की चपेट में रहीं (चार्ट II.1बी)। अप्रैल में आपूर्ति श्रृंखला का दबाव जुलाई 2022 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, क्योंकि पश्चिम एशिया संघर्ष ने वैश्विक व्यापार प्रवाह को काफी बाधित कर दिया (चार्ट II.1सी)।

वैश्विक समग्र पीएमआई ने मार्च में देखी गई महत्वपूर्ण मंदी के बाद अप्रैल में समग्र आर्थिक गतिविधि की गति में सुधार का संकेत दिया। हालाँकि, विस्तार की गति कमजोर रही, जो आपूर्ति श्रृंखला में देरी, बढ़ती इनपुट लागत और कमजोर व्यावसायिक विश्वास के संयुक्त प्रभावों को दर्शाती है। विनिर्माण क्षेत्र ने लगातार दूसरे महीने सेवाओं को पीछे छोड़ दिया। लगातार दूसरे माह विनिर्माण क्षेत्र ने सेवा क्षेत्र से बेहतर प्रदर्शन किया। इसकी एक वजह एहतियात के तौर पर स्टॉक जमा करना था; आपूर्ति में और रुकावटों और कीमतों के दबाव से बचने के लिए ऑर्डर पहले ही दे दिए गए थे। पश्चिम एशिया संघर्ष की निरंतरता के बीच अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सुस्ती की पुष्टि करते हुए अप्रैल में लगातार दूसरे माह नए निर्यात ऑर्डर संकुचन में रहे। विनिर्माण और सेवाओं के निर्यात आदेशों के बीच रुझान स्पष्ट रूप से भिन्न थे। जबकि सेवाओं में और सेंध थी, विनिर्माण स्टॉक बिल्डिंग के कारण विस्तार मोड में बने रहने में कामयाब रहा (सारणी II.1)।

चार्ट II.1: वैश्विक अनिश्चितता बनी रही और आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव बढ़ा

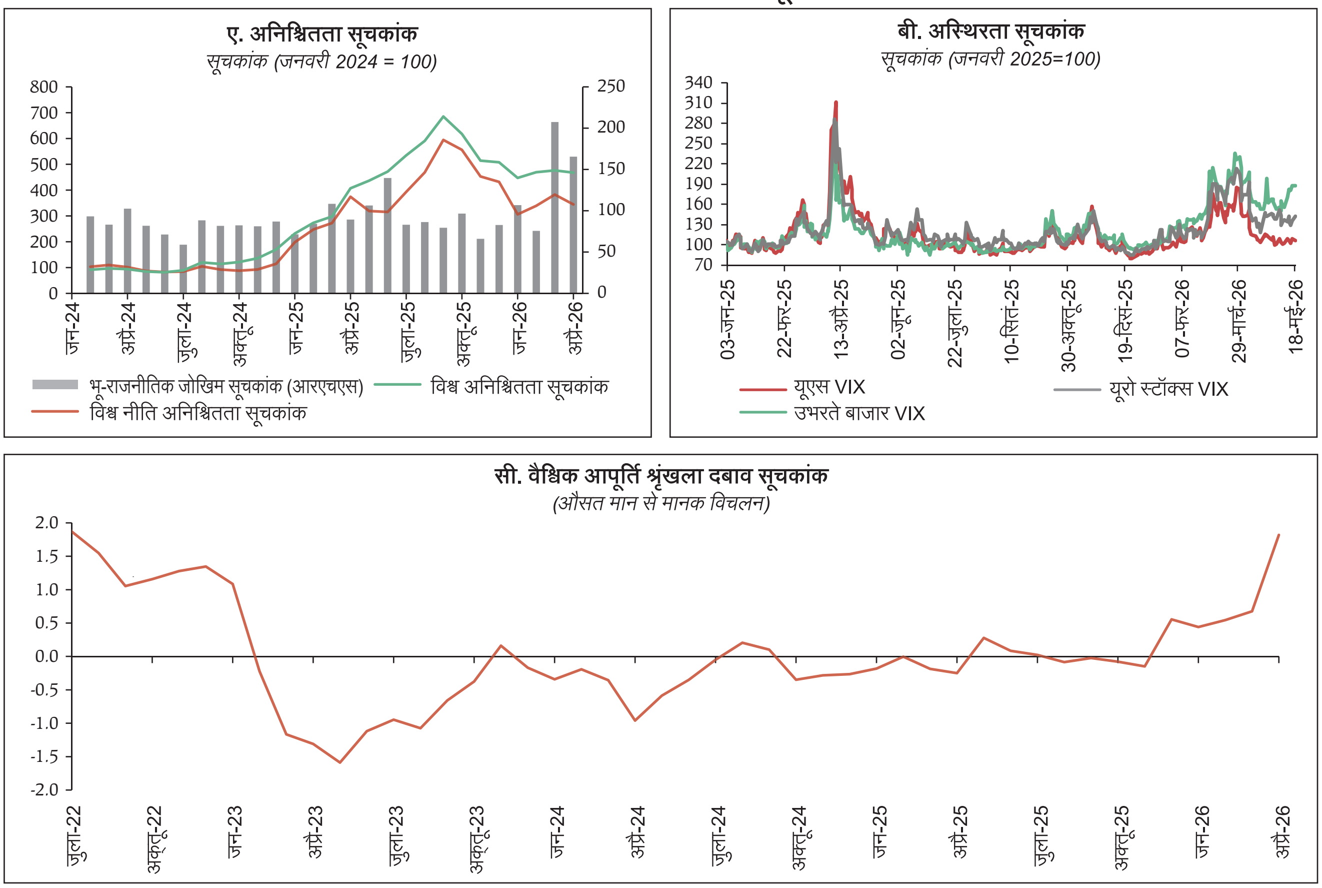

स्रोत: शिकागो बोर्ड ऑप्शंस एक्सचेंज: ब्लूमबर्ग: www.PolicyUncertainty.com; वर्ल्ड अनसर्टेनिटी इंडेक्स (डबल्यूयूआई) डेटाबेस; और फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ न्यूयॉर्क।

प्रमुख उन्नत अर्थव्यवस्थाओं (एई) में, संयुक्त पीएमआई अप्रैल में अमेरिका और ब्रिटेन में क्रमिक रूप से बढ़ा, जबकि यूरो क्षेत्र और जापान में इसमें कमी आई। प्रमुख उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (ईएमडीई) में, भारत और चीन में व्यावसायिक गतिविधि का विस्तार हुआ। नए निर्यात आदेशों में रुझान सभी क्षेत्रों में अलग-अलग रहे (चार्ट II.2)।

सारणी II.1: वैश्विक क्रय प्रबंधक सूचकांक

	मार्च-25	अप्रै-25	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सितं-25	अक्तू-25	नवं-25	दिसं-25	जन-26	फर-26	मार्च-26	अप्रै-26
पीएमआई संयुक्त	52.1	50.8	51.2	51.7	52.5	52.9	52.5	53	52.7	52	52.5	53.3	51	51.8
पीएमआई विनिर्माण	50.3	49.8	49.5	50.4	49.7	50.9	50.7	50.9	50.5	50.4	50.9	51.9	51.3	52.6
पीएमआई सेवाएं	52.7	50.8	52	51.8	53.5	53.3	52.9	53.5	53.2	52.4	52.7	53.4	50.8	51.2
पीएमआई निर्यात आदेश	50.1	47.5	48.0	49.1	48.5	48.9	49.7	48.6	50.0	49.2	49.7	51.2	49.6	49.6
पीएमआई निर्यात आदेश : विनिर्माण	50.1	47.3	48.0	49.2	48.2	48.7	49.5	48.3	49.9	49.1	49.9	51.4	50	50.2
पीएमआई निर्यात आदेश : सेवाएँ	50.1	48.2	47.9	48.7	49.4	49.3	50.2	49.4	50.2	49.6	49.0	50.6	48.3	47.6

50

<<<<<<संकुचन---विस्तार>>>>>>

टिप्पणियाँ: 1. पीएमआई, एक प्रसार सूचकांक है, जो पिछले माह की तुलना में हर चर की निवल प्रतिक्रिया में बदलाव को दर्शाता है। पीएमआई वैल्यू 50 से ज़्यादा होने पर विस्तार होता है: 50 से कम होने पर संकुचन होता है; और 50 रहने पर 'कोई बदलाव नहीं' होता है।

2. हीट मैप अप्रैल 2023 के बाद के डेटा पर लागू किया जाता है। लाल रंग सबसे कम वैल्यू को दिखाता है, पीला रंग बिना किसी बदलाव वाली वैल्यू को दिखाता है, और हरा रंग हर पीएमआई श्रृंखला में सबसे ज़्यादा वैल्यू को दिखाता है।

स्रोत: एसएंडपी ग्लोबल।

चार्ट II.2 : क्रय प्रबंधक सूचकांक : विभिन्न क्षेत्रों में तुलना

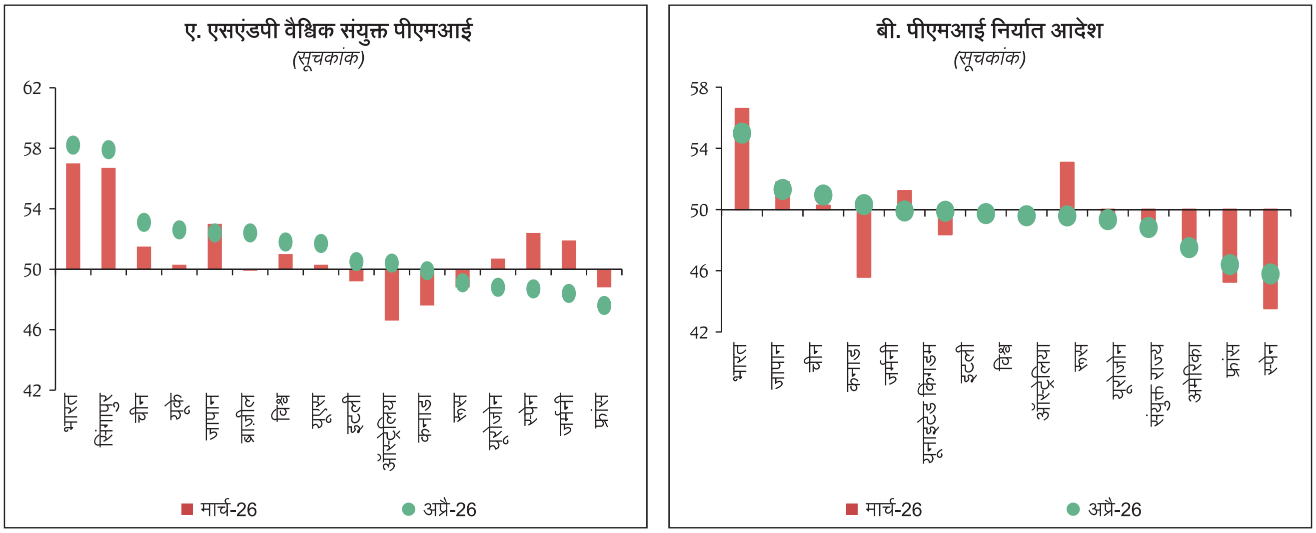

टिप्पणी: 50 का स्तर एक्टिविटी में कोई बदलाव नहीं दिखाता है, जबकि 50 से ऊपर की रीडिंग बढ़ोतरी का और 50 से नीचे की रीडिंग संकुचन का संकेत देती है।
स्रोत: एसएंडपी वैश्विक।

वैश्विक कमोडिटी बाजार अप्रैल में संकुचित रहे, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से टैंकर यातायात में निरंतर ठहराव ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं, विशेष रूप से ऊर्जा शिपमेंट को बाधित किया और माल ढुलाई लागत में वृद्धि की। वर्ल्ड बैंक कमोडिटी कीमत सूचकांक में तेजी से वृद्धि हुई, जो उच्च ऊर्जा, उर्वरक और मूलभूत धातु की कीमतों से प्रेरित है। खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के खाद्य मूल्य सूचकांक में भी अप्रैल में वृद्धि हुई, जो उच्च वनस्पति तेल, मांस और अनाज की कीमतों से प्रेरित है (चार्ट II.3 ए)। ब्लूमबर्ग कमोडिटी सूचकांक अप्रैल और मई में ऊर्जा, कृषि और मूल धातु की कीमतों के नेतृत्व में बढ़ा। अस्थायी युद्धविराम के बीच अप्रैल की शुरुआत में ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें कम हो गईं, महीने के अंत में मजबूत होने से पहले क्योंकि पश्चिम एशिया संघर्ष फिर से बढ़ गया। मई में भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच ब्रेंट क्रूड की कीमतें उतार-चढ़ाव भरी रहीं, लेकिन कुल मिलाकर इनमें बढ़त का रुख रहा। स्वर्ण की कीमतों में मिला-जुला उतार-चढ़ाव देखा गया; अप्रैल की शुरुआत में

चार्ट II. 3: अप्रैल में स्वर्ण के अलावा कमोडिटी की कीमतों में उछाल

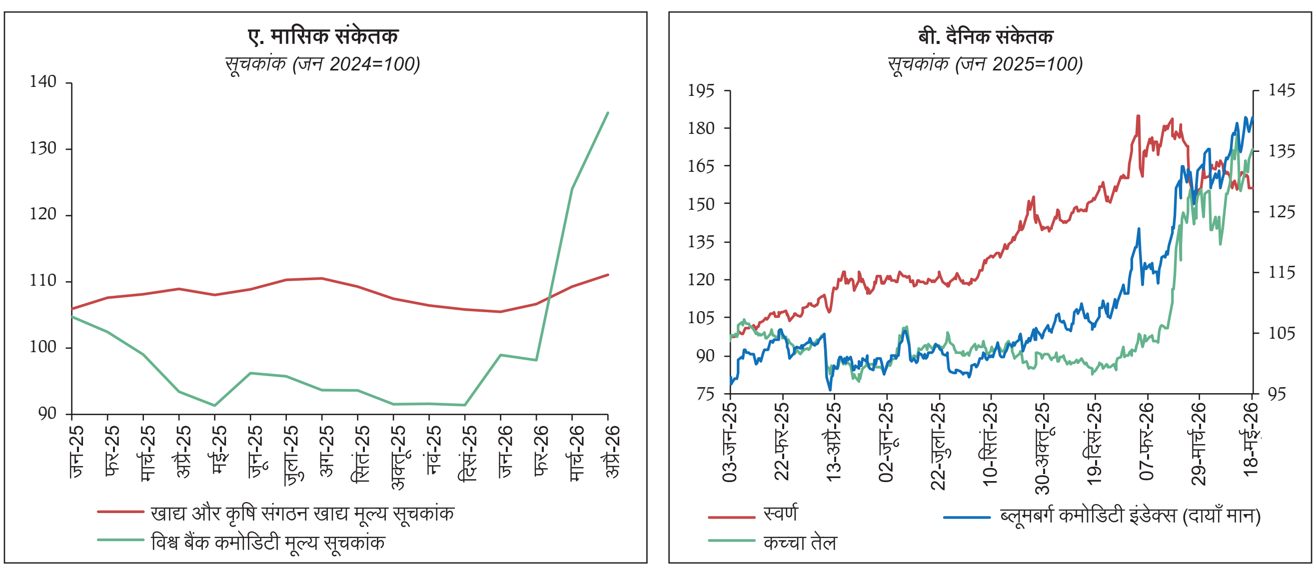

स्रोत: खाद्य एवं कृषि संगठन; ब्लूमबर्ग; और वर्ल्ड बैंक पिंक शीट।

अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने और सुरक्षित निवेश (सेफ-हेवन) की मांग के कारण कीमतें बढ़ीं, लेकिन बाद में अमेरिकी फेडरल रिज़र्व द्वारा मौद्रिक नीति में ढील की उम्मीदें कम होने से इनमें नरमी आई (चार्ट II.3बी)।

उन वस्तुओं की कीमतें जिनके लिए होर्मुज जलडमरूमध्य एक महत्वपूर्ण पारगमन मार्ग है, अप्रैल और मई की शुरुआत में ऊंची रहीं (चार्ट II.4)। आपूर्ति बाधित होने और ईंधन की ऊंची लागत के कारण एल्युमीनियम, जिंक और निकल सहित मूल धातुओं की कीमतों में वृद्धि हुई।

अप्रैल में, हेडलाइन मुद्रास्फीति आम तौर पर प्रमुख एई और ईएमडीई में बढ़ी। प्रमुख एई में, अमेरिका में मुद्रास्फीति तीन वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जो ईंधन की कीमतों में तेज वृद्धि से प्रेरित है। यूरो क्षेत्र में, मुद्रास्फीति सितंबर 2023 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जो उच्च ऊर्जा लागत और लगातार बढ़ी हुई सेवाओं से प्रेरित है। हालाँकि, मुद्रास्फीति यूके और जापान दोनों में कम हो गई, जो ऊर्जा लागत को कम करने के लिए सरकारी उपायों द्वारा समर्थित है (चार्ट II.5ए)। प्रमुख ईएमडीई में, चीन, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील में मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई, जिसका मुख्य कारण उच्च ऊर्जा की कीमतें (चार्ट II.5बी) थीं।

अप्रैल में वैश्विक इक्विटी बाज़ार में सुधार हुआ और मार्च में हुई बिकवाली से उबरने में मदद मिली। ऐसा जोखिम लेने की बेहतर क्षमता और कुछ विकसित व उभरती अर्थव्यवस्थाओं में कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) से जुड़े शेयरों में बढ़त के कारण हुआ। मई में भी यह तेज़ी जारी रही, भले ही महंगाई बढ़ने की चिंताओं के कारण कुछ रुकावटें आईं। विकसित अर्थव्यवस्थाओं (एई) में, मज़बूत कॉर्पोरेट कमाई और टेक्नोलॉजी शेयरों में लगातार तेज़ी के कारण अमेरिका सबसे आगे रहा। तकनीकी क्षेत्र के दम पर उभरते बाज़ारों की इक्विटी ने भी अच्छा रिटर्न दिया। हालाँकि, पश्चिम एशिया में युद्ध और बातचीत में प्रगति को लेकर अलग-

चार्ट II.4: लंबे समय से चल रहे पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच कमोडिटी की बढ़ी कीमतें

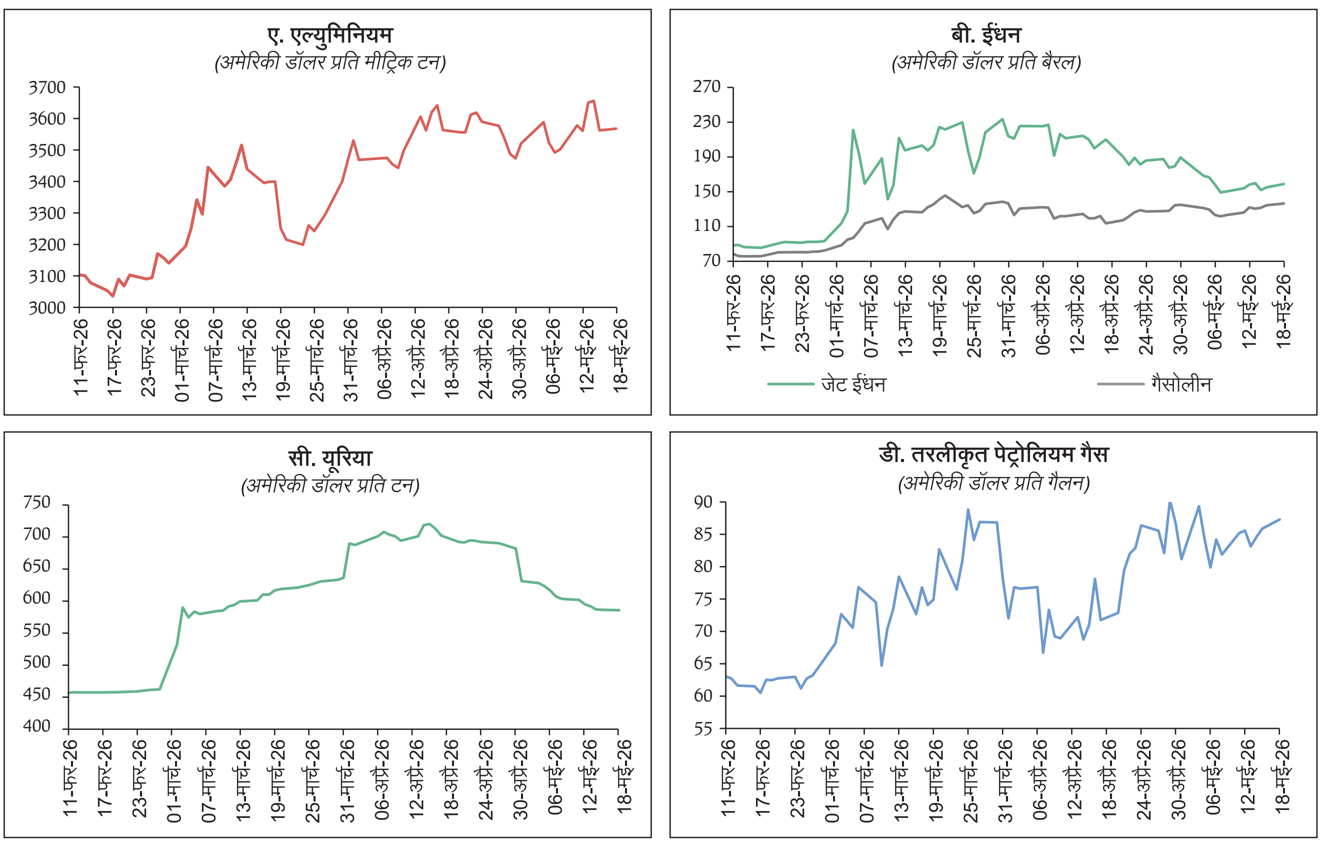

टिप्पणी: डेटा निम्नलिखित बेंचमार्क अनुबंधों और मूल्य सूचकांकों को संदर्भित करता है: एलएमई एल्युमीनियम 3 माह का वायदा; सिंगापुर जेट केरोसीन और सिंगापुर गैसोलीन स्पॉट कीमतें; यूरिया यूएस गल्फ फ्यूचर्स; और मॉन्ट बेल्वियू प्रोपेन फिक्स्ड प्राइस फ्यूचर्स (एलपीजी)।
स्रोत: ब्लूमबर्ग।

चार्ट II.5: प्रमुख एई और ईएमडीई में हेडलाइन मुद्रास्फीति

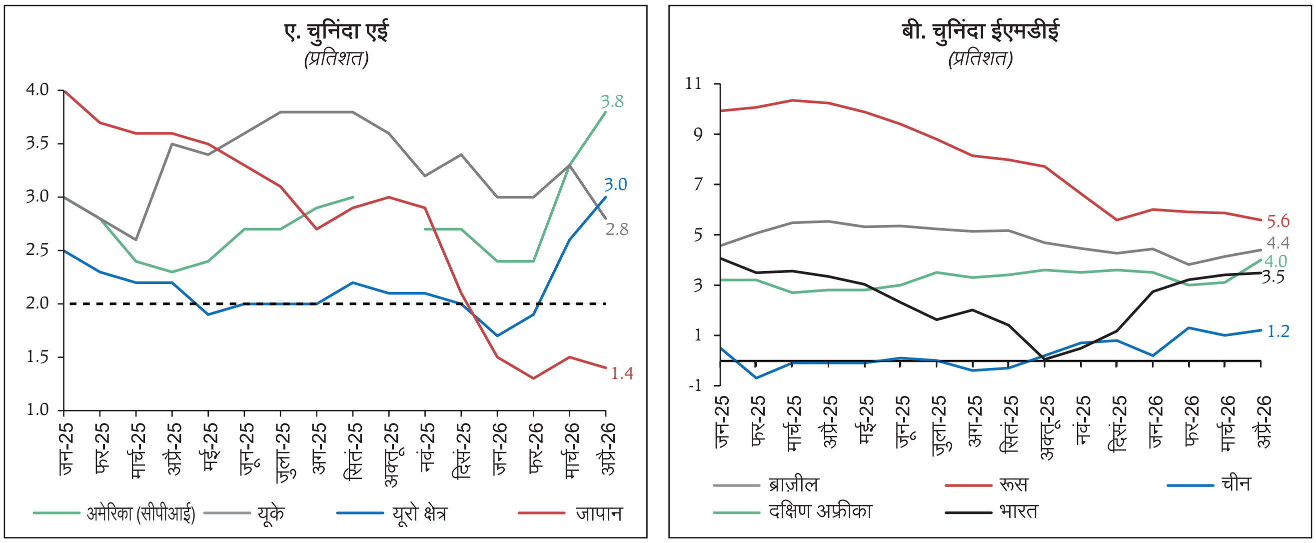

टिप्पणी: अमेरिकी सरकार शटडाउन के कारण अक्टूबर 2025 के लिए अमेरिकी डेटा उपलब्ध नहीं है।
स्रोत: ब्लूमबर्ग: और ओईसीडी।

अलग तरह की खबरों के कारण इक्विटी बाज़ार में उतार-चढ़ाव बना रहा (चार्ट II.6ए)।

अप्रैल के पहले हिस्से में अमेरिकी 10-वर्षीय ट्रेजरी प्रतिफल एक दायरे में रहे, लेकिन उसके बाद ऊर्जा की बढ़ती कीमतों और

चार्ट II.6 : वैश्विक वित्तीय बाज़ार

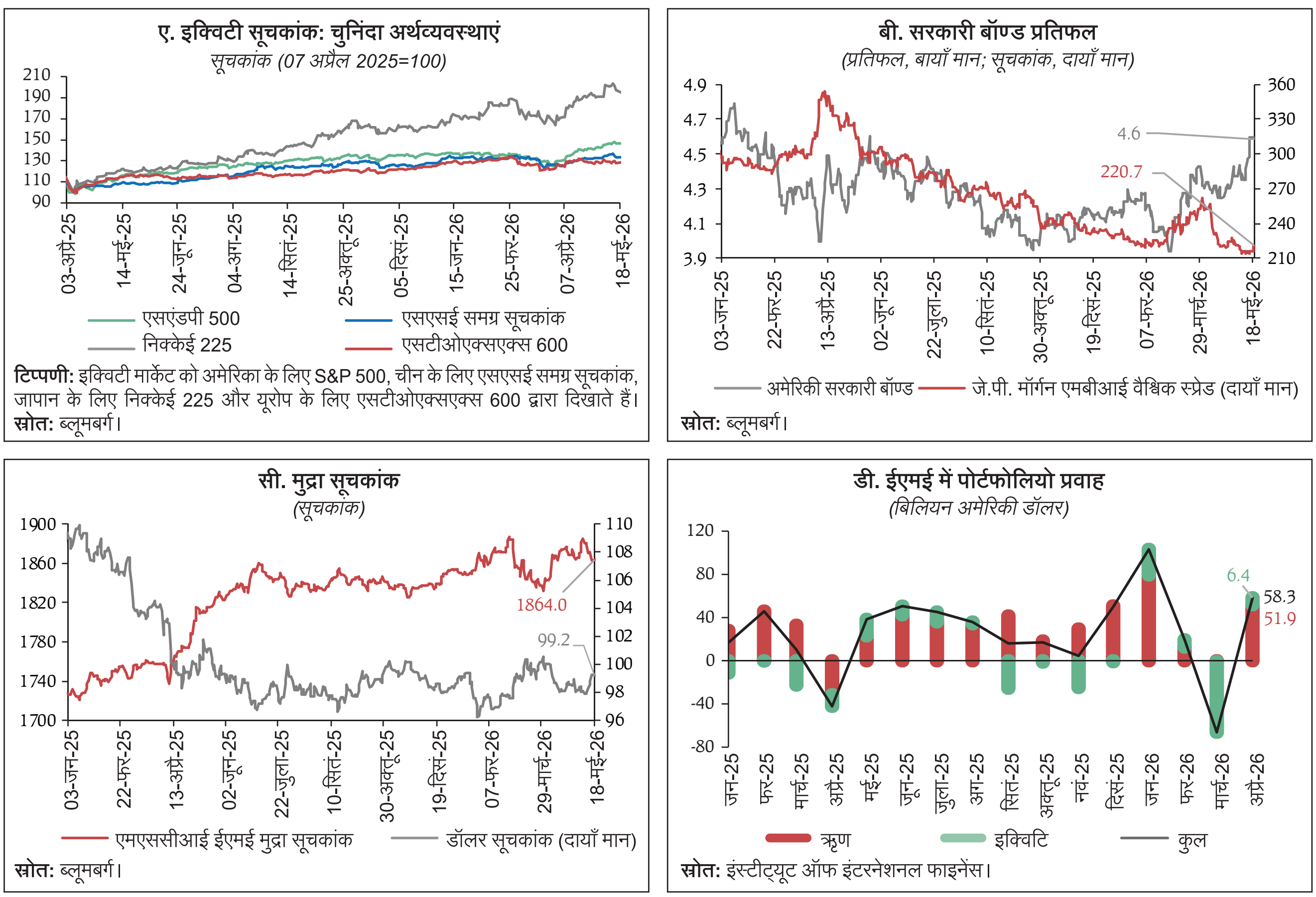

टिप्पणी: इक्विटी मार्केट को अमेरिका के लिए S&P 500, चीन के लिए एसएसई समग्र सूचकांक, जापान के लिए निक्केई 225 और यूरोप के लिए एसटीओएक्सएक्स 600 द्वारा दिखाते हैं।
स्रोत: ब्लूमबर्ग।

स्रोत: ब्लूमबर्ग।

स्रोत: ब्लूमबर्ग।

स्रोत: इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल फाइनेंस।

पहली तिमाही के मजबूत जीडीपी डेटा के कारण ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम हो गईं, जिससे प्रतिफल में बढ़ोतरी हुई। अप्रैल और मई में बेहतर जोखिम वाले भाग और कमजोर अमेरिकी डॉलर के बीच उभरते बाजारों के प्रतिफल स्प्रेड कम हुए (चार्ट II.6बी)। अप्रैल में अमेरिकी डॉलर कमजोर हुआ क्योंकि तनाव कम करने की बातचीत से इसकी 'सेफ-हेवन' (सुरक्षित निवेश) के तौर पर मांग कम हो गई। मई में, अमेरिकी फेड द्वारा नीति दर बढ़ाने की बढ़ती उम्मीदों के बीच अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिफल और डॉलर मजबूत हुए (चार्ट II.6सी)। अप्रैल में उभरते बाजारों में पोर्टफोलियो प्रवाह बढ़ा, जिससे मार्च में दर्ज बहिर्वाह की स्थिति पलट गई; ऐसा बेहतर जोखिम लेने की क्षमता और एई से हटकर पोर्टफोलियो में विविधता लाने के कारण हुआ (चार्ट II.6डी)।

अप्रैल में, प्रमुख केंद्रीय बैंकों ने बड़े पैमाने पर नीतिगत दरों पर यथास्थिति बनाए रखी, जो पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनावों के बीच एक सतर्क दृष्टिकोण को दर्शाता है (चार्ट II.7)। प्रमुख एई में, अमेरिका, ब्रिटेन, यूरो क्षेत्र और जापान ने नीतिगत दरों को अपरिवर्तित रखा। प्रमुख ईएमडीई में, चीन, इंडोनेशिया और थाईलैंड ने दरों को स्थिर रखा, जबकि ब्राजील और रूस ने क्रमशः 25 और 50 बीपीएस की नीतिगत दरों में कमी की। फिलीपींस ने बढ़ती मुद्रास्फीति के दबाव को नियंत्रित करने के लिए अपनी बेंचमार्क नीति दर बढ़ा दी। मई में अब तक चीन, स्वीडन और मलेशिया ने अपनी दरों को स्थिर रखा है, जबकि मेक्सिको ने अपनी बेंचमार्क ब्याज दर में 25 बीपीएस की कटौती की है। ऑस्ट्रेलिया और इंडोनेशिया ने अपनी बेंचमार्क दरों में क्रमशः 25 बीपीएस और 50 बीपीएस की वृद्धि की।

III. घरेलू गतिविधियां

भू-राजनीतिक और व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती का प्रदर्शन किया। अप्रैल में आर्थिक गतिविधि के उपलब्ध उच्च-आवृत्ति संकेतक आम तौर पर कुछ क्षेत्रों में चुनौतियों के बावजूद निरंतर मांग का सुझाव देते हैं। औद्योगिक गतिविधि मजबूत बनी हुई है और सेवा क्षेत्र ने आघात-सहनीयता दिखाई। वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के लिए सूचीबद्ध निजी गैर-वित्तीय कंपनियों के शुरुआती परिणामों से व्यावसायिक प्रदर्शन में सुधार का पता चलता है, जिसमें कुल बिक्री में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई है।

चार्ट II.7: बड़े केंद्रीय बैंकों ने अप्रैल-मई में नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं किया

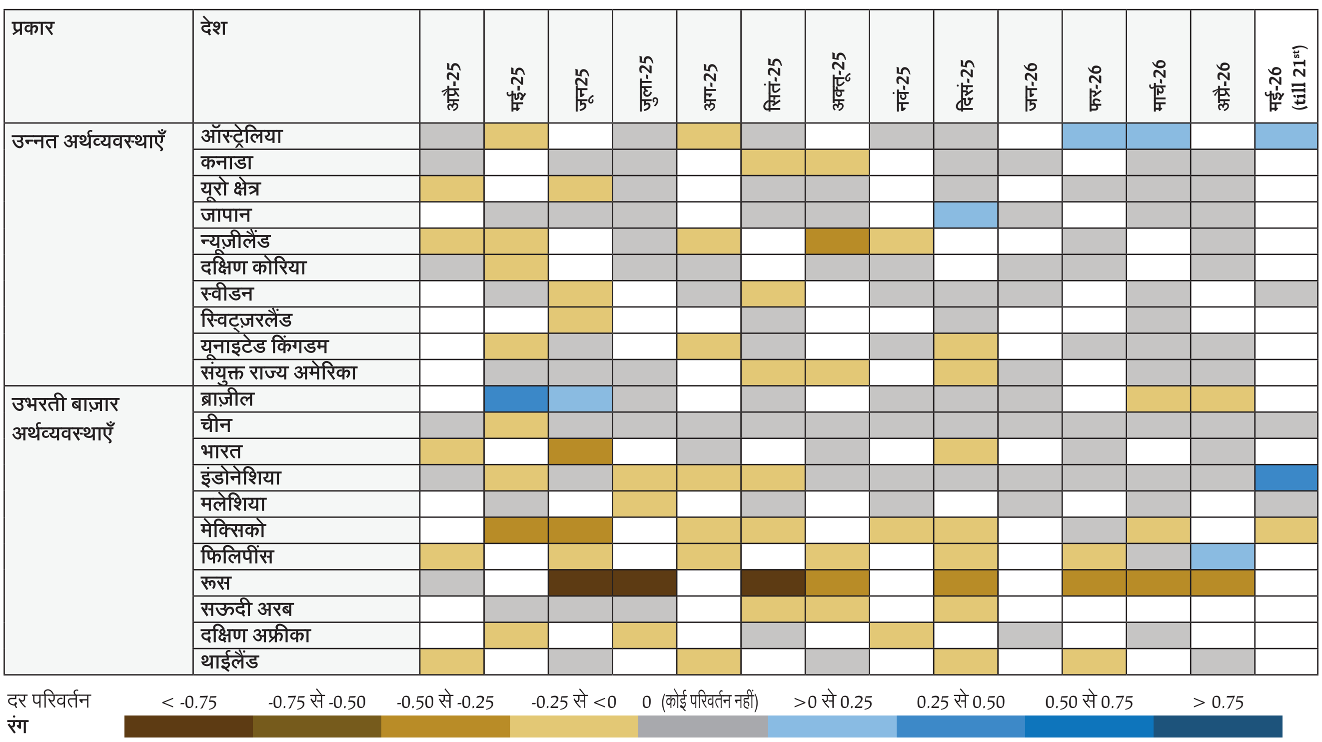

टिप्पणी: सफ़ेद रंग के ब्लॉक ऑफ-पॉलिसी माह को दिखाते हैं।
स्रोत: ब्लूमबर्ग।

सकल मांग

आर्थिक गतिविधि ने अप्रैल में मिश्रित प्रवृत्ति दिखाई, जैसा कि ईंधन की खपत, व्यापार और रसद जैसे कई उच्च-आवृत्ति संकेतकों से पता चलता है। जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने के समर्थन से ई-वे बिलों ने दहाई अंकों की वृद्धि हासिल करना जारी रखा। पेट्रोल और डीजल की खपत में वृद्धि जारी रही, लेकिन अप्रैल में नेफ्था, तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में तेज गिरावट के कारण कुल पेट्रोलियम खपत में गिरावट आई। उच्च तापमान के कारण बिजली की मांग में तेज वृद्धि हुई। अगस्त 2025 में फास्टटैग वार्षिक पास योजना की शुरुआत के बाद टोल लेनदेन की मासिक संख्या में गिरावट जारी रही।[1] डिजिटल भुगतान ने लेनदेन मूल्य और मात्रा दोनों में लगातार वृद्धि दर्ज की (सारणी III.1)।

मांग व्यापक आधार पर बनी रही और ग्रामीण बाजारों द्वारा समर्थित रही। ग्रामीण क्षेत्रों में ऑटोमोबाइल की बिक्री अप्रैल में दोहरे अंकों में बढ़ना जारी रही, हालांकि कुछ क्रमिक नरमी दिखा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में ऑटोमोबाइल सेगमेंट में ट्रैक्टर और दोपहिया वाहनों की बिक्री और शहरी क्षेत्रों में यात्री वाहनों की बिक्री में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। विमानन टरबाइन ईंधन की कीमतों में वृद्धि के साथ, हवाई यात्री यातायात में और गिरावट आई (सारणी III.2)।

वर्ष 2025-26[2] की चौथी तिमाही में श्रम बाजार की स्थितियों में कुछ नरमी देखी गई वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) के तहत श्रम बल भागीदारी दर और श्रमिक जनसंख्या अनुपात में गिरावट आई है, साथ ही बेरोजगारी दर में मामूली वृद्धि हुई है, जो मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों द्वारा संचालित है। हालांकि, यह माध्यमिक और तृतीयक क्षेत्रों में उच्च रोजगार के साथ नियमित वेतनभोगी रोजगार की हिस्सेदारी में वृद्धि के साथ था।[3] अप्रैल

सारणी III.1: सभी आर्थिक गतिविधि का मिश्रित प्रदर्शन

सूचकांक	अप्रै-25	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सितं-25	अक्तू-25	नवं-25	दिसं-25	जन-26	फर-26	मार्च-26	अप्रै-26
जीएसटी ई-वे बिल (मात्रा)	23.4	18.9	19.3	25.8	22.4	21.0	8.2	27.6	23.5	15.8	18.8	12.9	11.8
जीएसटी राजस्व	13.3	17.3	6.5	8.2	6.9	10.0	7.6	0.7	6.1	6.2	8.1	8.8	8.7
टोल संग्रह (मात्रा)	16.6	16.4	15.5	14.8	12.7	4.5	4.6	2.9	0.4	-1.8	-8.7	-4.0	-6.4
विद्युत की मांग (मात्रा)	2.8	-4.8	-2.3	2.6	3.8	3.5	-5.8	-0.6	5.8	3.8	1.0	0.9	3.7
पेट्रोलियम खपत (मात्रा)	0.2	1.1	0.5	-4.4	4.8	7.0	-1.5	0.6	4.5	0.3	4.5	3.2	-4.6
जिसमें कि पेट्रोल	5.0	9.2	6.8	5.9	5.5	8.0	7.4	2.6	7.1	6.1	6.1	7.6	6.8
डीज़ल	4.2	2.1	1.5	2.4	1.2	6.5	-0.3	4.8	5.2	3.3	4.3	8.1	0.9
विमानन टरबाइन ईंधन	3.9	4.4	3.3	-2.3	-2.9	-0.8	2.1	5.4	0.3	5.5	4.0	0.7	-0.1
डिजिटल भुगतान – मात्रा*	30.0	29.2	28.3	30.9	31.1	28.1	21.5	30.2	26.8	22.3	23.5	21.0	19.7
डिजिटल भुगतान – मूल्य*	18.4	12.6	17.4	16.6	5.3	13.4	8.8	14.7	15.2	11.5	17.9	12.6	14.6

<<संकुचन --- विस्तार>>

टिप्पणियाँ: 1. सभी संकेतक के लिए वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (प्रतिशत में) की गणना की गई है।
2. हीटमैप अप्रैल 2023 से लेकर उस आखिरी महीने तक के डेटा पर लागू होता है जिसके लिए डेटा उपलब्ध है।
3. डिजिटल भुगतान के लिए, हीटमैप को अप्रैल 2024 से लेकर उस आखिरी महीने तक के डेटा पर लागू किया जाता है, जिसके लिए डेटा उपलब्ध है।
4. *: अप्रैल 2026 के लिए डिजिटल भुगतान डेटा अनंतिम है, क्योंकि कार्ड पेमेंट का डेटा संशोधन के अधीन है।
4. हीटमैप हर संकेतक के लिए डेटा रेंज को एक कलर ग्रेडिएंट स्कीम में बदलता है, जिसमें लाल रंग सबसे कम वैल्यू दिखाता है और हरा रंग संबंधित डेटा सीरीज़ की सबसे ज़्यादा वैल्यू दिखाता है।

स्रोत: माल एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन): आरबीआई: सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (सीईए); नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई); और मिनिस्ट्री ऑफ पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस, भारत सरकार।

[1] वार्षिक पास उपयोगकर्ताओं को एक निश्चित शुल्क पर एक वर्ष के लिए 200 यात्राएं करने या यात्रा करने की अनुमति देता है, जिससे प्लाजा में प्रति ट्रिप टोल राजस्व कम हो जाता है।

[2] पीएलएफएस तिमाही बुलेटिन, जनवरी-मार्च 2026, 11 मई, 2026 को जारी किया गया।

[3] नियमित वेतनभोगी रोजगार का हिस्सा 2025-26 की तीसरी तिमाही में 24.9 प्रतिशत से बढ़कर 2025-26 की चौथी तिमाही में 25.5 प्रतिशत हो गया। इस अवधि के दौरान कुल रोजगार में द्वितीयक क्षेत्र की हिस्सेदारी 24.0 प्रतिशत से बढ़कर 25.2 प्रतिशत हो गई, जबकि तृतीयक क्षेत्र की हिस्सेदारी 32.8 प्रतिशत से बढ़कर 33.7 प्रतिशत हो गई।

सारणी III.2: उच्च आवृत्ति संकेतक- स्थिर मांग की स्थिति

	सूचकांक	अप्रै-25	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सितं-25	अक्तू-25	नवं-25	दिसं-25	जन-26	फर-26	मार्च-26	अप्रै-26
शहरी मांग	घरेलू हवाई यात्री यातायात	9.7	2.6	3.7	-2.5	-0.5	-2.5	3.5	7.0	-4.9	3.1	-0.1	-1.3	-4.1
	खुदरा यात्री वाहन बिक्री	1.6	-3.1	2.5	-0.8	0.9	5.8	10.7	20.4	26.6	7.2	26.1	21.5	16.4
ग्रामीण मांग	खुदरा ऑटोमोबाइल बिक्री *जिसमें की*	2.9	5.4	4.8	-4.3	2.8	5.2	40.5	2.1	14.6	17.6	25.6	25.3	12.9
	खुदरा ट्रैक्टर बिक्री	7.6	2.8	8.7	11.0	30.1	3.6	14.2	56.5	15.8	22.9	36.4	10.9	23.3
	खुदरा दोपहिया वाहनों की बिक्री	2.3	7.3	4.7	-6.5	2.2	6.5	51.8	-3.1	9.5	20.8	25.0	28.7	13.6

<<संकुचन --- विस्तार>>

टिप्पणियाँ: 1. सभी संकेतक के लिए मात्रा के आधार पर वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (प्रतिशत में) की गणना की गई है।
2. हीटमैप अप्रैल 2023 से लेकर उस आखिरी माह तक के डेटा पर लागू होता है जिसके लिए डेटा उपलब्ध है।
3. हीटमैप हर संकेतक के लिए डेटा रेंज को एक कलर ग्रेडिएंट स्कीम में बदलता है, जिसमें लाल रंग सबसे कम वैल्यू दिखाता है और हरा रंग संबंधित डेटा सीरीज़ की सबसे ज़्यादा वैल्यू दिखाता है।
4. अप्रैल 2026 के लिए घरेलू हवाई यात्री यातायात की वृद्धि दर के डेटा की दैनिक डेटा को एकत्रित करके गणना की जाती है।
5. खुदरा ऑटोमोबाइल बिक्री के डेटा में दो पहिया, तीन पहिया, यात्री वाहन, ट्रैक्टर और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री शामिल है।

स्रोत: एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया; फेडरेशन ऑफ़ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफ़एडीए); और ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार।

में, अखिल भारतीय बेरोजगारी दर (सीडब्ल्यूएस के आधार पर) में ग्रामीण क्षेत्रों द्वारा संचालित वृद्धि देखी गई, जबकि शहरी बेरोजगारी दर में गिरावट आई।[4] ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में श्रम बल भागीदारी दर में गिरावट आई। जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में श्रमिक जनसंख्या अनुपात में गिरावट आई और शहरी क्षेत्रों में अपरिवर्तित रहा। नए व्यावसायिक आदेशों के कारण अप्रैल में विनिर्माण और सेवाओं के लिए पीएमआई रोजगार दस महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया। नौकरी जॉबस्पीक सूचकांक ने बीमा, रियल एस्टेट और हेल्थकेयर के क्षेत्र में सफ़ेद-कॉलर हायरिंग में वृद्धि के साथ लचीले जॉब बाज़ार को भी दिखाया। आईटी सेक्टर में नियुक्ति स्थिर रही, हालांकि बैंकिंग क्षेत्र में कुछ नरमी देखी गई। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना[5] (मनरेगा) के तहत काम की मांग में लगातार दसवें महीने गिरावट जारी रही, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में सुधार होने की संभावना का सुझाव मिलता है (सारणी III.3)।

सारणी III.3: रोज़गार के लिए उच्च आवृति संकेतक में मज़बूती

सूचकांक	अप्रै-25	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सितं-25	अक्तू-25	नवं-25	दिसं-25	जन-26	फर-26	मार्च-26	अप्रै-26
बेरोज़गारी दर (पीएलएफ़एस: अखिल भारतीय)	5.1	5.6	5.6	5.2	5.1	5.2	5.2	4.7	4.8	5.0	4.9	5.1	5.2
बेरोज़गारी दर (पीएलएफ़एस: ग्रामीण)	4.5	5.1	4.9	4.4	4.3	4.6	4.4	3.9	3.9	4.2	4.2	4.3	4.6
बेरोज़गारी दर (पीएलएफ़एस: शहरी)	6.5	6.9	7.1	7.2	6.7	6.8	7.0	6.5	6.7	7.0	6.6	6.8	6.6
नौकरी जॉबस्पीक सूचकांक	8.9	0.3	10.5	6.8	3.4	10.1	-9.3	23.5	13.2	3.4	11.9	9.2	5.8
पीएमआई रोज़गार: विनिर्माण	54.2	54.9	55.1	53.3	53.1	52.1	52.4	50.9	50.5	51.1	51.5	52.6	54.6
पीएमआई रोज़गार: सेवाएँ	53.9	57.1	55.1	51.4	52.2	51.9	51.4	51.6	49.8	50.8	51.6	52.7	53.4
मनरेगा: काम की मांग	-6.5	4.4	4.4	-12.3	-26.2	-27.1	-35.1	-32.0	-28.9	-25.7	-14.1	-23.2	-35.5

<<संकुचन --- विस्तार>>

टिप्पणियाँ : 1. सभी पीएलएफ़एस संकेतक मौजूदा साप्ताहिक स्थिति में हैं और 15 वर्ष और उससे ज़्यादा उम्र के लोगों के लिए हैं।
2. नौकरी सूचकांक और मनरेगा काम की मांग के लिए वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (प्रतिशत में) की गणना की गई है।
3. हीटमैप अप्रैल 2023 से अप्रैल 2026 तक के डेटा पर लागू किया जाता है।
4. हीटमैप हर संकेतक के लिए डेटा रेंज को एक कलर ग्रेडिएंट स्कीम में बदलता है, जिसमें लाल रंग सबसे कम वैल्यू दिखाता है और हरा रंग संबंधित डेटा सीरीज़ की सबसे ज़्यादा वैल्यू दिखाता है।
5. सभी पीएमआई वैल्यू सूचकांक के रूप में रिपोर्ट की जाती हैं। पीएमआई वैल्यू > 50 का मतलब है बढ़ोतरी, <50 का मतलब है संकुचन और =50 का मतलब है 'कोई बदलाव नहीं'। पीएमआई हीटमैप में, लाल रंग सबसे कम वैल्यू दिखाता है, पीला रंग 50 (या कोई बदलाव नहीं वैल्यू) दिखाता है, और हरा रंग हर पीएमआई सीरीज़ में सबसे ज़्यादा वैल्यू दिखाता है।
6. मनरेगा को उल्टे स्केल में एनकोड किया गया है - सबसे कम को हरे रंग में और सबसे ज़्यादा को लाल रंग में मार्क किया गया है।

स्रोत: सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई), ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार; इन्फो एज; और एसएंडपी ग्लोबल।

4 पीएलएफएस मासिक बुलेटिन अप्रैल 2026

5 पत्र सूचना कार्यालय, 11 मई 2026. रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) के लिए विकसित भारत गारंटी (वीबी-जी राम जी) अधिनियम, 2025, जो महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), 2005 की जगह लेता है, 1 जुलाई 2026 से लागू होगा।

व्यापार

मार्च 2026 की तुलना में अप्रैल 2026 में मुख्य रूप से कच्चे तेल और स्वर्ण के आयात के कारण पण्य वस्तु व्यापार घाटा बढ़ गया। वर्ष-दर-वर्ष आधार पर, अप्रैल 2025 की तुलना में व्यापार घाटे में मामूली वृद्धि हुई, मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक सामान, स्वर्ण और मशीनरी के आयात में वृद्धि के कारण (चार्ट III.1)।[6] कीमती धातुओं के आयात में वृद्धि ने सरकार को स्वर्ण, चांदी और प्लैटिनम पर सीमा शुल्क बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।[7]

उभरती भू-राजनीतिक स्थिति के बीच भारत एक व्यापार पुनर्संरचना देख रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से इसका व्यापार, जिसमें मार्च में क्रमिक रूप से गिरावट आई थी, अप्रैल 2026 में बढ़ गई।[8] अप्रैल 2025 से चीन को भारत का निर्यात दोहरे अंकों (वर्ष-दर-वर्ष) में बढ़ता रहा।[9] अप्रैल 2026 में अमेरिका को भारत का निर्यात बढ़ा, सितंबर 2025 (नवंबर को छोड़कर) के बाद से देखी गई संकुचन प्रवृत्ति से उल्टा रहा।[10]

मार्च में निवल सेवाओं के निर्यात में वृद्धि हुई, मजबूत निर्यात वृद्धि के साथ-साथ आयात में पिछले माह की तेज वृद्धि से गिरावट दर्ज की गई (चार्ट III.2)।[11] सॉफ्टवेयर और व्यावसायिक सेवाओं में वृद्धि ने सेवाओं के निर्यात में वृद्धि को बढ़ाया, जबकि यात्रा

चार्ट III.1: पण्य वस्तु व्यापार घाटा अप्रैल में और बढ़ा

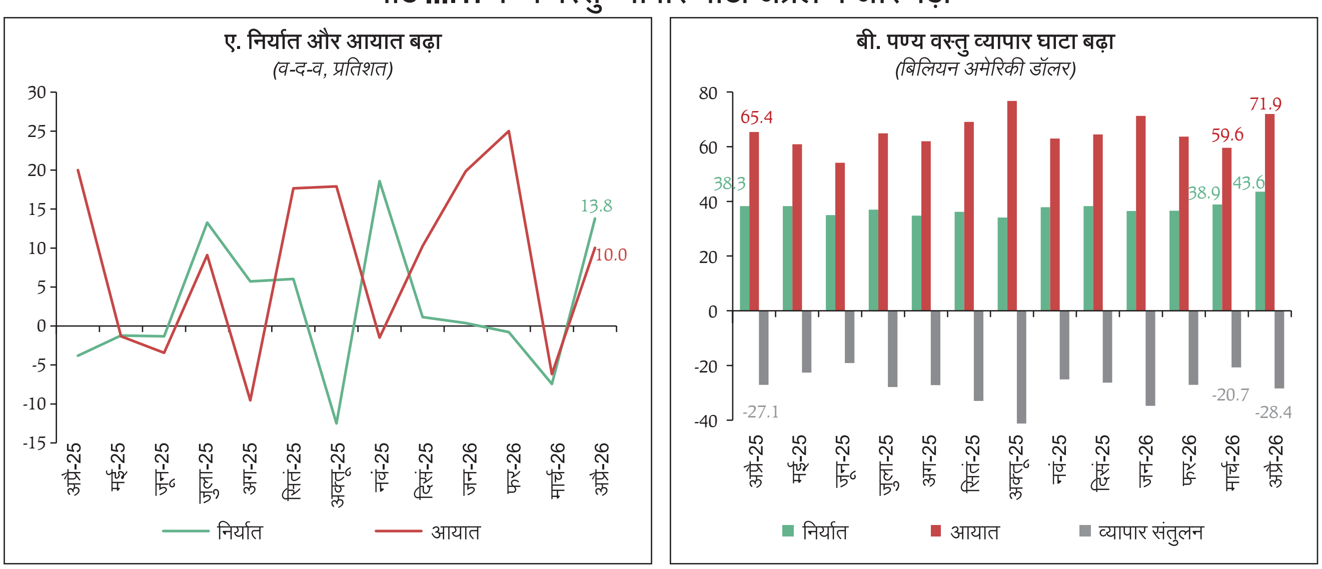

स्रोत: पीआईबी; और डीजीसीआईएस।

[6] पण्य वस्तु व्यापार घाटा अप्रैल 2025 में 27.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर अप्रैल 2026 में 28.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। अप्रैल 2026 में व्यापारिक निर्यात 43.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर था [13.8 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि]। पेट्रोलियम उत्पादों जैसे प्रमुख खंड; इलेक्ट्रॉनिक सामान; इंजीनियरिंग सामान; मांस, डेयरी और पोल्ट्री उत्पाद; और दवाओं और फार्मास्यूटिकल्स ने निर्यात को बढ़ाया, जबकि रत्न और आभूषण; सभी वस्त्रों का आरएमजी; सिरेमिक उत्पाद और कांच के बने पदार्थ; फल और सब्जियां; और तंबाकू ने निर्यात को नीचे खींच लिया। शीर्ष 20 प्रमुख गंतव्यों में से 16 में निर्यात का विस्तार हुआ, जिसमें अमेरिका जैसे गंतव्यों को निर्यात किया गया; सिंगापुर; और चीन बढ़ रहा है, जबकि संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड और सऊदी अरब के लिए अनुबंध कर रहा है। अप्रैल 2026 में व्यापारिक आयात 71.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर था [10.0 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) का विस्तार]। इलेक्ट्रॉनिक सामान; स्वर्ण; मशीनरी, इलेक्ट्रिकल और गैर-इलेक्ट्रिकल; धात्विक अयस्क और अन्य खनिज; और अलौह धातुओं ने आयात में सकारात्मक योगदान दिया, जबकि पेट्रोलियम (कच्चा तेल और उत्पाद); रासायनिक सामग्री और उत्पाद; मोती, कीमती और अर्ध-कीमती पत्थर; दालें; और लोहे और इस्पात ने महीने के दौरान आयात को खींचा। 20 प्रमुख गंतव्यों में से 18 से आयात का विस्तार हुआ, जिसमें चीन, रूस और सऊदी अरब जैसे गंतव्यों से आयात बढ़ रहा है, जबकि अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात से कम हो रहा है।

[7] 12 मई 2026 को, सरकार ने 13 मई 2026 से प्रभावी स्वर्ण और चांदी पर सीमा शुल्क 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत और प्लैटिनम पर 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 15.4 प्रतिशत करने की घोषणा की। इसके अलावा, 14 मई 2026 को, सरकार ने प्रति अग्रिम प्राधिकरण स्वर्ण के आयात पर 100 किलोग्राम की सीमा लगाई। 16 मई 2026 को, चांदी की आयात नीति को "मुक्त" से "प्रतिबंधित" श्रेणी में संशोधित किया गया।

[8] संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, इराक, ईरान, कुवैत और कतर को भारत के व्यापारिक निर्यात में अप्रैल 2026 में कुल मिलाकर 66.6 प्रतिशत (म-द-म) की वृद्धि हुई और 35.1 प्रतिशत (व-द-व) की गिरावट आई। संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, इराक, कुवैत और कतर से भारत के आयात में अप्रैल 2026 में कुल मिलाकर 27.1 प्रतिशत (म-द-म) की वृद्धि हुई और 43.1 प्रतिशत (व-द-व) की गिरावट आई।

[9] अप्रैल 2026 में चीन को भारत के निर्यात में 27.0 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि हुई।

[10] अप्रैल 2026 में अमेरिका को भारत का निर्यात 1.1 प्रतिशत (व-द-व) बढ़ा।

[11] मार्च 2026 के दौरान भारत का सेवा निर्यात 38.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जिसमें 7.2 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि हुई, जबकि सेवा आयात 1.6 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। निवल सेवा निर्यात मार्च 2026 में 15.7 प्रतिशत बढ़कर 21.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो मार्च 2025 में 18.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। वर्ष 2025-26 के लिए, 421.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर पर सेवा निर्यात में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि 204.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर का आयात 3.0 प्रतिशत बढ़ा, जिसके परिणामस्वरूप सेवा व्यापार अधिशेष (216.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर) में 14.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

चार्ट III.2 : निवल सेवा निर्यात की मार्च में वृद्धि

(व-द-व, प्रतिशत)

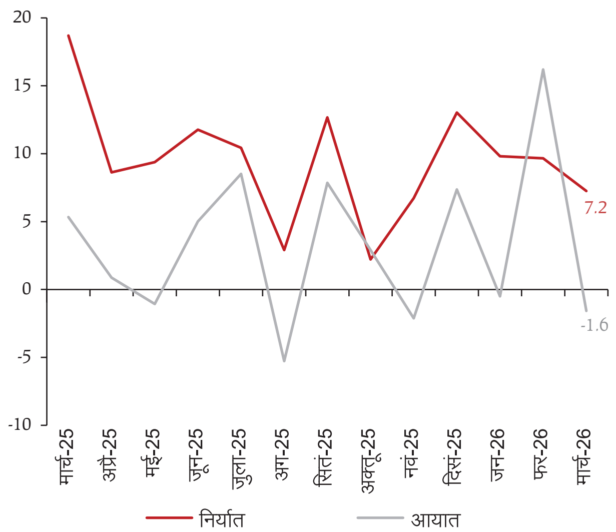

स्रोत: आरबीआई।

चार्ट III.3: साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन (ज़ैद) बुवाई अब तक अधिक

(लाख हेक्टेयर)

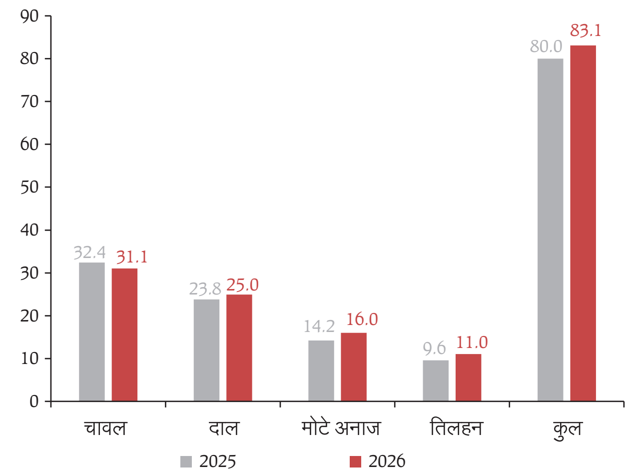

टिप्पणी: हर हफ़्ते गर्मियों (ज़ैद) की बुआई का डेटा 15 मई तक का है।

स्रोत: कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय।

और परिवहन में गिरावट के कारण सेवाओं के आयात में संकुचन हुआ।

कुल आपूर्ति

कृषि

गर्मियों (ज़ैद) के मौसम में बुवाई अच्छी तरह से चल रही है, जो पूरे मौसम के सामान्य रकबे को पार कर गई है और पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। चावल को छोड़कर सभी प्रमुख फसलों के तहत रकबा अधिक है (चार्ट III.3)।[12]

उद्योग और सेवाएं

वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के लिए सूचीबद्ध निजी गैर-वित्तीय कंपनियों[13] के तिमाही परिणाम व्यावसायिक प्रदर्शन में सुधार को दर्शाते हैं, जिसमें कुल बिक्री में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई है। सूचीबद्ध निजी विनिर्माण कंपनियों की बिक्री में वृद्धि हुई, जिसे ऑटोमोबाइल और लौह और इस्पात उद्योगों का समर्थन मिला। सेवा क्षेत्र के भीतर, वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद आईटी और गैर-आईटी सेवाओं दोनों की बिक्री वृद्धि ने सकारात्मक गति बनाए रखी। गैर-आईटी सेवा कंपनियों की बिक्री में वृद्धि मुख्य रूप से थोक और खुदरा व्यापार उद्योग द्वारा संचालित थी (चार्ट III.4)।

इनपुट लागत में महत्वपूर्ण वृद्धि के बावजूद, विनिर्माण कंपनियों की परिचालन लाभ वृद्धि 2025-26 की चौथी तिमाही

चार्ट III.4: सूचित निजी गैर-वित्तीय कंपनियों की बिक्री वृद्धि चौथी तिमाही में बढ़ी

(वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)

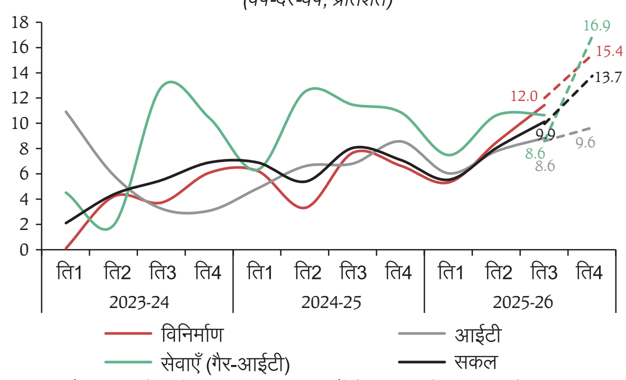

टिप्पणियाँ: 1. पूर्ण रेखाएँ लगभग 3000 कंपनियों से संबंधित डेटा दर्शाती हैं।

2. बिंदुदार रेखाएँ 2025-26 की तीसरी तिमाही में और 2025-26 की चौथी तिमाही के दौरान सामान्य कंपनियों के आधार पर वृद्धि दिखाती हैं। यह 561 विनिर्माण, 79 आईटी और 232 गैर-आईटी सेवाओं की सूचित कंपनियों के शुरुआती नतीजों पर आधारित है। कुल मिलाकर यह 955 सूचित निजी गैर-वित्तीय कंपनियों के परिणामों पर आधारित है, जिसमें कुछ दूसरे क्षेत्र भी शामिल हैं।

स्रोत: कैपिटलाइन डेटाबेस; और आरबीआई स्टाफ की गणना।

[12] ग्रीष्मकालीन फसलों (15 मई, 2026 तक) के तहत 83.1 लाख हेक्टेयर में बोया गया क्षेत्र पूरे सीजन के लिए सामान्य रकबे का 110.2 प्रतिशत है। इसके अलावा, यह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 3.8 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, चावल (प्रमुख ग्रीष्मकालीन फसल) के तहत क्षेत्र पिछले वर्ष की तुलना में 4.2 प्रतिशत कम है।

[13] ति:2025-26 के लिए 955 सूचीबद्ध निजी गैर-वित्तीय कंपनियों के शुरुआती परिणामों के आधार पर।

के दौरान व्यापक रूप से स्थिर रही। हालांकि, तिमाही के दौरान परिचालन लाभ मार्जिन में नरमी आई। गैर-आईटी सेवा कंपनियों के परिचालन लाभ में तेजी से वृद्धि हुई, जबकि पिछली तिमाही के दौरान मामूली वृद्धि दर्ज की गई थी। आईटी कंपनियों की परिचालन लाभ वृद्धि ति4 में और बढ़ गई. हालांकि, तिमाही के दौरान आईटी और गैर-आईटी दोनों कंपनियों के लिए परिचालन लाभ मार्जिन क्रमिक रूप से कम हो गया (चार्ट III.5)।

वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के दौरान, सूचीबद्ध बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों के लिए राजस्व वृद्धि में वृद्धि हुई। इन कंपनियों के लिए व-द-व निवल लाभ वृद्धि काफी हद तक अन्य प्रावधानों और आकस्मिकताओं में गिरावट को दर्शाती है (चार्ट III.6)।

चार्ट III.6: सूचित बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों का प्रदर्शन चौथी तिमाही में बेहतर हुआ

(प्रतिशत, व-द-व)

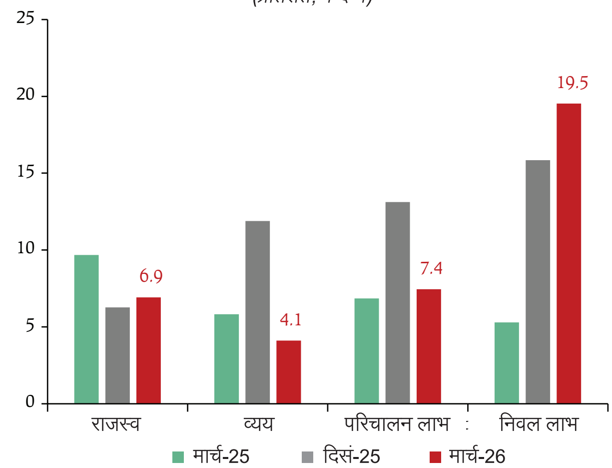

टिप्पणी: यह 220 कंपनियों के सैंपल पर आधारित है, जो सूचित बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र कंपनियों के कुल बाज़ार पूंजीकरण का लगभग 91.1 प्रतिशत है।
स्रोत: सीएमआईई प्रोवेस; और आरबीआई स्टाफ की गणना।

औद्योगिक गतिविधि के मासिक संकेतक

उच्च आवृत्ति संकेतकों के आधार पर, चल रहे पश्चिम एशिया संघर्ष के बावजूद, औद्योगिक गतिविधि ने अप्रैल में आघात-सहनीयता प्रदर्शित की। सीमेंट, इस्पात और बिजली उत्पादन के समर्थन से आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक में तेजी देखी गई। विनिर्माण पीएमआई में भी मामूली वृद्धि हुई क्योंकि लागत दबाव और भू-राजनीतिक प्रभाव विस्तार ने नए ऑर्डर में विकास की गति को बनाए रखा और आउटपुट धीमा कर दिया। मजबूत मांग के कारण यात्री वाहनों, तिपहिया और दोपहिया वाहनों में दोहरे अंकों की वृद्धि के साथ प्रमुख खंडों में ऑटोमोबाइल उत्पादन में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। इसके अलावा, पूंजीगत वस्तुओं के आयात में अप्रैल में मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि देखी गई, जो निरंतर पूंजीगत व्यय गति का संकेत देती है (सारणी III.4)।

भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर उपभोक्ता वरीयताओं में बदलाव देखा जा रहा है, जो सरकारी नीतिगत हस्तक्षेप, सार्वजनिक चार्जिंग बुनियादी ढांचे में सुधार और इलेक्ट्रिक

चार्ट III.5: सूचित निजी गैर-वित्तीय कंपनियों की परिचालन लाभ वृद्धि चौथी तिमाही में बेहतर हुई

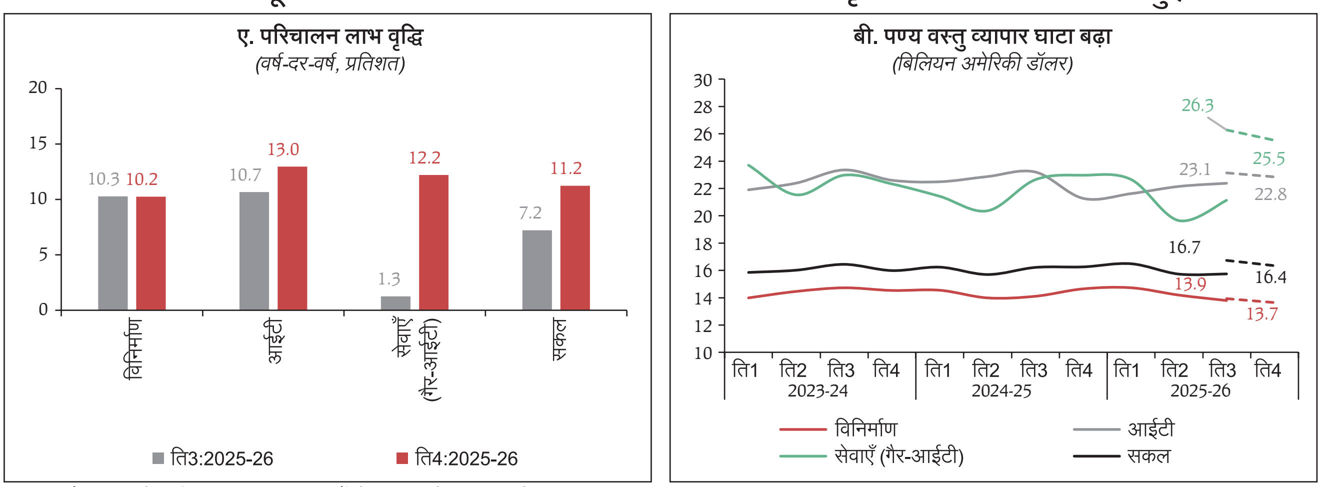

टिप्पणियाँ: 1. पूर्ण रेखाएँ लगभग 3000 कंपनियों से संबंधित डेटा दर्शाती हैं।
2. बिंदुदार रेखाएँ 2025-26 की तीसरी तिमाही में और 2025-26 की चौथी तिमाही के दौरान सामान्य कंपनियों के आधार पर वृद्धि दिखाती हैं। यह 561 विनिर्माण, 79 आईटी और 232 गैर-आईटी सेवाओं की सूचित कंपनियों के शुरुआती नतीजों पर आधारित है। कुल मिलाकर यह 955 सूचित निजी गैर-वित्तीय कंपनियों के परिणामों पर आधारित है, जिसमें कुछ दूसरे क्षेत्र भी शामिल हैं।
स्रोत: कैपिटलाइन डेटाबेस; और आरबीआई स्टाफ की गणना।

सारणी III.4: उद्योग के लिए उच्च आवृति संकेतक मज़बूत बने रहे

सूचकांक	अप्रै-25	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सितं-25	अक्तू-25	नवं-25	दिसं-25	जन-26	फर-26	मार्च-26	अप्रै-26
आईआईपी-हेडलाइन	2.6	1.9	1.5	4.3	4.1	4.6	0.5	7.2	8.0	5.1	5.1	4.1	
आईआईपी विनिर्माण	3.1	3.2	3.7	6.0	3.8	5.6	2.0	8.5	8.4	5.3	5.9	4.3	
आईआईपी पूंजीगत वस्तुएं	14.0	13.3	3.0	6.8	4.5	5.4	2.1	10.1	8.3	4.1	12.4	14.6	
पीएमआई विनिर्माण	58.2	57.6	58.4	59.1	59.3	57.7	59.2	56.6	55.0	55.4	56.9	53.9	54.7
पीएमआई निर्यात आदेश	57.6	56.9	60.6	57.3	56.1	56.5	54.7	54.1	54.0	54.1	53.2	55.0	56.3
पीएमआई विनिर्माण: भविष्य का आउटपुट	64.6	63.1	62.2	57.6	60.5	64.8	62.3	57.1	56.9	56.4	57.9	67.3	65.5
आठ प्रमुख उद्योगों का सूचकांक	1.0	1.2	2.2	3.7	6.5	3.3	-0.1	2.1	4.7	4.7	2.8	1.2	1.7
विद्युत उत्पादन: पारंपरिक (मात्रा)	-1.8	-8.2	-6.1	-0.8	1.0	0.8	-10.6	-5.0	4.4	2.2	-1.5	-1.1	2.4
विद्युत उत्पादन: नवीकरणीय (मात्रा)	28.0	18.2	28.7	26.4	22.7	16.4	21.4	22.9	18.0	22.9	25.3	11.7	
ऑटोमोबाइल उत्पादन (मात्रा)	-1.7	5.2	1.2	10.7	8.1	10.8	-2.8	22.3	37.1	15.0	22.1	20.2	26.0
यात्री वाहन उत्पादन (मात्रा)	10.8	5.4	-1.8	0.1	-4.1	16.1	9.8	22.8	23.1	5.6	9.8	9.0	12.8
ट्रैक्टर उत्पादन (मात्रा)	20.5	9.1	9.8	11.5	9.4	23.0	13.0	37.5	57.9	14.6	80.0	28.6	18.1
दोपहिया वाहनों का उत्पादन (मात्रा में)	-4.1	4.7	1.4	12.3	10.0	9.8	-5.6	20.9	39.9	16.1	24.4	22.0	28.1
तिपहिया वाहनों का उत्पादन (मात्रा)	4.1	16.9	8.6	24.0	15.8	15.9	15.9	55.4	39.6	33.2	29.9	34.0	41.6
कच्चा इस्पात उत्पादन (मात्रा)	9.3	11.0	12.6	13.8	12.8	13.7	8.9	11.1	10.8	11.5	11.4	9.4	5.8
तैयार इस्पात उत्पादन (मात्रा)	6.6	7.0	10.9	13.8	13.8	14.0	7.2	12.4	10.9	12.5	8.6	6.9	3.4
पूंजीगत वस्तुओं का आयात (मूल्य)	24.5	15.7	3.4	13.3	0.2	12.7	8.5	12.8	13.0	7.1	19.7	13.1	21.6

<<संकुचन -- विस्तार>>

टिप्पणियाँ: 1. वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (प्रतिशत में) की सभी संकेतक (पीएमआई को छोड़कर) के लिए गणना की गई है।
2. हीटमैप हर संकेतक के लिए डेटा रेंज को एक कलर ग्रेडिएंट स्कीम में बदलता है, जिसमें लाल रंग सबसे कम वैल्यू दिखाता है और हरा रंग संबंधित डेटा सीरीज़ की सबसे ज़्यादा वैल्यू दिखाता है।
3. हीटमैप अप्रैल 2023 से लेकर उस आखिरी महीने तक के डेटा पर लागू होता है जिसके लिए डेटा उपलब्ध है।
4. सभी पीएमआई वैल्यू सूचकांक के रूप में रिपोर्ट की जाती हैं। पीएमआई वैल्यू >50 का मतलब है बढ़ोतरी, <50 का मतलब है सिकुड़न और =50 का मतलब है 'कोई बदलाव नहीं'। पीएमआई हीटमैप में, लाल रंग सबसे कम वैल्यू दिखाता है, पीला रंग 50 (या कोई बदलाव नहीं वैल्यू) दिखाता है, और हरा रंग हर पीएमआई सीरीज़ में सबसे ज़्यादा वैल्यू दिखाता है।

स्रोत: सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई); एसएंडपी ग्लोबल: सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (सीईए), मिनिस्ट्री ऑफ़ पावर: सोसाइटी ऑफ़ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम): आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, भारत सरकार: जॉइंट प्लांट कमेटी: डायरेक्टरेट जनरल ऑफ़ कमर्शियल इंटेलिजेंस एंड स्टैटिस्टिक्स; और ट्रैक्टर एंड मैकेनाइजेशन एसोसिएशन।

वाहनों (ईवी) से जुड़े दीर्घकालिक स्थायी लाभों से सहायता प्राप्त है। अप्रैल में, ईवी की बिक्री में मात्रा के संदर्भ में वृद्धि हुई, यहां तक कि पारंपरिक वाहनों की तुलनात्मक रूप से मजबूत बिक्री के कारण उनकी बाजार में पैठ कम हो गई (चार्ट III.7)। हालांकि, ईवी पंजीकरण पांच राज्यों – उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और राजस्थान में केंद्रित देखा गया – जो अप्रैल 2026 में कुल ईवी पंजीकरण का लगभग 51 प्रतिशत था।

सेवा गतिविधि के मासिक संकेतक

भारत का सेवा क्षेत्र अप्रैल में आघात-सहनीय बना रहा। घरेलू आपूर्तिकर्ताओं और नए व्यावसायिक आदेशों द्वारा सक्षम परिवहन गतिविधि में वृद्धि द्वारा समर्थित सेवाओं के पीएमआई में तेजी आई। युद्ध और इनबाउंड पर्यटन के कारण निर्यात आदेशों

चार्ट III.7: इलेक्ट्रिक वाहनों की पहुंच और बिक्री

(प्रतिशत, बायां मान; व-द-व, प्रतिशत, दायां मान)

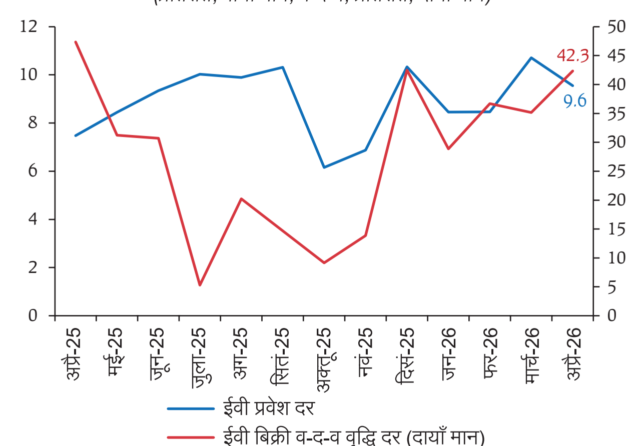

टिप्पणियाँ: 1. ईवी प्रवेश दर की गणना कुल नई गाड़ी के पंजीकरण के प्रतिशत के रूप में नए ईवी पंजीकरण के रूप में की जाती है।
2. बिक्री को मात्रा में दर्शाया गया है।

स्रोत: वाहन डैशबोर्ड।

सारणी III.5: सेवाओं के लिए उच्च आवृति संकेतकों ने आघात-सहनीयता दिखाई

सूचकांक	अप्रै-25	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सितं-25	अक्तू-25	नवं-25	दिसं-25	जन-26	फर-26	मार्च-26	अप्रै-26
पीएमआई सेवाएँ	58.7	58.8	60.4	60.5	62.9	60.9	58.9	59.8	58.0	58.5	58.1	57.5	58.8
अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्री यातायात	13.0	5.0	3.4	5.5	7.7	7.3	9.7	7.5	6.0	7.1	3.0	-18.5	-16.7
घरेलू हवाई कार्गो	16.6	2.3	2.6	4.8	7.1	2.8	-2.3	20.5	4.3	8.7	18.5	10.8	
अंतर्राष्ट्रीय एयर कार्गो	8.6	6.8	-1.2	4.2	4.5	2.3	-2.3	12.7	12.6	8.4	17.5	-6.0	
बंदरगाह कार्गो यातायात	7.0	4.3	5.6	4.0	2.5	11.5	11.9	14.5	12.7	7.6	5.1	0.6	2.4
खुदरा वाणिज्यिक वाहन बिक्री	-1.0	-3.7	6.6	0.2	8.6	2.7	21.1	17.0	24.6	15.1	28.9	15.1	15.0
इस्पात की खपत	6.0	8.1	9.3	7.3	10.0	8.9	2.4	6.0	5.4	4.9	12.8	13.7	8.1
सीमेंट उत्पादन	6.3	9.7	8.2	11.6	5.4	5.0	5.2	14.6	13.7	11.3	8.9	4.7	9.4

<<संकुचन --- विस्तार>>

टिप्पणियाँ: 1. व-द-व वृद्धि (प्रतिशत में) की सभी संकेतकों (पीएमआई को छोड़कर) के लिए गणना की गई है।
2. हीटमैप हर संकेतक के लिए डेटा रेंज को एक कलर ग्रेडिएंट स्कीम में बदलता है, जिसमें लाल रंग सबसे कम वैल्यू दिखाता है और हरा रंग संबंधित डेटा सीरीज़ की सबसे ज़्यादा वैल्यू दिखाता है।
3. हीटमैप अप्रैल 2023 से लेकर उस आखिरी महीने तक के डेटा पर लागू होता है जिसके लिए डेटा उपलब्ध है।
4. अप्रैल 2026 के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री यातायात की वृद्धि दर के डेटा की दैनिक डेटा को मिलाकर गणना की जाती है।
5. सभी पीएमआई वैल्यू सूचकांक के रूप में रिपोर्ट की जाती हैं। पीएमआई वैल्यू >50 का मतलब है बढ़ोतरी, <50 का मतलब है कमी और 50 का मतलब है 'कोई बदलाव नहीं'। पीएमआई हीटमैप में, लाल रंग सबसे कम वैल्यू दिखाता है, पीला रंग 50 (या कोई बदलाव नहीं वैल्यू) दिखाता है, और हरा रंग हर पीएमआई सीरीज़ में सबसे ज़्यादा वैल्यू दिखाता है।

स्रोत: फेडरेशन ऑफ़ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफ़एडीए): इंडियन पोर्ट्स एसोसिएशन: एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया: जॉइंट प्लांट कमेटी, मिनिस्ट्री ऑफ़ स्टील; आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, मिनिस्ट्री ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री; और एस एंड पी ग्लोबल।

की गति ने कमी दिखाई। अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्री यातायात में तेजी से गिरावट जारी रही, जो भू-राजनीतिक तनाव के बीच कमजोर बाहरी मांग को दर्शाता है। मजबूत माल ढुलाई और बुनियादी ढांचे की मांग की पृष्ठभूमि में खुदरा वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में स्थिर वृद्धि बनी रही। पश्चिम एशिया व्यापार व्यवधानों के कारण पिछले महीने की गिरावट के बाद बंदरगाह कार्गो वृद्धि में सुधार हुआ (सारणी III.5)।

मुद्रास्फीति

सीपीआई हेडलाइन मुद्रास्फीति[14] मार्च में 3.4 प्रतिशत से अप्रैल में मामूली रूप से बढ़कर 3.5 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) हो गई, जो मुख्य रूप से उच्च खाद्य मुद्रास्फीति के कारण हुई।[15] कोर (खाद्य और ईंधन को छोड़कर सीपीआई[16]) मुद्रास्फीति 3.7 प्रतिशत पर स्थिर रही। कीमती धातुओं को छोड़कर, कोर मुद्रास्फीति मामूली रूप से बढ़कर 2.2 प्रतिशत हो गई, यह सुझाव देती है कि अंतर्निहित मूल्य दबाव व्यापक रूप से नियंत्रित रहे (चार्ट III.8)।

बारह में से छह भागों में मुद्रास्फीति में क्रमिक वृद्धि देखी गई (चार्ट III.9)। 'रेस्तरां और आवास सेवाओं' प्रभाग ने एक मजबूत वृद्धि दर्ज की, जो मुख्य रूप से उच्च वाणिज्यिक एलपीजी की कीमतों और इनपुट लागत से प्रेरित है। 'व्यक्तिगत देखभाल, सामाजिक सुरक्षा और विविध वस्तुओं और सेवाओं' प्रभाग में मुद्रास्फीति कुछ कमी के बावजूद सबसे अधिक रही।

स्थानिक वितरण के संदर्भ में, अप्रैल में शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में मुद्रास्फीति मामूली रूप से बढ़ी। कुल मिलाकर, मुद्रास्फीति 0.7 प्रतिशत से 5.8 प्रतिशत तक राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में देखी गई। हालांकि, अधिकांश राज्यों में मुद्रास्फीति 4

14 राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा 12 मई 2026 को जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार।

15 माह-दर-माह आधार पर, अप्रैल में समग्र सीपीआई में 0.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें खाद्य और पेय पदार्थों के साथ-साथ कोर (खाद्य और ईंधन को छोड़कर) घटकों की कीमतों में वृद्धि हुई, जबकि ईंधन समूह ने लगभग शून्य गति दर्ज की।

16 ईंधन समूह, 'बिजली, गैस और अन्य ईंधन' और वर्ग, 'व्यक्तिगत परिवहन साधन के लिए ईंधन और स्नेहक' [जिसमें डीजल, पेट्रोल और अन्य प्राकृतिक गैस (संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) शामिल हैं) का प्रतिनिधित्व करता है]। अधिक जानकारी के लिए, मौद्रिक नीति रिपोर्ट, अप्रैल 2026 के मूल्य और लागत अध्याय में बॉक्स IV.2 देखें।

चार्ट III.8 : सीपीआई-संयुक्त मुद्रास्फीति अप्रैल में बढ़ी

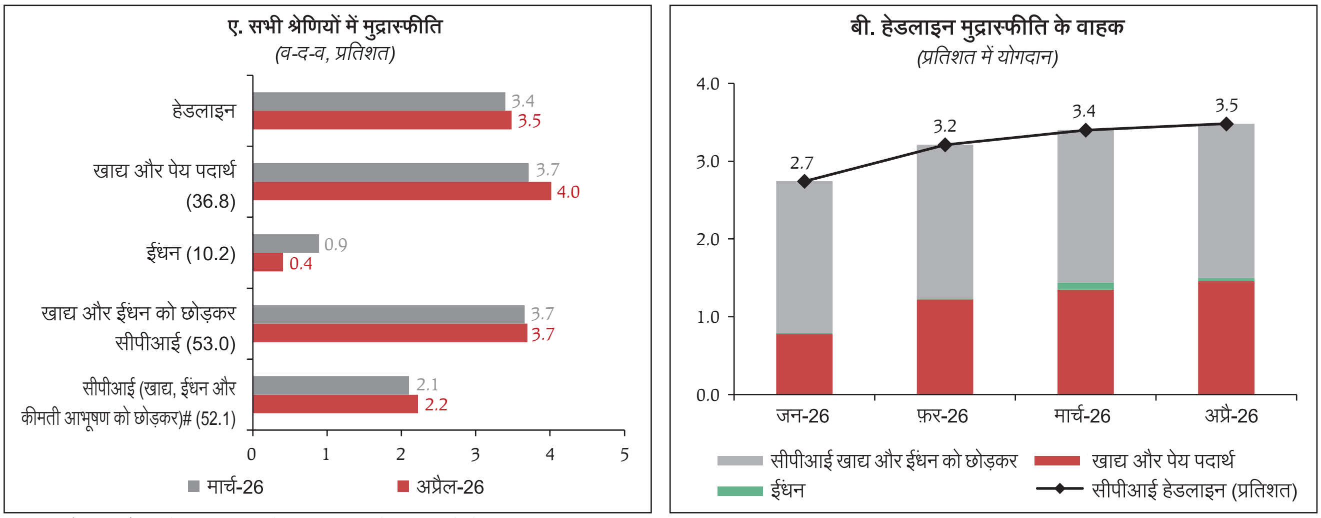

टिप्पणियाँ: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े सीपीआई-सी में भार दर्शाते हैं (2024=100)।
2.#: कीमती गहनों में 'स्वर्ण/हीरे/प्लैटिनम के गहने' और 'चांदी के गहने' शामिल हैं।

स्रोत: राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ)।

प्रतिशत से नीचे रही (चार्ट III.10)। दक्षिणी राज्यों ने राष्ट्रीय औसत की तुलना में उच्च खुदरा मुद्रास्फीति का अनुभव किया, जो मुख्य रूप से खाद्य मूल्य दबावों से प्रेरित है, जिसमें नारियल (खोपरा) की कीमतों में तेज वृद्धि भी शामिल है।

19 मई तक के उच्च आवृत्ति वाले खाद्य कीमतों के आंकड़े, गेहूं और चावल दोनों की कीमतों में मामूली वृद्धि की ओर इशारा करते हैं। दालों के भीतर, कीमतें व्यापक रूप से स्थिर रहीं, जबकि चने की कीमतों में गिरावट जारी रही। खाद्य तेलों की कीमतों में

चार्ट III.9: मुद्रास्फीति दर में भाग-वार बदलाव

(व-द-व, प्रतिशत)

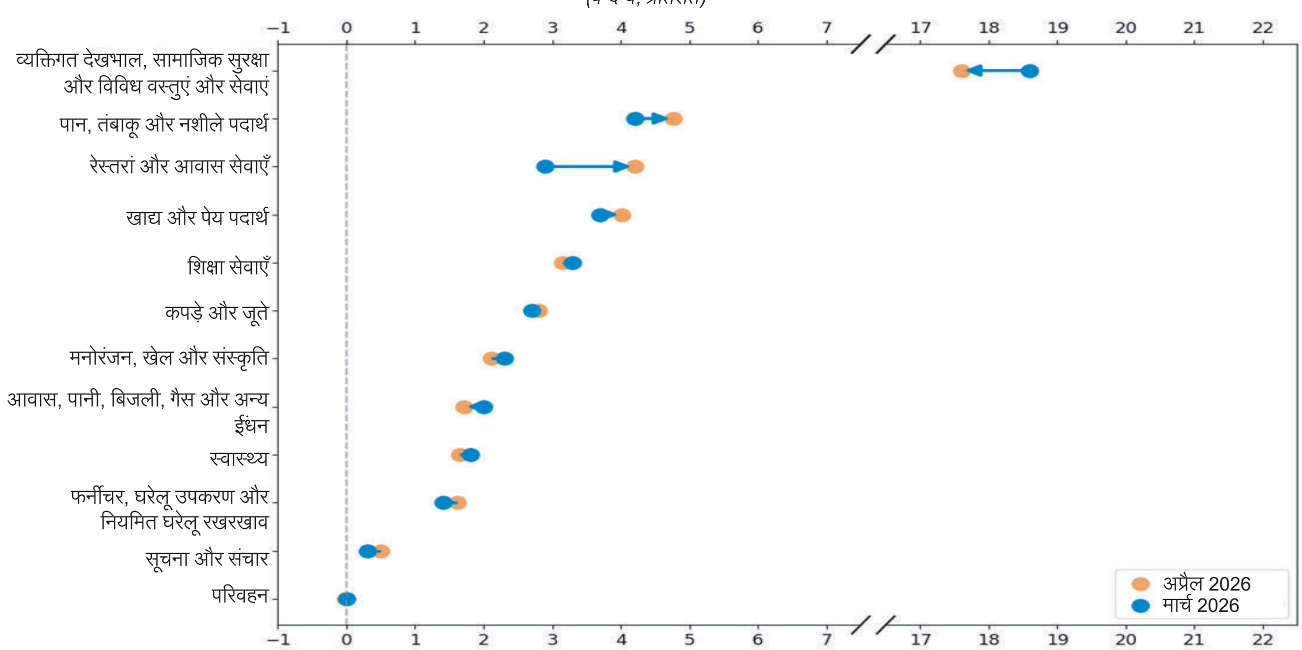

स्रोत: एनएसओ; और आरबीआई स्टाफ की गणना।

चार्ट III.10: मुद्रास्फीति का स्थानिक वितरण: अप्रैल 2026

(व-द-व, प्रतिशत)

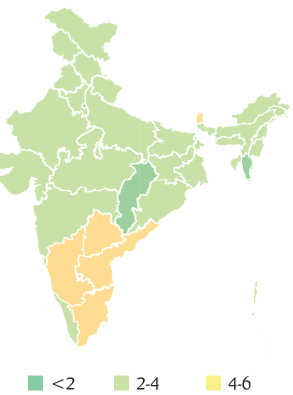

मुद्रास्फीति सीमा	राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की संख्या
<2	3
2-4	27
4-6	6

मुद्रास्फीति की प्रवृत्ति	राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की संख्या
गिरावट या स्थिर	12
बढ़ोतरी	24

टिप्पणियाँ: 1. मानचित्र केवल उदाहरण के लिए है।
2. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में क्रमशः 3.24 और 3.42 प्रतिशत की मुद्रास्फीति देखी गई।

स्रोत: एनएसओ; और आरबीआई स्टाफ की गणना।

व्यापक आधार पर वृद्धि देखी गई, जो मुख्य रूप से उच्च आयात लागत के कारण थी। प्रमुख सब्जियों के भीतर, टमाटर की कीमतों में तीव्र गर्मी के कारण तेजी से वृद्धि हुई, जिससे प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में फसल को नुकसान हुआ (चार्ट III.11)।

पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण वैश्विक तेल और गैस की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की कीमत में वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज) की बड़ी अल्प-वसूली हुई [चार्ट III.12]। इसे ध्यान में रखते हुए, ओएमसी ने दो चरणों में प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादों की खुदरा कीमतों में वृद्धि की - पहली बार 15 मई को और फिर 19 मई को (सारणी III.6)।

पश्चिम एशियाई संघर्ष से कीमतों के दबाव को दर्शाते हुए, थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) मुद्रास्फीति अप्रैल में बढ़कर 8.3 प्रतिशत हो गई, जो मार्च में 3.9 प्रतिशत थी, जो 42 महीने के उच्च स्तर पर थी। अप्रैल में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में तेज वृद्धि मुख्य रूप से ईंधन और बिजली समूह द्वारा संचालित

चार्ट III. 11: मई में खाद्य तेल और टमाटर की कीमतों में दबाव देखा गया

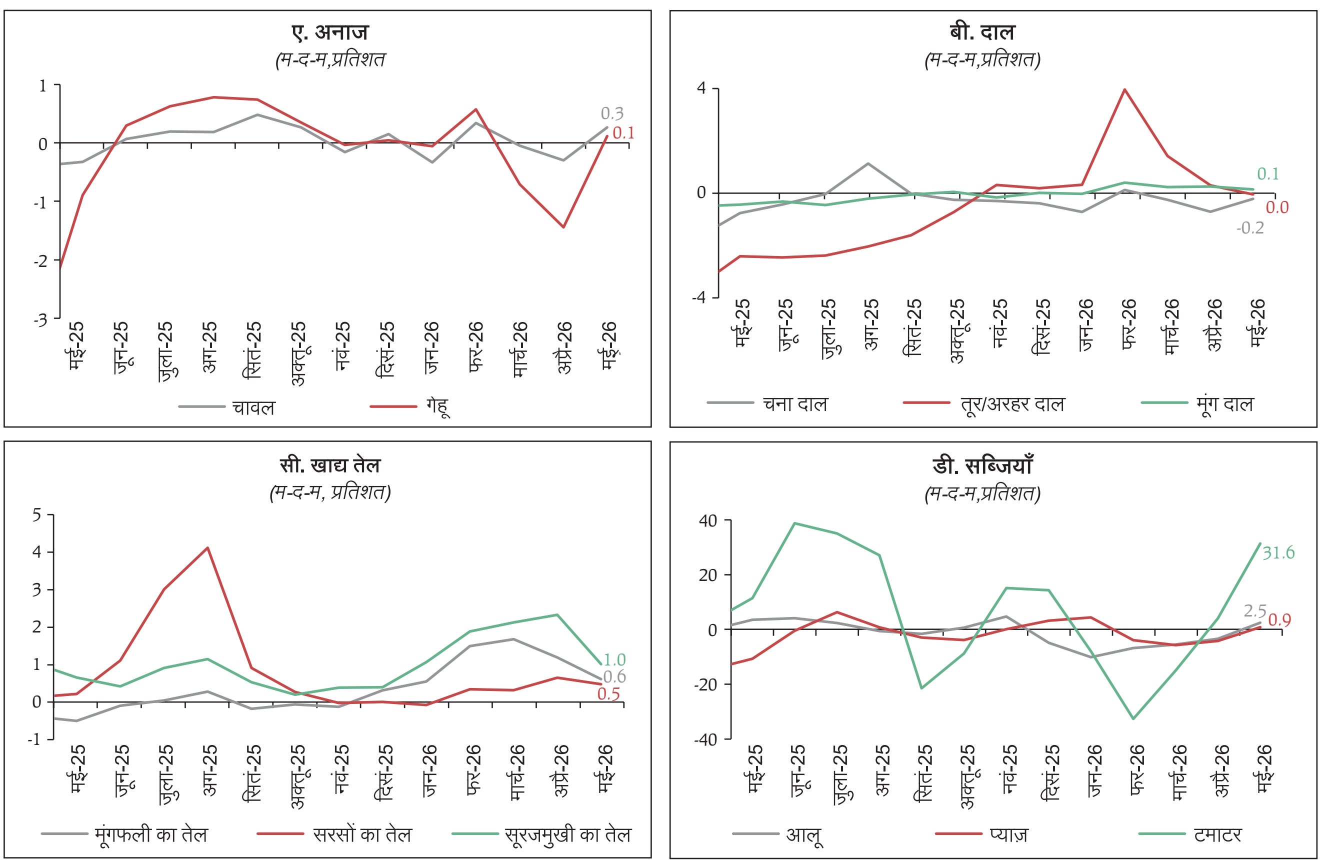

टिप्पणी: डेटा 1-19 मई, 2026 तक का है, और पिछले माह की इसी अवधि की तुलना में औसत कीमतों में माह-दर-माह हुए बदलाव को दिखाता है।

स्रोत: उपभोक्ता मामले विभाग, भारत सरकार; और आरबीआई स्टाफ की गणना।

चार्ट III.10: मुद्रास्फीति का स्थानिक वितरण: अप्रैल 2026

(व-द-व, प्रतिशत)

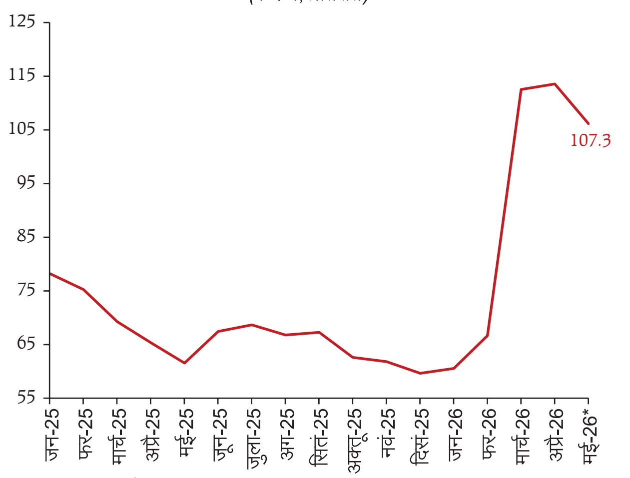

*: 19 मई तक का डेटा।
टिप्पणी: डेटा महीने का औसत दिखाता है।
स्रोत: पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी)।

सारणी III.6: मई में पेट्रोलियम उत्पादों की खुदरा कीमतों में वृद्धि हुई

मदें	इकाई	घरेलू कीमतें			माह-दर-माह (प्रतिशत)	
		मई-25	अप्रै-26	मई-26^	अप्रै-26	मई-26^
पेट्रोल	₹/लीटर	101.1	101.2	105.1	0.0	3.9
डीज़ल	₹/लीटर	90.5	90.5	94.5	0.0	4.3
केरोसिन (सब्सिडी)	₹/लीटर	41.5	46.8	46.8	0.0	0.0
एलपीजी (गैर-सब्सिडी)	₹/सिलेंडर	863.3	923.3	923.3	7.0	0.0

टिप्पणियाँ : 1. ^: 19 मई, 2026 तक डेटा अपडेट किया गया है।
2. केरोसिन के अलावा, कीमतें चार प्रमुख महानगरों (दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई) में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की औसत कीमतों को दर्शाती हैं। केरोसिन के लिए, कीमतें कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में सब्सिडी वाली कीमतों के औसत को दर्शाती हैं।
स्रोत : पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी); और आरबीआई स्टाफ की गणना।

थी, हालांकि अन्य समूहों में भी तेज वृद्धि देखी गई। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में 14.7 प्रतिशत भारांश वाली शीर्ष 10 वस्तुओं का अप्रैल में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में 63 प्रतिशत का योगदान रहा। ये मदें कृषि, लॉजिस्टिक्स, पेट्रोकेमिकल्स से लेकर विमानन तक विभिन्न उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण इनपुट के रूप में काम करते हैं। नवीनतम डबल्यूपीआई डेटा भारत में प्रारंभिक मूल्य दबावों का संकेत है।

अप्रैल के पीएमआई आंकड़ों में एल्युमीनियम, रसायन, विदूत उपकरणों, ईंधन और अन्य उत्पादों की ऊंची कीमतों के कारण विनिर्माण कंपनियों के लिए इनपुट कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई है। उत्पादन की कीमतों में भी तेजी आई। सेवा क्षेत्र में, हालांकि, उत्पादन और इनपुट दोनों की कीमतों में वृद्धि कम हो गई (चार्ट III.13)।

चार्ट III.13 : विनिर्माण में इनपुट लागत दबाव

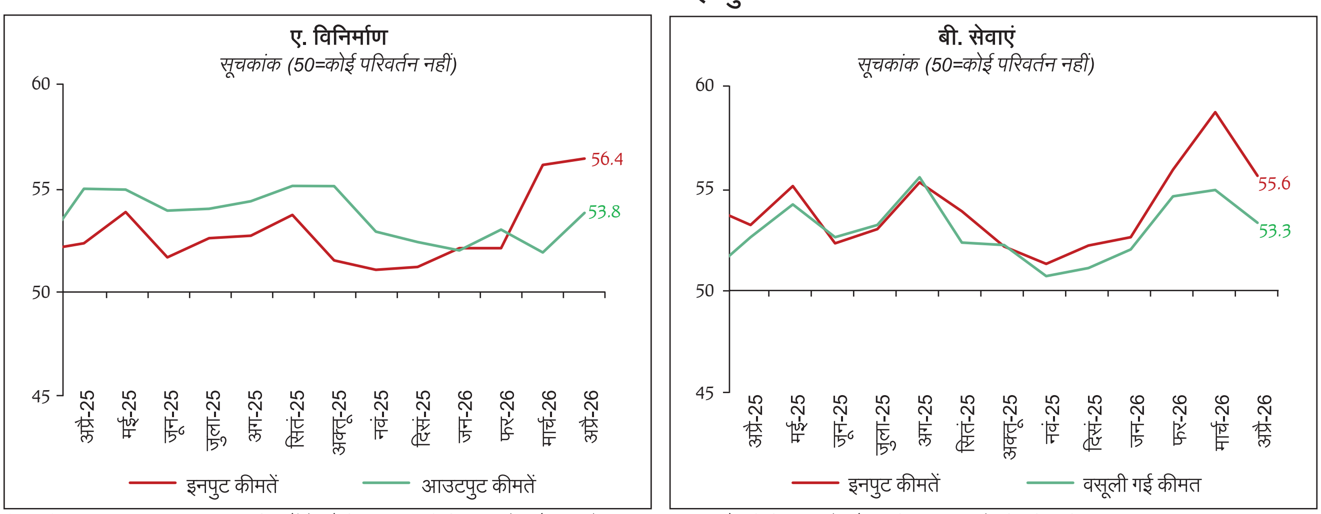

टिप्पणी: सूचकांक का 50 का स्तर कीमतों में कोई बदलाव नहीं दिखाता है, और 50 से ऊपर का स्तर बढ़ोतरी दिखाता है और इसी प्रकार उसके विपरीत भी।
स्रोत: एसएंडपी।

IV. वित्तीय स्थितियां

अप्रैल में चलनिधि की स्थिति में कमी आई क्योंकि कर बहिर्वाह से दबाव कम हो गया और सरकारी व्यय बढ़ गया।[17] अधिशेष प्रणाली चलनिधि[18] मई (21 तारीख तक) में कम हो गई क्योंकि प्रचलन में मुद्रा (सीआईसी) में वृद्धि हुई और सरकारी व्यय स्थिर हो गया। मध्यम चलनिधि की स्थिति[19] को दर्शाते हुए, अप्रैल की तुलना में मई में बैंकों द्वारा स्थायी जमा सुविधा के उपयोग में गिरावट आई, जबकि सीमांत स्थायी सुविधा का सहारा एक हद तक बढ़ गया (चार्ट IV.1)।[20] प्रणाली में टिकाऊ चलनिधि लाने के उद्देश्य से, रिज़र्व बैंक ने 26 मई 2026 को 5 बिलियन अमेरिकी डॉलर की 3 वर्ष की खरीद/बिक्री स्वैप करने का निर्णय लिया।

मुद्रा बाजार

अप्रैल के अधिकांश समय के लिए नीतिगत कॉरिडोर के निचले आधे हिस्से में भारित औसत कॉल दर (डब्ल्यूएसीआर) रही और अक्सर मई (21 तारीख तक) में नीतिगत दर से नीचे रही [चार्ट IV.2a]।[21] संपार्श्विक खंडों में एकदिवसीय दरें, जैसा कि सुरक्षित एकदिवसीय रुपये की दर द्वारा मापा जाता है, आम तौर पर डबल्यूएसीआर के बराबर रहीं। अप्रैल से मई (21 तक) में ट्रेजरी बिलों पर औसत प्रतिफल में मामूली वृद्धि हुई। इसके अलावा, अप्रैल की पहली छमाही के दौरान कमी देखने के बाद वाणिज्यिक पत्र (सीपी) और जमा प्रमाण पत्र (सीडी) पर प्रतिफल, धन की उच्च मांग के बीच दूसरी छमाही के बाद से मजबूत हुए (चार्ट IV.2 बी)।[22] 3 माह के वाणिज्यिक पत्र और 91-दिवसीय ट्रेजरी बिल के बीच का अंतर बढ़ गया।[23]

सरकारी प्रतिभूति बाजार

सरकारी प्रतिभूति (जी-सेक) प्रतिफल अस्थिर रहा और काफी हद तक वैश्विक संकेतों से प्रभावित था (चार्ट IV.3ए)। सीज़फ़ायर के बाद अप्रैल में प्रतिफल में कमी आई, लेकिन मई

चार्ट IV. 1: मई में प्रणाली चलनिधि में कमी आई

(₹ लाख करोड़)

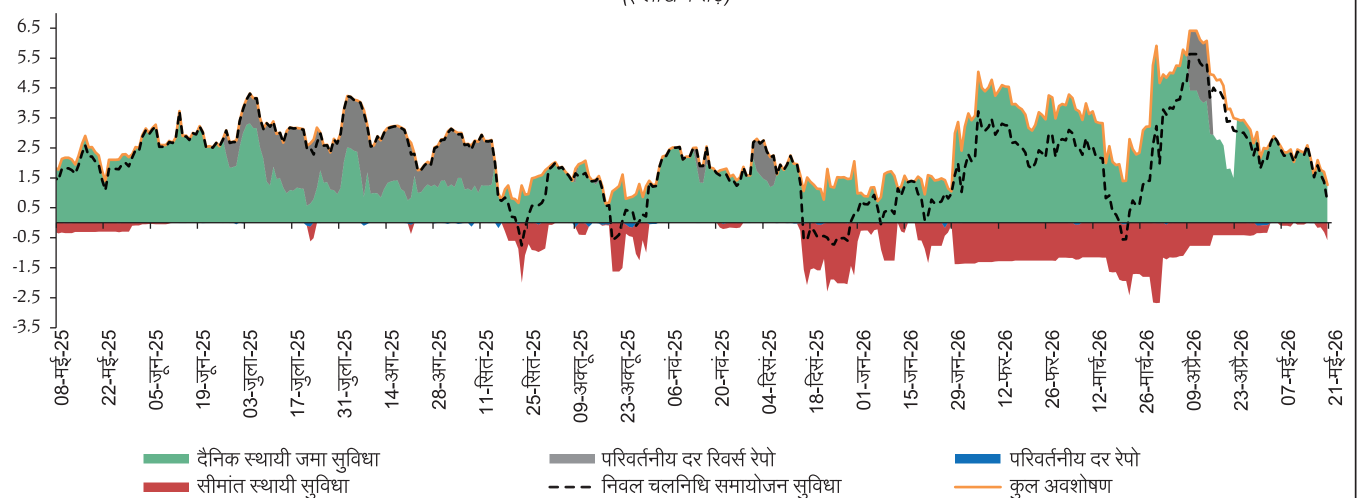

स्रोत: आरबीआई।

[17] अप्रैल के दौरान, आरबीआई ने 4-दिवसीय परिपक्वता की एक परिवर्तनीय-दर रेपो (वीआरआर) नीलामी आयोजित की, जिसमें 1.0 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के मुकाबले 25,715 करोड़ रुपये की बोली के साथ धीमी प्रतिक्रिया देखी गई। आरबीआई ने 10 अप्रैल और 17 अप्रैल, 2026 को दो 7-दिवसीय परिवर्तनीय दर रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी भी आयोजित की, ताकि डबल्यूएसीआर को नीतिगत रेपो दर के साथ संरेखित किया जा सके, जो संचयी रूप से लगभग ₹4 लाख करोड़ को अवशोषित करता है।

[18] जैसा कि चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के तहत औसत निवल अवशोषण द्वारा मापा जाता है।

[19] मई 2026 में, आरबीआई ने एकदिवसीय से लेकर 7 दिनों तक की परिपक्वता अवधि के साथ छह फाइन ट्यूनिंग वीआरआरआर नीलामी आयोजित की, जिसमें 6.0 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के मुकाबले संचयी रूप से प्रणाली में 1.57 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया। एलएएफ के तहत दैनिक औसत निवल अवशोषण मई (21 तारीख तक) के दौरान घटकर 2.11 लाख करोड़ रुपये रह गया, जो अप्रैल में 3.94 लाख करोड़ रुपये था।

[20] स्थायी जमा सुविधा के तहत औसत शेष राशि अप्रैल में 3.77 लाख करोड़ रुपये से घटकर मई (21 तारीख तक) 2.25 लाख करोड़ रुपये रह गई। सीमांत स्थायी सुविधा के माध्यम से मई (21 तारीख तक) के दौरान औसतन 0.02 लाख करोड़ रुपये की उधारी हुई, जो अप्रैल में 0.01 लाख करोड़ रुपये से मामूली अधिक है।

[21] औसतन, डब्ल्यूएसीआर मई (21 तारीख तक) के दौरान बढ़कर 5.21 प्रतिशत हो गया, जो अप्रैल के दौरान 5.13 प्रतिशत था। मजबूत ऋण वृद्धि के कारण अल्पकालिक फंडों की उच्च मांग के जवाब में इसने 11 और 21 मई को नीतिगत रेपो दर को पार कर लिया।

[22] 3 महीने के ट्रेजरी बिलों पर औसत प्रतिफल में 8 आधार अंक (बीपीएस) की वृद्धि हुई। अप्रैल की तुलना में मई (21 तारीख तक) के दौरान एनबीएफसी द्वारा जारी 3 माह के वाणिज्यिक पत्रों पर प्रतिफल और 3 महीने के जमा प्रमाण पत्र पर ब्याज दर में क्रमशः 55 बीपीएस और 50 बीपीएस की वृद्धि हुई।

[23] अप्रैल में औसत 158 बीपीएस से बढ़कर मई में 205 बीपीएस (21 वें तक) हो गया।

चार्ट IV.2: डबल्यूएसीआर कॉरिडोर के अंदर ट्रेड हुआ और मई में मुद्रा बाज़ार दरों में थोड़ी बढ़ोतरी हुई

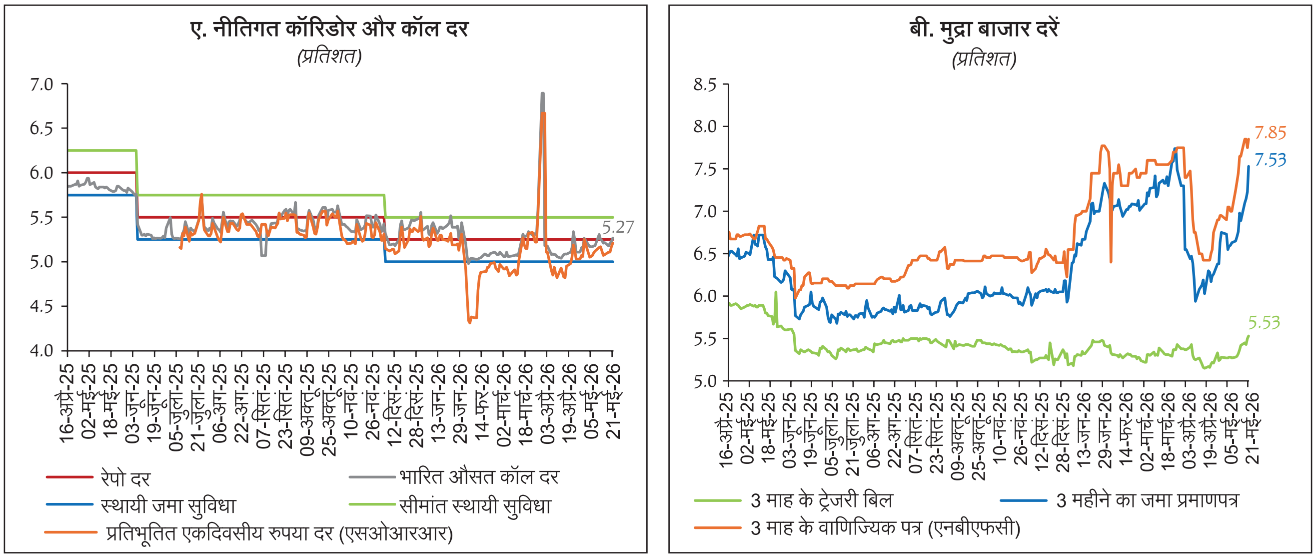

स्रोत: आरबीआई; ब्लूमबर्ग।

में (21 तारीख तक) अलग-अलग अवधि के लिए इसमें थोड़ी बढ़ोतरी हुई। [चार्ट IV.3बी]।[24]

कॉर्पोरेट बॉण्ड बाज़ार

सरकारी बॉण्ड प्रतिफल और कच्चे तेल की कीमतों के असर से, मई (20 तारीख) में अप्रैल (30 तारीख) के मुकाबले सभी समय-सीमाओं और रेटिंग श्रेणी में कॉर्पोरेट बॉण्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी हुई, जबकि स्प्रेड में मिली-जुली प्रवृत्ति देखी गई (सारणी IV.1)। कुल मिलाकर, पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2025-26 में कुल जारी बॉण्ड कम थे, जो कॉर्पोरेट के ऊंचे स्तर और कर्ज लेने की अधिक लागत को दर्शाते हैं।[25]

चार्ट IV.3: वार्षिक बॉण्ड प्रतिफल और कच्चे तेल की कीमतों के हिसाब से जी-सेक प्रतिफल में थोड़ी बढ़ोतरी हुई

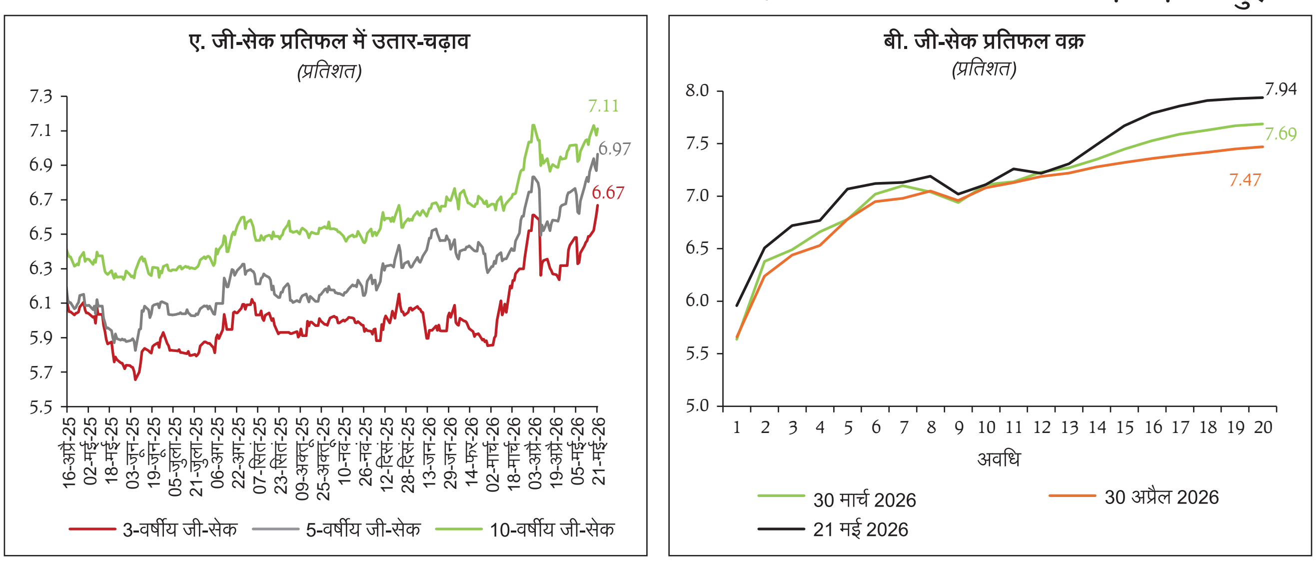

स्रोत: ब्लूमबर्ग; और फाइनेंशियल बेंचमार्क्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।

[24] 10 वर्षीय जी-सेक पर प्रतिफल 21 मई को बढ़कर 7.11 प्रतिशत हो गया, जो 30 अप्रैल को 7.02 प्रतिशत था। 30 मार्च को प्रतिफल 7.04 फीसदी था।

[25] सेबी के आंकड़ों के अनुसार, मार्च में निर्गम बढ़कर 1.07 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो फरवरी में 0.66 लाख करोड़ रुपये था। वित्तीय वर्ष के आधार पर, यह 2025-26 में ₹9.11 लाख करोड़ था, जो 2024-25 में ₹9.94 लाख करोड़ से कम था। अप्रैल 2026 में, जारी किए गए पिछले वर्ष की इसी अवधि में ₹0.93 लाख करोड़ से घटकर ₹0.34 लाख करोड़ हो गए हैं।

सारणी IV.1: कॉर्पोरेट बॉण्ड प्रतिफल में मजबूती

मदें	ब्याज दरें (प्रतिशत)			स्प्रेड (बीपीएस) (संबंधित जोखिम-मुक्त दर पर)		
	अप्रैल 30, 2026	मई 20, 2026	भिन्नता (बीपीएस)	अप्रैल 30, 2026	मई 20, 2026	भिन्नता
1	2	3	(4 = 3-2)	5	6	(7 = 6-5)
(i) एएए (1-वर्ष)	7.41	7.88	47	167	185	18
(ii) एएए (3-वर्ष)	7.60	7.76	16	126	100	-26
(iii) एएए (5-वर्ष)	7.69	8.0	31	94	97	3
(iv) एए (3-वर्ष)	8.35	8.59	24	227	183	-44
(v) बीबीबी माइनस (3-वर्ष)	11.93	12.20	27	545	544	-1

स्रोत: एफ़आईएमएमडीए।

मुद्रा और ऋण

अप्रैल 2026 के दौरान, आरक्षित मुद्रा (नकद आरक्षित अनुपात के लिए समायोजित) ने अपनी वृद्धि को बनाए रखा, जिसमें सीआईसी ने दिसंबर 2025[27] से दोहरे अंकों की वृद्धि[26] दर्ज की। मुद्रा आपूर्ति वृद्धि भी ऊंची रही (चार्ट IV.4)।[28]

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) की ऋण वृद्धि उच्च स्तर पर अपेक्षाकृत स्थिर रही। हालाँकि, अप्रैल में जमा वृद्धि में गिरावट के कारण ऋण और जमा वृद्धि के बीच अंतर बढ़ गया है (चार्ट IV.5)।[29]

चार्ट IV.4: आरक्षित मुद्रा और मुद्रा आपूर्ति (एम$_3$) में लगातार बढ़ोतरी

(व-द-व, प्रतिशत)

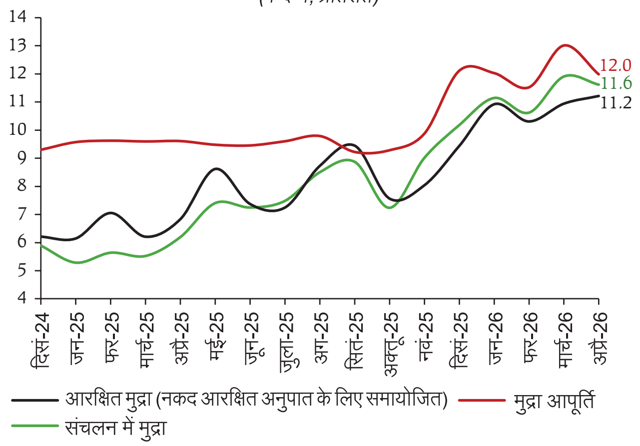

टिप्पणी: बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 के ज़रिए पखवाड़े की परिभाषा में बदलाव के साथ, आरक्षित मुद्रा और मुद्रा आपूर्ति का डेटा माह के 15वें और आखिरी दिन से जुड़ा होगा, जो 15 दिसंबर 2025 से लागू होगा।

स्रोत: आरबीआई।

चार्ट IV.5: बैंक ऋण और जमा वृद्धि के बीच बढ़ता अंतर

(व-द-व, प्रतिशत)

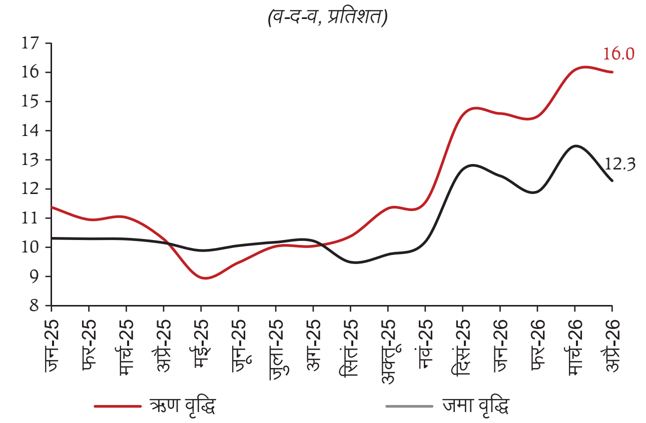

टिप्पणियाँ: 1. एससीबी के डेटा में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक भी शामिल हैं। डेटा में एक गैर-बैंक के बैंक में विलयन का असर भी शामिल है।
2. बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 के माध्यम से पखवाड़े की परिभाषा में बदलाव के साथ, एससीबी के लिए डेटा माह के 15 वें और अंतिम दिन से संबंधित है, जो 15 दिसंबर 2025 से प्रभावी है।

स्रोत: पाक्षिक धारा 42 रिटर्न, आरबीआई।

[26] आरक्षित मुद्रा में वृद्धि (नकद आरक्षित अनुपात में परिवर्तन के पहले दौर के प्रभाव के लिए समायोजित) 30 अप्रैल 2026 को बढ़कर 11.2 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) हो गई, जो 30 मार्च 2026 तक 10.9 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) थी। 30 अप्रैल 2026 को संचलन में मुद्रा में वृद्धि 11.6 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) थी, जो 30 मार्च 2026 को 11.9 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) [31 दिसंबर 2025 तक 10.2 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष)] से मामूली कम थी।

[27] दिसंबर 2025 से उच्च सीआईसी वृद्धि में योगदान देने वाले कारकों में मजबूत ग्रामीण मांग और राज्य के नेतृत्व वाले कल्याणकारी उपायों के साथ-साथ बढ़ी हुई कीमती धातुओं की कीमतों और पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में विधानसभा चुनावों से पहले उच्च नकद निकासी शामिल है।

[28] 30 अप्रैल 2026 को मुद्रा आपूर्ति में 12 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) और 31 मार्च 2026 तक 13 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि हुई।

[29] 30 अप्रैल 2026 तक एससीबी की ऋण और जमा वृद्धि क्रमशः 16 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) और 12.3 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) थी, जबकि 31 मार्च 2026 तक यह क्रमशः 16.1 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) और 13.5 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) थी।

अप्रैल 2026 में गैर-खाद्य बैंक ऋण प्रवाह अतीत के अनुरूप कम हो गया (सारणी IV.2ए)। वर्ष 2025-26 में, वाणिज्यिक क्षेत्र के लिए कुल बकाया ऋण में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 15.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें गैर-बैंक स्रोतों में 13.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। 30 अप्रैल 2026 तक, बकाया गैर-खाद्य बैंक ऋण में एक वर्ष पहले 9.8 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 15.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई (सारणी IV.2बी)।

मार्च 2026 में, गैर-खाद्य बैंक ऋण[30] की प्रमुख क्षेत्रों में वृद्धि हुई (चार्ट IV.6)। कृषि और औद्योगिक ऋण वृद्धि में वृद्धि जारी रही। बड़े उद्योगों और एमएसएमई दोनों को ऋण तेजी से बढ़ा। एनबीएफसी, व्यापार और वाणिज्यिक स्थावर संपदा को बैंक ऋण देने से सेवा क्षेत्र में ऋण प्रवाह भी उत्साहजनक रहा। व्यक्तिगत ऋणों के भीतर, आवास, वाहन और स्वर्ण ऋण में मजबूत ऋण वृद्धि हुई है।

जमा और उधार दरें

नीतिगत रेपो दर में संचयी 125 आधार अंकों (बीपीएस) की कमी के बदले, एससीबी ने फरवरी 2025 से मार्च 2026 के दौरान रेपो-संबंधित बाह्य बेंचमार्क-आधारित उधार दरों (ईबीएलआर) और फंड-आधारित उधार दरों (एमसीएलआर) की सीमांत लागत दोनों को समायोजित किया है। चल रहे सहजता चक्र के दौरान भारित औसत उधार दरों (डब्ल्यूएएलआर) के लिए प्रभाव-अंतरण मजबूत रहा है। नए और बकाया ऋणों पर ऋण दरों का संचरण सभी क्षेत्रों में व्यापक आधार पर किया गया है (चार्ट IV.7)। जमा पक्ष पर, हाल के महीनों में थोक जमा दरों में सुधार के कारण भारित औसत घरेलू सावधि जमा दरों (डब्ल्यूएडीटीडीआर) में संचरण अपेक्षाकृत कम रहा है (सारणी IV.3)।

सारणी IV.2ए: भारत में वाणिज्यिक क्षेत्र के लिए वित्तीय संसाधनों का प्रवाह

(₹ लाख करोड़)

मद	अप्रैल-मार्च		30 अप्रैल तक	
	2024-25	2025-26	2025-26	2026-27 P
A. गैर-खाद्य बैंक ऋण	**18.08**	**29.19**	**-1.49**	**-1.83**
B. गैर-बैंक स्रोत (बी1+बी2)	**18.54**	**17.85**	**0.94**	**0.74**
बी 1. घरेलू स्रोत	14.91	12.66	0.94	0.74
बी 2. विदेशी स्रोत	3.63	5.19	–	–
C. संसाधनों का कुल प्रवाह (एे+बी)	**36.62**	**47.04**	**-0.55**	**-1.09**

पी: अनंतिम; -: उपलब्ध नहीं।

टिप्पणियाँ: 1. संख्याओं के पूर्णांकन के कारण कॉलम में आंकड़े का योग कुल के बराबर नहीं हो सकता है।
2. विस्तृत नोट्स और डेटा के लिए, कृपया वर्तमान सांख्यिकी सारणी संख्या: 18 (ए) देखें।

स्रोत: आरबीआई; सेबी; एआईएफआई; और आरबीआई कर्मचारियों का अनुमान।

सारणी IV.2बी: वाणिज्यिक क्षेत्र के लिए बकाया ऋण

(₹ लाख करोड़; कोष्ठक में आंकड़े व-द-व प्रतिशत परिवर्तन हैं)

मदें	मार्च के अंत में		30 अप्रैल तक	
	2025	2026	2025	2026 पी
ए. गैर-खाद्य बैंक ऋण	**183.72 (10.9)**	**212.91 (15.9)**	**182.23 (9.8)**	**211.08 (15.8)**
बी. गैर-बैंक स्रोत (बी1+बी2)	**89.25 (15.1)**	**101.09 (13.3)**	**2.23 (70.6)**	**2.10 (-5.7)**
बी1. घरेलू स्रोत	66.37 (17.3)	75.11 (13.2)	2.23 (70.6)	2.10 (-5.7)
बी2. विदेशी स्रोत	22.87 (9.3)	25.98 (13.6)	–	–
सी. कुल ऋण (ए+बी)	**272.97 (12.3)**	**314.00 (15.0)**	**184.45 (10.3)**	**213.18 (15.6)**

पी: अनंतिम; -: उपलब्ध नहीं है।

टिप्पणियाँ: 1. संख्याओं को पूर्णांकित करने के कारण कॉलमों में आंकड़े का योग कुल योग के बराबर नहीं हो सकता।
2. गैर-बैंक स्रोतों के आंकड़ों में घरेलू स्रोतों के तहत इक्विटी और हाइब्रिड लिखत जारी किए जाने और विदेशी स्रोतों के तहत इक्विटी में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश शामिल नहीं है।
3. बकाया डेटा के आधार पर प्रवाह सारणी IV.2ए में प्रदान किए गए प्रवाह के साथ मेल नहीं खा सकता है:
(ए) 1 जुलाई 2023 को एचडीएफ़सी बैंक के साथ एचडीएफ़सी लिमिटेड का विलय;
(बी) कुछ आवास वित्त कंपनियों का गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में परिवर्तन; और
(सी) विदेशी स्रोतों के मामले में मूल्यांकन प्रभाव। 4. विस्तृत नोट्स और डेटा के लिए, कृपया वर्तमान सांख्यिकी सारणी संख्या: 18 (बी) देखें।

स्रोत: आरबीआई; सेबी; एआईएफआई; और आरबीआई स्टाफ का अनुमान।

[30] अनंतिम डेटा। बैंक ऋण के क्षेत्रवार परिनियोजन संबंधी आंकडे क्षेत्र-वार और उद्योग-वार बैंक ऋण (एसआईबीसी) विवरणी पर आधारित होते हैं, जिसमें 41 चुनिंदा बैंक शामिल होते हैं जो सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा प्रदान किए गए कुल गैर-खाद्य ऋण का लगभग 95 प्रतिशत होते हैं। 31 दिसंबर 2025 से बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 के तहत अंतिम रिपोर्टिंग पखवाड़े की परिभाषा को महीने के अंतिम दिन में बदल दिया गया है। तदनुसार, दिसंबर 2025 से वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर चालू वर्ष के महीने के अंत के आंकड़ों और पिछले वर्ष के इसी महीने के लिए अंतिम रिपोर्टिंग पखवाड़े (पुरानी परिभाषा के अनुसार) के आंकड़ों पर आधारित है। गैर-खाद्य ऋण वृद्धि की गणना पाक्षिक धारा-42 रिटर्न के आधार पर की जाती है, जिसमें सभी एससीबी शामिल हैं।

चार्ट IV.4: प्रमुख क्षेत्रों में बैंक ऋण वृद्धि में बढ़ोतरी

(व-द-व, प्रतिशत)

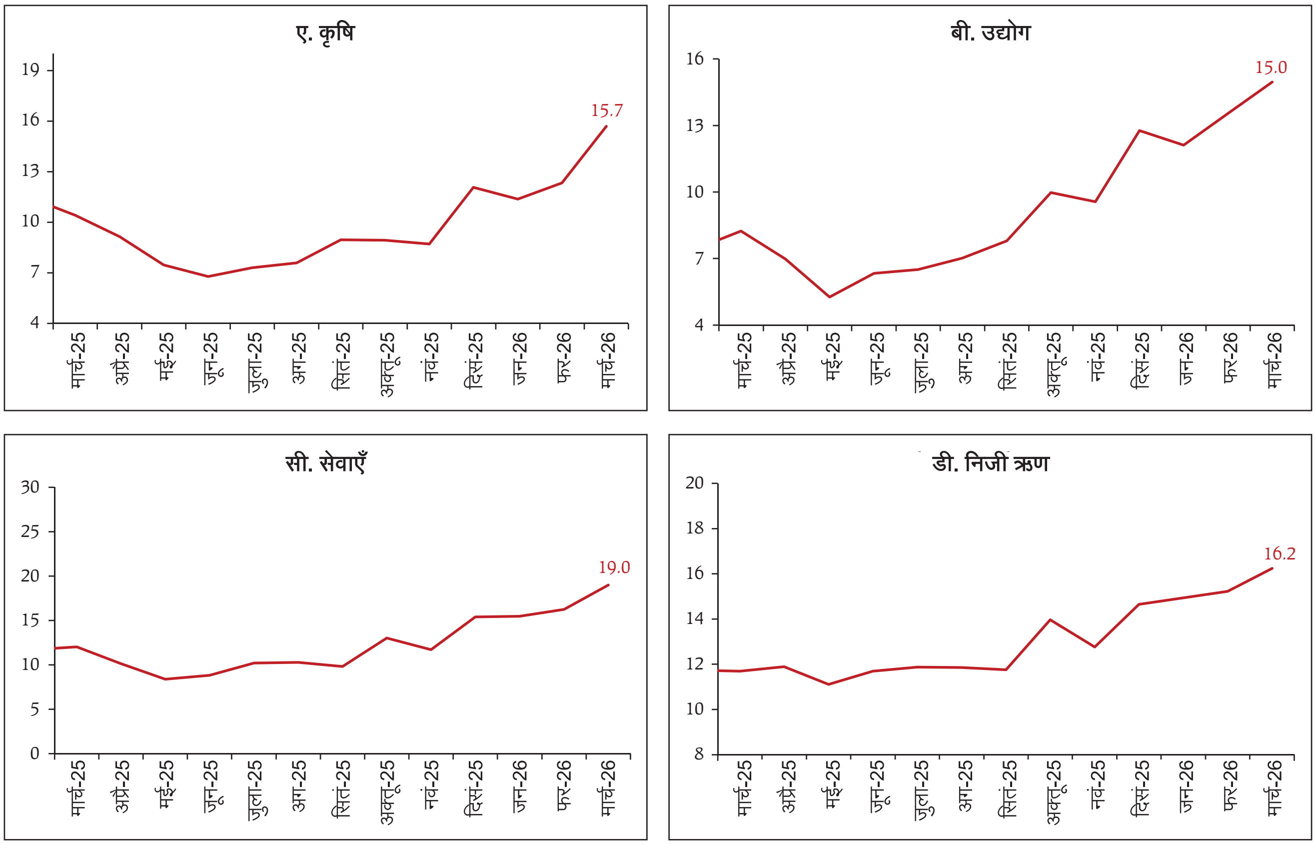

स्रोत: आरबीआई।

बैंक समूहों में, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की तुलना में निजी बैंकों में ऋण दर के लिए प्रभाव-अंतरण अधिक था और वर्तमान सहजता चक्र के दौरान जमा दरों के लिए इसके विपरीत था (चार्ट IV.8)।

इक्विटी बाज़ार

अमेरिका-ईरान संघर्ष विराम की घोषणा के बाद अप्रैल में भारतीय शेयर बाजारों में तेजी आई। हालांकि, अमेरिका-ईरान युद्धविराम[31] के स्थायित्व और कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि पर

सारणी IV.3: बैंकों की जमा और उधार दरों में संचरण

(आधार अंक)

अवधि	रेपो दर	सावधि जमा दरें		ऋण दरें				
		डबल्यूएडीटीडीआर-नया जमा	डबल्यूएडीटीडीआर-बकाया जमा	ईबीएलआर	1-वर्षीय एमसीएलआर (माध्यिका)	डबल्यूएलआर - नया रुपया ऋण: कुल मिलाकर	डबल्यूएलआर - नया रुपया ऋण: ब्याज दर प्रभाव#	डबल्यूएलआर - बकाया रुपया ऋण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
सख्ती चक्र मई 2022 से जनवरी 2025 तक	250	259	206	250	175	182	191	115
सहजता चक्र फरवरी 2025 से मार्च 2026 तक	-125	-55	-47	-125	-60	-93	-80	-88

#: जनवरी 2025 के भार पर गणना की गई।
डबल्यूएएलआर: भारित औसत ऋण दर; डब्ल्यूएडीटीडीआर; भारित औसत घरेलू सावधि जमा दर;
एमसीएलआर: फंड की सीमांत लागत-आधारित उधार दर; ईबीएलआर: बाह्य बेंचमार्क-आधारित उधार दर।
टिप्पणी: ईबीएलआर पर आंकडे 32 घरेलू बैंकों से संबंधित हैं।
स्रोत: आरबीआई।

[31] भारत VIX मार्च 2026 के अंत में 27.9 से घटकर अप्रैल के अंत में 18.5 हो गया, और 21 मई 2026 को 17.8 हो गया।

चार्ट IV.7: चुनिंदा क्षेत्रों में संचरण (फरवरी 2025-मार्च 2026)

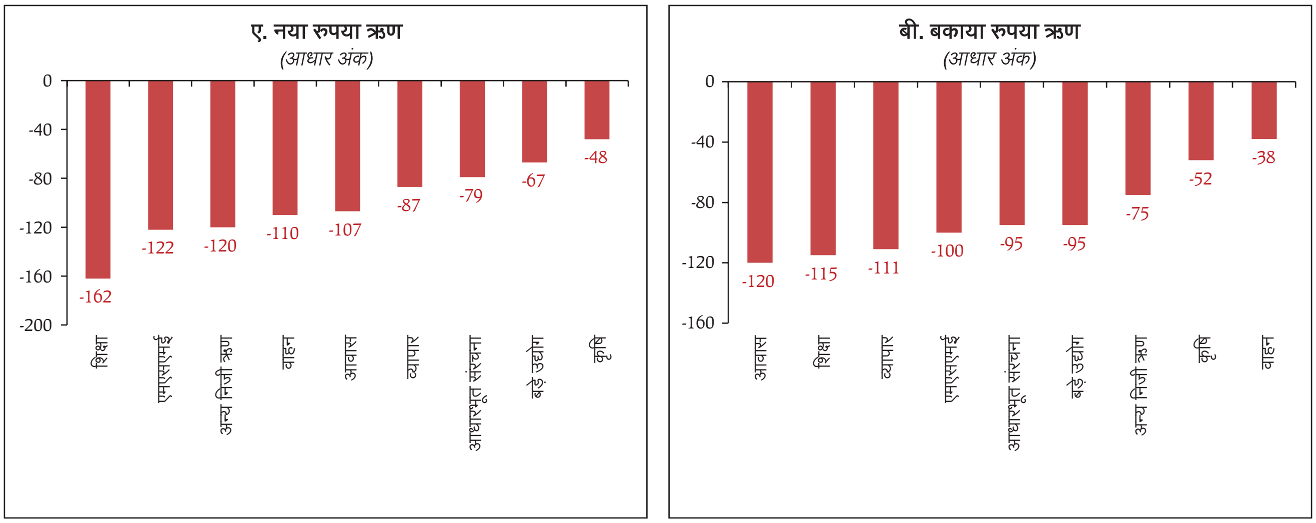

टिप्पणी: फरवरी 2025 से मार्च 2026 के दौरान संचरण की गणना जनवरी 2025 की भारित औसत उधार दर को मार्च 2026 की भारित औसत उधार दरों से घटाकर की जाती है।
स्रोत: आरबीआई।

चिंताओं के बीच मई (21 तारीख तक) में बाजारों में गिरावट आई (चार्ट IV.9)।

वित्त के बाह्य स्रोत

वर्ष 2025-26 के दौरान, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह पिछले वर्ष की तुलना में सकल और निवल दोनों मामलों में अधिक रहा।[32] मार्च में, निवल एफडीआई लगातार दूसरे महीने घनात्मक रहा, हालांकि सकल आवक एफडीआई में गिरावट दर्ज की गई। मार्च में बाह्य एफडीआई में गिरावट आई, आधे से अधिक प्रवाह सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात और नीदरलैंड गया (चार्ट IV.10)।

चार्ट IV.8: बैंक समूहों में संचरण (फरवरी 2025-मार्च 2026)

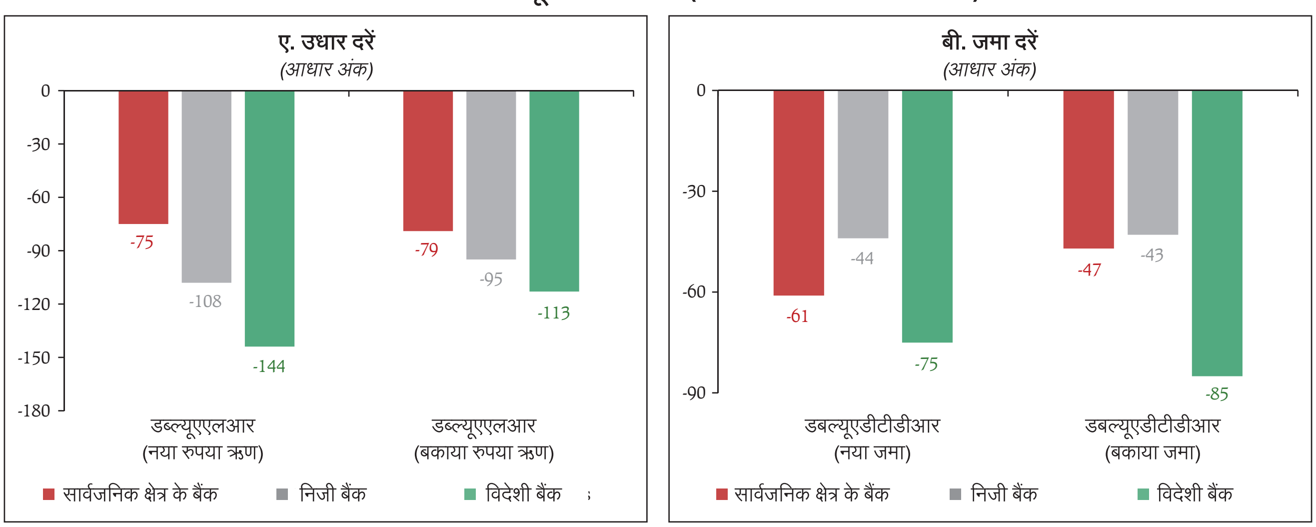

टिप्पणी: फरवरी 2025 से मार्च 2026 के दौरान संचरण की गणना जनवरी 2025 के भारित-औसत उधार और जमा दर को मार्च 2026 घटाकर की जाती है।
स्रोत: आरबीआई।

[32] वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान सकल एफडीआई प्रवाह बढ़कर 94.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो एक वर्ष पहले 80.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। इसी तरह, इसी अवधि के दौरान निवल एफडीआई प्रवाह 1.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 7.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

चार्ट IV.9: अप्रैल में घरेलू इक्विटी मार्केट में उछाल

(सूचकांक, बायां मान; हजार करोड़, दायां मान)

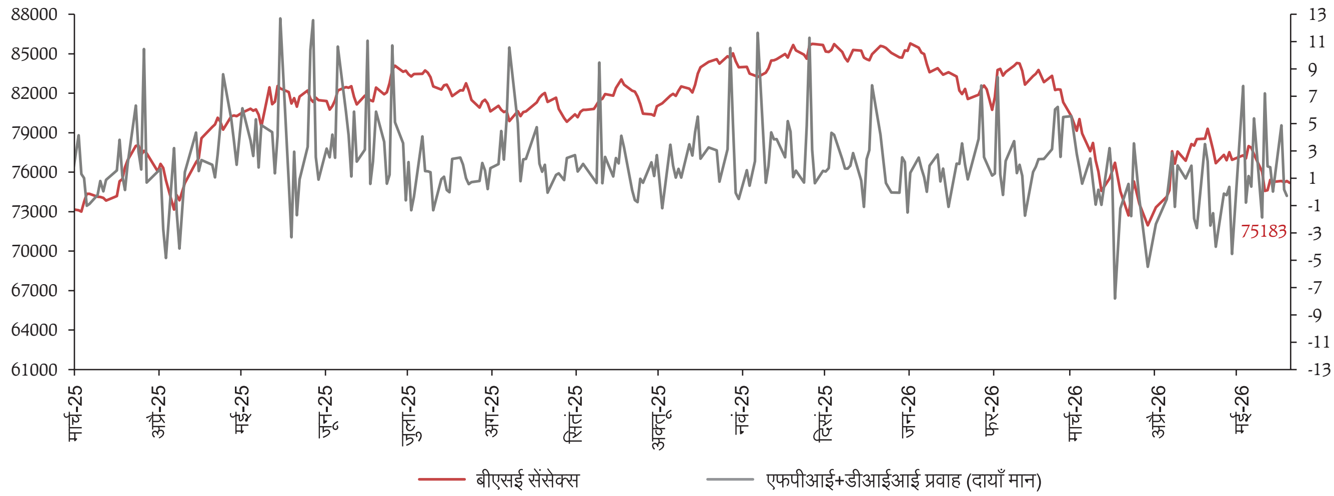

टिप्पणी: डीआईआई: घरेलू संस्थागत निवेशक; एफ़पीआई: विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक।

स्रोत: ब्लूमबर्ग।

अप्रैल और मई में अब तक (20 तारीख तक), विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) लगातार भू-राजनीतिक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में निरंतर तनाव के बीच, विशेष रूप से इक्विटी खंड में निवल विक्रेता बने रहे (चार्ट IV.11)।[33]

वर्ष 2025-26 के दौरान पंजीकरण और बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) का निवल अंतर्वाह कम हुआ (चार्ट IV.12)।[34] समग्र उधारों में कमी के बावजूद, कॉरपोरेट्स द्वारा पूंजीगत व्यय के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा निर्धारित किया गया था।

चार्ट IV.10 : मार्च में निवल एफ़डीआई घनात्मक रहा

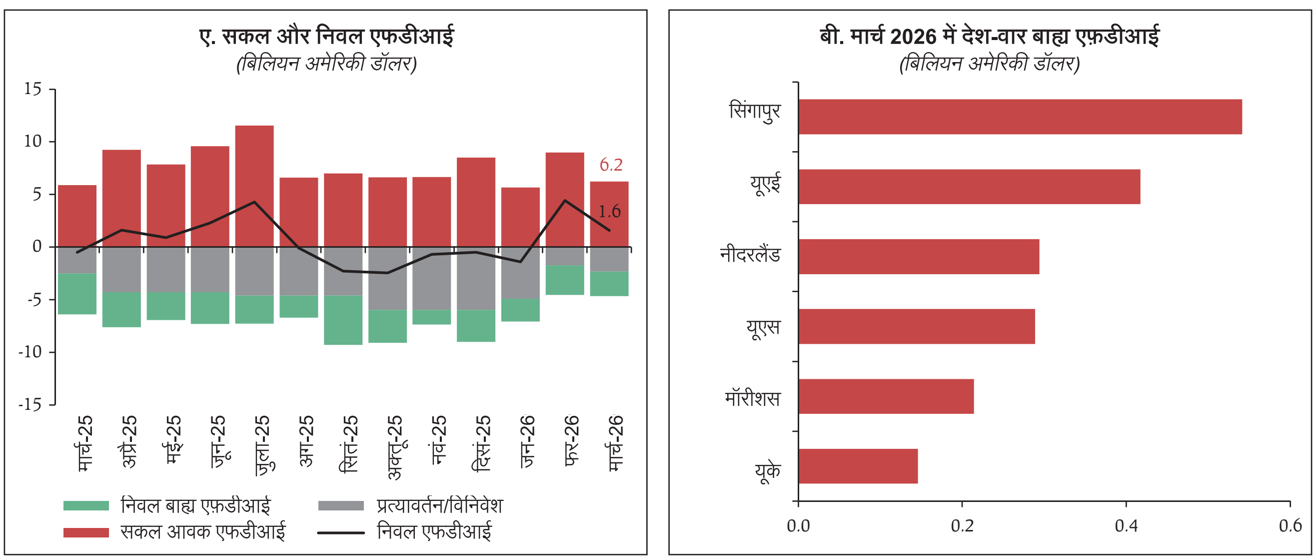

स्रोत: आरबीआई।

[33] वर्ष 2026-27 के दौरान अब तक (20 मई 2026 तक), एफपीआई ने 10.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवल बहिर्वाह को पंजीकृत किया है, जो मुख्य रूप से इक्विटी सेगमेंट से निकासी द्वारा संचालित है।

[34] ईसीबी का पंजीकरण वर्ष 2025-26 के दौरान घटकर 43.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो 2024-25 के दौरान 61.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।

चार्ट IV.11: विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक निवल विक्रेता बने रहे

(बिलियन अमेरिकी डॉलर)

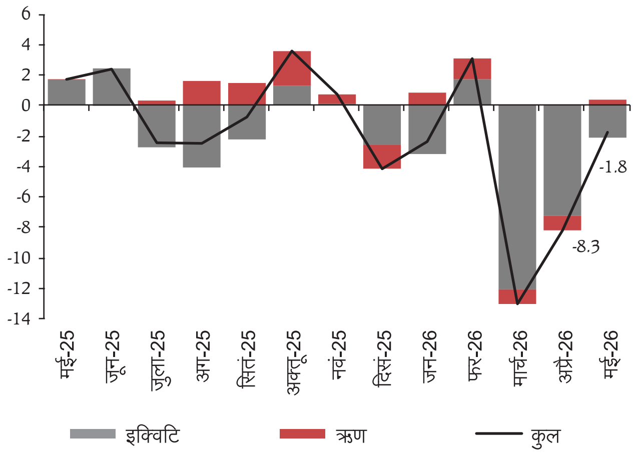

*: 20 मई 2026 तक का डेटा।

टिप्पणी: ऋण में हाइब्रिड लिखत भी शामिल हैं।

स्रोत: नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल)।

चार्ट IV.13: भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पर्याप्त बना रहा

(बिलियन अमेरिकी डॉलर, बायां मान; माह की संख्या, दायां मान)

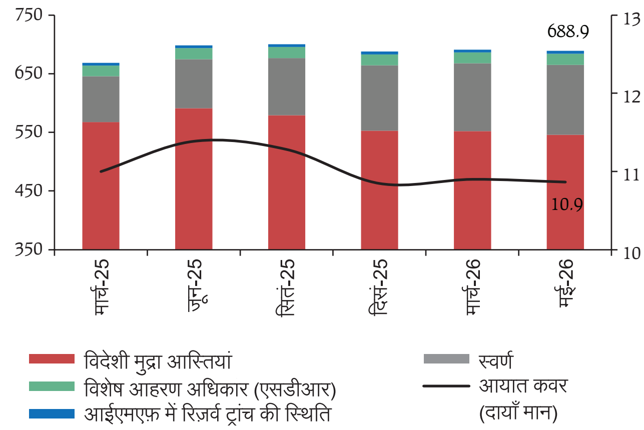

*: 15 मई, 2026 तक।

टिप्पणी: आयात कवर डेटा भुगतान संतुलन सांख्यिकी के अनुसार वार्षिक पण्य वस्तु आयात पर आधारित है।

स्रोत: आरबीआई।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पर्याप्त बना हुआ है, जिससे दिसंबर 2025 के अंत तक लगभग 11 महीने[35] के माल आयात के लिए कवर और बकाया विदेशी ऋण का 90 प्रतिशत हो जाएगा (चार्ट IV.13)।[36]

विदेशी मुद्रा बाजार

अप्रैल में भारतीय रुपये का अवमूल्यन हुआ, हालांकि गिरावट अस्थायी युद्धविराम की घोषणा और आरबीआई[37] द्वारा किए गए विभिन्न उपायों द्वारा सीमित थी (चार्ट IV.14)। इसके

चार्ट IV.12: बाह्य वाणिज्यिक उधार में कमी

(बिलियन अमेरिकी डॉलर)

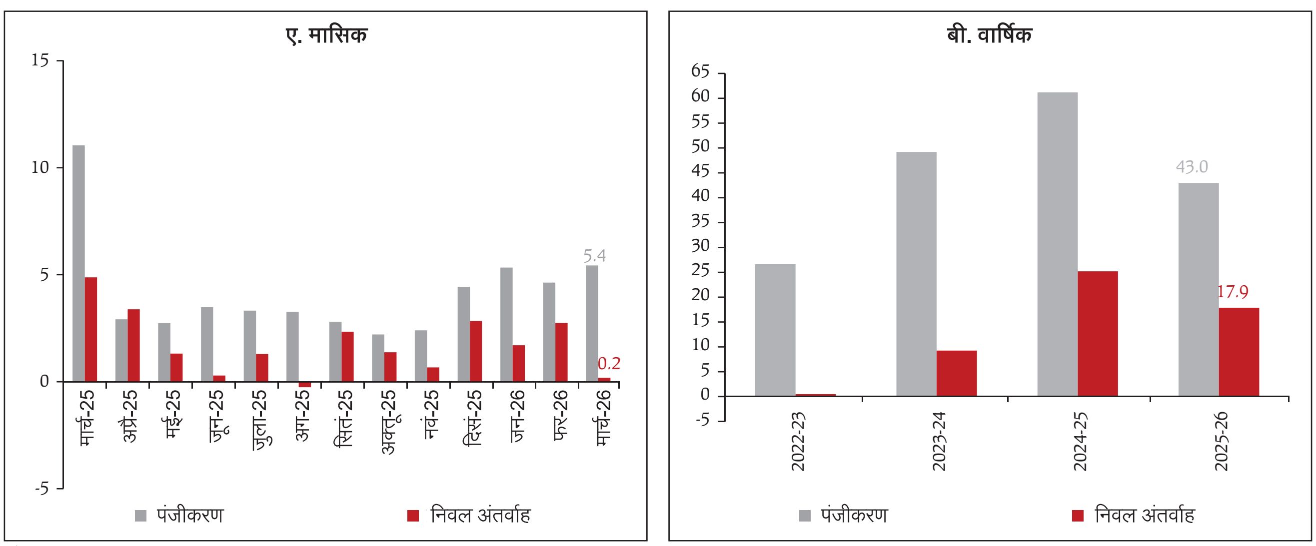

स्रोत: फॉर्म ईसीबी, आरबीआई।

35 वस्तुओं और सेवाओं के लिए आयात कवर लगभग 9 महीने था।

36 गणना 15 मई, 2026 तक के आरक्षित मुद्रा का उपयोग करती है।

37 इन उपायों में ऑनशोर डिलिवरी योग्य बाजार में अधिकृत डीलरों की निवल खुली स्थिति को सीमित करना और गैर-वितरण योग्य वायदा बाजार में उनकी गतिविधियों को सीमित करना शामिल है।

चार्ट IV.14: अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में उतार-चढ़ाव
(प्रति अमेरिकी डॉलर)

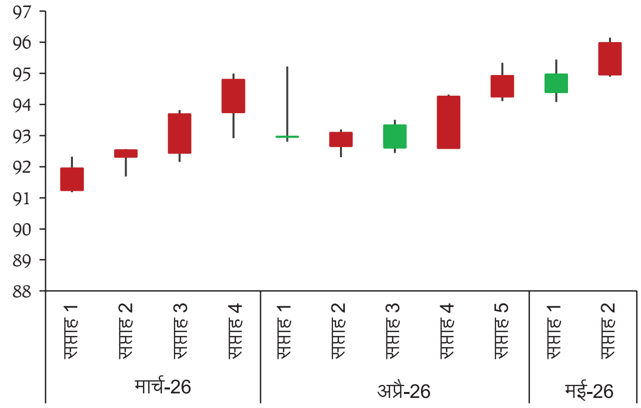

टिप्पणी: लाल कैंडल्स अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आईएनआर में गिरावट दिखाती हैं, यानी, आईएनआर सप्ताह के अंत में खुलने के मुकाबले ज्यादा पर बंद हुआ है। हरी कैंडल्स अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आईएनआर में बढ़ोतरी दिखाती हैं, यानी, आईएनआर सप्ताह के अंत में खुलने के मुकाबले कम पर बंद हुआ है।
स्रोत: रिफाइनिटिव; और आरबीआई स्टाफ का अनुमान।

बाद, आईएनआर ने मोटे तौर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव को प्रतिबिंबित किया, जो पश्चिम एशिया के विकास को दर्शाता है। वास्तविक प्रभावी शब्दों में, भारतीय रुपये में अप्रैल में नाममात्र प्रभावी शब्दों में भारतीय रुपये के मूल्यह्रास और भारत में अपने प्रमुख व्यापारिक भागीदारों की तुलना में अपेक्षाकृत कम मूल्य सूचकांक के कारण अवमूल्यन हुआ (चार्ट IV.15)।

V. निष्कर्ष

वैश्विक आर्थिक स्थितियाँ नाज़ुक बनी रहीं, जो बढ़े हुए भू-राजनीतिक तनाव, बढ़ी हुई ऊर्जा लागत और विकास और मुद्रास्फीति दृष्टिकोण के आसपास लगातार अनिश्चितता से आकार लेती हैं। पश्चिम एशिया में संघर्ष ने कमोडिटी बाजारों, वैश्विक व्यापार प्रवाह और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव जारी रखा, जिससे वित्तीय बाजारों में अस्थिरता में बढ़ोतरी हुई। भारत ने वृहद आर्थिक ताकत की स्थिति से इस चरण में प्रवेश किया है। घरेलू मांग विकास का प्रमुख वाहक बनी हुई है। हालांकि, निकट अवधि का दृष्टिकोण आपूर्ति पक्ष के दबाव से कुछ हद तक धुंधला है। हालांकि हेडलाइन मुद्रास्फीति सहिष्णुता बैंड के भीतर मजबूती से बनी हुई है, लेकिन घरेलू कीमतों की निगरानी की जानी चाहिए। वित्तीय स्थितियां, कच्चे तेल की कीमतें और पूंजी प्रवाह बाहरी क्षेत्र के दृष्टिकोण के लिए चुनौतियां बना रहे हैं। फिर भी, मजबूत सेवा निर्यात, सकारात्मक निवल एफडीआई प्रवाह, विदेशी मुद्रा भंडार बफर और सरकार और रिज़र्व बैंक द्वारा किए गए कई सक्रिय नीतिगत उपायों से भारतीय अर्थव्यवस्था को बाहरी प्रतिकूलताओं से बचाने की संभावना है।

चार्ट IV.15: 40-मुद्रा वास्तविक प्रभावी विनिमय दर के हिसाब से आईएनआर में गिरावट

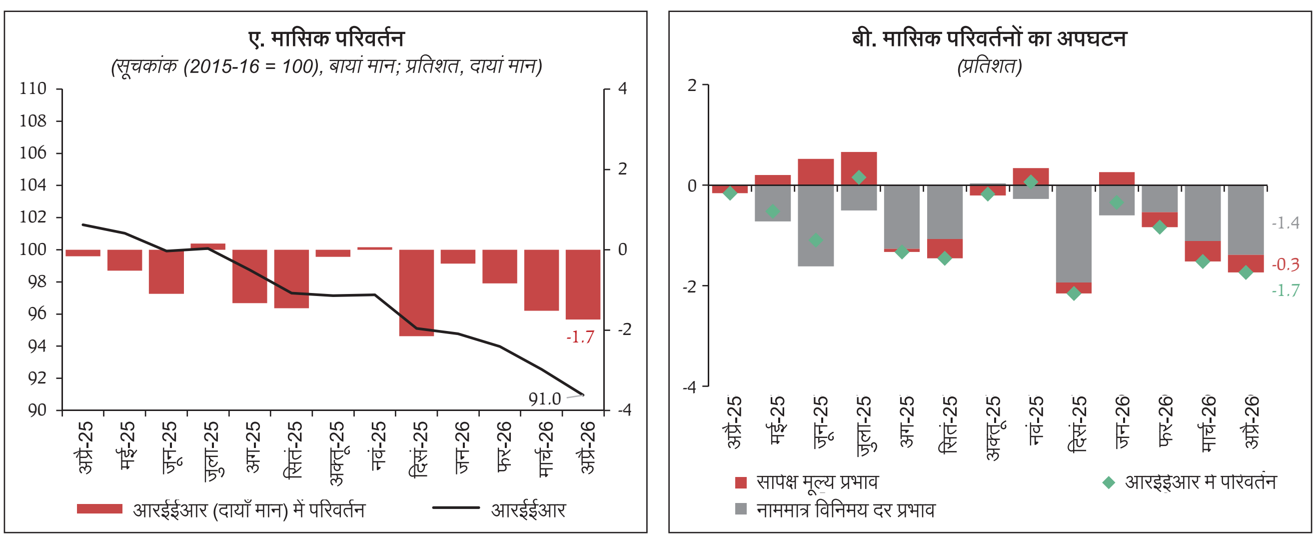

टिप्पणी: सकारात्मक बदलाव नामिक और वास्तविक विनिमय दर में बढ़ोतरी दिखाता है और नकारात्मक बदलाव अवमूल्यन दिखाता है।
स्रोत: आरबीआई।

वर्तमान सांख्यिकी

चुनिंदा आर्थिक संकेतक

भारतीय रिज़र्व बैंक

मुद्रा और बैंकिंग

मूल्य और उत्पादन

सरकारी खाते और खज़ाना बिल

वित्तीय बाजार

बाह्य क्षेत्र

भुगतान और निपटान प्रणालियाँ

आवसरिक श्रृंखलाएं

विषयवस्तु

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
1	चुनिंदा आर्थिक संकेतक	63
	भारतीय रिज़र्व बैंक	
2	भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां	64
3	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन	65
4	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमेरिकी डॉलर का क्रय/विक्रय	66
4A	भारतीय रिज़र्व बैंक के बकाया वायदे का परिपक्वता विश्लेषण (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	67
5	भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं	67
	मुद्रा और बैंकिंग	
6	मुद्रा स्टॉक मात्रा	68
7	मुद्रा स्टॉक (एम3) के स्रोत	69
8	मौद्रिक सर्वेक्षण	70
9	कुल चलनिधि राशियाँ	71
10	भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण	72
11	आरक्षित मुद्रा- घटक और स्रोत	72
12	वाणिज्यिक बैंक सर्वेक्षण	73
13	अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के निवेश	73
14	भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	74
15	प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का विनियोजन	75
16	सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार विनियोजन	76
17	भारतीय रिज़र्व बैंक में राज्य सहकारी बैंकों के खाते	77
18 (a)	भारत में वाणिज्यिक क्षेत्र को वित्तीय संसाधनों का प्रवाह	78
18 (b)	भारत में वाणिज्यिक क्षेत्र को बकाया ऋण	79
	मूल्य और उत्पादन	
19 (a)	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2024=100): ग्रामीण	80
19 (b)	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2024=100): शहरी	80
19 (c)	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2024=100): संयुक्त	81
20	अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	81
21	मुंबई में स्वर्ण और चांदी का मासिक औसत मूल्य	81
22	थोक मूल्य सूचकांक (आधार: 2011-12=100)	82
23	औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधारः 2011-12=100)	86
	सरकारी खाते और खज़ाना बिल	
24	केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में	86
25	खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप	87
26	खज़ाना बिलों की नीलामी	87
	वित्तीय बाजार	
27	दैनिक मांग मुद्रा दरें	88

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
28	जमाराशि प्रमाण-पत्र	89
29	वाणिज्यिक पत्र	89
30	चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर	89
31	गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम	90
	बाह्य क्षेत्र	
32	विदेशी व्यापार	91
33	विदेशी मुद्रा आरक्षित निधियां	91
34	अनिवासी जमा	91
35	विदेशी निवेश अंतर्वाह	92
36	निवासी भारतीयों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना (एलआरएस) के अंतर्गत जावक विप्रेषण	93
37	भारतीय रुपये का सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर (एनईईआर) और वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (आरईईआर) सूचकांक	93
38	बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) - पंजीकरण	94
39(a)	भारत से माल और सॉफ्टवेयर के निर्यात और भारत को माल के आयात के लिए आईएनआर में बिलिंग	95
39(b)	भारत से माल और सॉफ्टवेयर के निर्यात और भारत को माल के आयात के लिए आईएनआर में निपटान	95
40	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	96
41	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (₹ करोड़)	97
42	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	98
43	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (₹ करोड़)	99
44	भारत की अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति	100
	भुगतान और निपटान प्रणालियाँ	
45	भुगतान प्रणाली संकेतक	101
	आवसरिक श्रृंखलाएं	
46	लघु बचत	103
47	केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों का स्वामित्व पैटर्न	104
48	केंद्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण	105
49	राज्य सरकारों को विभिन्न सुविधाओं के तहत मिलने वाली वित्तीय मदद	106
50	राज्य सरकारों द्वारा किए गए निवेश	107
51	राज्य सरकारों की बाज़ार उधारियां	108
52 (a)	हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियों और देयताओं का प्रवाह-लिखत-वार	109
52 (b)	हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियों और देयताओं का स्टॉक-चुनिंदा संकेतक	112

टिप्पणियां: .. = उपलब्ध नहीं।

– = शून्य/नगण्य।

प्रा/अ = प्रारंभिक/अनंतिम। आंसं = आंशिक रूप से संशोधित।

सं. 1: चुनिंदा आर्थिक संकेतक

मद	2025-26	2024-25		2025-26	
		ति2	ति3	ति2	ति3
	1	2	3	4	5
1. वास्तविक क्षेत्र (% परिवर्तन)					
1.1 आधार मूल्यों पर जीवीए	7.8	6.5	7.8	8.6	7.8
1.1.1 कृषि	2.5	4.1	5.8	2.3	1.4
1.1.2 उद्योग	10.2	4.6	9.7	11.4	11.1
1.1.3 सेवाएं	8.6	7.8	7.9	9.2	9.1
1.1ए अंतिम खपत व्यय	8.2	5.8	6.2	7.8	8.1
1.1बी सकल नियत पूंजी निर्माण	7.1	6.6	6.3	8.4	7.8
	2025-26	**2025**		**2026**	
		फर.	**मार्च**	**फर.**	**मार्च**
	1	2	3	4	5
1.2 औद्योगिक उत्पादन सूचकांक	4.1	2.7	3.9	5.1	4.1
2. मुद्रा और बैंकिंग (% परिवर्तन)					
2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक					
2.1.1 जमाराशियाँ	13.5	10.8	10.3	11.9	13.5
2.1.2 ऋण#	16.1	11.6	11.0	14.5	16.1
2.1.2.1 गैर-खाद्यान्न ऋण#	15.9	11.5	11.0	14.3	15.9
2.1.3 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	4.5	9.4	9.7	3.2	4.5
2.2 मुद्रा स्टॉक मात्रा					
2.2.1 आरक्षित मुद्रा (एम0)	6.0	5.3	4.3	5.0	6.0
2.2.2 स्थूल मुद्रा (एम3)	15.3	9.4	9.4	12.6	15.3
3. अनुपात (%)					
3.1 आरक्षित नकदी निधि अनुपात	3.00	4.00	4.00	3.00	3.00
3.2 सांविधिक चलनिधि अनुपात	18.00	18.00	18.00	18.00	18.00
3.3 नकदी-जमा अनुपात	3.2	4.5	4.3	3.3	3.2
3.4 ऋण-जमा अनुपात	81.4	80.4	80.8	82.4	81.4
3.5 वृद्धिशील ऋण-जमा अनुपात#	85.4	82.1	86.1	96.1	85.4
3.6 निवेश-जमा अनुपात	26.5	29.5	29.7	27.6	26.5
3.7 वृद्धिशील निवेश-जमा अनुपात	7.2	26.5	28.1	9.9	7.2
4. ब्याज दरें (%)					
4.1 नीति रेपो दर	5.25	6.25	6.25	5.25	5.25
4.2 स्थायी रिवर्स रेपो दर	3.35	3.35	3.35	3.35	3.35
4.3 स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ) दर*	5.00	6.00	6.00	5.00	5.00
4.4 सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर	5.50	6.50	6.50	5.50	5.50
4.5 बैंक दर	5.50	6.50	6.50	5.50	5.50
4.6 आधार दर	8.35/10.00	9.10/10.40	9.10/10.40	8.35/10.00	8.35/10.00
4.7 एमसीएलआर (एक दिन के लिए)	7.70/7.95	8.15/8.45	8.15/8.45	7.70/7.95	7.70/7.95
4.8 मीयादी जमा दर >1 वर्ष	6.00/6.60	6.00/7.25	6.00/7.25	6.00/6.60	6.00/6.60
4.9 बचत जमा दर	2.50/2.50	2.70/3.00	2.70/3.00	2.50/2.50	2.50/2.50
4.10 मांग मुद्रा दर (भारित औसत)	5.37	6.33	6.35	5.09	5.37
4.11 91-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) प्रतिफल	5.33	6.45	6.52	5.30	5.33
4.12 182-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) प्रतिफल	5.54	6.60	6.52	5.51	5.54
4.13 364-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) प्रतिफल	5.65	6.54	6.47	5.59	5.65
4.14 10-वर्षीय सरकारी प्रतिभूतियां सममूल्य प्रतिफल (एफबीआईएल)	7.11	6.73	6.62	6.71	7.11
5. संदर्भ दर और वायदा प्रीमियम					
5.1 भा.रु.-अमेरिकी डॉलर हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	94.60	87.40	85.58	90.95	94.60
5.2 भा.रु.-यूरो हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	109.16	90.78	92.32	107.37	109.16
5.3 अमेरिकी डॉलर का वायदा प्रीमियम 1-माह (%)	4.43	3.21	3.12	3.09	4.43
3-माह (%)	3.51	2.46	2.56	2.64	3.51
6-माह (%)	3.22	2.20	2.28	2.59	3.22
6. मुद्रास्फीति (%)					
6.1 अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2.1	3.5	3.6	3.2	3.4
6.2 औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	3.1	2.6	3.0	4.0	4.3
6.3 थोक मूल्य सूचकांक	0.7	2.4	2.2	2.3	3.9
6.3.1 प्राथमिक वस्तुएं	-1.0	2.9	1.3	3.2	6.4
6.3.2 ईंधन और उर्जा	-2.9	-1.0	0.0	-3.8	1.1
6.3.3 विनिर्मित उत्पाद	2.3	3.0	3.2	3.1	3.4
7. विदेशी व्यापार (% परिवर्तन)					
7.1 आयात	7.6	-14.8	12.1	25.0	-6.2
7.2 निर्यात	0.9	-10.9	0.9	-0.8	-7.4

टिप्पणी : फाइनेंसियल बेंचमार्क इंडिया प्रा. लि. (एफबीआईएल) ने भारतीय रिज़र्व बैंक के 31 मार्च 2018 के परिपत्र एफएमआरडी.डीआईआरडी.7/14.03.025/ 2017-18 के अनुसार 31 मार्च 2018 से जी सेक बेंचमार्क का प्रकाशन शुरू किया है। एफबीआईएल ने 10 जुलाई 2018 से संदर्भ दरों का प्रसार शुरू किया है।

1 जुलाई 2023 के बाद के आंकड़ों में गैर-बैंक का बैंक के साथ विलय का प्रभाव शामिल है।

बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 के अनुसार, 15 दिसंबर 2025 से 'पखवाड़े' की परिभाषा को संशोधित कर दिया गया है। अब यह हर दूसरे शुक्रवार के बजाय महीने की 15 तारीख और महीने के अंतिम कैलेंडर दिन को माना जाएगा।

*: दिनांक 8 अप्रैल 2022 की प्रेस प्रकाशनी सं. 2022-2023/41 के अनुसार।

भारतीय रिज़र्व बैंक

सं. 2: भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां*

(₹ करोड़)

मद	अंतिम शुक्रवार/शुक्रवार की स्थिति						
	2025-26	2025	2026				
		अप्रै.	मार्च 27	अप्रै. 03	अप्रै. 10	अप्रै. 17	अप्रै. 24
	1	2	3	4	5	6	7
1. निर्गम विभाग							
1.1 देयताएं							
1.1.1 संचलन में नोट	4126019	3760619	4126019	4130874	4177432	4193212	4206711
1.1.2 बैंकिंग विभाग में रखे गए नोट	12	14	12	10	20	16	16
1.1/1.2 कुल देयताएं (जारी किए गए कुल नोट) या आस्तियां	**4126031**	**3760633**	**4126031**	**4130884**	**4177452**	**4193228**	**4206727**
1.2 आस्तियां							
1.2.1 स्वर्ण	381463	255167	381463	398754	399086	402487	401897
1.2.2 विदेशी प्रतिभूतियां	3744091	3505174	3744091	3731670	3777982	3790403	3804562
1.2.3 रुपया सिक्का	477	292	477	460	384	338	267
1.2.4 भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां	-	-	-	-	-	-	-
2. बैंकिंग विभाग							
2.1 देयताएं							
2.1.1 जमाराशियाँ	1822486	1483243	1822486	1766844	1695136	1619868	1482743
2.1.1.1 केंद्र सरकार	100	101	100	100	101	100	101
2.1.1.2 बाजार स्थिरीकरण योजना	-	-	-	-	-	-	-
2.1.1.3 राज्य सरकारें	43	42	43	43	43	43	43
2.1.1.4 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	786905	947351	786905	799217	749236	835219	789343
2.1.1.5 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	6727	8398	6727	6794	6540	6793	6601
2.1.1.6 गैर-अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	5379	5324	5379	6079	5212	5026	4742
2.1.1.7 अन्य बैंक	38899	47540	38899	39485	38740	39976	39768
2.1.1.8 अन्य	812295	375176	812295	761799	766339	618187	520398
2.1.1.9 भारत के बाहर के वित्तीय संस्थान	172137	99311	172137	153327	128926	114524	121747
2.1.2 अन्य देयताएं	3074277	2331242	3074277	2986861	3063269	3111012	3167183
2.1/2.2 कुल देयताएं या आस्तियां	**4896763**	**3814485**	**4896763**	**4753705**	**4758405**	**4730880**	**4649925**
2.2 आस्तियां							
2.2.1 नोट और सिक्के	13	14	13	10	20	16	16
2.2.2 विदेशों में धारित राशियाँ	1509375	1488168	1509375	1439005	1407025	1418781	1451402
2.2.3 ऋण और अग्रिम							
2.2.3.1 केन्द्र सरकार	-	-	-	-	100274	93392	-
2.2.3.2 राज्य सरकारें	22268	22324	22268	41040	23567	33169	10502
2.2.3.3 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	173636	23088	173636	120794	78087	41912	42041
2.2.3.4 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.5 भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.6 नाबार्ड	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.7 एक्ज़िम बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.8 अन्य	20327	19919	20327	15331	8957	8865	9041
2.2.3.9 भारत के बाहर की वित्तीय संस्थाएं	169987	99355	169987	151045	127209	113457	120702
2.2.4 खरीदे और भुनाए गए बिल							
2.2.4.1 आंतरिक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.4.2 सरकारी खज़ाना बिल	-	-	-	-	-	-	-
2.2.5 निवेश	2270517	1682492	2270517	2252345	2278146	2279848	2275675
2.2.6 अन्य आस्तियां	730640	479126	730640	734134	735120	741440	740547
2.2.6.1 स्वर्ण	694389	465619	694389	725460	726064	732251	731178

* डेटा अनंतिम हैं।

सं. 3: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन

(₹ करोड़)

दिनांक	चलनिधि समायोजन सुविधा						स्थायी चलनिधि सुविधाएं	ओएमओ (एकमुश्त)		निवल अंतर्वेशन (+)/ अवशोषण (-) (1+3+5+7+9-2-4-6-8)
	रेपो	रिवर्स रेपो	परिवर्तनशील रेपो दर	परिवर्तनशील रिवर्स रेपो दर	एमएसएफ	एसडीएफ		विक्रय	क्रय	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
मार्च 1, 2026	-	-	-	-	1036	300689	-	-	-	-299653
मार्च 2, 2026	-	-	-	-	745	389616	-	-	9015	-379856
मार्च 3, 2026	-	-	-	-	3	329507	-	-	-	-329504
मार्च 4, 2026	-	-	-	-	1048	392452	-	-	9730	-381674
मार्च 5, 2026	-	-	-	-	2193	428577	-	-	19925	-406459
मार्च 6, 2026	-	-	-	-	1412	416349	-	-	18540	-396397
मार्च 7, 2026	-	-	-	-	6693	344931	-	-	-	-338238
मार्च 8, 2026	-	-	-	-	1303	299680	-	-	-	-298377
मार्च 9, 2026	-	-	-	-	138	343189	-	-	7950	-335101
मार्च 10, 2026	-	-	-	-	299	398376	-179	-	50000	-348256
मार्च 11, 2026	-	-	-	-	344	363162	-845	-	-	-363663
मार्च 12, 2026	-	-	-	-	125	371547	-	-	6440	-364982
मार्च 13, 2026	-	-	-	-	127	336969	534	-	5140	-331168
मार्च 14, 2026	-	-	-	-	154	313868	-	-	-	-313714
मार्च 15, 2026	-	-	-	-	397	313385	-	-	-	-312988
मार्च 16, 2026	-	-	-	-	1286	199408	-817	-	50000	-148939
मार्च 17, 2026	-	-	48014	-	146	255412	2850	-	-	-204402
मार्च 18, 2026	-	-	-	-	2176	203442	566	-	-	-200700
मार्च 19, 2026	-	-	-	-	1706	188245	-	-	-	-186539
मार्च 20, 2026	-	-	25101	-	2137	194881	-	-	10	-167633
मार्च 21, 2026	-	-	-	-	5761	132293	-	-	-	-126532
मार्च 22, 2026	-	-	-	-	816	132787	-	-	-	-131971
मार्च 23, 2026	-	-	79256	-	108	279429	-	-	-	-200065
मार्च 24, 2026	-	-	55837	-	179	245832	2333	-	-	-187483
मार्च 25, 2026	-	-	-	-	445	227734	547	-	-	-226742
मार्च 26, 2026	-	-	-	-	449	220304	-	-	-	-219855
मार्च 27, 2026	-	-	65322	-	563	308261	-210	-	-	-242586
मार्च 28, 2026	-	-	-	-	100	303617	-	-	-	-303517
मार्च 29, 2026	-	-	-	-	28	300648	-	-	-	-300620
मार्च 30, 2026	-	-	84582	-	1630	525740	1020	-	-	-438508
मार्च 31, 2026	-	-	-	-	3150	589115	-	-	-	-585965

सं. 4: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमेरिकी डॉलर का क्रय/विक्रय

i) तटीय/ अपतटीय ओटीसी खंड में परिचालन

मद	2024-25	2025	2026	
		मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4
1. विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमेरिकी डॉलर) (1.1-1.2)	-34511	14355	7409	-9758
1.1 क्रय (+)	364200	41515	21403	19880
1.2 विक्रय (-)	398711	27160	13994	29638
2. संविदा दर पर ₹ के बराबर (₹ करोड़)	-291233	124586	66881	-89785
3. संचयी (मार्च के अंत से) (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	-34511	-34511	-43374	-53132
(₹ करोड़)	-291233	-291233	-379669	-469454
4. माह के अंत में बकाया निवल वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	-84345	-84345	-77666	-103064

ii) मुद्रा वायदा खंड में परिचालन

मद	2024-25	2025	2026	
		मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4
1. विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमेरिकी डॉलर) (1.1-1.2)	0	0	0	0
1.1 क्रय (+)	31415	1202	1405	3244
1.2 विक्रय (-)	31415	1202	1405	3244
2. माह के अंत में बकाया निवल मुद्रा वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	0	0	-522	-1401

सं. 4ए: भारतीय रिज़र्व बैंक के बकाया वायदे का परिपक्वता विश्लेषण (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) (मिलियन अमेरिकी डॉलर)

मद	31 मार्च 2026 तक		
	दीर्घ (+)	अल्प (-)	निवल (1-2)
	1	2	3
1. 1 माह तक	1100	15560	-14460
2. 1 माह से अधिक और 3 माह तक	0	16148	-16148
3. 3 माह से अधिक और 1 वर्ष तक	0	19653	-19653
4. 1 वर्ष से अधिक	0	52803	-52803
कुल (1+2+3+4)	**1100**	**104164**	**-103064**

सं. 5: भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं

(₹ करोड़)

मद	अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार की स्थिति							
	2025-26	2025			2026			
		अप्रै. 18	नवं. 28	दिसं. 31	जन. 31	फर. 28	मार्च 31	अप्रै. 30
	1	2	3	4	5	6	7	8
1. सीमांत स्थायी सुविधा	3250	2003	2144	1936	2260	450	3250	10049
2. अनुसूचित बैंकों के लिए निर्यात ऋण पुर्नवित्त								
2.1 सीमा	-	-	-	-	-	-	-	-
2.2 बकाया	-	-	-	-	-	-	-	-
3. प्राथमिक व्यापारियों के लिए चलनिधि सुविधा								
3.1 सीमा	14900	14900	14900	14900	14900	14900	14900	14900
3.2 बकाया	13219	7999	9637	10788	13252	7418	13219	8660
4. अन्य								
4.1 सीमा	76000	76000	76000	76000	76000	76000	76000	76000
4.2 बकाया	-	-	-	-	-	-	-	-
5. कुल बकाया (1+2.2+3.2+4.2)	16469	10002	11781	12724	15512	7868	16469	18709

मुद्रा और बैंकिंग

सं. 6: मुद्रा स्टॉक मात्रा

(₹ करोड़)

मद	मार्च 31/माह के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार/रिपोर्टिंग शुक्रवार की बकाया स्थिति				
	2024-25	2025	2026		
		मार्च 21	फर. 28	मार्च 15	मार्च 31
	1	2	3	4	5
1. जनता के पास मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 - 1.4)	3630751	3620845	3986334	4052659	4067578
1.1 संचलन में नोट	3687816	3678235	4034832	4091324	4126848
1.2 रुपये सिक्के का संचलन	35889	35563	39794	39945	40072
1.3 छोटे सिक्कों का संचलन	743	743	743	743	743
1.4 बैंकों के पास नकदी	93696	93696	89035	79353	100085
2. जनता की जमाराशियाँ	2953329	2950448	3488496	3354988	3987703
2.1 बैंकों के पास मांग जमाराशियाँ	2840023	2840023	3370574	3233109	3844879
2.2 रिजर्व बैंक के पास 'अन्य' जमाराशियाँ	113307	110426	117922	121879	142824
3. एम1 (1+2)	**6584081**	**6571293**	**7474830**	**7407648**	**8055281**
4. डाकघर बचत बैंक जमाराशियाँ	213981	213981	224085	224085	224085
5. एम2 (3+4)	**6798062**	**6785274**	**7698915**	**7631733**	**8279366**
6. बैंकों के पास मीयादी जमाराशियाँ	**20702508**	**20702508**	**22823514**	**22785811**	**23410625**
7. एम3 (3+6)	**27286589**	**27273801**	**30298344**	**30193459**	**31465906**
8. कुल डाकघर जमाराशियाँ	1458844	1458844	1575869	1575869	1575869
9. एम4 (7+8)	**28745433**	**28732645**	**31874213**	**31769328**	**33041775**

सं. 7: मुद्रा भंडार (एम$_3$) के स्रोत

(₹ करोड़)

स्रोत	मार्च 31 / माह के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार/रिपोर्टिंग शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2024-25	2025	2026		
		मार्च 21	फर. 28	मार्च 15	मार्च 31
	1	2	3	4	5
1. सरकार को निवल बैंक ऋण	**8510825**	**8183590**	**9190938**	**9193522**	**9328637**
1.1 आरबीआई का सरकार को निवल ऋण (1.1.1-1.1.2)	1508105	1180870	1913185	1948536	2038448
1.1.1 सरकार पर दावे	1591591	1528323	2144130	2274853	2288799
1.1.1.1 केन्द्र सरकार	1558903	1509131	2134344	2253441	2268875
1.1.1.2 राज्य सरकारें	32688	19192	9787	21412	19925
1.1.2 आरबीआई के पास सरकार की जमाराशियाँ	83485	347453	230945	326317	250351
1.1.2.1 केन्द्र सरकार	83443	347411	230901	326274	250308
1.1.2.2 राज्य सरकारें	42	42	43	43	43
1.2 सरकार को अन्य बैंक ऋण	7002720	7002720	7277752	7244986	7290189
2. वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	**19068129**	**19065706**	**21585702**	**21607251**	**22226648**
2.1 आरबीआई का वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	38246	35823	11593	11105	28254
2.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को अन्य बैंकों द्वारा दिया गया ऋण	19029883	19029883	21574109	21596146	22198394
2.2.1 वाणिज्यिक बैंकों द्वारा बैंक ऋण	18243972	18243972	20751207	20769880	21359948
2.2.2 सहकारी बैंकों द्वारा बैंक ऋण	766659	766659	799148	802239	816115
2.2.3 वाणिज्यिक और सहकारी बैंकों द्वारा अन्य प्रतिभूतियों में निवेश	19252	19252	23753	24028	22330
3. बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1 + 3.2)	**6148527**	**6098084**	**7140338**	**7071681**	**7109715**
3.1 आरबीआई की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1.1-3.1.2)	5550947	5500504	6439901	6371244	6343672
3.1.1 सकल विदेशी आस्तियां	5550956	5500509	6439901	6371242	6343660
3.1.2 विदेशी देयताएं	9	5	0	-2	-12
3.2 अन्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	597580	597580	700437	700437	766043
4. जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	**36632**	**36306**	**40537**	**40688**	**40815**
5. बैंकिंग क्षेत्र की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	**6477524**	**6109884**	**7659171**	**7719684**	**7239908**
5.1 आरबीआई की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	2147427	2159098	3122568	3112994	3059856
5.2 अन्य बैंकों की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं (अवशिष्ट)	4330098	3950786	4536604	4606689	4180052
एम$_3$ (1+2+3+4-5)	**27286589**	**27273801**	**30298344**	**30193459**	**31465906**

सं. 8: मौद्रिक सर्वेक्षण

(₹ करोड़)

मद	31 मार्च तक बकाया/माह के अंतिम रिपोर्टिंग पखवाड़े / रिपोर्टिंग पखवाड़े				
	2024-25	2025	2026		
		मार्च 21	फर. 28	मार्च 15	मार्च 31
	1	2	3	4	5
समग्र मौद्रिक राशियाँ					
एनएम$_1$ (1.1 + 1.2.1+1.3)	6584081	6571293	7474830	7407648	8055281
एनएम$_2$ (एनएम$_1$ + 1.2.2.1)	15768688	15755900	17604996	17520142	18447330
एनएम$_3$ (एनएम$_2$ + 1.2.2.2 + 1.4 = 2.1 + 2.2 + 2.3 - 2.4 - 2.5)	27909568	27896780	30869324	30776305	31956931
1. घटक					
1.1 जनता के पास मुद्रा	3630751	3620845	3986334	4052659	4067578
1.2. निवासियों की कुल जमाराशियाँ	23250261	23250261	25882053	25705318	26938321
1.2.1 मांग जमाराशियाँ	2840023	2840023	3370574	3233109	3844879
1.2.2 निवासियों की सावधि जमाराशियाँ	20410239	20410239	22511480	22472209	23093442
1.2.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियाँ	9184607	9184607	10130166	10112494	10392049
1.2.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र (सीडी)	527375	527375	661504	676518	696724
1.2.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियाँ	11225631	11225631	12381314	12359715	12701393
1.3 आरबीआई के पास ‘अन्य’ जमाराशियाँ	113307	110426	117922	121879	142824
1.4 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधीयन	915248	915248	883014	896448	808208
2. स्रोत					
2.1 देशी ऋण	28800727	28471068	32066106	32153191	32880345
2.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	8510825	8183590	9190938	9193522	9328637
2.1.1.1 सरकार को निवल आरबीआई ऋण	1508105	1180870	1913185	1948536	2038448
2.1.1.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा सरकार को ऋण	7002720	7002720	7277752	7244986	7290189
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	20289901	20287479	22875168	22959669	23551708
2.1.2.1 वाणिज्यिक क्षेत्र को आरबीआई ऋण	38246	35823	11593	11105	28254
2.1.2.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	20251656	20251656	22863575	22948564	23523454
2.1.2.2.1 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियां)	1208294	1208294	1258181	1316236	1298267
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	36632	36306	40537	40688	40815
2.3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	5605462	5555018	6531321	6532872	6512781
2.3.1 आरबीआई की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	5550947	5500504	6439901	6371244	6343672
2.3.2 बैंकिंग प्रणाली की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	54514	54514	91420	161627	169109
2.4 पूंजी खाता	4481184	4550834	5770294	5790980	5783657
2.5 अन्य मदें (निवल)	2052068	1614779	1998347	2159466	1693354

सं. 9: चलनिधि समग्र राशियाँ

(₹ करोड़)

समग्र राशियाँ	2024-25	2025	2026		
		मार्च	मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4	5
1. एनएम$_3$	**27896780**	**27896780**	**30503867**	**30869324**	**31956931**
2. डाकघर जमाराशियाँ	756787	756787	826918	826918	826918
3. एल$_1$ (1 + 2)	**28653567**	**28653567**	**31330785**	**31696242**	**32783849**
4. वित्तीय संस्थाओं की देयताएं	95148	95148	160291	180091	176158
4.1 सावधि मुद्रा उधार	10	10	5	5	5
4.2 जमा प्रमाण-पत्र	80810	80810	143700	162615	155905
4.3 सावधि जमाराशियाँ	14328	14328	16587	17471	20248
5. एल$_2$ (3 + 4)	**28748715**	**28748715**	**31491077**	**31876333**	**32960007**
6. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पास जनता की जमाराशियाँ	121178	121178	..	..	132287
7. एल$_3$ (5 + 6)	**28869893**	**28869893**	**..**	**..**	**33092294**

टिप्पणी: संभव है कि पूर्णांकन के कारण कॉलम के आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।

सं. 10: भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण

(₹ करोड़)

मद	मार्च 31/माह के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार/रिपोर्टिंग शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2024-25	2025	2026		
		मार्च 21	फर. 28	मार्च 15	मार्च 31
	1	2	3	4	5
1. घटक					
1.1 संचलन में मुद्रा	3724448	3714541	4075369	4132012	4167663
1.2 आरबीआई के पास बैंकरों की जमाराशियाँ	991488	941950	796087	787479	809548
1.2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	926001	882415	745804	737421	755751
1.3 आरबीआई के पास 'अन्य' जमाराशियाँ	113307	110426	117922	121879	142824
आरक्षित मुद्रा (1.1+1.2+1.3=2.1+2.2+2.3-2.4-2.5)	4829243	4766917	4989378	5041371	5120035
2. स्रोत					
2.1 आरबीआई के देशी ऋण	1389090	1389205	1631508	1742433	1795404
2.1.1 सरकार को निवल आरबीआई ऋण	1508105	1180870	1913185	1948536	2038448
2.1.1.1 केन्द्र सरकार को निवल आरबीआई ऋण (2.1.1.1.1+2.1.1.1.2+2.1.1.1.3+2.1.1.1.4-2.1.1.1.5)	1475460	1161720	1903442	1927167	2018567
2.1.1.1.1 केन्द्र सरकार को ऋण और अग्रिम	-	-	-	-	-
2.1.1.1.2 खज़ाना बिलों में निवेश	-	-	-	-	-
2.1.1.1.3 दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	1558574	1508724	2133994	2253243	2268404
2.1.1.1.3.1 केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियां	1558574	1508724	2133994	2253243	2268404
2.1.1.1.4 रुपया सिक्के	329	407	349	198	471
2.1.1.1.5 केन्द्र सरकार की जमाराशियाँ	83443	347411	230901	326274	250308
2.1.1.2 राज्य सरकारों को निवल आरबीआई ऋण	32646	19150	9743	21369	19881
2.1.2 बैंकों पर आरबीआई के दावे	-157261	172512	-293271	-217208	-271298
2.1.2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को ऋण और अग्रिम	-157261	172512	-293271	-217208	-271298
2.1.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को आरबीआई के ऋण	38246	35823	11593	11105	28254
2.1.3.1 प्राथमिक व्यापारियों को ऋण और अग्रिम	9182	9517	7418	6929	13219
2.1.3.2 नाबार्ड को ऋण और अग्रिम	-	-	-	-	-
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	36632	36306	40537	40688	40815
2.3 आरबीआई की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	5550947	5500504	6439901	6371244	6343672
2.3.1 स्वर्ण	668162	664219	1197517	1208169	1088269
2.3.2 विदेशी मुद्रा आस्तियां	4882794	4836289	5242384	5163074	5255391
2.4 पूंजी खाता	1875114	1944763	2804341	2825422	2818853
2.5 अन्य मदें (निवल)	272313	214335	318227	287573	241003

सं.11: आरक्षित मुद्रा-स्रोत एवं घटक

(₹ करोड़)

मद	2024-25	मार्च 31/माह के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार/रिपोर्टिंग शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया			
		2025	2026		
		मार्च 21	फर 28	मार्च 15	मार्च 31
	1	2	3	4	5
आरक्षित मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 = 2.1 + 2.2 + 2.3 + 2.4 + 2.5 - 2.6)	4829243	4766917	4989378	5041371	5120035
1. घटक					
1.1 संचलन में मुद्रा	3724448	3714541	4075369	4132012	4167663
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकरों की जमाराशियाँ	991488	941950	796087	787479	809548
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियाँ	113307	110426	117922	121879	142824
2. स्रोत					
2.1 सरकार को निवल रिज़र्व बैंक ऋण	1508105	1180870	1913185	1948536	2038448
2.2 बैंकों को रिज़र्व बैंक ऋण	-157261	172512	-293271	-217208	-271298
2.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को रिज़र्व बैंक ऋण	38246	35823	11593	11105	28254
2.4 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	5550947	5500504	6439901	6371244	6343672
2.5 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	36632	36306	40537	40688	40815
2.6 भा.रि.बैं. की निवल गैर मौद्रिक देयताएं	2147427	2159098	3122568	3112994	3059856

सं. 12: वाणिज्यिक बैंक सर्वेक्षण

(₹ करोड़)

मद	मार्च 31/माह के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार/रिपोर्टिंग शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2024-25	2025	2026		
		मार्च 21	फर. 28	मार्च 15	मार्च 31
	1	2	3	4	5
1. घटक					
1.1 निवासियों की कुल जमाराशियाँ	22288331	22288331	24878111	24697889	25912733
1.1.1 मांग जमाराशियाँ	2698049	2698049	3221327	3082806	3688129
1.1.2 निवासियों की सावधि जमाराशियाँ	19590283	19590283	21656784	21615083	22224604
1.1.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियाँ	8815627	8815627	9745553	9726787	10001072
1.1.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र (सीडी)	527375	527375	661504	676518	696724
1.1.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियाँ	10774655	10774655	11911231	11888296	12223532
1.2 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधीयन	915248	915248	883014	896448	808208
2. स्रोत					
2.1 देशी ऋण	26154974	26154974	28988027	29036400	29637430
2.1.1 सरकार को ऋण	6697298	6697298	6955551	6922302	6960631
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	19457676	19457676	22032476	22114099	22676799
2.1.2.1 बैंक ऋण	18243972	18243972	20751207	20769880	21359948
2.1.2.1.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	18207441	18207441	20668564	20695030	21289677
2.1.2.2 प्राथमिक व्यापारियों को निवल ऋण	13742	13742	31549	36445	27057
2.1.2.3 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	630	630	502	501	489
2.1.2.4 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों में)	1199332	1199332	1249218	1307273	1289304
2.2 वाणिज्यिक बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (2.2.1-2.2.2-2.2.3)	54514	54514	91420	161627	169109
2.2.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	529621	529621	563978	637227	661918
2.2.2 अनिवासी विदेशी मुद्रा प्रत्यावर्तनीय मीयादी जमाराशियाँ	292270	292270	312034	313602	317183
2.2.3 ओवरसीज़ विदेशी मुद्रा उधार	182837	182837	160525	161997	175626
2.3 निवल बैंक रिज़र्व (2.3.1+2.3.2-2.3.3)	791777	791777	1115730	1022420	1114453
2.3.1 भा.रि.बैं. के पास शेष	882415	882415	745804	737421	755751
2.3.2 उपलब्ध नकदी	81874	81874	76655	67790	87403
2.3.3 भा.रि.बैं. से ऋण और अग्रिम	172512	172512	-293271	-217208	-271298
2.4 पूंजी खाता	2581900	2581900	2941782	2941387	2940633
2.5 अन्य मदें (निवल) (2.1+2.2+2.3-2.4-1.1-1.2)	1215785	1215785	1492270	1684723	1259417
2.5.1 अन्य मांग और मीयादी देयताएं (2.2.3 का निवल)	878795	878795	961593	1180987	952428
2.5.2 निवल अंतर-बैंक देयताएं (प्राथमिक व्यापारियों से इतर)	116551	116551	76948	75846	101215

सं. 13: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के निवेश

(₹ करोड़)

मद	31 मार्च, 2026 की स्थिति	2025	2026		
		मार्च 21	फर. 28	मार्च 15	मार्च 31
	1	2	3	4	5
1. एसएलआर प्रतिभूतियां	6961120	6697928	6956053	6922802	6961120
2. अन्य सरकारी प्रतिभूतियाँ (गैर-एसएलआर)	221787	165500	168597	224389	221787
3. वाणिज्यिक पत्र	59617	63163	54537	58183	59617
4. निम्नलिखित द्वारा जारी शेयर					
4.1 सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम	13806	13874	14168	13738	13806
4.2 निजी कॉरपोरेट क्षेत्र	106251	95984	103867	104789	106251
4.3 अन्य	7381	7664	7424	7400	7381
5. निम्नलिखित द्वारा जारी बॉण्ड / डिबेंचर					
5.1 सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम	134793	130308	135325	136226	134793
5.2 निजी कॉरपोरेट क्षेत्र	278110	248138	270190	271558	278110
5.3 अन्य	203314	150000	180056	184458	203314
6. निम्नलिखित द्वारा जारी लिखत					
6.1 म्यूचुअल फंड	64492	119867	115370	106561	64492
6.2 वित्तीय संस्थाएं	199753	204865	200103	199971	199753

टिप्पणी: 1 जुलाई 2023 के बाद के डेटा में, एक गैर-बैंक के बैंक के साथ विलय का प्रभाव शामिल है।
बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 के अनुसार, 15 दिसंबर, 2025 से, हर दूसरे शुक्रवार की जगह हर महीने का 15वां और आखिरी कैलेंडर दिन कर दिया गया है।

सं. 14: भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक

(₹ करोड़)

मद	अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार (मार्च के संबंध में) / अंतिम शुक्रवार की स्थिति							
	सभी अनुसूचित बैंक				सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक			
	2025-26	2025	2026		2025-26	2025	2026	
		मार्च	फर.	मार्च		मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4	5	6	7	8
रिपोर्टिंग बैंकों की संख्या	197	208	197	197	121	135	121	121
1. बैंकिंग प्रणाली के प्रति देयताएं	**558823**	**458011**	**484747**	**558823**	**548878**	**451305**	**476551**	**548878**
1.1 बैंकों से माँग और मीयादी जमाराशियाँ	424960	315675	369371	424960	415461	309414	361684	415461
1.2 बैंकों से उधार राशि	84714	112027	78565	84714	84714	111976	78512	84714
1.3 अन्य माँग और मीयादी देयताएं	49150	30310	36811	49150	48703	29916	36355	48703
2. अन्य के प्रति देयताएं	**28738739**	**25053097**	**27741954**	**28738739**	**28166178**	**24557481**	**27195276**	**28166178**
2.1 कुल जमाराशियाँ	26782744	23055487	25715492	26782744	26229917	22580601	25190145	26229917
2.1.1 माँग	3753181	2748263	3276458	3753181	3688129	2698049	3221327	3688129
2.1.2 मीयादी	23029564	20307224	22439035	23029564	22541788	19882552	21968818	22541788
2.2 उधार	812871	920568	887695	812871	808208	915248	883014	808208
2.3 अन्य माँग और मीयादी देयताएं	1143123	1077042	1138766	1143123	1128054	1061632	1122118	1128054
3. रिज़र्व बैंक से उधार	**254442**	**311466**	**124916**	**254442**	**254442**	**311466**	**124916**	**254442**
3.1 मीयादी बिल / वचन पत्रों की जमानत पर	-	-	-	-	-	-	-	-
3.2 अन्य	254442	311466	124916	254442	254442	311466	124916	254442
4. उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेषराशि	**862464**	**985044**	**839272**	**862464**	**843155**	**964289**	**820275**	**843155**
4.1 उपलब्ध नकदी	90788	84399	77554	90788	87403	81874	74471	87403
4.2 रिज़र्व बैंक के पास शेषराशि	771675	900645	761718	771675	755751	882415	745804	755751
5. बैंकिंग प्रणाली के पास आस्तियां	**596449**	**432645**	**527964**	**596449**	**474720**	**348496**	**425913**	**474720**
5.1 अन्य बैंकों के पास शेषराशि	369840	273720	344417	369840	296391	215801	276442	296391
5.1.1 चालू खाते में	18379	13239	13080	18379	14126	10619	10221	14126
5.1.2 अन्य खातों में	351461	260481	331337	351461	282265	205182	266221	282265
5.2 माँग और अल्पसूचना पर मुद्रा	64325	44772	46980	64325	26819	25838	23925	26819
5.3 बैंकों को अग्रिम	47661	43856	45888	47661	43389	39504	41912	43389
5.4 अन्य आस्तियां	114623	70296	90678	114623	108121	67353	83634	108121
6. निवेश	**7141121**	**6850574**	**7130107**	**7141121**	**6961120**	**6697928**	**6956053**	**6961120**
6.1 सरकारी प्रतिभूतियां	7129493	6842024	7117057	7129493	6960631	6697298	6955551	6960631
6.2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	11628	8550	13051	11628	489	630	502	489
7. बैंक ऋण	**21884470**	**18708286**	**21252041**	**21884470**	**21359948**	**18243972**	**20751207**	**21359948**
7ए खाद्यान्न ऋण	122245	87145	134617	122245	70271	36531	82643	70271
7.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	21441656	18370704	20833450	21441656	20919326	17909851	20334593	20919326
7.2 देशी बिल - खरीदे गए	110122	76523	101240	110122	110092	74963	101212	110092
7.3 देशी बिल- भुनाए गए	294547	222320	280333	294547	293061	221059	279023	293061
7.4 विदेशी बिल - खरीदे गए	15023	15357	13408	15023	14793	15122	13190	14793
7.5 विदेशी बिल - भुनाए गए	23122	23382	23611	23122	22676	22977	23190	22676

टिप्पणी: 1 जुलाई 2023 के बाद के डेटा में, एक गैर-बैंक के बैंक के साथ विलय का प्रभाव शामिल है।

बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 के अनुसार, 15 दिसंबर 2025 से 'पखवाड़े' की परिभाषा को संशोधित कर दिया गया है। अब यह हर दूसरे शुक्रवार के बजाय महीने की 15 तारीख और महीने के अंतिम कैलेंडर दिन को माना जाएगा।

"रिज़र्व बैंक से ऋण" और "रिज़र्व बैंक के पास शेष" का डेटा 30 मार्च 2026 का है, जबकि 31 मार्च 2026 का डेटा आरबीआई तुलन पत्र के प्रकाशन के बाद मई 2026 के अंत तक मिलेगा।

सं. 15: प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का विनियोजन

(₹ करोड़)

उद्योग	बकाया स्थिति			वृद्धि (%)	
	मार्च 21, 2025	2026		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
		फर 28	मार्च 31	2025-26	2026
	1	2	3	4	5
I. बैंक ऋण (II+III)	**18401354**	**20754078**	**21361435**	**16.1**	**16.1**
II. खाद्यान्न ऋण	**29357**	**82643**	**70271**	**139.4**	**139.4**
III. गैर-खाद्यान्न ऋण	**18371998**	**20671435**	**21291163**	**15.9**	**15.9**
1. कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	**2287060**	**2543477**	**2646051**	**15.7**	**15.7**
2. उद्योग (सूक्ष्म और लघु, मध्यम और बड़े)	**3985660**	**4447192**	**4582009**	**15.0**	**15.0**
2.1 सूक्ष्म और लघु	798473	1031799	1063123	33.1	33.1
2.2 मध्यम	363245	430263	442217	21.7	21.7
2.3 बड़े	2823942	2985130	3076669	8.9	8.9
3. सेवाएं	**5093565**	**5807798**	**6060802**	**19.0**	**19.0**
3.1 परिवहन परिचालक	261575	280409	286808	9.6	9.6
3.2 कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	32915	46183	45738	39.0	39.0
3.3 पर्यटन, होटल और रेस्टरां	83366	98895	102559	23.0	23.0
3.4 शिपिंग	7304	10502	10384	42.2	42.2
3.5 विमानन	46072	49830	52688	14.4	14.4
3.6 पेशेवर सेवाएं	195957	210543	218324	11.4	11.4
3.7 व्यापार	1184550	1320670	1376198	16.2	16.2
3.7.1 थोक व्यापार	646099	737574	775970	20.1	20.1
3.7.2 खुदरा व्यापार	538451	583096	600229	11.5	11.5
3.8 वाणिज्यिक स्थावर संपदा	523264	606612	627341	19.9	19.9
3.9 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ (एनबीएफसी)2 जिसमें से	1635102	1947584	2065555	26.3	26.3
3.9.1 आवास वित्त कंपनियां (एचएफसी)	323182	359226	373339	15.5	15.5
3.9.2 सार्वजनिक वित्त संस्थाएं (पीएफआई)	228678	316124	348838	52.5	52.5
3.10 अन्य सेवाएं3	1123459	1236570	1275208	13.5	13.5
4. व्यक्तिगत ऋण	**5971696**	**6796850**	**6941339**	**16.2**	**16.2**
4.1 उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	23201	21925	21962	-5.3	-5.3
4.2 आवास	3010477	3305691	3355980	11.5	11.5
4.3 मीयादी जमाराशि की जमानत पर अग्रिम	141842	154183	169107	19.2	19.2
4.4 शेयरों और बॉण्डों की जमानत पर व्यक्तियों को अग्रिम	10080	10085	10546	4.6	4.6
4.5 क्रेडिट कार्ड बकाया	284366	292067	294461	3.5	3.5
4.6 शिक्षा	137456	155590	155850	13.4	13.4
4.7 वाहन ऋण	622793	726037	738680	18.6	18.6
4.8 स्वर्ण आभूषण पर ऋण4	206284	428578	460313	123.1	123.1
4.9 अन्य व्यक्तिगत ऋण	1535197	1702695	1734440	13.0	13.0
5. प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र (मेमो)					
(i) कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां5	2287794	2600490	2654548	16.0	16.0
(ii) सूक्ष्म और लघु उद्यम6	2239409	2812171	2900619	29.5	29.5
(iii) मध्यम उद्यम7	601451	692153	708794	17.8	17.8
(iv) आवास	746651	1033416	1043836	39.8	39.8
(v) शिक्षा ऋण	62826	77935	77289	23.0	23.0
(vi) नवीकरणीय ऊर्जा	10325	13955	13848	34.1	34.1
(vii) सामाजिक अवसंरचना	1316	1221	1486	12.9	12.9
(viii) निर्यात ऋण	12479	10270	11436	-8.4	-8.4
(ix) अन्य	49552	41690	44820	-9.6	-9.6
(x) नेट पीएसएलसी- एसएफ /एमएफ सहित कमजोर वर्ग	1864606	2032409	2071083	11.1	11.1

टिप्पणी :(1) डेटा अनंतिम है। बैंक क्रेडिट, खाद्य क्रेडिट और गैर- खाद्य क्रेडिट डेटा हर दो हफ़्ते में आने वाले सेक्शन-42 रिटर्न पर आधारित हैं, जिसमें सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एससीबी) शामिल हैं, जबकि क्षेत्र के हिसाब से गैर-खाद्य क्रेडिट डेटा क्षेत्र-वार और उद्योग-वार बैंक क्रेडिट (एसआईबीसी) रिटर्न पर आधारित हैं, जिसमें कुछ खास बैंक शामिल हैं, जो सभी एससीबी द्वारा दिए गए कुल गैर-खाद्य क्रेडिट का लगभग 95 प्रतिशत देते हैं। कॉलम (1) में सेक्शन-42 डेटा (कॉलम I, II और III) के लिए संदर्भ दिनांक 4 अप्रैल 2025 है।

(2) 31 दिसंबर 2025 से, बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम 2025 के तहत अंतिम रिपोर्टिंग पखवाड़े की परिभाषा को माह के अंतिम दिन में बदल दिया गया है। तदनुसार, दिसंबर 2025 से वर्ष-दर-वर्ष विकास दरें चालू वर्ष के महीने के अंत के आंकड़ों और पिछले वर्ष के इसी महीने के अंतिम रिपोर्टिंग पखवाड़े (पुरानी परिभाषा के अनुसार) के आंकड़ों पर आधारित हैं।

1. थोक व्यापार में खाद्य ऋण संघ के बाहर खाद्य खरीद ऋण शामिल हैं।
2. एनबीएफसी में एचएफसी, पीएफआई, माइक्रोफाइनेंस संस्थान (एमएफआई), स्वर्ण ऋण देने वाली एनबीएफसी और अन्य शामिल हैं।
3. "अन्य सेवाओं" में म्यूचुअल फंड (एमएफ), एनबीएफसी और एमएफ के अलावा बैंकिंग और वित्त, और अन्य सेवाएँ शामिल हैं जो सेवाओं के अंतर्गत कहीं और इंगित नहीं की गई हैं।
4. एक बैंक ने मई 2024 से, खुदरा खंड के तहत कृषि ऋण की एक श्रेणी के वर्गीकरण को "स्वर्ण के आभूषणों पर ऋण" में बदल दिया है।
5. प्राथमिकता क्षेत्र के तहत "कृषि और संबद्ध गतिविधियाँ" में प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाणपत्र (पीएसएलसी) भी शामिल हैं।
6. प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत "सूक्ष्म और लघु उद्यम" में उद्योग और सेवा क्षेत्रों में सूक्ष्म और लघु उद्यमों को ऋण शामिल है और इसमें पीएसएलसी भी शामिल हैं।
7. प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत "मध्यम उद्यम" में उद्योग और सेवा क्षेत्रों में मध्यम उद्यमों को ऋण शामिल है।

सं. 16: सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार विनियोजन

(₹ करोड़)

उद्योग	बकाया स्थिति			वृद्धि (%)	
	मार्च 21, 2025	2026		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
		फर 28	मार्च 31	2025-26	2026
	1	2	3	4	5
2. उद्योग (2.1 से 2.19)	**3985660**	**4447192**	**4582009**	**15.0**	**15.0**
2.1 खनन एवं उत्खनन (कोयला सहित)	**56818**	**64501**	**60932**	**7.2**	**7.2**
2.2 खाद्य प्रसंस्करण	**219525**	**241445**	**250275**	**14.0**	**14.0**
2.2.1 चीनी	28522	28560	29742	4.3	4.3
2.2.2 खाद्य तेल एवं वनस्पति	20927	23424	25934	23.9	23.9
2.2.3 चाय	5084	4880	5126	0.8	0.8
2.2.4 अन्य	164992	184581	189472	14.8	14.8
2.3 पेय पदार्थ एवं तंबाकू	**35515**	**39190**	**40161**	**13.1**	**13.1**
2.4 वस्त्र	**277267**	**296136**	**302080**	**8.9**	**8.9**
2.4.1 सूती वस्त्र	107495	108696	110269	2.6	2.6
2.4.2 जूट वस्त्र	4288	4980	4994	16.5	16.5
2.4.3 मानव निर्मित वस्त्र	49186	51246	52032	5.8	5.8
2.4.4 अन्य वस्त्र	116298	131214	134785	15.9	15.9
2.5 चमड़ा एवं चमड़े से बने उत्पाद	**12980**	**13835**	**14155**	**9.1**	**9.1**
2.6 लकड़ी एवं लकड़ी से बने उत्पाद	**27826**	**30676**	**31097**	**11.8**	**11.8**
2.7 कागज एवं कागज से बने उत्पाद	**52848**	**57993**	**58965**	**11.6**	**11.6**
2.8 पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद एवं आण्विक ईंधन	**154179**	**185431**	**204216**	**32.5**	**32.5**
2.9 रसायन एवं रासायनिक उत्पाद	**267815**	**313413**	**307841**	**14.9**	**14.9**
2.9.1 उर्वरक	32011	39432	30585	-4.5	-4.5
2.9.2 औषधी और दवाइयाँ	88524	98753	104358	17.9	17.9
2.9.3 पेट्रो केमिकल्स	28797	37301	36777	27.7	27.7
2.9.4 अन्य	118482	137927	136121	14.9	14.9
2.10 रबर, प्लास्टिक और उनके उत्पाद	**103465**	**110982**	**112779**	**9.0**	**9.0**
2.11 कांच और कांच के बर्तन	**13443**	**13702**	**16251**	**20.9**	**20.9**
2.12 सीमेंट और सीमेंट से बने उत्पाद	**59753**	**64332**	**65113**	**9.0**	**9.0**
2.13 मूल धातु और धातु उत्पाद	**433501**	**496720**	**517692**	**19.4**	**19.4**
2.13.1 लोहा और स्टील	300156	334966	356410	18.7	18.7
2.13.2 अन्य धातु और धातु से बने उत्पाद	133345	161754	161282	21.0	21.0
2.14 सभी इंजीनियरिंग	**240136**	**316185**	**317374**	**32.2**	**32.2**
2.14.1 इलेक्ट्रॉनिक्स	52863	63623	59905	13.3	13.3
2.14.2 अन्य	187273	252562	257468	37.5	37.5
2.15 वाहन, वाहन के पुर्जे और परिवहन उपकरण	**119450**	**137108**	**141076**	**18.1**	**18.1**
2.16 रत्न और आभूषण	**85814**	**116543**	**121355**	**41.4**	**41.4**
2.17 निर्माण	**160037**	**170519**	**179323**	**12.1**	**12.1**
2.18 इन्फ्रास्ट्रक्चर	**1364369**	**1443544**	**1493563**	**9.5**	**9.5**
2.18.1 ऊर्जा	692160	811927	845053	22.1	22.1
2.18.2 दूरसंचार	123850	104935	108701	-12.2	-12.2
2.18.3 सड़क	334147	326875	337819	1.1	1.1
2.18.4 हवाई अड्डा	9156	6577	6662	-27.2	-27.2
2.18.5 बंदरगाह	5916	9124	8794	48.7	48.7
2.18.6 रेलवे	13415	7107	6693	-50.1	-50.1
2.18.7 अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर	185726	176998	179840	-3.2	-3.2
2.19 अन्य उद्योग	**300921**	**334937**	**347763**	**15.6**	**15.6**

टिप्पणी : बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 के अनुसार, 31 दिसंबर 2025 से 'अंतिम रिपोर्टिंग पखवाड़े' की परिभाषा को बदलकर 'महीने का अंतिम दिन' कर दिया गया है। तदनुसार, दिसंबर 2025 से वर्ष-दर-वर्ष विकास दरें चालू वर्ष के महीने के अंत के आंकड़ों और पिछले वर्ष के संबंधित महीने के लिए (पुरानी परिभाषा के अनुसार) अंतिम रिपोर्टिंग पखवाड़े के आंकड़ों पर आधारित हैं।

सं. 17: भारतीय रिज़र्व बैंक में राज्य सहकारी बैंकों के खाते

(₹ करोड़)

मद	रिपोर्टिंग दिवस के अनुसार								
	2024-25	2025				2026			
		फर. 21	नवं. 28	दिसं. 15	दिसं. 31	जन. 15	जन. 31	फर. 15	फर. 28
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
रिपोर्टिंग बैंकों की संख्या	34	34	34	34	34	34	34	34	34
1. कुल जमाराशियाँ (2.1.1.2+2.2.1.2)	**146871.0**	**141197.5**	**153247.4**	**155555.7**	**158419.1**	**157312.0**	**156325.4**	**156494.4**	**156781.1**
2. मांग और मीयादी देयताएं									
2.1 मांग देयताएं	**29215.6**	**25232.3**	**27456.8**	**28841.6**	**29874.2**	**31640.0**	**28699.1**	**30174.3**	**28402.5**
2.1.1 जमाराशियाँ									
2.1.1.1 अंतर-बैंक	9022.9	6678.7	6058.8	6630.5	5675.4	6994.5	6057.4	6607.1	6249.0
2.1.1.2 अन्य	14063.9	12977.2	14397.7	14992.1	16407.0	16286.3	15070.7	16505.0	15154.4
2.1.2 बैंकों से उधार	700.0	615.0	810.7	959.4	1059.6	470.9	916.2	531.4	
2.1.3 अन्य मांग देयताएं	5428.9	4961.4	6189.6	6259.6	6732.1	7888.4	6654.8	6531.0	6999.1
2.2 मीयादी देयताएं	**201100.7**	**181707.7**	**204259.5**	**206280.9**	**212765.8**	**208153.0**	**214248.4**	**212998.0**	**214840.0**
2.2.1 जमाराशियाँ									
2.2.1.1 अंतर-बैंक	66874.3	51761.4	63747.4	64062.5	64975.2	65400.4	71241.9	71252.5	71516.0
2.2.1.2 अन्य	132807.1	128220.3	138849.7	140563.6	142012.1	141025.8	141254.7	139989.5	141626.6
2.2.2 बैंकों से उधार	643.9	650.3	610.4	610.2	609.4	610.4	610.4	610.4	610.4
2.2.3 अन्य मीयादी देयताएं	775.4	1075.8	1052.1	1044.5	5169.2	1116.5	1141.4	1145.7	1086.9
3. रिज़र्व बैंक से उधार	699.5				200.0	200.0			
4. अधिसूचित बैंक/ सरकार से उधार	126928.5	113412.6	114537.1	110012.2	108704.4	101728.2	114287.5	120398.0	125583.7
4.1 मांग	53459.8	46377.3	51408.3	49688.8	51075.8	50411.7	51777.9	55969.9	57164.1
4.2 मीयादी	73468.7	67035.3	63128.8	60323.4	57628.5	51316.5	62509.6	64428.1	68419.6
5. उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेषराशि	**13390.9**	**11271.6**	**9537.0**	**10331.1**	**8890.6**	**9212.9**	**9849.4**	**10037.4**	**9865.6**
5.1 उपलब्ध नकदी	1052.1	833.1	847.3	931.7	853.9	928.0	797.5	883.2	987.5
5.2 रिज़र्व बैंक के पास शेषराशि	12338.8	10438.5	8689.7	9399.4	8036.8	8284.9	9051.9	9154.2	8878.1
6. चालू खाते में अन्य बैंकों के पास शेषराशि	**1656.3**	**1100.0**	**1220.1**	**935.0**	**1151.2**	**1036.2**	**1004.1**	**991.3**	**1241.4**
7. सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	**77220.1**	**76597.1**	**84862.8**	**85173.2**	**84894.1**	**85064.6**	**85444.3**	**85337.8**	**85912.9**
8. मांग और अल्प सूचना पर मुद्रा	**26531.1**	**14526.0**	**23910.4**	**20517.2**	**21836.6**	**20595.4**	**23358.5**	**24123.3**	**44658.3**
9. बैंक ऋण (10.1+11)	**174828.8**	**170308.0**	**174894.0**	**176043.0**	**175694.4**	**180678.8**	**184566.8**	**185206.5**	**185752.0**
10. अग्रिम									
10.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	**174590.4**	**170138.6**	**174724.0**	**175856.8**	**175487.4**	**180470.0**	**184363.9**	**185000.9**	**185368.4**
10.2 बैकों से प्राप्य राशि	124607.6	114341.3	123414.0	123501.3	126937.8	122407.5	124590.5	128069.2	127239.9
11. खरीदे और भुनाए गए बिल	238.4	169.4	170.0	186.2	207.0	208.9	202.9	205.6	383.6

18(ए) भारत में वाणिज्यिक क्षेत्र को वित्तीय संसाधनों का प्रवाह

(₹ करोड़)

स्रोत	अप्रैल-मार्च		30 अप्रैल तक	
	2024-25	2025-26	2025-26	2026-27 पी
	1	2	3	4
1. गैर-खाद्य बैंक ऋण	**18,08,036**	**29,19,166**	**-1,49,487**	**-1,83,250**
2. गैर-बैंक स्रोत (2.1+2.2)	**18,53,598**	**17,85,210**	**94,486**	**73,754**
2.1 घरेलू स्रोत	**14,90,681**	**12,66,319**	**94,486**	**73,754**
2.1.1 गैर-वित्तीय संस्थाओं द्वारा इक्विटी निर्गम	3,81,161	3,62,328	-	-
2.1.2 गैर-वित्तीय संस्थाओं द्वारा कारपोरेट बॉण्ड निर्गम	1,97,795	3,22,114	-	-
2.1.3 गैर-वित्तीय संस्थाओं द्वारा हाइब्रिड लिखत(आरईआईटीएस/आईएनवीआईटीएस)	31,442	30,076	-	-
2.1.4 गैर-वित्तीय संस्थाओं द्वारा वाणिज्यिक पेपर निर्गम	18,819	7,948	94,486	73,754
2.1.5 आवास वित्त कंपनियों द्वारा ऋण (बैंक ऋण निवल)	1,27,865	13,089	-	-
2.1.6 आरबीआई-विनियमित अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों द्वारा ऋण	99,501	87,672	-	-
2.1.7 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा ऋण (बैंक ऋण निवल)	6,34,097	4,43,092	-	-
2.2 विदेशी स्रोत	**3,62,916**	**5,18,891**	**-**	**-**
2.2.1 गैर-वित्तीय संस्थाओं द्वारा बाह्य वाणिज्यिक उधार	19,089	22,741	-	-
2.2.2 गैर-वित्तीय संस्थाओं द्वारा एडीआर/जीडीआर	0	0	-	-
2.2.3 विदेश से अल्पकालिक ऋण	97,039	1,35,813	-	-
2.2.4 भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश	2,46,788	3,60,337	-	-
3. संसाधनों का कुल प्रवाह (1+2)	**36,61,634**	**47,04,376**	**-55,001**	**-1,09,496**

अ: अनंतिम -: उपलब्ध नहीं।

कॉलम 1 और 2 के लिए डेटा का कवरेज निम्नलिखित स्रोत संख्या से लिया गया है:

2.2.3: दिसंबर तक।

टिप्पणियाँ: i. गैर-खाद्य बैंक ऋण अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) से संबंधित है और इसमें सहकारी बैंकों द्वारा दिया गया ऋण शामिल नहीं है।

ii. बैंकों, एनबीएफसी और एचएफसी द्वारा दिए गए ऋण में व्यक्तिगत ऋण शामिल हैं।

iii. इक्विटी और हाइब्रिड लिखतों जो सकल आधार पर हैं, को छोड़कर सभी मदों पर डेटा निवल आधार पर प्रस्तुत किया गया है।

iv. अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों (एआईएफआई) में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी), लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी), भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्ज़िम बैंक) और राष्ट्रीय अवसंरचना वित्तपोषण और विकास बैंक (एनएबीएफआईडी) शामिल हैं। एआईएफआई द्वारा दिए गए ऋण में एससीबी, एनबीएफसी और एचएफसी को पुनर्वित्तपोषण तथा घरेलू विदेशी सरकारों/संस्थानों को प्रदत्त प्रत्यक्ष ऋण शामिल नहीं हैं।

v. एचडीएफसी लिमिटेड जिसका 1 जुलाई, 2023 से एचडीएफसी बैंक में विलय हो गया, से संबंधित डेटा, विलय से पहले आवास वित्त कंपनियों द्वारा दिए गए ऋण के अंतर्गत आता है, जबकि विलय के बाद यह बैंक ऋण के अंतर्गत आता है।

vi. आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा दिए गए ऋण के डेटा को कुछ एचएफसी के एनबीएफसी में रूपांतरण के लिए समायोजित किया गया है।

स्रोत: आरबीआई; सेबी; एआईएफआई; और आरबीआई स्टाफ अनुमान।

18(बी): भारत में वाणिज्यिक क्षेत्र को बकाया ऋण

स्रोत	(₹ करोड़)						प्रतिशत संवृद्धि			
	मार्च के अंत तक			30 अप्रैल तक			मार्च के अंत तक		30 अप्रैल तक	
	2024	2025	2026	2024	2025	2026 P	2024 की तुलना में 2025	2025 की तुलना में 2026	2024 की तुलना में 2025	2025 की तुलना में 2026 अ
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. गैर-खाद्य बैंक ऋण	**1,65,63,961**	**1,83,71,998**	**2,12,91,163**	**1,65,93,941**	**1,82,22,511**	**2,11,07,913**	**10.9**	**15.9**	**9.8**	**15.8**
2. गैर-बैंक स्रोत (2.1+2.2)	**77,52,310**	**89,24,664**	**1,01,09,295**	**1,30,634**	**2,22,833**	**2,10,049**	**15.1**	**13.3**	**70.6**	**-5.7**
2.1 घरेलू स्रोत	**56,59,037**	**66,37,411**	**75,11,326**	**1,30,634**	**2,22,833**	**2,10,049**	**17.3**	**13.2**	**70.6**	**-5.7**
2.1.1 गैर-वित्तीय संस्थाओं द्वारा कॉर्पोरेट बॉण्ड जारी करना	18,25,514	20,23,310	23,45,423	-	-	-	10.8	15.9	-	-
2.1.2 गैर-वित्तीय संस्थाओं द्वारा वाणिज्यिक पत्र जारी करना	1,09,528	1,28,347	1,36,295	1,30,634	2,22,833	2,10,049	17.2	6.2	70.6	-5.7
2.1.3 आवास वित्त कंपनियों द्वारा ऋण (बैंक ऋण निवल)	5,98,965	6,27,125	6,40,214	-	-	-	4.7	2.1	-	-
2.1.4 आरबीआई - विनियमित अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों द्वारा ऋण	4,24,610	5,24,111	6,11,783	-	-	-	23.4	16.7	-	-
2.1.5 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा ऋण (बैंक ऋण निवल)	27,00,421	33,34,518	37,77,610	-	-	-	23.5	13.3	-	-
2.2 विदेशी स्रोत	**20,93,273**	**22,87,254**	**25,97,969**	**-**	**-**	**-**	**9.3**	**13.6**	**-**	**-**
2.2.1 गैर-वित्तीय संस्थाओं द्वारा बाह्य वाणिज्यिक ऋण	10,72,181	11,34,552	12,89,307	-	-	-	5.8	13.6	-	-
2.2.2 विदेश से अल्पकालिक ऋण	10,21,091	11,52,702	13,08,662	-	-	-	12.9	13.5	-	-
3. कुल ऋण (1+2)	**2,43,16,271**	**2,72,96,662**	**3,14,00,458**	**1,67,24,575**	**1,84,45,344**	**2,13,17,962**	**12.3**	**15.0**	**10.3**	**15.6**

अ: अनंतिम। -: उपलब्ध नहीं।

कॉलम 1 और 2 के लिए डेटा का कवरेज निम्नलिखित स्रोत संख्या से लिया गया है:

2.2.2: दिसंबर तक।

Notes: i) गैर-खाद्य बैंक क्रेडिट अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एससीबी) से जुड़ा है और इसमें सहकारी बैंकों का दिया गया क्रेडिट शामिल नहीं है। सहकारी बैंकों (जैसे, शहरी सहकारी बैंक, राज्य सहकारी बैंक और जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक) के दिए गए क्रेडिट को मिलाकर, मार्च 2023, 2024 और 2025 के आखिर में गैर-खाद्य क्रेडिट क्रमश: ₹1,46,22,252 करोड़, ₹1,76,18,552 करोड़ और ₹1,95,07,975 करोड़ था। इसके मुताबिक, मार्च 2023, 2024 और 2025 के आखिर में कुल बकाया क्रेडिट क्रमश: ₹2,20,65,343 करोड़, ₹2,53,75,808 करोड़ और ₹2,83,94,369 करोड़ था।

ii) गैर-बैंक स्रोतों के आंकड़ों में घरेलू स्रोतों के अंतर्गत इक्विटी और हाइब्रिड लिखतों के निर्गम और विदेशी स्रोतों के अंतर्गत इक्विटी में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश शामिल नहीं हैं।

iii) कॉरपोरेट बॉण्ड के मामले में, मार्च 2024 और 2025 के अंत के लिए बकाया आंकड़े वित्तीय और गैर-वित्तीय निगमों द्वारा जारी बॉण्ड पर सेबी के नए आंकड़ों की श्रृंखला पर आधारित हैं। मार्च 2023 के अंत के बकाया आंकड़े मार्च 2024 के अंत के बकाया आंकड़ों से 2023-24 के प्रवाह को समायोजित करके निकाले गए हैं।

iv) बकाया आंकड़ों पर आधारित प्रवाह सारणी 18 (ए) में दिए गए प्रवाह से मेल नहीं खा सकते हैं, इसके कारण निम्नलिखित हैं:

(ए) 1 जुलाई, 2023 को एचडीएफसी लिमिटेड का एचडीएफसी बैंक में विलय;

(बी) कुछ आवास वित्त कंपनियों का गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में रूपांतरण; और

(सी) विदेशी स्रोतों के मामले में मूल्यांकन प्रभाव।

v) गैर-वित्तीय गैर-सरकारी सार्वजनिक और निजी लिमिटेड कंपनियों के मामले में घरेलू देनदारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले वर्तमान और गैर-वर्तमान व्यापार देय को आंकड़ों में शामिल नहीं किया गया है, क्योंकि ऐसे आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

स्रोत: आरबीआई; सेबी; एआईएफआई; और आरबीआई स्टाफ अनुमान।

कीमत और उत्पादन

सं. 19(ए): उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2024=100): ग्रामीण

प्रभाग	भार	सूचकांक					मुद्रास्फीति (वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)	
		2025-26*	मार्च-25	अप्रै.-25	मार्च-26	अप्रै.-26 (पी)	मार्च-26	अप्रै.-26 (पी)
	1	2	3	4	5	6	7	8
1. खाद्य और पेय पदार्थ	41.98	103.08	100.19	100.06	104.00	104.16	3.81	4.10
2. पान, तंबाकू और नशीले पदार्थ	3.73	103.97	102.07	102.45	106.31	107.21	4.15	4.65
3. वस्त्र और फुटवियर	7.12	105.81	103.83	104.23	107.12	107.63	3.17	3.27
4. आवास, जल, बिजली, गैस और अन्य ईंधन	11.76	101.96	100.92	101.43	103.07	103.22	2.14	1.77
5. सज्जा, घरेलू उपकरण और घरेलू नियमित रखरखाव	4.61	102.85	101.90	102.13	103.53	104.04	1.60	1.87
6. स्वास्थ्य	6.76	103.25	102.06	102.30	103.75	103.90	1.65	1.57
7. परिवहन	8.64	100.86	100.75	100.87	100.76	100.89	0.01	0.01
8. सूचना और संचार	3.65	103.63	103.29	103.29	103.74	103.95	0.44	0.64
9. मनोरंजन, खेल और संस्कृति	1.36	103.25	101.95	102.00	104.44	104.44	2.45	2.39
10. शिक्षा सेवाएं	2.38	104.16	101.79	102.30	104.79	105.29	2.95	2.92
11. रेस्तरां और आवास सेवाएं	2.84	104.36	103.09	103.31	105.52	107.27	2.36	3.84
13. व्यक्तिगत देखभाल, सामाजिक सुरक्षा और विविध वस्तुएं एवं सेवाएं	5.15	113.36	104.48	105.34	124.87	124.83	19.51	18.51
समग्र अखिल भारतीय सीपीआई	100.00	103.60	101.34	101.49	105.02	105.28	3.63	3.74
मेमो मद								
खाद्य और ईंधन को छोड़कर सीपीआई#	47.45	104.69	102.58	102.90	106.73	107.15	4.05	4.13

अ: अनंतिम

'*': कैलेंडर वर्ष 2025-26 के सभी मासिक सूचकांकों का अंकगणितीय माध्य।

'#': इस सारणी में 'ईंधन' दो श्रेणियों का प्रतिनिधित्व करता है, अर्थात 'बिजली, गैस और अन्य ईंधन' तथा 'व्यक्तिगत परिवहन उपकरणों के लिए ईंधन और स्नेहक', जिसमें 'पेट्रोल', 'डीजल' और 'अन्य प्राकृतिक गैस (सीएनजी)' शामिल हैं। विस्तृत विवरण के लिए कृपया अप्रैल 2026 की मौद्रिक नीति रिपोर्ट के बॉक्स आइटम IV.2 देखें।

स्रोत: राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार और आरबीआई स्टाफ की गणनाएं।

सं. 19(बी): उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2024=100): शहरी

प्रभाग	भार	सूचकांक					मुद्रास्फीति (वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)	
		2025-26*	मार्च-25	अप्रै.-25	मार्च-26	अप्रै.-26 (पी)	मार्च-26	अप्रै.-26 (पी)
	1	2	3	4	5	6	7	8
1. खाद्य और पेय पदार्थ	30.25	103.66	100.76	100.78	104.31	104.69	3.53	3.88
2. पान, तंबाकू और नशीले पदार्थ	2.06	103.72	101.91	102.17	106.42	107.30	4.43	5.02
3. वस्त्र और फुटवियर	5.46	104.44	103.07	103.43	105.19	105.55	2.06	2.04
4. आवास, जल, बिजली, गैस और अन्य ईंधन	25.00	101.61	100.58	100.93	102.45	102.61	1.86	1.67
5. सज्जा, घरेलू उपकरण और घरेलू नियमित रखरखाव	4.30	102.65	101.90	102.13	103.03	103.43	1.11	1.27
6. स्वास्थ्य	5.28	103.86	102.47	102.74	104.43	104.56	1.92	1.77
7. परिवहन	8.98	100.79	100.70	100.83	100.69	100.78	-0.01	-0.04
8. सूचना और संचार	3.56	103.15	102.94	102.95	103.14	103.29	0.20	0.33
9. मनोरंजन, खेल और संस्कृति	1.71	103.27	101.66	101.98	104.19	103.86	2.49	1.84
10. शिक्षा सेवाएं	4.52	105.01	102.22	102.94	105.85	106.34	3.55	3.31
11. रेस्तरां और आवास सेवाएं	3.98	105.60	103.60	103.91	107.07	108.60	3.35	4.51
13. व्यक्तिगत देखभाल, सामाजिक सुरक्षा और विविध वस्तुएं एवं सेवाएं	4.90	113.09	104.81	105.49	123.11	122.95	17.47	16.55
समग्र अखिल भारतीय सीपीआई	100.00	103.48	101.47	101.71	104.62	104.92	3.11	3.16
मेमो मद								
खाद्य और ईंधन को छोड़कर सीपीआई#	59.99	103.93	102.11	102.42	105.45	105.76	3.27	3.26

अ: अनंतिम

'*': कैलेंडर वर्ष 2025 के सभी मासिक सूचकांकों का अंकगणितीय माध्य।

'#': इस सारणी में 'ईंधन' दो श्रेणियों का प्रतिनिधित्व करता है, अर्थात 'बिजली, गैस और अन्य ईंधन' तथा 'व्यक्तिगत परिवहन उपकरणों के लिए ईंधन और स्नेहक', जिसमें 'पेट्रोल', 'डीजल' और 'अन्य प्राकृतिक गैस (सीएनजी)' शामिल हैं। विस्तृत विवरण के लिए कृपया अप्रैल 2026 की मौद्रिक नीति रिपोर्ट के बॉक्स आइटम IV.2 देखें।

स्रोत: राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार और आरबीआई स्टाफ की गणनाएं।

सं. 19(सी): उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2024=100): संयुक्त

प्रभाग	भार	सूचकांक					मुद्रास्फीति (वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)	
		2025-26*	मार्च-25	अप्रै.-25	मार्च-26	अप्रै.-26 (पी)	मार्च-26	अप्रै.-26 (पी)
	1	2	3	4	5	6	7	8
1. खाद्य और पेय पदार्थ	36.75	103.29	100.40	100.33	104.12	104.35	3.71	4.01
2. पान, तंबाकू और नशीले पदार्थ	2.99	103.90	102.02	102.36	106.34	107.24	4.24	4.76
3. वस्त्र और फुटवियर	6.38	105.29	103.54	103.92	106.38	106.84	2.75	2.80
4. आवास, जल, बिजली, गैस और अन्य ईंधन	17.66	101.74	100.71	101.11	102.68	102.83	1.96	1.71
5. सज्जा, घरेलू उपकरण और घरेलू नियमित रखरखाव	4.47	102.77	101.90	102.13	103.32	103.78	1.39	1.61
6. स्वास्थ्य	6.10	103.49	102.22	102.47	104.01	104.15	1.75	1.64
7. परिवहन	8.80	100.83	100.73	100.85	100.73	100.84	0.00	-0.01
8. सूचना और संचार	3.61	103.42	103.14	103.14	103.48	103.66	0.33	0.50
9. मनोरंजन, खेल और संस्कृति	1.52	103.26	101.80	101.99	104.32	104.15	2.47	2.11
10. शिक्षा सेवाएं	3.33	104.67	102.05	102.69	105.43	105.93	3.31	3.15
11. रेस्तरां और आवास सेवाएं	3.35	105.01	103.36	103.63	106.34	107.98	2.89	4.20
13. व्यक्तिगत देखभाल, सामाजिक सुरक्षा और विविध वस्तुएं एवं सेवाएं	5.04	113.25	104.62	105.40	124.11	124.02	18.63	17.66
समग्र अखिल भारतीय सीपीआई	100.00	103.54	101.39	101.58	104.84	105.12	3.40	3.48
मेमो मद								
खाद्य और ईंधन को छोड़कर सीपीआई#	53.04	104.31	102.34	102.66	106.08	106.45	3.66	3.70

अ: अनंतिम

'*': कैलेंडर वर्ष 2025 के सभी मासिक सूचकांकों का अंकगणितीय माध्य।

'#': इस सारणी में 'ईंधन' दो श्रेणियों का प्रतिनिधित्व करता है, अर्थात 'बिजली, गैस और अन्य ईंधन' तथा 'व्यक्तिगत परिवहन उपकरणों के लिए ईंधन और स्नेहक', जिसमें 'पेट्रोल', 'डीजल' और 'अन्य प्राकृतिक गैस (सीएनजी)' शामिल हैं। विस्तृत विवरण के लिए कृपया अप्रैल 2026 की मौद्रिक नीति रिपोर्ट के बॉक्स आइटम IV.2 देखें।

स्रोत: राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार और आरबीआई स्टाफ की गणनाएं।

सं. 20: अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

मद	आधार वर्ष	योजक कारक	2024-25	2025	2026	
				मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4	5	6
1. औद्योगिक कामगार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2016	2.88	142.6	143.0	148.5	149.1
2. कृषि श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2019	9.69	-	132.8	136.6	137.0
3. ग्रामीण श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2019	9.78	-	133.1	136.5	137.0

2024 (आधार वर्ष 2019) के लिए सीपीआई-एएल और आरएल सूचकांकों की गणना प्रकाशित मुद्रास्फीति दरों का उपयोग कर की गई है।

स्रोत: श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 21: मुंबई में स्वर्ण और चांदी का मासिक औसत मूल्य

मद	2024-25	2025	2026	
		मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4
1. मानक स्वर्ण (₹ प्रति 10 ग्राम)	75842	86890	154039	153299
2. चांदी (₹ प्रति किलोग्राम)	89131	97868	256061	250291

स्रोत: मुंबई में स्वर्ण और चांदी के मूल्य के लिए इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लि. मुंबई।

सं. 22: थोक मूल्य सूचकांक

(आधारः 2011-12=100)

पण्य वस्तुएँ	भार	2025-26	2025	2026		
			अप्रै.	फर.	मार्च(पी)	अप्रै.(पी)
	1	2	3	4	5	6
1. सभी पण्य	**100.000**	**156.0**	**154.2**	**158.4**	**160.8**	**167.0**
1.1 प्राथमिक वस्तुएं	**22.618**	**190.4**	**185.4**	**192.8**	**197.3**	**202.4**
1.1.1 खाद्य वस्तुएं	**15.256**	**200.6**	**197.4**	**200.0**	**198.5**	**201.3**
1.1.1.1 खाद्यान्न (अनाज+दाल)	3.462	204.9	206.6	205.8	203.7	204.6
1.1.1.2 फल और सब्जियाँ	3.475	218.2	209.7	206.6	200.9	210.0
1.1.1.3 दूध	4.440	190.9	187.3	192.1	192.1	192.1
1.1.1.4 अंडा, मांस और मछली	2.402	176.2	172.1	180.7	181.7	183.6
1.1.1.5 मसाले	0.529	210.1	204.7	231.5	230.6	234.9
1.1.1.6 अन्य खाद्य वस्तुएं	0.948	222.6	226.9	223.6	224.8	227.0
1.1.2 खाद्येतर वस्तुएं	**4.119**	**169.2**	**160.1**	**181.3**	**181.3**	**179.6**
1.1.2.1 फाइबर	0.839	168.9	163.4	176.4	184.3	189.2
1.1.2.2 तिलहन	1.115	203.0	183.0	224.3	220.2	223.7
1.1.2.3 अन्य खाद्येतर वस्तुएं	1.960	139.8	139.5	142.0	143.7	144.0
1.1.2.4 पुष्पोत्पादन	0.204	269.0	219.2	344.2	318.6	241.3
1.1.3 खनिज	**0.833**	**244.1**	**228.0**	**254.0**	**253.4**	**255.7**
1.1.3.1 धात्विक खनिज	0.648	237.3	218.8	248.1	247.0	250.9
1.1.3.2 अन्य खनिज	0.185	268.2	260.5	275.0	275.7	272.4
1.1.4 कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस	**2.410**	**143.5**	**137.4**	**145.2**	**197.3**	**229.7**
1.2 ईंधन और ऊर्जा	**13.152**	**145.7**	**145.7**	**147.5**	**153.7**	**181.7**
1.2.1 कोयला	**2.138**	**136.7**	**136.1**	**138.0**	**138.0**	**138.0**
1.2.1.1 कुकिंग कोयला	0.647	148.1	144.9	152.6	152.6	152.6
1.2.1.2 नॉन-कुकिंग कोयला	1.401	126.6	126.2	126.6	126.6	126.6
1.2.1.3 लिग्नाइट	0.090	213.1	227.4	209.4	209.4	209.4
1.2.2 खनिज तेल	**7.950**	**149.8**	**150.6**	**149.3**	**162.4**	**210.1**
1.2.3 बिजली	**3.064**	**141.5**	**139.8**	**149.6**	**142.2**	**138.6**
1.3 विनिर्मित उत्पाद	**64.231**	**145.9**	**144.9**	**148.5**	**149.5**	**151.6**
1.3.1 खाद्य उत्पादों का विनिर्माण	**9.122**	**179.2**	**179.5**	**180.8**	**183.4**	**184.7**
1.3.1.1 मांस का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.134	159.4	157.0	164.7	164.1	165.5
1.3.1.2 मछली, क्रस्टेशियन, मोलस्क और उनके उत्पादों का प्रसंस्करण एवं परिरक्षण	0.204	151.0	146.2	157.6	152.9	150.8
1.3.1.3 फल और सब्जियों का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.138	135.0	135.4	134.1	133.8	134.2
1.3.1.4 सब्जियां और पशु तेल एवं चर्बी	2.643	187.0	189.5	190.7	194.6	197.9
1.3.1.5 डेयरी उत्पाद	1.165	187.2	184.0	192.2	192.8	194.5
1.3.1.6 अनाज मिल के उत्पाद	2.010	185.7	187.0	185.1	186.0	185.6
1.3.1.7 स्टार्च और स्टार्च के उत्पाद	0.110	149.9	159.2	144.5	144.2	146.0
1.3.1.8 बेकरी उत्पाद	0.215	178.0	176.6	181.1	182.0	182.8
1.3.1.9 चीनी, गुड़ और शहद	1.163	144.2	144.0	145.3	145.7	145.1
1.3.1.10 कोकोआ, चॉकलेट और चीनी कन्फेक्शनरी	0.175	176.1	174.6	175.5	175.3	176.6
1.3.1.11 मैक्रोनी, नूडल्स, और कूसकूस और उसके जैसे मैदे से बने उत्पाद	0.026	160.0	162.4	153.4	158.1	155.4
1.3.1.12 चाय और कॉफी उत्पाद	0.371	190.8	193.6	175.2	200.4	205.0
1.3.1.13 प्रसंस्कृत मसाले और नमक	0.163	191.7	189.9	196.4	198.7	200.1
1.3.1.14 प्रसंस्कृत तैयार खाद्य पदार्थ	0.024	156.0	156.4	155.0	155.7	156.1
1.3.1.15 स्वास्थ्य पूरक	0.225	189.8	188.8	192.7	192.8	194.3
1.3.1.16 पशु के लिए तैयार खाद्य	0.356	204.0	197.7	209.0	211.1	212.5
1.3.2 पेय पदार्थों का विनिर्माण	**0.909**	**135.5**	**135.5**	**135.4**	**135.3**	**136.0**
1.3.2.1 शराब और स्पिरीट	0.408	138.7	138.4	138.5	138.0	138.0
1.3.2.2 माल्ट लिकर और माल्ट	0.225	140.3	140.0	140.0	140.8	141.3
1.3.2.3 शीतल पेय, मिनरल वॉटर और बोतलबन्द पानी का उत्पादन	0.275	126.9	127.6	127.0	126.9	128.8
1.3.3 तंबाकू उत्पादों का विनिर्माण	**0.514**	**183.1**	**181.5**	**188.2**	**191.7**	**191.8**
1.3.3.1 तंबाकू के उत्पाद	0.514	183.1	181.5	188.2	191.7	191.8

सं. 22: थोक मूल्य सूचकांक *(जारी)*

(आधारः 2011-12=100)

पण्य वस्तुएँ	भार	2025-26	2025	2026		
			अप्रै.	फर.	मार्च(पी)	अप्रै.(पी)
	1	2	3	4	5	6
1.3.4 वस्त्र विनिर्माण	**4.881**	**138.7**	**136.9**	**141.9**	**143.2**	**146.9**
1.3.4.1 धागों की कताई और वस्त्र तैयार करना	2.582	120.6	120.9	122.0	122.8	126.3
1.3.4.2 बुनाई और तैयार वस्त्र	1.509	165.9	160.4	173.3	176.0	181.7
1.3.4.3 बुने हुए और क्रोशिए से बना कपड़ा	0.193	125.5	124.8	123.8	124.0	124.7
1.3.4.4 कपड़ों को छोड़कर निर्मित वस्त्र सामग्री	0.299	161.1	160.7	160.9	161.4	161.2
1.3.4.5 डोरियाँ, रस्सी, सुतली और नेटिंग	0.098	162.3	150.5	173.0	175.7	177.1
1.3.4.6 अन्य वस्त्र	0.201	134.0	134.4	135.7	136.0	136.6
1.3.5 तैयार वस्त्र का विनिर्माण	**0.814**	**156.2**	**154.2**	**157.4**	**157.3**	**157.6**
1.3.5.1 फर से बने वस्त्रों को छोड़कर, तैयार वस्त्र (बुने हुए) का विनिर्माण	0.593	154.4	152.2	155.7	155.7	155.9
1.3.5.2 बुने हुए और क्रोशिए से बने वस्त्र	0.221	161.2	159.6	162.0	161.6	162.2
1.3.6 चमड़ा और संबंधित उत्पाद का विनिर्माण	**0.535**	**128.0**	**128.2**	**128.6**	**129.2**	**129.8**
1.3.6.1 चमड़े की टैनिंग और ड्रेसिंग; ड्रेसिंग और फर की रंगाई	0.142	110.8	111.7	110.5	111.8	111.0
1.3.6.2 सामान, हैंडबैग, काठी और हार्नेस	0.075	143.0	143.3	145.1	145.2	146.1
1.3.6.3 जूते-चप्पल	0.318	132.1	131.9	132.8	133.2	134.4
1.3.7 लकड़ी व लकड़ी और कॉर्क के उत्पादों का विनिर्माण	**0.772**	**150.6**	**150.6**	**151.4**	**151.7**	**152.8**
1.3.7.1 आरा मिलिंग और लकड़ी के उत्पाद	0.124	143.2	143.5	145.7	145.9	146.7
1.3.7.2 विनियर शीट, प्लायवुड, लैमिन बोर्ड, पार्टिकल बोर्ड और अन्य पैनल और बोर्ड का विनिर्माण	0.493	149.6	149.6	150.1	150.3	152.0
1.3.7.3 बिल्डरों की बढ़ईगीरी	0.036	214.9	216.7	213.9	214.0	214.0
1.3.7.4 लकड़ी के डिब्बे	0.119	143.4	142.2	144.2	145.3	144.3
1.3.8 कागज़ और कागज़ के उत्पादों का विनिर्माण	**1.113**	**140.4**	**140.6**	**140.8**	**142.2**	**143.1**
1.3.8.1 लुगदी, कागज़ और पेपर बोर्ड	0.493	144.9	145.0	145.9	146.9	148.2
1.3.8.2 लहरदार कागज़ और पेपर बोर्ड और कागज़ के पात्र और पेपर बोर्ड	0.314	150.7	151.5	150.7	152.3	152.0
1.3.8.3 कागज़ की अन्य सामग्री और पेपर बोर्ड	0.306	122.7	122.5	122.6	124.2	125.6
1.3.9 मुद्रण और रिकार्डेड मीडिया का पुनरुत्पादन	**0.676**	**190.4**	**189.7**	**193.2**	**191.0**	**192.6**
1.3.9.1 मुद्रण	0.676	190.4	189.7	193.2	191.0	192.6
1.3.10 रसायन और रासायनिक उत्पादों का विनिर्माण	**6.465**	**137.5**	**137.6**	**138.3**	**139.9**	**144.6**
1.3.10.1 मूल रसायन	1.433	142.6	143.0	145.5	147.2	154.2
1.3.10.2 उर्वरक और नाइट्रोजन यौगिक	1.485	143.6	142.7	144.6	146.0	147.9
1.3.10.3 प्लास्टिक और प्राथमिक रूप में सिंथेटिक रबड़	1.001	133.8	134.7	133.8	136.5	146.5
1.3.10.4 कीटनाशक और अन्य एग्रोकेमिकल उत्पाद	0.454	131.2	131.7	130.6	130.9	134.6
1.3.10.5 पेन्ट, वार्निश और समान कोटिंग, मुद्रण स्याही और मैस्टिक्स	0.491	138.0	138.6	138.3	138.4	141.6
1.3.10.6 साबुन और डिटर्जेंट, सफाई और चमकाने की सामग्री, इत्र और शौचालय सफाई की सामग्री	0.612	142.3	141.7	142.1	142.6	144.3
1.3.10.7 अन्य रासायनिक उत्पाद	0.692	133.1	134.5	133.3	134.7	137.7
1.3.10.8 मानव निर्मित फाइबर	0.296	102.6	101.9	102.4	107.7	111.8
1.3.11 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद का विनिर्माण	**1.993**	**146.0**	**145.5**	**146.0**	**146.7**	**148.1**
1.3.11.1 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद	1.993	146.0	145.5	146.0	146.7	148.1
1.3.12 रबड़ और प्लास्टिक उत्पादों का विनिर्माण	**2.299**	**129.3**	**130.3**	**129.5**	**131.2**	**133.1**
1.3.12.1 रबड़ टायर और ट्यूब, रबड़ टायर की रिट्रीडिंग और पुनर्निर्माण	0.609	114.9	117.6	114.4	114.4	116.3
1.3.12.2 रबड़ के अन्य उत्पाद	0.272	113.2	114.2	113.2	113.9	114.9
1.3.12.3 प्लास्टिक उत्पाद	1.418	138.5	138.9	139.1	141.7	143.8
1.3.13 अन्य अधात्विक खनिज उत्पादों का विनिर्माण	**3.202**	**133.2**	**132.1**	**134.0**	**134.1**	**135.1**
1.3.13.1 कांच और कांच उत्पाद	0.295	163.1	163.7	163.2	163.3	167.1
1.3.13.2 आग रोधक उत्पाद	0.223	124.1	121.9	124.1	128.0	128.5
1.3.13.3 मिट्टी से बनी भवन निर्माण सामग्री	0.121	136.7	130.5	152.1	143.1	139.9
1.3.13.4 चीनी मिट्टी और चीनी मिट्टी के उत्पाद	0.222	125.9	124.9	126.2	126.2	126.5
1.3.13.5 सीमेन्ट, चूना और प्लास्टर	1.645	132.0	130.5	132.3	132.4	133.6

सं. 22: थोक मूल्य सूचकांक *(जारी)*

(आधारः 2011-12=100)

पण्य वस्तुएँ	भार	2025-26	2025	2026		
			अप्रै.	फर.	मार्च(पी)	अप्रै.(पी)
	1	2	3	4	5	6
1.3.13.6 कंक्रीट, सीमेन्ट और प्लास्टर से बनी वस्तुएं	0.292	139.5	140.4	138.8	139.2	140.6
1.3.13.7 पत्थरों को काटना, आकार देना और संवारना	0.234	139.6	137.2	142.0	141.8	141.5
1.3.13.8 अन्य अधात्विक खनिज उत्पाद	0.169	92.5	94.2	90.8	91.2	91.3
1.3.14 मूल धातुओं का विनिर्माण	**9.646**	**139.5**	**140.1**	**144.7**	**145.1**	**149.9**
1.3.14.1 स्टील तैयार करने में प्रयुक्त सामग्री	1.411	132.1	134.1	133.9	134.8	138.5
1.3.14.2 धात्विक लोह	0.653	131.3	136.5	139.5	138.8	142.8
1.3.14.3 नरम इस्पात - अर्ध निर्मित इस्पात	1.274	116.6	118.9	118.4	118.7	120.4
1.3.14.4 नरम इस्पात - लंबे उत्पाद	1.081	136.9	140.8	140.8	141.8	144.4
1.3.14.5 नरम इस्पात - चपटे उत्पाद	1.144	132.5	134.7	136.8	139.0	146.7
1.3.14.6 स्टेनलेस स्टील के अतिरिक्त एलॉय स्टील-आकार	0.067	131.3	136.6	135.3	136.6	141.5
1.3.14.7 स्टेनलेस स्टील - अर्ध निर्मित	0.924	127.0	132.8	135.3	129.7	143.2
1.3.14.8 पाइप और ट्यूब	0.205	162.8	165.3	162.5	162.2	166.3
1.3.14.9 कीमती धातु सहित अलौह धातु	1.693	169.2	159.4	182.4	185.0	191.3
1.3.14.10 कास्टिंग	0.925	143.8	143.9	144.7	144.6	145.3
1.3.14.11 स्टील से गढ़ी वस्तुएं	0.271	174.0	174.3	171.8	171.0	171.1
1.3.15 मशीनरी और उपकरणों को छोड़कर गढ़े हुए धातु उत्पादों का विनिर्माण	**3.155**	**136.6**	**136.8**	**135.5**	**136.2**	**137.6**
1.3.15.1 इमारती धातु उत्पाद	1.031	131.4	131.7	130.4	131.9	131.7
1.3.15.2 धातु से बने टैंक, जलाशय और डिब्बे	0.660	151.1	152.2	151.9	152.1	155.7
1.3.15.3 वाष्प चालित जनरेटर, सेंट्रल हीटिंग हॉट वाटर बॉयलरर्स को छोड़कर	0.145	112.9	110.4	113.7	113.7	113.9
1.3.15.4 धातु की फोर्जिंग, दबाना, स्टैम्पिंग और रोल फोर्मिंग, पाउडर धातुकर्म	0.383	131.7	135.8	124.2	123.6	125.6
1.3.15.5 कटलरी, हस्त चालित उपकरण और सामान्य हार्डवेयर	0.208	104.3	102.5	104.1	104.2	106.2
1.3.15.6 अन्य गढ़े हुए धातु उत्पाद	0.728	147.5	145.8	147.3	148.1	149.6
1.3.16 कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल उत्पादों का विनिर्माण	**2.009**	**121.9**	**121.7**	**121.2**	**121.2**	**121.6**
1.3.16.1 इलेक्ट्रॉनिक पुरजे	0.402	120.7	119.4	121.1	121.1	123.0
1.3.16.2 कंप्यूटर और संबंधित उपकरण	0.336	130.3	131.4	129.7	129.7	129.7
1.3.16.3 संचार उपकरण	0.310	146.9	146.6	146.1	146.5	146.5
1.3.16.4 उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स	0.641	99.1	101.1	96.4	96.4	96.5
1.3.16.5 मापने, जांचने, नेविगेशन और नियंत्रण उपकरण	0.181	126.3	121.9	127.8	127.8	127.8
1.3.16.6 हाथ घड़ी और दीवार घड़ी	0.076	176.5	171.9	179.7	179.7	177.6
1.3.16.7 विभासन, विद्युत चिकित्सकीय एवं विद्युत उपचारात्मक उपकरण	0.055	114.3	111.3	115.4	116.9	116.0
1.3.16.8 ऑप्टिकल उपकरण और फोटोग्राफिक उपकरण	0.008	117.3	111.8	119.5	119.5	120.5
1.3.17 इलेक्ट्रिकल उपकरण का विनिर्माण	**2.930**	**136.2**	**134.3**	**139.2**	**139.5**	**139.9**
1.3.17.1 विद्युत मोटर्स, जनरेटर, ट्रांसफार्मर और बिजली वितरण और नियंत्रण संबंधी उपकरण	1.298	133.5	132.9	134.8	135.3	134.7
1.3.17.2 बैटरी और एक्युम्युलेटर	0.236	144.6	144.0	143.6	144.3	143.6
1.3.17.3 डेटा संचरण या छवियों के सजीव प्रसारण के लिए फाइबर ऑप्टिक केबल	0.133	117.5	114.0	121.8	119.2	127.1
1.3.17.4 अन्य इलेक्ट्रानिक और बिज़ली के वायर और केबल	0.428	164.5	157.7	175.5	176.3	177.8
1.3.17.5 वायरिंग संबंधी चीजें और बिजली के प्रकाश और सजावट के उपकरण	0.263	120.3	117.8	125.4	125.5	126.6
1.3.17.6 घरेलू उपकरण	0.366	130.9	130.0	131.2	131.3	132.0
1.3.17.7 अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरण	0.206	127.0	125.0	128.7	129.2	129.6
1.3.18 मशीनरी और उपकरणों का विनिर्माण	**4.789**	**132.6**	**131.6**	**133.5**	**132.9**	**134.1**
1.3.18.1 इंजन और टर्बाइन, एयरक्राफ्ट, वाहन और दुपहिया वाहनों के इंजन को छोड़कर	0.638	136.7	134.6	136.7	136.5	139.1
1.3.18.2 तरल ऊर्जा उपकरण	0.162	135.1	135.2	135.7	135.7	136.7
1.3.18.3 अन्य पंप, कंप्रेसर, नल और वाल्व	0.552	121.1	118.8	123.3	123.2	123.5
1.3.18.4 बेयरिंग, गियर्स, गेयरिंग और ड्राइविंग उपकरण	0.340	131.5	129.7	132.9	132.0	133.7
1.3.18.5 ओवन, फर्नेस और फर्नेस बर्नर	0.008	89.4	87.2	92.6	92.6	93.5
1.3.18.6 माल उठाने एवं चढ़ाने – उतारने वाले उपकरण	0.285	131.4	130.7	132.3	132.3	132.9

सं. 22: थोक मूल्य सूचकांक *(समाप्त)*

(आधारः 2011-12=100)

पण्य वस्तुएँ	भार	2025-26	2025	2026		
			अप्रै.	फर.	मार्च(पी)	अप्रै.(पी)
	1	2	3	4	5	6
1.3.18.7 कार्यालय मशीनरी और उपकरण	0.006	130.2	130.2	130.2	130.2	130.2
1.3.18.8 सामान्य प्रयोजन के अन्य उपकरण	0.437	142.5	142.9	143.1	142.4	144.4
1.3.18.9 कृषि और वानिकी मशीनरी	0.833	146.1	146.7	145.7	145.7	145.9
1.3.18.10 धातु निर्माण करनेवाली मशीनरी और मशीन टूल्स	0.224	127.3	126.2	128.0	128.0	128.6
1.3.18.11 खनन, उत्खनन और निर्माण के लिए मशीनरी	0.371	93.0	92.3	93.5	93.4	93.4
1.3.18.12 खाद्य, पेय और तंबाकू प्रसंस्करण के लिए मशीनरी	0.228	126.7	127.0	126.4	126.2	127.2
1.3.18.13 कपड़ा, परिधान और चमड़े के उत्पादन से जुड़ी मशीनरी	0.192	144.6	139.2	152.5	145.2	152.5
1.3.18.14 अन्य विशेष प्रयोजनों के लिए मशीनरी	0.468	147.2	145.6	147.4	146.8	146.9
1.3.18.15 अक्षय ऊर्जा उत्पादन मशीनरी	0.046	69.1	69.0	68.7	68.9	68.7
1.3.19 मोटर वाहन, ट्रेलरों और अर्ध-ट्रेलरों का विनिर्माण	**4.969**	**130.6**	**130.4**	**130.7**	**130.8**	**131.1**
1.3.19.1 मोटर वाहन	2.600	130.7	131.0	130.6	130.6	130.9
1.3.19.2 मोटर वाहन पुरजे और सहायक उपकरण	2.368	130.4	129.8	130.8	131.0	131.4
1.3.20 अन्य परिवहन उपकरणों का विनिर्माण	**1.648**	**151.8**	**149.4**	**154.3**	**154.7**	**156.1**
1.3.20.1 जहाजों और तैरने वाली – वस्तुओं का निर्माण	0.117	193.2	190.6	205.8	205.8	205.8
1.3.20.2 रेलवे इंजन और रोलिंग स्टॉक	0.110	110.4	109.3	110.9	110.7	111.2
1.3.20.3 मोटर साइकल	1.302	152.9	150.3	154.7	155.2	156.7
1.3.20.4 साइकल और अवैध गाड़ी	0.117	137.7	136.2	137.8	139.5	141.9
1.3.20.5 अन्य परिवहन उपकरण	0.002	167.0	165.1	170.8	170.8	171.8
1.3.21 फर्नीचर का विनिर्माण	**0.727**	**164.2**	**163.1**	**164.8**	**165.1**	**167.3**
1.3.21.1 फर्नीचर	0.727	164.2	163.1	164.8	165.1	167.3
1.3.22 अन्य विनिर्माण	**1.064**	**252.6**	**209.1**	**307.7**	**316.2**	**310.2**
1.3.22.1 आभूषण और संबंधित सामग्री	0.996	258.6	212.3	317.2	326.3	319.9
1.3.22.2 संगीत उपकरण	0.001	204.2	201.4	209.4	209.4	209.6
1.3.22.3 खेल के सामान	0.012	172.5	170.4	174.1	174.3	175.7
1.3.22.4 खेल और खिलौने	0.005	166.4	164.2	166.2	169.3	170.6
1.3.22.5 चिकित्सा और दंत चिकित्सा उपकरण और संबंधित सामग्री	0.049	162.0	158.6	164.7	164.7	165.8
2. खाद्य सूचकांक	**24.378**	**192.6**	**190.7**	**192.9**	**192.8**	**195.1**

स्रोत: आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, वाणिज्यिक एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 23: औद्योगिक उत्पादन सूचकांक

(आधारः 2011-12=100)

उद्योग	भार	2024-25	2025-26	अप्रै.-मार्च		मार्च	
				2024-25	2025-26	2025	2026
	1	2	3	4	5	6	7
सामान्य सूचकांक	**100.00**	**152.6**	**158.9**	**152.6**	**158.9**	**166.3**	**173.2**
1. क्षेत्रवार वर्गीकरण							
1.1 खनन	14.37	132.8	134.6	132.8	134.6	158.1	166.8
1.2 विनिर्माण	77.63	150.6	158.1	150.6	158.1	162.4	169.4
1.3 बिजली	7.99	208.6	210.7	208.6	210.7	219.5	221.3
2. उपयोग आधारित वर्गीकरण							
2.1 मूल वस्तुएं	34.05	153.5	155.4	153.5	155.4	169.5	173.3
2.2 पूंजीगत माल	8.22	112.6	121.9	112.6	121.9	136.3	156.2
2.3 मध्यवर्ती माल	17.22	164.0	173.1	164.0	173.1	175.6	181.4
2.4 अवसंरचना/निर्माण वस्तुएं	12.34	188.2	206.7	188.2	206.7	214.6	229.0
2.5 उपभोक्ता टिकाऊ माल	12.84	128.0	135.5	128.0	135.5	138.8	146.2
2.6 उपभोक्ता गैर-टिकाऊ माल	15.33	151.4	151.5	151.4	151.5	149.0	150.6

स्रोत: राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

सरकारी लेखा और खजाना बिल

सं. 24: केन्द्र सरकार का लेखा - एक नज़र में

(₹ करोड़)

मद	वित्तीय वर्ष	अप्रै.-फरवरी			
	2025-26 (बजट अनुमान)	2025-26 (वास्तविक आंकड़े)	2024-25 (वास्तविक आंकड़े)	Percentage to Revised Estimates	
				2025-26	2024-25
	1	2	3	4	5
1. राजस्व प्राप्तियां	**3342323**	**2726396**	**2508953**	**81.6**	**81.2**
1.1 कर राजस्व (निवल)	2674661	2145223	2015634	80.2	78.8
1.2 करेतर राजस्व	667662	581173	493319	87.0	92.9
2. गैर कर्ज पूंजीगत प्राप्तियां	**64027**	**65547**	**37364**	**102.4**	**63.3**
2.1 ऋण की वसूली	30190	21596	21655	71.5	83.3
2.2 अन्य प्राप्तियां	33837	43951	15709	129.9	47.6
3. कुल प्राप्तियां (लिए गए उधार को छोड़कर) (1+2)	**3406350**	**2791943**	**2546317**	**82.0**	**80.9**
4. राजस्व व्यय	3869087	3115270	3081282	80.5	83.3
जिसमें से :					
4.1 ब्याज भुगतान	1274338	1065305	952844	83.6	83.7
5. पूंजी व्यय	1095755	929322	811887	84.8	79.7
6. कुल व्यय (4+5)	**4964842**	**4044592**	**3893169**	**81.5**	**82.5**
7. राजस्व घाटा (4-1)	**526764**	**388874**	**572329**	**73.8**	**93.8**
8. राजकोषीय घाटा (6-3)	**1558492**	**1252649**	**1346852**	**80.4**	**85.8**
9. सकल प्राथमिक घाटा [8-4.1]	**284154**	**187344**	**394008**	**65.9**	**91.3**

स्रोत: महालेखानियंत्रक (सीजीए), वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और केंद्रीय बजट 2026-27।

सं. 25: खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप

(₹ करोड़)

मद	2024-25	2025	2026					
		मार्च 28	फर. 20	फर. 27	मार्च 6	मार्च 13	मार्च 20	मार्च 27
	1	2	3	4	5	6	7	8
1. 91-दिवसीय								
1.1 बैंक	26554	26554	17961	16216	16797	17497	18816	23433
1.2 प्राथमिक व्यापारी	25258	25258	11678	12437	12343	16148	17784	12710
1.3 राज्य सरकारें	40315	40315	68427	62941	51441	42614	22923	15779
1.4 अन्य	115688	115688	89661	97647	104160	106655	110701	102957
2. 182-दिवसीय								
2.1 बैंक	44887	44887	36090	38079	38212	36929	41875	40605
2.2 प्राथमिक व्यापारी	62218	62218	82592	86843	91476	98712	97098	98051
2.3 राज्य सरकारें	11078	11078	5264	4964	2964	2964	6874	6874
2.4 अन्य	104994	104994	93218	92978	94212	94259	96927	91245
3. 364-दिवसीय								
3.1 बैंक	72304	72304	56059	54829	56148	57479	57394	58499
3.2 प्राथमिक व्यापारी	86939	86939	103825	107032	107421	104268	106626	105760
3.3 राज्य सरकारें	37389	37389	42623	42395	42279	41214	41021	40756
3.4 अन्य	162757	162757	152416	151439	150731	153553	152280	145041
4. 14-दिवसीय मध्यवर्ती								
4.1 बैंक								
4.2 प्राथमिक व्यापारी								
4.3 राज्य सरकारें	188072	273670	270170	264716	217170	301218	329942	307440
4.4 अन्य	572	572	1192	853	1253	696	364	491
कुल खज़ाना बिल (14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल को छोड़कर) #	790381	790381	759814	767799	768183	772292	770318	741709

#: 14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल, 91 दिवसीय, 182 दिवसीय और 364 दिवसीय खज़ाना बिलों जैसे बिक्री योग्य नहीं हैं। इन बिलों का स्वरूप मध्यवर्ती है, क्योंकि राज्य सरकारों के दैनिक न्यूनतम नकदी शेष में कमी को पूरा करने के लिए इन्हें परिसमाप्त किया जाता है।

टिप्पणी: प्राथमिक व्यापारियों (पीडी) में पीडी कारोबार करनेवाले बैंक शामिल हैं।

सं. 26: खज़ाना बिलों की नीलामी

(राशि करोड़ ₹ में)

नीलामी की तारीख	अधिसूचित राशि	प्राप्त बोलियां			स्वीकृत बोलियाँ			कुल निर्गम (6+7)	निर्दिष्ट मूल्य (₹)	निर्दिष्ट मूल्य पर निहित प्रतिफल (प्रतिशत)
		संख्या	कुल अंकित मूल्य		संख्या	कुल अंकित मूल्य				
			प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी		प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी			
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
91-दिवसीय खज़ाना बिल										
2025-26										
फर. 25	14000	147	46399	1538	69	13981	1538	15519	98.70	5.2998
मार्च 4	14000	134	43907	1517	52	13983	1517	15500	98.69	5.3126
मार्च 11	14000	187	45905	2204	76	13969	2204	16173	98.69	5.3171
मार्च 18	14000	115	45578	1017	49	13983	1017	15000	98.69	5.3278
मार्च 25	15000	83	21698	3024	0	0	0	0	-	-
182-दिवसीय खज़ाना बिल										
2025-26										
फर. 25	12000	149	52283	1511	29	11989	1511	13500	97.33	5.5096
मार्च 4	12000	124	40491	607	75	11993	607	12600	97.31	5.5350
मार्च 11	12000	145	63156	1023	17	11977	1023	13000	97.31	5.5397
मार्च 18	12000	122	47380	3919	34	11992	3919	15910	97.31	5.5380
मार्च 25	12000	107	28776	8	0	0	0	0	-	-
364-दिवसीय खज़ाना बिल										
2025-26										
फर. 25	8000	148	31215	64	50	7936	64	8000	94.72	5.5863
मार्च 4	8000	134	29480	243	50	7757	243	8000	94.71	5.6000
मार्च 11	8000	191	41999	358	51	7950	358	8308	94.67	5.6445
मार्च 18	8000	151	28870	301	45	7699	301	8000	94.67	5.6450
मार्च 25	8000	93	15675	70	0	0	0	0	-	-

वित्तीय बाज़ार

सं. 27: दैनिक मांग मुद्रा दरें

(वार्षिक प्रतिशत)

की स्थिति के अनुसार	दरों का दायरा	भारित औसत दरें
	उधार लेना / उधार देना	उधार लेना / उधार देना
	1	2
मार्च 02 ,2026	4.50-5.20	5.06
मार्च 04 ,2026	4.50-5.20	5.11
मार्च 05 ,2026	4.50-5.15	5.06
मार्च 06 ,2026	4.20-5.25	5.06
मार्च 07 ,2026	4.60-5.15	4.76
मार्च 09 ,2026	4.20-5.22	5.07
मार्च 10 ,2026	4.50-5.20	5.07
मार्च 11 ,2026	4.50-5.15	5.08
मार्च 12 ,2026	4.50-5.15	5.07
मार्च 13 ,2026	4.60-5.20	5.10
मार्च 16 ,2026	4.60-5.45	5.31
मार्च 17 ,2026	4.60-5.35	5.28
मार्च 18 ,2026	4.50-5.40	5.29
मार्च 20 ,2026	4.50-5.45	5.34
मार्च 23 ,2026	4.50-5.45	5.30
मार्च 24 ,2026	4.50-5.45	5.32
मार्च 25 ,2026	4.20-5.40	5.31
मार्च 27 ,2026	4.00-7.50	5.58
मार्च 30 ,2026	4.60-7.10	6.90
अप्रै. 02 ,2026	4.20-5.25	5.18
अप्रै. 04 ,2026	3.00-5.10	4.78
अप्रै. 06 ,2026	4.20-5.15	5.08
अप्रै. 07 ,2026	4.20-5.15	5.09
अप्रै. 08 ,2026	4.20-5.15	5.08
अप्रै. 09 ,2026	4.20-5.15	5.08
अप्रै. 10 ,2026	4.20-5.10	5.04
अप्रै. 13 ,2026	4.20-5.10	5.04
अप्रै. 15 ,2026	4.20-5.15	5.08

टिप्पणी : नोटिस मुद्रा शामिल है।

सं. 28: जमा प्रमाण-पत्र

मद	2025	2026			
	अप्रै. 18	मार्च 15	मार्च 31	अप्रै. 15	अप्रै. 30
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (₹ करोड़)	518759.57	679391.41	692680.56	684807.17	687310.02
1.1 पखवाड़े के दौरान जारी (₹ करोड़)	7213.32	107613.36	107211.64	23533.79	22476.01
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	6.43-7.37	5.25-7.56	5.25-8.15	5.25-7.57	5.25-7.14

सं. 29: वाणिज्यिक पत्र

मद	2025	2026			
	अप्रै. 18	मार्च 15	मार्च 31	अप्रै. 15	अप्रै. 30
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (₹ करोड़)	545586.95	476150.85	460151.55	526603.70	560941.15
1.1 पखवाड़े के दौरान रिपोर्ट किए गए (₹ करोड़)	72418.90	100794.60	77688.35	79682.25	65227.35
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	6.26-13.00	6.27-12.00	5.92-14.40	5.57-9.72	5.54-13.30

सं. 30: चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक कारोबार

(₹ करोड़)

मद	2024-25	2025	2026					
		मार्च 28	फर. 20	फर. 27	मार्च 6	मार्च 13	मार्च 20	मार्च 27
	1	2	3	4	5	6	7	8
1. मांग मुद्रा	18990	27595	21864	23035	17547	28857	44238	33889
2. नोटिस मुद्रा	2506	4915	6771	587	8540	437	1232	2836
3. मीयादी मुद्रा	941	1167	2486	1488	1817	1945	1348	1068
4. त्रिपक्षीय रेपो	692068	818746	985652	798950	917512	788423	976796	970577
5. बाजार रेपो	578912	671533	685917	619354	769750	645369	754918	743829
6. कॉरपोरेट बॉण्ड में रेपो	5212	6386	20938	21222	21666	21524	26113	26275
7. विदेशी मुद्रा (यूएस मिलियन डॉलर)	131877	183528	108328	137674	174120	156074	156124	206385
8. भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां	56065	58942	103912	95979	153318	111492	67777	89760
9. राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	3971	7083	9442	10626	10393	14728	14060	15746
10. ख़ज़ाना बिल								
10.1 91-दिवसीय	2514	7631	2923	3587	6684	5749	3987	5300
10.2 182-दिवसीय	2218	1689	5195	4999	4338	3243	4429	2484
10.3 364-दिवसीय	1854	3012	5487	4537	4685	4672	6451	6266
10.4 नकदी प्रबंधन बिल	-	-	-	-	-	-	-	-
11. कुल सरकारी प्रतिभूतियां (8+9+10)	66622	78357	126960	119728	179418	139884	96704	119557
11.1 भारतीय रिज़र्व बैंक	1715	9793	1836	2537	14554	14959	13918	471

सं. 31: गैर-सरकारी सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम

(राशि ₹ करोड़ में)

प्रतिभूति और निर्गम का प्रकार	2024-25		2025-26		मार्च 2025		मार्च 2026 *	
	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि
	1	2	3	4	5	6	7	8
1. इक्विटी शेयर	**464**	**210190**	**506**	**234873**	**21**	**2039**	**39**	**9924**
1.1 पब्लिक	322	190478	367	188705	12	531	20	8507
1.2 राइट्स	142	19712	139	46168	9	1508	19	1417
2. बॉण्ड और डिबेंचर्स के सार्वजनिक निर्गम	**43**	**8149**	**43**	**11342**	**4**	**455**	**5**	**1762**
3. कुल (1+2)	**507**	**218339**	**549**	**246215**	**25**	**2494**	**44**	**11686**
3.1 पब्लिक	365	198627	410	200047	16	986	25	10269
3.2 राइट्स	142	19712	139	46168	9	1508	19	1417

* : आंकड़े अनंतिम हैं।

टिप्पणियां : 1. अप्रैल 2020 से इक्विटी निर्गमों का मासिक डेटा उनकी लिस्टिंग की तारीख के आधार पर संकलित किया गया है।
2. संख्याओं के पूर्णांकन के कारण कॉलम के आंकड़े कुल में न जुड़ पाने की संभावना है।
3. सारणी में केवल इक्विटी और डेट के पब्लिक और राइट्स निर्गम शामिल हैं। इसमें डेट के निजी प्लेसमेंट, पात्र संस्थागत प्लेसमेंट और अधिमान्य आबंटन के आंकड़े शामिल नहीं हैं।

स्रोत: भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी)।

बाह्य क्षेत्र

सं. 32 : विदेशी व्यापार

मद	इकाई	2024-25	2025			2026		
			मार्च	नवं.	दिसं.	जन.	फर.	मार्च
		1	2	3	4	5	6	7
1. निर्यात	₹ करोड़	3703412	364291	336469	344494	331182	332253	361012
	यूएस $ मिलियन	437705	42048	37880	38238	36474	36620	38919
1.1 तेल	₹ करोड़	535157	42411	32687	37207	33380	31030	48080
	यूएस $ मिलियन	63383	4895	3680	4130	3676	3420	5183
1.2 तेल से इतर	₹ करोड़	3168255	321880	303781	307287	297802	301223	312933
	यूएस $ मिलियन	374321	37152	34200	34108	32798	33200	33735
2. आयात	₹ करोड़	6089909	550211	559434	580873	646731	578038	552750
	यूएस $ मिलियन	720241	63507	62981	64476	71227	63709	59589
2.1 तेल	₹ करोड़	1570226	164684	125315	129693	121705	117638	113008
	यूएस $ मिलियन	185779	19008	14108	14396	13404	12966	12183
2.2 तेल से इतर	₹ करोड़	4519683	385527	434119	451180	525026	460399	439741
	यूएस $ मिलियन	534462	44499	48873	50080	57823	50743	47406
3. व्यापार शेष	₹ करोड़	-2386497	-185921	-222965	-236379	-315549	-245784	-191737
	यूएस $ मिलियन	-282537	-21460	-25101	-26238	-34752	-27089	-20670
3. 1 तेल	₹ करोड़	-1035069	-122274	-92627	-92486	-88325	-86608	-64929
	यूएस $ मिलियन	-122396	-14113	-10428	-10266	-9727	-9546	-7000
3. 2 तेल से इतर	₹ करोड़	-1351428	-63647	-130338	-143893	-227225	-159177	-126809
	यूएस $ मिलियन	-160141	-7346	-14673	-15972	-25025	-17544	-13671

टिप्पणी: सारणी में डेटा अनंतिम हैं।
स्रोत: वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय।

सं. 33: विदेशी मुद्रा आरक्षित निधियां

मद	इकाई	2025	2026					
		मार्च 02	मार्च 20	मार्च 27	अप्रै. 03	अप्रै. 10	अप्रै. 17	अप्रै. 24
		1	2	3	4	5	6	7
1. कुल आरक्षित निधियां	**₹ करोड़**	**5797792**	**6543246**	**6520745**	**6490854**	**6499445**	**6534629**	**6582387**
	यूएस $ मिलियन	**686064**	**698346**	**688058**	**697121**	**700946**	**703308**	**698487**
1.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	₹ करोड़	4911665	5225529	5222593	5147574	5155318	5179382	5226609
	यूएस $ मिलियन	581177	557695	551072	552856	555983	557463	554622
1.2 स्वर्ण	₹ करोड़	691478	1098021	1075852	1124215	1125150	1134738	1133076
	यूएस $ मिलियन	81820	117186	113521	120742	121343	122133	120236
	मात्रा (मीट्रिक टन)	879.58	880.34	880.34	880.52	880.52	880.52	880.52
1.3 एसडीआर	एसडीआर मिलियन	13706	13714	13714	13714	13714	13714	13714
	₹ करोड़	156841	174583	176739	174177	173978	175051	176918
	यूएस $ मिलियन	18558	18632	18649	18707	18763	18841	18774
1.4 आईएमएफ में आरक्षित भाग की स्थिति	₹ करोड़	37807	45113	45561	44888	44998	45458	45785
	यूएस $ मिलियन	4509	4833	4816	4816	4857	4870	4855

* अंतर यदि कोई हो, तो पूर्णांकन की वजह से है।
टिप्पणी : आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बॉण्डों में निवेश, भारत सरकार द्वारा रिज़र्व बैंक को अंतरित एसडीआर, सार्क और एसीयू करेंसी स्वैप व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त विदेशी मुद्रा एवं नेक्सस ग्लोबल पेमेंटस को निधियन के रूप में आरबीआई के अंशदान शामिल नहीं हैं। अमेरिकी डॉलर में विदेशी मुद्रा आस्तियों को रिज़र्व में रखी गैर-यूएस मुद्राओं (जैसे यूरो, स्टर्लिंग, येन और ऑस्ट्रेलिया डॉलर) के मूल्यवृद्धि/मूल्यह्रास के लिए लिया गया है। विदेशी मुद्रा धारिता को रुपया - अमेरिकी डॉलर आरबीआई धारिता दरों पर रुपये में परिवर्तित किया गया है।

सं. 34: अनिवासी भारतीयों की जमाराशियाँ

(मिलियन अमेरिकी डॉलर)

योजना	बकाया				प्रवाह	
	2024-25	2025	2026		2024-25	2025-26
		मार्च	फर.	मार्च (पी)	अप्रै.-मार्च	अप्रै.-मार्च(पी)
	1	2	3	4	5	6
1. एनआरआई जमाराशियाँ	**164677**	**164677**	**167579**	**165654**	**16163**	**14413**
1.1 एफसीएनआर (बी)	32809	32809	33720	33756	7076	946
1.2 एनआर (ई) आरए	100733	100733	99766	98564	4713	7941
1.3 एनआरओ	31135	31135	34092	33334	4374	5526

अ: अनंतिम।

सं. 35: विदेशी निवेश अंतर्वाह

(मिलियन अमेरिकी डॉलर)

मद	2024-25	2024-25	2025-26 (पी)	2025	2026 (पी)	
		अप्रै.-मार्च	अप्रै.-मार्च	मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4	5	6
1.1 निवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1-1.1.2)	**959**	**959**	**7653**	**-502**	**4437**	**1574**
1.1.1 भारत में प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1.1-1.1.1.2)	**29130**	**29130**	**40946**	**3388**	**7245**	**3905**
1.1.1.1 सकल अंतर्वाह / सकल निवेश	**80615**	**80615**	**94527**	**5879**	**8981**	**6230**
1.1.1.1.1 इक्विटी	50993	50993	62282	3240	5667	3576
1.1.1.1.1.1 सरकारी	2208	2208	1870	307	51	65
1.1.1.1.1.2 भारतीय रिज़र्व बैंक	34686	34686	43192	2440	4391	2475
1.1.1.1.1.3 शेयरों का अधिग्रहण	13124	13124	13785	405	916	726
1.1.1.1.1.4 अनिगमित निकायों की इक्विटी पूंजी	975	975	3436	88	310	310
1.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	22759	22759	25563	2055	2308	2308
1.1.1.1.3 अन्य पूंजी	6863	6863	6681	584	1006	346
1.1.1.2 प्रत्यावर्तन / विनिवेश	**51486**	**51486**	**53580**	**2491**	**1735**	**2325**
1.1.1.2.1 इक्विटी	49525	49525	51184	2400	1504	2197
1.1.1.2.2 अन्य पूंजी	1960	1960	2396	92	231	127
1.1.2 भारत द्वारा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.2.1+1.1.2.2+ 1.1.2.3-1.1.2.4)	**28171**	**28171**	**33293**	**3889**	**2808**	**2331**
1.1.2.1 इक्विटी पूंजी	16945	16945	20633	2408	1702	1512
1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	6846	6846	7717	571	643	643
1.1.2.3 अन्य पूंजी	7955	7955	8432	1233	695	845
1.1.2.4 प्रत्यावर्तन / विनिवेश	3575	3575	3489	322	232	670
1.2 निवल पोर्टफोलियो निवेश (1.2.1+1.2.2+1.2.3-1.2.4)	**3564**	**3564**	**-16669**	**4043**	**2913**	**-13343**
1.2.1 जीडीआर/एडीआर	0	0	0	0	0	0
1.2.2 एफआईआई	3283	3283	-15500	3997	3074	-13095
1.2.3 अपतटीय निधियां और अन्य	0	0	0	0	0	0
1.2.4 भारत द्वारा संविभागीय निवेश	-281	-281	1170	-45	161	247
1. विदेशी निवेश अंतर्वाह	**4523**	**4523**	**-9016**	**3541**	**7351**	**-11769**

अ: अनंतिम।

सं. 36: वैयक्तिक निवासियों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना (एलआरएस) के अंतर्गत जावक विप्रेषण

(मिलियन अमेरिकी डॉलर)

मद	2024-25	2025	2026		
		मार्च	जन.	फर.	मार्च
	1	2	3	4	5
1. एलआरएस के अंतर्गत जावक विप्रेषण	**29563.12**	**2547.57**	**2680.43**	**2338.60**	**2594.87**
1.1 जमाराशियाँ	705.26	173.17	48.60	56.90	176.35
1.2 अचल संपत्ति की खरीद	322.82	45.10	57.33	51.36	38.68
1.3 इक्विटी / डेट में निवेश	1698.94	306.39	178.86	265.99	440.22
1.4 उपहार	2938.69	299.59	185.82	202.09	290.00
1.5 दान	11.81	2.20	0.55	0.86	1.17
1.6 यात्रा	16964.57	1125.55	1658.33	1307.03	1094.60
1.6.1 व्यावसायिक यात्रा					16.05
1.6.2 तीर्थ यात्रा					2.55
1.6.3 चिकित्सा उपचार के लिए यात्रा					2.79
1.6.4 पढ़ाई के लिए यात्रा (फीस, हॉस्टल खर्च वगैरह मिलाकर)					450.16
1.6.5 दूसरी यात्राएं (छुट्टियों की यात्रा और अंतर्राष्ट्रीय क्रेडिट कार्ड लेनदेन के भुगतान सहित)					623.05
1.7 निकट संबंधियों से संबंधित खर्चे	3722.03	421.47	270.97	266.18	389.78
1.8 चिकित्सा उपचार	81.19	3.57	4.68	4.21	3.91
1.9 विदेश में शिक्षा	2918.91	160.03	267.42	175.68	151.71
1.10 अन्य	198.90	10.51	7.87	8.30	8.45

टिप्पणी: (i) मद- 'शिक्षा के लिए यात्रा' के तहत लेनदेन में वह लेनदेन शामिल है जिसमें कोई व्यक्ति शिक्षा के लिए विदेश जाता है, जबकि मद- 'विदेशी शिक्षा' के तहत लेनदेन में वह लेनदेन शामिल है जब कोई व्यक्ति विदेश जाए बिना दूर से शिक्षा सेवा लेता है, जैसे विदेश में कॉरेस्पोंडेंस कोर्स की फीस। (ii) मद - 'मेडिकल उपचार के लिए यात्रा' के तहत लेनदेन में वह लेनदेन शामिल है जिसमें कोई व्यक्ति मेडिकल सेवा के लिए विदेश जाता है, जबकि मद- 'मेडिकल उपचार' के तहत लेनदेन में वह लेनदेन शामिल है जब कोई व्यक्ति विदेश जाए बिना दूर से मेडिकल सर्विस लेता है।

सं. 37: भारतीय रुपये का सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर (एनईईआर) और वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (आरईईआर) सूचकांक

मद	2024-25	2025-26	2025	2026	
			अप्रै.	मार्च	अप्रै.
	1	2	3	4	5
40- मुद्रा समूह (आधार: 2015-16 = 100)					
1. व्यापार-भारित					
1.1 नीर	91.01	84.72	88.99	80.79	79.66
1.2 रीर	105.41	97.45	101.56	92.57	90.96
2. निर्यात-आधारित भारांक					
2.1 नीर	93.52	86.84	90.93	83.31	82.30
2. 2 रीर	102.50	94.89	98.78	90.49	88.88
6- मुद्रा समूह (व्यापार-भारित)					
1. आधार : 2015-16 =100					
1.1 नीर	82.38	76.73	80.38	72.71	71.74
1.2 रीर	102.72	95.83	99.21	90.84	89.65
2. आधार : 2022-23 = 100					
2.1 नीर	95.87	89.30	93.54	84.62	83.49
2.2 रीर	100.90	94.13	97.45	89.23	88.06

टिप्पणी : 2024-25 और 2025-26 के लिए अब तक का डेटा अनंतिम है।

सं. 38: बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) - पंजीकरण

(राशि मिलियन अमेरिकी डॉलर में)

मद	2024-25	2025	2026	
		मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4
1. स्वचालित मार्ग				
1.1 संख्या	1328	142	121	150
1.2 राशि	47800	8346	4231	5221
2. अनुमोदन मार्ग				
2.1 संख्या	51	17	2	2
2.2 राशि	13384	2697	400	212
3. कुल (1+2)				
3.1 संख्या	1379	159	123	152
3.2 राशि	61184	11043	4631	5433
4. भारित औसत परिपक्वता (वर्षो में)	5.05	4.50	5.50	4.80
5. ब्याज दर (प्रतिशत)				
5.1 अस्थिर दर के ऋणों@ के लिए वैकल्पिक संदर्भ दर (एआरआर) पर भारित औसत मार्जिन	1.48	1.39	1.73	1.18
5.2 सावधि दर के ऋणों के लिए ब्याज दर की सीमा	0.00-11.67	0.00-10.63	0.00-11.00	0.00-11.00

उधारकर्ता श्रेणियाँ

I. कॉर्पोरेट - कृषि और बागान क्षेत्र	0	0	0	0
II. कॉरपोरेट विनिर्माण	13900	2273	214	431
III. कॉरपोरेट - अवसंरचना	15462	3507	2258	2003
ए) परिवहन	1248	0	48	392
बी) ऊर्जा	7470	1828	2173	1553
सी) पानी और सफाई व्यवस्था	28	0	0	30
डी) संचार	1101	0	26	25
ई) सामाजिक और वाणिज्यिक अवसंरचना	258	4	11	0
एफ) अन्वेषण, खनन और रिफाइनरी	5357	1675	0	0
जी) बुनियादी ढांचा (औद्योगिक पार्कों का निर्माण और विकास, एकीकृत टाउनशिप और एसईजेड)	0	0	0	3
IV. कॉर्पोरेट - निर्माण (गैर-बुनियादी ढांचा)	0	0	0	1
V. कॉरपोरेट सेवा क्षेत्र	3226	522	230	277
VI. कॉर्पोरेट-वित्तीय क्षेत्र	27318	4718	1879	2641
ए) बैंक	0	0	0	0
बी) एनबीएफसी	26318	4718	1879	2366
सी) अखिल भारतीय वित्तीय संस्थान (एआईएफआई)	1000	0	0	125
डी) सूक्ष्म वित्त संस्थान (एमएफआई) (बैंकों, एनबीएफसी और एआईएफआई के अलावा)	0	0	0	0
ई) अन्य	0	0	0	150
VII. अन्य संस्थाएं	0	0	0	10
ए) सीमित देयता भागीदारी (एलएलपी)	0	0	0	10
बी) साझेदारी फर्म	0	0	0	0
सी) सहकारी समिति	0	0	0	0
डी) समाज	0	0	0	0
VIII. अन्य @@	1278	23	50	70

@ 01 जुलाई, 2023 से बेंचमार्क दर को बदलकर वैकल्पिक संदर्भ दर (एआरआर) कर दिया गया है।

@@: 'अन्य' में 'अन्यत्र वर्गीकृत नहीं' शामिल है।

टिप्पणी: 1. 'फॉर्म ईसीबी 1' में 'सामान्य और विशेष अनुमति' को आरबीआई के 18 फरवरी 2026 के 'फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट, 1999 के तहत रिपोर्टिंग – बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) से संबंधित रिटर्न' परिपत्र के अनुसार पेश किया गया है, जो 16 फरवरी 2026 के आरबीआई के परिपत्र 'फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट (बॉरोइंग और लेंडिंग) (फर्स्ट अमेंडमेंट) रेगुलेशंस' के संशोधित ईसीबी फ्रेमवर्क के अनुसार है।

2. ईसीबी/फॉरेन करेंसी कन्वर्टिबल बॉन्ड (एफ़सीसीबी) के लिए एप्लीकेशन के आधार पर, जिन्हें इस समय के दौरान लोन रजिस्ट्रेशन नंबर (एलआरएन) दिया गया है और बॉरोअर कैटेगरी फॉर्म ईसीबी 1 में उपलब्ध एंड-यूज़ सेक्टर पर आधारित है।

सं. 39ए: भारत से माल और सॉफ्टवेयर के निर्यात और भारत को माल के आयात के लिए आईएनआर में बिलिंग

(आईएनआर बिलियन)

मद	अप्रै.-मार्च 2025-26	अप्रै.-मार्च 2024-25	अप्रै.-मार्च 2023-24
	1	2	3
निर्यात	3273.70 (6.17%)	3072.81 (5.90%)	2867.94 (5.87%)
आयात	2846.88 (4.69%)	2599.40 (4.54%)	1941.62 (3.70%)

टिप्पणियाँ: 1. कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े सभी मुद्राओं की तुलना में आईएनआर का प्रतिशत हिस्सा दर्शाते हैं।
2. सभी आंकड़े एडी बैंक द्वारा ईडीपीएमएस/आईडीपीएमएस पोर्टल पर दी गई रिपोर्टिंग पर आधारित हैं और इसलिए समय-समय पर इनमें अद्यतन/सुधार हो सकते हैं।

स्रोत: ईडीपीएमएस/आईडीपीएमएस पोर्टल।

सं. 39बी: भारत से माल और सॉफ्टवेयर के निर्यात और भारत को माल के आयात के लिए आईएनआर में निपटान

(आईएनआर बिलियन)

मद	अप्रै.-मार्च 2025-26	अप्रै.-मार्च 2024-25	अप्रै.-मार्च 2023-24
	1	2	3
निर्यात	1719.16 (3.03%)	1674.48 (3.18%)	1750.86 (3.56%)
आयात	1596.91 (2.48%)	1130.88 (1.94%)	996.80 (1.85%)

टिप्पणियाँ: 1. कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े सभी मुद्राओं की तुलना में आईएनआर का प्रतिशत हिस्सा दर्शाते हैं।
2. सभी आंकड़े एडी बैंक द्वारा ईडीपीएमएस/आईडीपीएमएस पोर्टल पर दी गई रिपोर्टिंग पर आधारित हैं और इसलिए समय-समय पर इनमें अद्यतन/सुधार हो सकते हैं।

स्रोत: ईडीपीएमएस/आईडीपीएमएस पोर्टल।

सं. 40: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(मिलियन अमेरिकी डॉलर)

मद	अक्तू-दिसं 2024			अक्तू-दिसं 2025 (पी)		
	जमा	नामे	जमा	नामे	जमा	नामे
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	**544481**	**582141**	**-37660**	**734969**	**759378**	**-24409**
1. चालू खाता (1.1+1.2)	**261726**	**273065**	**-11338**	**274865**	**288062**	**-13198**
1.1 पण्य	**109817**	**189126**	**-79309**	**111694**	**205324**	**-93629**
1.2 अप्रत्यक्ष मदें (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	**151909**	**83939**	**67970**	**163170**	**82739**	**80432**
1.2.1 सेवाएं	103487	52277	51210	111227	53726	57502
1.2.1.1 यात्रा	10068	8371	1698	9924	9052	872
1.2.1.2 परिवहन	8278	8847	-569	8278	8481	-203
1.2.1.3 बीमा	870	894	-24	888	832	56
1.2.1.4 जी.एन.आई.ई.	167	307	-139	166	335	-170
1.2.1.5 विविध	84104	33859	50245	91972	35026	56947
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	47619	6561	41057	53502	6437	47065
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	29603	18252	11352	32121	19261	12859
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	2086	741	1346	1935	875	1060
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	580	616	-37	706	614	93
1.2.2 अंतरण	36081	2898	33182	37949	2821	35128
1.2.2.1 आधिकारिक	89	334	-244	105	344	-239
1.2.2.2 निजी	35992	2565	33427	37844	2477	35367
1.2.3 आय	12341	28763	-16422	13994	26192	-12198
1.2.3.1 निवेश आय	10161	27718	-17557	11742	25046	-13305
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	2180	1046	1135	2253	1146	1107
2. पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	**282456**	**309077**	**-26620**	**460105**	**470109**	**-10005**
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	**192047**	**206229**	**-14182**	**208007**	**211843**	**-3836**
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	20635	23445	-2810	22457	26116	-3659
2.1.1.1 भारत में	19722	16218	3505	21804	17926	3879
2.1.1.1.1 इक्विटी	11136	15637	-4501	13589	17273	-3684
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	5934		5934	6659		6659
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	2653	581	2072	1556	652	904
2.1.1.2 विदेश में	913	7228	-6315	652	8190	-7538
2.1.1.1.1 इक्विटी	913	3313	-2400	652	4613	-3960
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	0	1712	-1712	0	1929	-1929
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	0	2203	-2203	0	1648	-1648
2.1.2 पोर्टफोलियो निवेश	171412	182784	-11372	185550	185727	-177
2.1.2.1 भारत में	170667	182102	-11435	184185	184270	-85
2.1.2.1.1 एफआईआई	170667	182102	-11435	184185	184270	-85
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	144811	156671	-11860	157600	158838	-1238
2.1.2.1.1.2 ऋण	25856	25431	425	26585	25431	1154
2.1.2.1.2 एडीआर / जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	745	682	63	1365	1458	-93
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	**43114**	**34052**	**9062**	**211981**	**198665**	**13317**
2.2.1 बाह्य सहायता	2955	2289	666	3029	3229	-200
2.2.1.1 भारत द्वारा	6	26	-20	6	10	-4
2.2.1.2 भारत को	2949	2263	686	3023	3219	-196
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	20906	16522	4384	184501	182401	2100
2.2.2.1 भारत द्वारा	9621	9593	28	176565	177759	-1194
2.2.2.2 भारत को	11285	6929	4356	7936	4642	3294
2.2.3 भारत को अल्पावधि	19253	15241	4012	24451	13034	11417
2.2.3.1 खरीदार और आपूर्तिकर्ता का ऋण > 180 दिन	14260	15241	-980	20106	13034	7072
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	4993	0	4993	4345	0	4345
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	**39538**	**49311**	**-9774**	**35825**	**35133**	**692**
2.3.1 वाणिज्यिक बैंक	39530	49306	-9776	35825	35016	810
2.3.1.1 आस्तियां	11853	25923	-14070	6142	13305	-7162
2.3.1.2 देयताएं	27677	23383	4294	29683	21711	7972
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियाँ	25912	22771	3141	25932	20877	5054
2.3.2 अन्य	8	5	2	0	118	-118
2.4 रुपया कर्ज चुकौती		**0**	**0**		**0**	**0**
2.5 अन्य पूंजी	**7757**	**19484**	**-11727**	**4291**	**24468**	**-20177**
3. भूल-चूक	**298**	**0**	**298**	**0**	**1206**	**-1206**
4. मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	**37660**	**0**	**37660**	**24409**	**0**	**24409**
4.1 आई.एम.एफ.	0	0	0	0	0	0
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि - / कमी +)	37660		37660	24409		24409

टिप्पणी: प्रा: प्रारंभिक।

सं. 41: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(₹ करोड़)

मद	अक्तू.-दिसं. 2024			अक्तू.-दिसं. 2025 (पी)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	**4598686**	**4916766**	**-318081**	**6549391**	**6766900**	**-217509**
1. चालू खाता (1.1+1.2)	**2210541**	**2306305**	**-95764**	**2449348**	**2566955**	**-117607**
1.1 पण्य	**927514**	**1597355**	**-669841**	**995321**	**1829663**	**-834342**
1.2 अप्रत्यक्ष मदें (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	**1283026**	**708950**	**574077**	**1454028**	**737293**	**716735**
1.2.1 सेवाएं	874055	441535	432520	991157	478754	512403
1.2.1.1 यात्रा	85035	70697	14338	88432	80662	7771
1.2.1.2 परिवहन	69916	74723	-4807	73762	75571	-1809
1.2.1.3 बीमा	7347	7553	-206	7910	7415	495
1.2.1.4 जी.एन.आई.ई.	1413	2590	-1177	1477	2989	-1512
1.2.1.5 विविध	710344	285972	424372	819575	312117	507458
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	402186	55417	346769	476760	57362	419398
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	250030	154153	95877	286231	171639	114591
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	17623	6256	11367	17241	7793	9448
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	4896	5207	-310	6292	5468	824
1.2.2 अंतरण	304738	24479	280259	338167	25135	313032
1.2.2.1 आधिकारिक	753	2817	-2064	932	3061	-2129
1.2.2.2 निजी	303985	21662	282323	337235	22074	315160
1.2.3 आय	104233	242936	-138702	124704	233403	-108700
1.2.3.1 निवेश आय	85820	234105	-148285	104630	223191	-118561
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	18413	8831	9582	20074	10212	9861
2. पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	**2385627**	**2610461**	**-224834**	**4100043**	**4189196**	**-89153**
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	**1622029**	**1741812**	**-119783**	**1853572**	**1887758**	**-34186**
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	174285	198020	-23735	200114	232721	-32607
2.1.1.1 भारत में	166573	136974	29599	194301	159739	34562
2.1.1.1.1 इक्विटी	94051	132068	-38017	121097	153925	-32828
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	50117	0	50117	59336	0	59336
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	22405	4905	17500	13868	5813	8055
2.1.1.2 विदेश में	7712	61046	-53334	5814	72983	-67169
2.1.1.2.1 इक्विटी	7712	27980	-20268	5814	41104	-35291
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	14456	-14456	0	17192	-17192
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	18610	-18610	0	14686	-14686
2.1.2 पोर्टफोलियो निवेश	1447744	1543792	-96048	1653457	1655037	-1580
2.1.2.1 भारत में	1441453	1538030	-96577	1641292	1642046	-754
2.1.2.1.1 एफआईआई	1441453	1538030	-96577	1641292	1642046	-754
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	1223076	1323243	-100167	1404393	1415426	-11033
2.1.2.1.1.2 ऋण	218376	214787	3590	236899	226620	10279
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	6291	5762	529	12165	12990	-825
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	**364145**	**287604**	**76541**	**1888990**	**1770325**	**118665**
2.2.1 बाह्य सहायता	24961	19334	5626	26994	28775	-1781
2.2.1.1 भारत द्वारा	52	217	-166	52	86	-34
2.2.1.2 भारत को	24909	19117	5792	26942	28689	-1747
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	176574	139548	37025	1644108	1625398	18709
2.2.2.1 भारत द्वारा	81258	81026	232	1573392	1584033	-10641
2.2.2.2 भारत को	95315	58522	36793	70716	41365	29351
2.2.3 भारत को अल्पावधि	162611	128721	33889	217889	116152	101737
2.2.3.1 खरीदार और आपूर्तिकर्ता का ऋण > 180 दिन	120442	128721	-8280	179169	116152	63017
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	42169	0	42169	38720	0	38720
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	**333936**	**416483**	**-82547**	**319243**	**313076**	**6167**
2.3.1 वाणिज्यिक बैंक	333872	416438	-82566	319243	312027	7215
2.3.1.1 आस्तियां	100112	218949	-118837	54736	118561	-63825
2.3.1.2 देयताएं	233760	197489	36271	264506	193466	71041
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियाँ	218851	192322	26530	231079	186041	45038
2.3.2 अन्य	64	45	19	0	1048	-1048
2.4 रुपया ऋण चुकौती	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
2.5 अन्य पूंजी	**65518**	**164562**	**-99045**	**38239**	**218037**	**-179799**
3. भूल-चूक	**2518**	**0**	**2518**	**0**	**10749**	**-10749**
4. मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	**318081**	**0**	**318081**	**217509**	**0**	**217509**
4.1 आईएमएफ	0	0	0	0	0	0
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि - / कमी +)	318081	0	318081	217509	0	217509

टिप्पणी: प्रा: प्रारंभिक।

सं. 42: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(मिलियन अमेरिकी डॉलर)

मद	अक्तू.-दिसं. 2024			अक्तू.-दिसं. 2025 (पी)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
1. चालू खाता (1.अ+1.आ+1.इ)	**261720**	**273035**	**-11315**	**274857**	**288029**	**-13172**
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1अ.ख.)	**213304**	**241403**	**-28099**	**222921**	**259049**	**-36128**
1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1अ.क.3)	**109817**	**189126**	**-79309**	**111694**	**205324**	**-93629**
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	109391	169659	-60268	111359	182444	-71085
1.अ.क.2 वाणिज्यिक के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	426	0	426	335	0	335
1..अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण		19467	-19467		22879	-22879
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	**103487**	**52277**	**51210**	**111227**	**53726**	**57502**
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्व वाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	244	31	213	369	65	304
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	82	305	-223	120	465	-345
1.अ.ख.3 परिवहन	8278	8847	-569	8278	8481	-203
1.अ.ख.4 यात्रा	10068	8371	1698	9924	9052	872
1.अ.ख.5 निर्माण	1047	834	213	1371	822	549
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	870	894	-24	888	832	56
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	2086	741	1346	1935	875	1060
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	621	4573	-3952	491	4562	-4070
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	48296	7416	40880	54315	7275	47039
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	29603	18252	11352	32121	19261	12859
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	1148	1242	-95	1193	1120	73
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न किए गए सरकारी माल और सेवाएं	167	307	-139	166	335	-170
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं है	977	465	512	58	582	-524
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	**12341**	**28763**	**-16422**	**13994**	**26192**	**-12198**
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	2180	1046	1135	2253	1146	1107
1.आ.2 निवेश आय	8094	26925	-18831	7909	23722	-15813
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	2631	17134	-14503	2793	15041	-12249
1.आ.2.2 पोर्टफोलियो निवेश	95	2596	-2502	80	1833	-1753
1.आ.2.3 अन्य निवेश	690	6991	-6301	1075	6686	-5612
1.आ.2.4 रिज़र्व आस्तियां	4678	204	4474	3962	161	3801
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	2067	793	1274	3832	1324	2508
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	**36074**	**2868**	**33206**	**37942**	**2788**	**35154**
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तेतर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	35992	2565	33427	37844	2477	35367
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	35063	1871	33192	36888	1862	35026
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	928	694	234	956	615	341
1.इ.2 सामान्य सरकार	83	303	-221	97	310	-213
2. पूँजी खाता (2.1+2.2)	**185**	**322**	**-137**	**228**	**211**	**17**
2.1 अनुत्पादित वित्तेतर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	16	151	-135	25	73	-48
2.2 पूँजी अतंरण	169	171	-2	203	138	65
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	**319938**	**308785**	**11154**	**484292**	**469931**	**14361**
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	**20635**	**23445**	**-2810**	**22457**	**26116**	**-3659**
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	19722	16218	3505	21804	17926	3879
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	17069	15637	1433	20248	17273	2975
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	11136	15637	-4501	13589	17273	-3684
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	5934		5934	6659		6659
3.1.अ.2 डेट लिखत	2653	581	2072	1556	652	904
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	2653	581	2072	1556	652	904
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	913	7228	-6315	652	8190	-7538
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	913	5024	-4111	652	6542	-5890
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	913	3313	-2400	652	4613	-3960
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश		1712	-1712		1929	-1929
3.1.आ.2 डेट लिखत	0	2203	-2203	0	1648	-1648
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक		2203	-2203		1648	-1648
3.2 पोर्टफोलियो निवेश	**171412**	**182784**	**-11372**	**185550**	**185727**	**-177**
3.2अ भारत में पोर्टफोलियो निवेश	170667	182102	-11435	184185	184270	-85
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	144811	156671	-11860	157600	158838	-1238
3.2.2 डेट प्रतिभूतियां	25856	25431	425	26585	25431	1154
3.2आ. भारत द्वारा पोर्टफोलियो निवेश	745	682	63	1365	1458	-93
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिज़र्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	**6569**	**12105**	**-5536**	**6549**	**12194**	**-5646**
3.4 अन्य निवेश	**83662**	**90450**	**-6789**	**245328**	**245894**	**-565**
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	25919	22776	3143	25932	20995	4936
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी कर्ज मूवमेंट; एनआरजी)	8	5	2	0	118	-118
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेनेवाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	25912	22771	3141	25932	20877	5054
3.4.2.3 सामान्य सरकार			0			0
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र			0			0
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूँजी)	37480	45347	-7867	197424	199769	-2345
3.4.3अ भारत को ऋण	27853	35728	-7875	20853	22000	-1147
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	9627	9619	8	176571	177769	-1198
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	52	59	-7	52	34	18
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	19253	15241	4012	24451	13034	11417
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	958	7028	-6071	-2530	12061	-14592
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार			0			0
3.5 आरक्षित आस्तियां	**37660**	**0**	**37660**	**24409**	**0**	**24409**
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण			0			0
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए			0			0
3.5.3 आईएमएफ में रिज़र्व निधियों की स्थिति एन.ए			0			0
3.5.4 अन्य रिज़र्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	37660	0	37660	24409	0	24409
4. कुल आस्तियां / देयताएं	**319938**	**308785**	**11154**	**484292**	**469931**	**14361**
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	170159	190178	-20019	186466	196340	-9874
4.2 ऋण लिखत	111161	111578	-418	275948	261530	14418
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	38618	7028	31590	21878	12061	9817
5. निवल भूल-चूक	**298**	**0**	**298**	**0**	**1206**	**-1206**

टिप्पणी: प्रा: प्रारंभिक।

सं. 43: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(₹ करोड़)

मद	अक्तू.-दिसं. 2024			अक्तू.-दिसं. 2025 (पी)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
1. चालू खाता (1.अ+1.आ+1.इ)	**2210485**	**2306051**	**-95566**	**2449283**	**2566661**	**-117378**
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1अ.ख.)	**1801569**	**2038890**	**-237321**	**1986477**	**2308416**	**-321939**
1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1अ.क.3)	**927514**	**1597355**	**-669841**	**995321**	**1829663**	**-834342**
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	923917	1432939	-509021	992333	1625781	-633449
1.अ.क.2 वाणिज्यिक के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	3597	0	3597	2988	0	2988
1..अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	0	164417	-164417	0	203881	-203881
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	**874055**	**441535**	**432520**	**991157**	**478754**	**512403**
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्व वाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	2061	262	1798	3288	575	2713
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	689	2574	-1886	1066	4143	-3078
1.अ.ख.3 परिवहन	69916	74723	-4807	73762	75571	-1809
1.अ.ख.4 यात्रा	85035	70697	14338	88432	80662	7771
1.अ.ख.5 निर्माण	8843	7044	1799	12218	7322	4896
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	7347	7553	-206	7910	7415	495
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	17623	6256	11367	17241	7793	9448
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	5245	38627	-33383	4380	40651	-36272
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	407907	62636	345271	484003	64829	419174
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	250030	154153	95877	286231	171639	114591
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	9693	10492	-799	10633	9979	654
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न किए गए सरकारी माल और सेवाएं	1413	2590	-1177	1477	2989	-1512
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं है	8255	3926	4329	516	5185	-4669
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	**104233**	**242936**	**-138702**	**124704**	**233403**	**-108700**
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	18413	8831	9582	20074	10212	9861
1.आ.2 निवेश आय	68363	227407	-159044	70480	211391	-140911
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	22221	144710	-122490	24884	134035	-109151
1.आ.2.2 पोर्टफोलियो निवेश	800	21930	-21130	713	16337	-15624
1.आ.2.3 अन्य निवेश	5827	59043	-53216	9575	59580	-50005
1.आ.2.4 रिज़र्व आस्तियां	39515	1724	37791	35307	1438	33869
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	17457	6698	10760	34150	11801	22350
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	**304682**	**24225**	**280457**	**338102**	**24841**	**313261**
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तेतर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	303985	21662	282323	337235	22074	315160
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	296144	15800	280343	328712	16591	312121
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	7842	5862	1980	8522	5483	3039
1.इ.2 सामान्य सरकार	697	2563	-1866	867	2767	-1900
2. पूँजी खाता (2.1+2.2)	**1564**	**2720**	**-1156**	**2034**	**1879**	**155**
2.1 अनुत्पादित वित्तेतर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	136	1275	-1139	223	650	-427
2.2 पूँजी अतंरण	1428	1445	-17	1811	1229	582
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	**2702200**	**2607995**	**94204**	**4315583**	**4187611**	**127972**
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	**174285**	**198020**	**-23735**	**200114**	**232721**	**-32607**
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	166573	136974	29599	194301	159739	34562
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	144168	132068	12100	180432	153925	26507
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	94051	132068	-38017	121097	153925	-32828
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	50117	0	50117	59336	0	59336
3.1.अ.2 डेट लिखत	22405	4905	17500	13868	5813	8055
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	22405	4905	17500	13868	5813	8055
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	7712	61046	-53334	5814	72983	-67169
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	7712	42436	-34724	5814	58297	-52483
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	7712	27980	-20268	5814	41104	-35291
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	0	14456	-14456	0	17192	-17192
3.1.आ.2 डेट लिखत	0	18610	-18610	0	14686	-14686
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	0	18610	-18610	0	14686	-14686
3.2 पोर्टफोलियो निवेश	**1447744**	**1543792**	**-96048**	**1653457**	**1655037**	**-1580**
3.2अ भारत में पोर्टफोलियो निवेश	1441453	1538030	-96577	1641292	1642046	-754
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	1223076	1323243	-100167	1404393	1415426	-11033
3.2.2 डेट प्रतिभूतियां	218376	214787	3590	236899	226620	10279
3.2आ. भारत द्वारा पोर्टफोलियो निवेश	6291	5762	529	12165	12990	-825
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिज़र्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	**55483**	**102239**	**-46756**	**58355**	**108666**	**-50311**
3.4 अन्य निवेश	**706607**	**763945**	**-57338**	**2186148**	**2191187**	**-5039**
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	218915	192367	26549	231079	187090	43989
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी कर्ज मूवमेंट; एनआरजी)	64	45	19	0	1048	-1048
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेनेवाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	218851	192322	26530	231079	186041	45038
3.4.2.3 सामान्य सरकार	0	0	0	0	0	0
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	0	0	0	0	0	0
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूँजी)	316555	382999	-66444	1759265	1780159	-20894
3.4.3अ भारत को ऋण	235245	301756	-66511	185821	196040	-10219
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	81310	81243	67	1573443	1584119	-10675
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	437	497	-59	463	305	158
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	162611	128721	33889	217889	116152	101737
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	8089	59361	-51272	-22548	107481	-130029
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	0	0	0	0	0	0
3.5 आरक्षित आस्तियां	**318081**	**0**	**318081**	**217509**	**0**	**217509**
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	0	0	0	0	0	0
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	0	0	0	0	0	0
3.5.3 आईएमएफ में रिज़र्व निधियों की स्थिति एन.ए	0	0	0	0	0	0
3.5.4 अन्य रिज़र्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	318081	0	318081	217509	0	217509
4. कुल आस्तियां / देयताएं	**2702200**	**2607995**	**94204**	**4315583**	**4187611**	**127972**
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	1437168	1606245	-169077	1661622	1749610	-87988
4.2 ऋण लिखत	938862	942390	-3527	2459000	2330520	128480
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	326170	59361	266809	194960	107481	87480
5. निवल भूल-चूक	**2518**	**0**	**2518**	**0**	**10749**	**-10749**

टिप्पणी: प्रा: प्रारंभिक।

सं. 44: भारत की अंतरराष्ट्रीय निवेश की स्थिति

(मिलियन अमेरिकी डॉलर)

मद	वित्तीय वर्ष के अंत तक/ तिमाही अंत							
	2024-25		2024		2025			
			दिसं.		सितं.		दिसं.	
	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं
	1	2	3	4	5	6	7	8
1. विदेश/भारत में प्रत्यक्ष निवेश	270441	556974	260755	547234	288909	562196	296446	558998
1.1 इक्विटी पूंजी*	173559	521931	166493	512997	187193	525834	193082	522188
1.2 अन्य पूंजी	96882	35043	94262	34237	101716	36362	103364	36810
2. पोर्टफोलियो निवेश	15396	272039	12039	276516	16649	258740	16532	255905
2.1 इक्विटी	10339	141938	9197	155573	12559	133005	10126	130110
2.2 डेट	5057	130101	2843	120943	4091	125735	6407	125795
3. अन्य निवेश	179812	634065	162267	610964	179570	635651	197307	643603
3.1 व्यापार ऋण	33680	131163	33324	135571	31849	135032	34483	146442
3.2 ऋण	27058	250520	23408	240572	25838	258489	26795	259928
3.3 मुद्रा और जमाराशियां	80425	167598	69581	165713	80770	168875	90192	173889
3.4 अन्य आस्तियां/देयताएं	38649	62797	35954	47527	41113	50569	45836	40682
3.5 विशेष आहरण अधिकार (निवल)		21987		21581		22687		22662
4. आरक्षित निधियाँ	668326		635701		700089		687734	
5. कुल आस्तियां/देयताएं	1133976	1463079	1070762	1434714	1185216	1456587	1198020	1458506
6. निवल आईआईपी (आस्तियां - देयताएं)	-329103		-363951		-271371		-260486	

टिप्पणी: * इक्विटी पूंजी में निवेश निधि और पुनर्निवेशित अर्जन का शेयर शामिल है।

भुगतान और निपटान प्रणाली

सं. 45: भुगतान प्रणाली संकेतक

भाग I - भुगतान प्रणाली संकेतक – भुगतान तथा निपटान प्रणाली सांख्यिकी

प्रणाली	मात्रा (लाख)				मूल्य (₹ करोड़)			
	वि.व. 2025-26	2025	2026		वि.व. 2025-26	2025	2026	
		मार्च	फर.	मार्च		मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4	4	5	6	7
ए. निपटान प्रणाली								
वित्तीय बाजार अवसंरचना (एफएमआई)								
1. सीसीआईएल प्रचालित प्रणाली (1.1 से 1.3)	**56.84**	**4.36**	**4.37**	**4.44**	**367014602**	**27936158**	**29363078**	**30819254**
1.1 सरकारी प्रतिभूति समाशोधन (1.1.1 से 1.1.3)	20.08	1.33	1.62	1.51	214487317	15356048	17227564	16548550
1.1.1 आउटराइट	11.76	0.76	0.94	0.84	17320069	1297378	1339433	1200663
1.1.2 रेपो	5.62	0.36	0.46	0.46	93385356	6589738	6696115	6833924
1.1.3 त्रि-पक्षीय रेपो	2.70	0.21	0.22	0.22	103781892	7468932	9192017	8513963
1.2 विदेशी मुद्रा समाशोधन	35.44	2.94	2.62	2.76	141483010	11758724	11010746	13006222
1.3 रुपये के डेरिवेटिव @	1.32	0.09	0.13	0.17	11044275	821387	1124767	1264482
बी. भुगतान प्रणाली								
I वित्तीय बाजार अवसंरचना (एफएमआई)	-	-	-	-	-	-	-	-
1. ऋण अंतरण - आरटीजीएस (1.1 से 1.2)	**3499.79**	**307.03**	**305.85**	**367.45**	**227372648**	**21401969**	**18859418**	**23758759**
1.1 ग्राहक लेनदेन	3485.43	305.71	304.72	366.26	206929117	19394683	17509377	22131384
1.2 अंतरबैंक लेनदेन	14.36	1.32	1.14	1.20	20443531	2007287	1350041	1627375
II खुदरा								
2. ऋण अंतरण - खुदरा (2.1 से 2.6)	**2618738.01**	**202008.61**	**219247.40**	**244356.27**	**91939186**	**8242601**	**7793908**	**9619673**
2.1 एईपीएस (निधि अंतरण) @	3.28	0.31	0.23	0.27	170	16	14	16
2.2 एपीबीएस $	33854.21	3506.60	2119.52	3335.83	717040	66841	51081	83656
2.3 आईएमपीएस	49431.09	4616.39	3360.96	3656.79	7669929	667813	642474	740176
2.4 एनएसीएच जमा $	18284.42	1861.26	1702.37	1561.87	1902293	176401	164970	181678
2.5 एनईएफटी	100996.15	9008.97	8122.47	9390.43	50226505	4854308	4251141	5661604
2.6 यूपीआई @	2416168.86	183015.08	203941.84	226411.08	31423250	2477222	2684229	2952542
2.6.1 जिसमें से यूएसएसडी@	14.31	1.26	2.32	1.23	188	14	25	13
3. डेबिट ट्रांसफर और डायरेक्ट डेबिट (3.1 से 3.3)	**23471.34**	**1891.35**	**1989.09**	**2075.65**	**2697355**	**211047**	**235001**	**257724**
3.1 भीम आधार पे @	231.96	19.59	16.45	20.99	7739	611	636	800
3.2 एनएसीएच नामे $	21614.19	1724.79	1849.39	1927.45	2687459	210246	234191	256744
3.3 एनईटीसी (बैंक खाते से जुड़ा) @	1625.19	146.97	123.25	127.21	2157	191	174	180
4. कार्ड भुगतान (4.1 से 4.2)	**73039.76**	**5789.52**	**5855.08**	**6787.94**	**2807946**	**240549**	**210427**	**257443**
4.1 क्रेडिट कार्ड (4.1.1 से 4.1.2)	60237.64	4586.50	4937.96	5774.77	2362471	201494	177292	219495
4.1.1 पीओएस आधारित $	30153.21	2302.66	2434.00	2840.35	885019	71473	67435	78470
4.1.2 अन्य $	30084.43	2283.84	2503.95	2934.41	1477452	130021	109857	141024
4.2 डेबिट कार्ड (4.2.1 से 4.2.1)	12802.12	1203.02	917.12	1013.17	445475	39055	33135	37948
4.2.1 पीओएस आधारित $	9601.85	895.82	689.77	749.32	293537	25818	21862	24346
4.2.2 अन्य $	3200.27	307.20	227.36	263.85	151938	13237	11273	13602
5. प्रीपेड भुगतान लिखत (5.1 से 5.2)	**98699.47**	**6783.69**	**8359.24**	**8749.63**	**286429**	**21465**	**25969**	**28563**
5.1 वालेट	78570.94	5061.17	6652.06	6959.28	223016	16077	19829	22448
5.2 कार्ड (5.2.1 से 5.2.2)	20128.53	1722.52	1707.18	1790.35	63414	5388	6140	6114
5.2.1 पीओएस आधारित $	8356.49	648.24	793.50	795.76	14373	1016	1427	1343
5.2.2 अन्य $	11772.04	1074.28	913.68	994.59	49041	4372	4713	4771
6. पेपर-आधारित लिखत (6.1 से 6.2)	**5587.83**	**531.76**	**430.51**	**491.89**	**7147568**	**659873**	**579783**	**691723**
6.1 सीटीएस (एनपीसीआई प्रबंधित)	5587.83	531.76	430.51	491.89	7147568	659873	579783	691723
6.2 अन्य	0.00	–	–	–	–	–	–	–
कुल - खुदरा भुगतान (2 + 3 + 4 + 5 + 6)	**2819536.40**	**217004.93**	**235881.31**	**262461.38**	**104878484**	**9375535**	**8845088**	**10855126**
कुल भुगतान (1 + 2 + 3 + 4 + 5 + 6)	**2823036.19**	**217311.96**	**236187.16**	**262828.83**	**332251133**	**30777505**	**27704507**	**34613885**
कुल डिजिटल भुगतान (1 + 2 + 3 + 4 + 5)	**2817448.36**	**216780.20**	**235756.65**	**262336.94**	**325103565**	**30117631**	**27124723**	**33922162**

भाग II- भुगतान माध्यम और चैनल

प्रणाली	मात्रा (लाख)				मूल्य (₹ करोड़)			
	वि.व. 2025-26	2025	2026		वि.व. 2025-26	2025	2026	
		मार्च	फर.	मार्च		मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4	4	5	6	7
ए. अन्य भुगतान चैनल								
1. मोबाइल भुगतान (मोबाइल ऐप आधारित) (1.1 से 1.2)	**2226709.91**	**171174.23**	**186834.81**	**208802.98**	**45558525**	**3769671**	**3914512**	**4386917**
1.1 इंट्राबैंक $	122837.81	9863.76	9717.48	10802.29	7917884	670272	685836	764234
1.2 अंतर-बैंक $	2103872.09	161310.47	177117.33	198000.69	37640641	3099400	3228676	3622683
2. इंटरनेट भुगतान (नेटबैंकिंग / इंटरनेट ब्राउज़र आधारित) @ (2.1 से 2.2)	**44541.07**	**4096.24**	**3521.30**	**3869.61**	**158930351**	**13992340**	**13824038**	16819300
2.1 अंतर्बैंक @	10212.76	1009.09	804.89	888.88	83681438	7319249	7438766	8836592
2.2 अंतर-बैंक @	34328.30	3087.15	2716.41	2980.72	75248914	6673091	6385272	7982708
बी. एटीएम								
3. एटीएम से नकद निकासी $ (3.1 से 3.3)	**53689.48**	**4983.78**	**4168.36**	**4465.04**	**2873737**	**263892**	**231465**	**249762**
3.1 क्रेडिट कार्ड का उपयोग करना $	81.07	7.43	6.35	7.08	4525	410	364	408
3.2 डेबिट कार्ड का उपयोग करना $	53394.13	4957.22	4145.12	4439.99	2858626	262540	230242	248419
3.3 प्री-पेड कार्ड का उपयोग करना $	214.27	19.13	16.89	17.97	10586	942	859	935
4. पीओएस पर नकद निकासी $ (4.1 से 4.2)	**1.69**	**0.22**	**0.14**	**0.14**	**22**	**2**	**2**	2
4.1 डेबिट कार्ड का उपयोग करना $	1.39	0.19	0.11	0.10	18	2	2	2
4.2 प्री-पेड कार्ड का उपयोग करना $	0.30	0.03	0.03	0.04	4	0	0	0
5. माइक्रो एटीएम में नकद निकासी @	**12126.36**	**1102.31**	**867.37**	**1075.37**	**322744**	**29561**	**24595**	30529
5.1 एईपीएस @	12126.36	1102.31	867.37	1075.37	322744	29561	24595	30529

भाग III - भुगतान अवसंरचना (लाख)

प्रणाली	मार्च 2026 तक	2025	2026	
		मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4
भुगतान प्रणाली अवसंरचना				
1. कार्ड की संख्या (1.1 से 1.2)	**11633.90**	**11006.97**	**11594.71**	**11633.90**
1.1 क्रेडिट कार्ड	1186.34	1098.85	1177.05	1186.34
1.2 डेबिट कार्ड	10447.56	9908.12	10417.67	10447.56
2. पीपीआई की संख्या @ (2.1 से 2.2)	**22992.54**	**13401.46**	**22672.93**	**22992.54**
2.1 वॉलेट @	18253.41	8678.44	17930.53	18253.42
2.2 कार्ड @	4739.13	4723.02	4742.40	4739.13
3. एटीएम की संख्या (3.1 से 3.2)	**2.54**	**2.56**	**2.53**	**2.54**
3.1 बैंक के स्वामित्व वाले एटीएम $	2.16	2.20	2.15	2.16
3.2 व्हाइट लेबल एटीएम $	0.38	0.36	0.38	0.38
4. माइक्रो एटीएम की संख्या @	**13.90**	**14.82**	**13.90**	**13.90**
5. पीओएस टर्मिनलों की संख्या	**117.69**	**110.98**	**116.65**	**117.69**
6. भारत क्यूआर @	**56.33**	**67.18**	**58.97**	**56.33**
7. यूपीआई क्यूआर *	**7612.17**	**6579.30**	**7542.04**	**7612.17**

@: नवंबर 2019 से नया समावेश
#: सहकारी बैंकों, एलएबी और आरआरबी द्वारा रिपोर्ट किया गया डेटा शामिल किया गया है जो दिसंबर 2021 से प्रभावी है।
$: नवंबर 2019 से अलग से शुरू किया गया समावेश - अभी तक अन्य मदों का हिस्सा रहा होगा।
* सितंबर 2020 से नया समावेश; केवल स्थिर यूपीआई क्यूआर कोड शामिल है।

टिप्पणियां: 1. डेटा अनंतिम है।
2. 31 जनवरी 2020 से ईसीएस (डेबिट और क्रेडिट) एनएसीएच के साथ मिला दिया गया है।
3. कार्ड पेमेंट्स (डेबिट / क्रेडिट कार्ड्स) और प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (पीपीआई) के लिए नवबंर 2019 के बाद से डेटा की पहले के महीनों / अवधि के साथ तलुना नहीं हो सकती है, क्योंकि डेटा की परिभाषाओं में संशोधन के साथ अधिक ग्रेन्युलर डेटा प्रकाशित किया जा रहा है।
4. केवल घरेलू वित्तीय लेनदेन पर विचार किया गया है। नए प्रारूप में ई-कॉमर्स लेनदेन; फास्ट टैग लेनदेन; डिजिटल बिल भुगतान और एटीएम आदि के माध्यम से कार्ड-टू-कार्ड ट्रांसफर आदि शामिल हैं। इसके अलावा, असफल लेनदेन, चार्जबैक, रिवर्सल, एक्सपायर्ड कार्ड / वॉलेट को शामिल नहीं किया गया है।

भाग I-ए. निपटान प्रणाली
1.1.3: प्रतिभूति खंड के तहत त्रि-पक्षीय रेपो 05 नवंबर 2018 से चालू हो गया है।

भाग I-बी. भुगतान प्रणाली
4.1.2: 'अन्य' में ई-कॉमर्स लेनदेन और एटीएम के माध्यम से डिजिटल बिल भुगतान आदि शामिल हैं।
4.2.2: 'अन्य' में ई-कॉमर्स लेनदेन, कार्ड से कार्ड ट्रांसफर और एटीएम के माध्यम से डिजिटल बिल भुगतान आदि शामिल हैं।

5. दिसंबर 2010 से उपलब्ध।
5.1: वस्तुओं और सेवाओं की खरीद और वॉलेट के माध्यम से फंड ट्रांसफर शामिल है।
5.2.2: ऑनलाइन लेनदेन और अन्य लेनदेन के लिए पीपीआई कार्ड का उपयोग शामिल है।
6.1: तीन ग्रिडों से संबंधित - मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नई।
6.2: 'अन्य' में गैर-एमआईसीआर लेनदेन शामिल हैं जो 21 बैंकों द्वारा प्रबंधित समाशोधन गृहों से संबंधित हैं।

भाग II-ए. अन्य भुगतान चैनल
1: मोबाइल भुगतान -
- o बैंकों के मोबाइल ऐप्स और यूपीआई ऐप्स के माध्यम से किए गए लेनदेन शामिल।
- o जुलाई 2017 के डेटा में मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके शुरू किए गए, संसाधित और अधिकृत केवल व्यक्तिगत भुगतान और कॉर्पोरेट भुगतान शामिल हैं। अन्य कॉरपोरेट भुगतान जो मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके शुरू, संसाधित और अधिकृत नहीं किए गए हैं, उन्हें बाहर रखा गया है।

2: इंटरनेट भुगतान - इसमें 'नेटबैंकिंग' के माध्यम से केवल ई-कॉमर्स लेनदेन और बैंक की इंटरनेट बैंकिंग वेबसाइट का उपयोग करके किए गए वित्तीय लेनदेन शामिल हैं।

भाग II-बी. एटीएम
3.3 और 4.2: केवल बैंक द्वारा जारी पीपीआई का उपयोग करके किए गए लेनदेन से संबंधित है।

भाग III. भुगतान प्रणाली अवसंरचना
3: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) और व्हाइट लेबल एटीएम ऑपरेटरों (डब्ल्यूएलएओ) द्वारा तैनात एटीएम शामिल हैं। डब्ल्यूएलए को अप्रैल 2014 से शामिल किया गया है।

आवसरिक श्रृंखला

सं. 46: लघु बचत

(₹ करोड़)

प्रणाली		2024-25	2024	2025		
			नव.	सितं.	अक्तू.	नवं.
		1	2	3	4	5
1. लघु बचत	**प्राप्तियां**	**192292**	**12130**	**31653**	**17124**	**18664**
	बकाया	**2052408**	**1940611**	**2160573**	**2177404**	**2195873**
1.1 कुल जमाराशियां	**प्राप्तियां**	**144769**	**9998**	**28654**	**14627**	**16185**
	बकाया	**1443556**	**1361210**	**1545057**	**1559684**	**1575869**
1.1.1 डाक घर बचत बैंक जमाराशियां	प्राप्तियां	20641	-205	1780	-2367	374
	बकाया	212332	199017	226078	223711	224085
1.1.2 सुकन्या समृद्धि योजना	प्राप्तियां	41391	2005	3546	2762	2255
	बकाया	199001	169154	213616	216378	218633
1.1.3 राष्ट्रीय बचत योजना, 1987	प्राप्तियां	0	0	0	0	0
	बकाया	0	0	0	0	0
1.1.4 राष्ट्रीय बचत योजना, 1992	प्राप्तियां	0	0	0	0	0
	बकाया	0	0	0	0	0
1.1.5 मासिक आय योजना	प्राप्तियां	16620	1710	4019	2403	2207
	बकाया	285630	278161	298250	300653	302860
1.1.6 वरिष्ठ नागरिक योजना, 2004	प्राप्तियां	24859	2436	6421	3760	3099
	बकाया	200326	187824	218562	222322	225421
1.1.7 डाक घर मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	32755	3052	10752	7075	6502
	बकाया	338531	322122	368264	375339	381841
1.1.7.1 1 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	165641	152099	185890	190552	194944
1.1.7.2 2 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	14819	13491	17741	18526	19228
1.1.7.3 3 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	10816	9773	12538	13020	13379
1.1.7.4 5 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	147255	146759	152095	153241	154290
1.1.8 डाक घर आवर्ती जमाराशियां	प्राप्तियां	9171	1005	2284	1073	1804
	बकाया	206307	202963	219737	220810	222614
1.1.9 डाक घर संचयी मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	0	0	0	0	0
	बकाया	0	0	0	0	0
1.1.10 अन्य जमाराशियां	प्राप्तियां	-676	-6	-147	-77	-56
	बकाया	1071	1617	192	115	59
1.1.11 पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन	प्राप्तियां	8	1	-1	-2	0
	बकाया	358	352	358	356	356
1.2 बचत प्रमाणपत्र	**प्राप्तियां**	**32992**	**1788**	**3097**	**2387**	**2328**
	बकाया	**446106**	**431065**	**455242**	**457336**	**459469**
1.2.1 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VIII निर्गम	प्राप्तियां	10891	1180	3914	2376	2269
	बकाया	194798	190261	206112	208488	210757
1.2.2 इंदिरा विकास पत्र	प्राप्तियां	0	0	0	0	0
	बकाया	0	0	0	0	0
1.2.3 किसान विकास पत्र	प्राप्तियां	0	0	0	0	0
	बकाया	0	0	0	0	0
1.2.4 किसान विकास पत्र-2014	प्राप्तियां	12166	-174	1977	1582	1057
	बकाया	232726	225184	241167	242749	243806
1.2.5 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VI निर्गम	प्राप्तियां	0	0	0	0	0
	बकाया	0	0	0	0	0
1.2.6 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VII निर्गम	प्राप्तियां	0	0	0	0	0
	बकाया	0	0	0	0	0
1.2.7 एम.एस. प्रमाणपत्र	प्राप्तियां	9935	782	-2794	-1571	-998
	बकाया	28212	22543	19507	17936	16938
1.2.8 अन्य प्रमाणपत्र	बकाया	-9630	-6923	-11544	-11837	-12032
1.3 लोक भविष्य निधि	**प्राप्तियां**	**14531**	**344**	**-98**	**110**	**151**
	बकाया	**162746**	**148336**	**160274**	**160384**	**160535**

टिप्पणी : अप्रैल 2017 से प्राप्तियों का डेटा निवल प्राप्तियाँ हैं, अर्थात सकल प्राप्तियों से सकल भुगतान को घटाने पर प्राप्त।
स्रोत : महालेखाकार, पोस्ट और टेलीग्राफ।

सं. 47: केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप

(प्रतिशत)

केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां					
श्रेणी	2024	2025			
	दिसं.	मार्च	जून	सितं.	दिसं.
	1	2	3	4	5
(क) कुल (₹ करोड़ में)	**11422728**	**11642652**	**11854200**	**12137000**	**12393606**
1. वाणिज्यिक बैंक	37.98	36.18	35.28	35.43	34.31
2. सहकारी बैंक	1.36	1.29	1.29	1.32	1.33
3. गैर-बैंक प्राथमिक व्यापारी	0.65	0.76	0.59	0.60	0.55
4. बीमाकृत कंपनियां	26.14	25.81	25.95	25.81	25.89
5. म्यूच्युअल फंड	3.11	2.68	2.46	2.77	2.74
6. भविष्य निधियां	4.25	4.24	4.35	4.45	4.58
7. पेंशन निधि	5.05	4.91	4.96	4.90	4.77
8. वित्तीय संस्थाएं	0.64	0.71	0.74	0.76	0.76
9. कॉरपोरेट	1.45	1.49	1.26	1.25	1.23
10. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक	2.81	3.12	2.80	2.97	2.96
11. भारतीय रिज़र्व बैंक	10.55	12.78	14.21	13.54	14.52
12. अन्य	6.01	6.01	6.13	6.22	6.35
12.1 राज्य सरकार	2.21	2.25	2.29	2.37	2.43

राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां					
श्रेणी	2024	2025			
	दिसं.	मार्च	जून	सितं.	दिसं.
	1	2	3	4	5
(ख) कुल (₹ करोड़ में)	**6055711**	**6399564**	**6524417**	**6721556**	**6905975**
1. वाणिज्यिक बैंक	35.11	35.40	35.54	35.00	35.31
2. सहकारी बैंक	3.22	3.08	3.02	3.06	3.07
3. गैर-बैंक प्राथमिक व्यापारी	0.53	0.61	0.60	0.65	0.64
4. बीमाकृत कंपनियां	25.16	24.07	24.12	24.12	23.97
5. म्यूच्युअल फंड	1.89	1.93	1.84	2.16	2.04
6. भविष्य निधियां	22.90	23.60	23.72	23.65	23.43
7. पेंशन निधि	4.82	5.07	4.96	5.10	5.16
8. वित्तीय संस्थाएं	1.58	1.48	1.59	1.61	1.62
9. कॉरपोरेट	1.97	2.05	1.93	1.93	1.98
10. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक	0.03	0.05	0.02	0.02	0.01
11. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.58	0.55	0.54	0.53	0.51
12. अन्य	2.19	2.10	2.12	2.17	2.26
12.1 राज्य सरकार	0.26	0.25	0.25	0.27	0.28

खज़ाना बिल					
श्रेणी	2024	2025			
	दिसं.	मार्च	जून	सितं.	दिसं.
	1	2	3	4	5
(ग) कुल (₹ करोड़ में)	**760045**	**790381**	**784059**	**754280**	**765131**
1. वाणिज्यिक बैंक	40.45	46.58	42.87	39.45	35.79
2. सहकारी बैंक	1.22	2.17	1.80	1.58	1.21
3. गैर-बैंक प्राथमिक व्यापारी	1.41	2.09	1.10	2.03	1.46
4. बीमाकृत कंपनियां	4.73	4.23	4.07	4.26	4.45
5. म्यूच्युअल फंड	15.41	16.15	15.72	17.60	17.98
6. भविष्य निधियां	0.04	0.20	0.09	0.07	0.09
7. पेंशन निधि	0.00	0.02	0.00	0.00	0.00
8. वित्तीय संस्थाएं	6.77	7.73	6.31	6.34	5.57
9. कॉरपोरेट	4.56	4.50	3.77	3.80	3.74
10. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक	0.12	0.09	0.02	0.01	0.02
11. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
12. अन्य	25.29	16.23	24.26	24.85	29.68
12.1 राज्य सरकार	20.11	11.23	18.34	18.53	21.91

टिप्पणियाँ: (1) बुलेटिन के जून 2023 के संस्करण से टेबल फॉर्मेट संशोधित किया है।

(2) केन्द्र सरकार दिनांकित प्रतिभूतियों में विशेष प्रतिभूतियां और सॉवरेन गोल्ड बॉण्ड शामिल हैं।

(3) राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में उज्ज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (यूडीएवाई) के अंतर्गत जारी विशेष बॉण्ड शामिल हैं।

(4) वाणिज्यिक बैंकों के अंतर्गत बैंक प्राथमिक डीलरों को शामिल किया गया है।

(5) अन्य' श्रेणी में राज्य सरकारें, डीआईसीजीसी, पीएसयू, ट्रस्ट, केंद्रीय विदेशी बैंक, हिंदू अविभक्त परिवार/व्यक्ति आदि शामिल हैं।

(6) सितंबर 2023 के बाद के आंकड़ों में एक गैर-बैंक का एक बैंक के साथ विलय का प्रभाव शामिल है।

सं. 48: केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण

(₹ करोड़)

मद	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25 सं अ	2025-26 ब अ
	1	2	3	4	5	6
1. कुल वितरण	**6353359**	**7098451**	**7880522**	**8579810**	**9780079**	**10552103**
1.1 विकास संबंधी	3823423	4189146	4701611	5080834	5902870	6267297
1.1.1 राजस्व	3150221	3255207	3574503	3662324	4242036	4460702
1.1.2 पूंजी	550358	861777	1042159	1330917	1516738	1641425
1.1.3 ऋण	122844	72163	84949	87593	144096	165170
1.2 गैर-विकास संबंधी	2442941	2810388	3069896	3379466	3740051	4132065
1.2.1 राजस्व	2271637	2602750	2895864	3182576	3547080	3867191
1.2.1.1 ब्याज भुगतान	1060602	1226672	1377807	1557492	1685503	1883576
1.2.2 पूंजी	169155	175519	171131	192384	187711	259891
1.2.3 ऋण	2148	32119	2902	4506	5259	4983
1.3 अन्य	86995	98916	109015	119510	137158	152741
2. कुल प्राप्तियां	**6397162**	**7156342**	**7855370**	**8637956**	**9518133**	**10451896**
2.1 राजस्व प्राप्तियां	3688030	4823821	5447913	6105757	7125956	7875214
2.1.1 कर प्राप्तियां	3193390	4160414	4809044	5407849	6080098	6808169
2.1.1.1 पण्य और सेवाओं पर कर	2076013	2626553	2865541	3170243	3545348	3937254
2.1.1.2 आय और संपत्ति पर कर	1114805	1530636	1939559	2233860	2530235	2866137
2.1.1.3 संघशासित क्षेत्र (बिना विधान मंडल के) के कर	2572	3225	3943	3745	4516	4778
2.1.2 गैर-कर प्राप्तियां	494640	663407	638870	697908	1045858	1067045
2.1.2.1 ब्याज प्राप्तियां	33448	35250	42975	53199	56247	70403
2.2 गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियां	64994	44077	62716	62275	62562	104103
2.2.1 ऋण और अग्रिम की वसूली	16951	27665	15970	28918	26747	32172
2.2.2 विनिवेश से प्राप्त राशि	48044	16412	46746	33357	35815	71931
3. सकल वित्तीय घाटा [1-(2.1+2.2)]	**2600335**	**2230553**	**2369892**	**2411778**	**2591561**	**2572787**
3क वित्तपोषण के स्रोत : संस्था-वार						
3क.1 घरेलू वित्तपोषण	2530155	2194406	2332768	2356657	2559568	2549296
3क.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	890012	627255	687904	438038	907254	…
3क.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि. बैंक का ऋण	107493	350911	529	-257913	314894	…
3क.1.2 सरकार को गैर-बैंक ऋण	1640143	1567151	1644864	1918619	1652314	…
3क.2 बाह्य वित्तपोषण	70180	36147	37124	55121	31992	23490
3ख वित्तपोषण के स्रोत : लिखत-वार						
3ख.1 घरेलू वित्तपोषण	2530155	2194406	2332768	2356657	2559568	2549296
3ख.1.1 बाज़ार उधार (निवल)	1696012	1213169	1651076	1921529	1996297	2050268
3ख.1.2 लघु बचत (निवल)	458801	526693	358764	415472	437189	304076
3ख.1.3 राज्य भविष्य निधियां (निवल)	41273	28100	13880	19847	16957	17531
3ख.1.4 आरक्षित निधियां	4545	42153	68803	90431	76177	42662
3ख.1.5 जमाराशियां और अग्रिम	25682	42203	51989	22555	7954	48430
3ख.1.6 नकद शेष	-43802	-57891	25152	-58146	261946	100207
3ख.1.7 अन्य	347643	399980	163104	-55032	-236951	-13878
3ख.2 बाह्य वित्तपोषण	70180	36147	37124	55121	31992	23490
4. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में कुल वितरण	*32.0*	*30.1*	*29.3*	*28.5*	*29.6*	*29.6*
5. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में कुल प्राप्तियां	*32.2*	*30.3*	*29.2*	*28.7*	*28.8*	*29.3*
6. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में राजस्व प्राप्तियां	*18.6*	*20.4*	*20.3*	*20.3*	*21.5*	*22.1*
7. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में कर प्राप्तियां	*16.1*	*17.6*	*17.9*	*18.0*	*18.4*	*19.1*
8. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में सकल वित्तीय घाटा	*13.1*	*9.5*	*8.8*	*8.0*	*7.8*	*7.2*

… : उपलब्ध नहीं; सं.अ.: संशोधित अनुमान; ब.अ. बजट अनुमान।

टिप्पणियाँ : जीडीपी डेटा 2011-12 के आधार पर है। 2025-26 के लिए जीडीपी केंद्रीय बजट 2025-26 से है।
डेटा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित है।
1 और 2: डेटा केंद्र सरकार (एनएसएसएफ को पुनर्भुगतान सहित) और राज्य सरकारों के निवल पुनर्भुगतान से संबंधित है।
1.3: राज्यों द्वारा स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं को प्रतिकर और समनुदेशन का प्रतिनिधित्व करता है।
2: डेटा केंद्र और राज्य सरकारों के नकदी शेष में निवल भिन्नता को दर्शाता है और इसमें केंद्र और राज्य सरकारों की उधार प्राप्तियां शामिल हैं।
2.2.2: 2022-23 से, विनिवेश प्राप्तियों का तात्पर्य विविध पूंजीगत प्राप्तियों से है।
3ए.1.1: आरबीआई रिकॉर्ड के अनुसार डेटा।
3बी.1.1: दिनांकित प्रतिभूतियों के माध्यम से उधार।
3बी.1.2: राष्ट्रीय अल्प बचत निधि (एनएसएसएफ) द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों की विशेष प्रतिभूतियों में निवल निवेश को दर्शाता है।
नए डेटा की उपलब्धता के साथ घटकों में समायोजन के कारण यह डेटा पिछले प्रकाशनों से भिन्न हो सकता है।
3बी.1.6: केंद्र द्वारा राज्य सरकारों को अर्थोपाय अग्रिम शामिल हैं।
3बी.1.7: ट्रेजरी बिल, वित्तीय संस्थाओं से ऋण, बीमा और पेंशन निधि, विप्रेषण, नकद शेष निवेश लेखा शामिल हैं।

स्रोत: केन्द्रीय और राज्य सरकारों के बजट दस्तावेज।

सं. 49: विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता

(₹ करोड़)

क्र. सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	मार्च 2026 के दौरान					
		विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ)		अर्थोपाय अग्रिम (डबल्यूएमए)		ओवरड्राफ्ट (ओडी)	
		प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या
	1	2	3	4	5	6	7
1	आंध्र प्रदेश	8121.76	31	785.01	8	2058.54	1
2	अरुणाचल प्रदेश	-	-	-	-	-	-
3	असम	-	-	-	-	-	-
4	बिहार	-	-	-	-	-	-
5	छत्तीसगढ़	-	-	-	-	-	-
6	दिल्ली	-	-	-	-	-	-
7	गोवा	-	-	-	-	-	-
8	गुजरात	-	-	-	-	-	-
9	हरियाणा	1341.26	5	-	-	-	-
10	हिमाचल प्रदेश	-	-	402.17	11	482.08	1
11	जम्मू और कश्मीर संघ शासित प्रदेश	71.85	19	801.16	19	495.87	4
12	झारखंड	2114.14	10	461.32	10	-	-
13	कर्नाटक	-	-	-	-	-	-
14	केरल	2318.34	17	975.89	6	-	-
15	मध्य प्रदेश	-	-	-	-	-	-
16	महाराष्ट्र	-	-	-	-	-	-
17	मणिपुर	84.36	5	-	-	-	-
18	मेघालय	243.94	20	207.02	2	698.04	1
19	मिज़ोरम	-	-	-	-	-	-
20	नगालैंड	48.23	3	-	-	-	-
21	उड़ीसा	-	-	-	-	-	-
22	पुदुचेरी	-	-	-	-	-	-
23	पंजाब	5638.72	31	350.66	9	-	-
24	राजस्थान	4408.59	28	907.07	13	-	-
25	तमिलनाडु	-	-	-	-	-	-
26	तेलंगाना	3181.05	26	248.50	1	-	-
27	त्रिपुरा	-	-	-	-	-	-
28	उत्तरप्रदेश	-	-	-	-	-	-
29	उत्तराखंड	-	-	-	-	-	-
30	पश्चिम बंगाल	-	-	-	-	-	-

टिप्पणियाँ: 1) राज्य सरकारों द्वारा समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) और नीलामी खज़ाना बिल (एटीबी) के शेष तथा सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए अन्य निवेशों को संपाश्विक के तौर पर रखते हुए विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ) प्राप्त की जाती है।

2) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा राज्य सरकारों को उनके अल्पकालिक नकदी असंतुलन से निपटने के लिए अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) दिया जाता है।

3) राज्य सरकारों को उनकी अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) सीमा से अधिक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अग्रिम के तौर पर ओवरड्राफ्ट दिया जाता है।

4) प्राप्त कुल सहायता (एसडीएफ/डब्ल्यूएमए/ओडी) को उन दिनों की संख्या से भाग देने पर, जिनके लिए माह के दौरान सहायता प्राप्त हुई, प्राप्त औसत राशि निकाली जाती है।

5) -: नगण्य।

स्रोत: भारतीय रिज़र्व बैंक।

सं. 50: राज्य सरकारों द्वारा किए गये निवेश

(₹ करोड़)

क्र. सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	मार्च 2026 के दौरान			
		समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ)	गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ)	सरकारी प्रतिभूतियाँ	नीलामी खज़ाना बिल (एटीबी)
	1	2	3	4	5
1	आंध्र प्रदेश	8144	8126	-	0
2	अरुणाचल प्रदेश	3209	9	-	1100
3	असम	6297	98	-	0
4	बिहार	15583	1213	-	6000
5	छत्तीसगढ़	9059	1038	-	5528
6	दिल्ली	-	-	-	0
7	गोवा	982	383	-	0
8	गुजरात	16622	558	-	0
9	हरियाणा	3127	1863	-	0
10	हिमाचल प्रदेश	-	-	-	0
11	जम्मू और कश्मीर संघ शासित प्रदेश	74	75	-	0
12	झारखंड	3250	0	811	0
13	कर्नाटक	23498	2515	-	27981
14	केरल	3632	1956	-	0
15	मध्य प्रदेश	0	1390	-	650
16	महाराष्ट्र	68212	11506	-	0
17	मणिपुर	75	153	-	0
18	मेघालय	1386	133	-	0
19	मिज़ोरम	621	105	-	0
20	नगालैंड	2071	50	-	0
21	उड़ीसा	19864	2231	22382	5675
22	पुदुचेरी	631	-	-	1350
23	पंजाब	10894	993	-	0
24	राजस्थान	3036	2399	-	4750
25	तमिलनाडु	3756	-	-	6376
26	तेलंगाना	7681	6273	-	0
27	त्रिपुरा	1435	32	-	0
28	उत्तराखंड	31347	7381	-	0
29	उत्तरप्रदेश	6154	332	-	0
30	पश्चिम बंगाल	15583	1180	-	4000
	कुल	**266224**	**51992**	**23193**	**63409**

टिप्पणियाँ: 1. सीएसएफ और जीआरएफ कुछ राज्य सरकारों द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के पास रखी गई आरक्षित निधियां हैं।
2. एटीबी में प्राथमिक बाजार में 91 दिनों, 182 दिनों और 364 दिनों के खजाना बिल में राज्य सरकारों द्वारा किए गए निवेश शामिल हैं।
3. - : लागू नहीं (योजना का सदस्य नहीं)।

सं. 51: राज्य सरकारों की बाजार उधारियाँ

(₹ करोड़)

क्र. सं.	राज्य	2023-24		2024-25		2025-26						2025-26 में अब तक जुटायी गई कुल राशि	
						जनवरी		फरवरी		मार्च			
		ली गई सकल राशि	ली गई निवल राशि	ली गई सकल राशि	ली गई निवल राशि	ली गई सकल राशि	ली गई निवल राशि	ली गई सकल राशि	ली गई निवल राशि	ली गई सकल राशि	ली गई निवल राशि	सकल	निवल
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1	आंध्र प्रदेश	68400	55330	78205	57123	9000	6000	6900	5900	10300	7300	82272	62222
2	अरुणाचल प्रदेश	902	672	1010	704	-	-	-	-	190	190	765	635
3	असम	18500	16000	19000	13850	4000	2550	4000	1750	2309	1809	20513	13863
4	बिहार	47612	29910	47546	30890	6000	2000	6100	1100	-	-3155	51910	34177
5	छत्तीसगढ़	32000	26213	24500	16913	4000	3300	6000	6000	4000	2063	25470	15833
6	दिल्ली	-	-	-	-	-	-	-	-	1000	1000	1000	1000
7	गोवा	2550	1560	1050	250	-	-100	100	-	200	-100	1500	-4
8	गुजरात	30500	11947	38200	16280	2000	-1500	7000	4700	10630	8130	52130	25370
9	हरियाणा	47500	28364	49500	31710	3000	1900	8000	5500	11000	7540	52500	33210
10	हिमाचल प्रदेश	8072	5856	7359	4725	-	-	-	-289	1595	935	9864	6765
11	जम्मू और कश्मीर	16337	13904	13170	11416	1100	1100	1000	650	3962	3748	14687	12083
12	झारखंड	1000	-2505	3500	-2005	-	-500	-	-1850	4000	3445	6000	95
13	कर्नाटक	81000	63003	92025	71525	24000	21000	31000	29000	39401	37401	106401	85214
14	केरल	42438	26638	53666	37966	2000	1250	3000	1250	8450	7450	49788	32488
15	मध्य प्रदेश	38500	26264	63400	47206	4000	1500	15350	14150	18700	17964	87527	72091
16	महाराष्ट्र	110000	79738	123000	90917	3000	500	20350	17350	14730	12730	137080	104580
17	मणिपुर	1426	1076	1500	1037	-	-	-	-100	350	350	2000	1400
18	मेघालय	1364	912	1882	997	-	-80	-	-70	253	241	2887	1695
19	मिज़ोरम	901	641	1169	939	115	50	115	115	120	120	1150	950
20	नगालैंड	2551	2016	1550	950	-	-100	500	300	1200	1000	2600	1650
21	उड़ीसा	0	-4658	20780	17780	3000	1500	-	-	-	-	11000	9000
22	पुदुचेरी	1100	475	1600	880	-	-100	-	-150	300	200	1200	400
23	पंजाब	42386	29517	40828	32466	4000	3700	5000	4000	3598	1612	44348	30808
24	राजस्थान	73624	49718	75185	49479	4300	1300	4000	776	9430	2780	78030	45324
25	सिक्किम	1916	1701	1951	1621	-	-225	250	250	900	770	2650	2070
26	तमिलनाडु	113001	75970	123625	89894	18700	15700	18000	13475	37231	34849	169231	129574
27	तेलंगाना	49618	39385	56209	42199	3500	2500	9000	8000	5040	3648	86840	70098
28	त्रिपुरा	0	-550	0	-150	-	-	800	725	3030	3030	5130	4555
29	उत्तरप्रदेश	97650	85335	45000	23185	-	-4000	12000	7000	21240	17712	67755	33440
30	उत्तराखंड	6300	3800	10400	8000	2500	2500	500	-300	5209	3709	15209	10309
31	पश्चिम बंगाल	69910	48910	76500	54600	10000	7500	12255	8755	25272	21772	86992	62992
	कुल	**1007058**	**717140**	**1073310**	**753345**	**108215**	**69245**	**171220**	**127987**	**243641**	**200243**	**1276430**	**903887**

- : शून्य।

टिप्पणी: 31 अक्तूबर 2019 से जम्मू और कश्मीर राज्य संवैधानिक रूप से मौजूद नहीं है और उस राज्य की देयताएं जम्मू और कश्मीर के नए केंद्र शासित प्रदेश की देयताओं के रूप में बनी हुई हैं।

स्रोत: भारतीय रिज़र्व बैंक।

सं. 52(ए): हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियों और देयताओं का प्रवाह लिखत-वार

(राशि ₹ करोड़ में)

मद	2022-23				
	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक
	1	2	3	4	5
निवल वित्तीय आस्तियां(I-II)	**337823.4**	**312617.2**	**276148.4**	**463697.5**	**1390286.6**
जीडीपी का प्रतिशत	*5.6*	*5.1*	*4.0*	*6.5*	*5.3*
I. वित्तीय आस्तियां	**627843.1**	**647735.2**	**730303.2**	**984974.9**	**2990856.5**
जीडीपी का प्रतिशत	*10.3*	*10.6*	*10.7*	*13.9*	*11.5*
जिसमें:					
1. कुल जमाराशियां (ए+बी)	**182429.1**	**316361.2**	**278233.1**	**341556.0**	**1118579.5**
(ए) बैंक जमाराशियां	**160172.4**	**298532.7**	**254399.7**	**323570.2**	**1036674.8**
i. वाणिज्यिक बैंक	158613.3	300565.0	248459.8	284968.0	992606.2
ii. सहकारी बैंक	1559.0	-2032.4	5939.8	38602.2	44068.7
(बी) गैर-बैंक जमाराशियां	**22256.8**	**17828.6**	**23833.5**	**17985.9**	**81904.7**
जिसमें से:					
अन्य वित्तीय संस्थान (i+ii)	**6504.8**	**2076.7**	**8081.6**	**2234.0**	**18897.1**
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	4230.6	3267.2	3246.9	3945.8	14690.4
ii. आवास वित्त कंपनियां	2274.2	-1190.5	4834.7	-1711.8	4206.6
2. जीवन बीमा निधियाँ	**73357.5**	**151737.1**	**167581.7**	**156268.5**	**548944.9**
3. भविष्य और पेंशन निधि (पीपीएफ़ सहित)	**146719.1**	**118171.9**	**136388.4**	**216513.6**	**617793.1**
4. मुद्रा	**66438.9**	**-54579.3**	**76760.1**	**148990.1**	**237609.7**
5. निवेश	**104523.4**	**64929.7**	**33972.1**	**64436.1**	**267861.3**
जिसमें:					
(ए) म्यूचुअल फंड	42171.2	42868.8	25967.3	55506.6	166513.9
(बी) इक्विटी	45390.8	-2858.0	-22917.3	-14813.8	4801.7
6. अल्प बचत (पीपीएफ़ छोड़ कर)	**54375.1**	**51114.5**	**37367.7**	**57210.6**	**200068.0**
II. वित्तीय देयताएँ	**290019.7**	**335118.0**	**454154.8**	**521277.4**	**1600569.9**
जीडीपी का प्रतिशत	*4.8*	*5.5*	*6.6*	*7.3*	*6.1*
ऋण/उधार					
1. वित्तीय निगम (ए+बी)	**289781.5**	**334879.7**	**453916.6**	**521039.1**	**1599616.9**
(ए) बैंकिंग क्षेत्र	**234235.0**	**263450.2**	**370782.9**	**387794.8**	**1256263.0**
जिसमें:					
i. वाणिज्यिक बैंक	230283.8	261265.3	368304.6	331291.0	1191144.8
(बी) अन्य वित्तीय संस्थान	**55546.4**	**71429.5**	**83133.7**	**133244.3**	**343353.9**
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	30531.7	36650.3	55791.7	94565.3	217539.1
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	22336.7	33031.2	24903.3	36745.8	117017.0
iii. बीमा कंपनियाँ	2678.0	1747.9	2438.7	1933.2	8797.8
2. गैर-वित्तीय निगम (निजी कॉरपोरेट व्यापार)	**33.7**	**33.7**	**33.7**	**33.7**	**135.0**
3. सामान्य सरकार	**204.5**	**204.5**	**204.5**	**204.5**	**818.0**

सं. 52(ए): हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियों और देयताओं का प्रवाह लिखत-वार *(जारी)*

(राशि ₹ करोड़ में)

मद	2023-24				
	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक
	1	2	3	4	5
निवल वित्तीय आस्तियां(I-II)	**337132.1**	**310186.9**	**295317.2**	**740393.5**	**1683029.7**
जीडीपी का प्रतिशत	*5.0*	*4.6*	*3.9*	*9.3*	*5.8*
I. वित्तीय आस्तियां	**658810.0**	**836270.0**	**806046.4**	**1291327.9**	**3592454.4**
जीडीपी का प्रतिशत	*9.8*	*12.3*	*10.6*	*16.3*	*12.4*
जिसमें:					
1. कुल जमाराशियां (ए+बी)	**266780.7**	**407942.6**	**296902.1**	**446190.5**	**1417816.0**
(ए) बैंक जमाराशियां	**253104.6**	**501763.1**	**277402.8**	**430204.0**	**1462474.4**
i. वाणिज्यिक बैंक	243833.9	502260.7	280096.7	383460.6	1409651.9
ii. सहकारी बैंक	9270.7	-497.6	-2693.9	46743.4	52822.6
(बी) गैर-बैंक जमाराशियां	**13676.2**	**-93820.5**	**19499.4**	**15986.5**	**-44658.5**
जिसमें से:					
अन्य वित्तीय संस्थान (i+ii)	**-485.4**	**-107982.1**	**5337.7**	**1824.9**	**-101304.9**
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	6119.3	4782.3	4895.8	1942.9	17740.3
ii. आवास वित्त कंपनियां	-6604.7	-112764.4	441.9	-118.0	-119045.2
2. जीवन बीमा निधियाँ	**157301.9**	**140356.8**	**160135.2**	**189267.6**	**647061.4**
3. भविष्य और पेंशन निधि (पीपीएफ़ सहित)	**162762.9**	**147433.0**	**152512.0**	**252959.6**	**715667.6**
4. मुद्रा	**-48636.2**	**-36700.8**	**56719.0**	**146866.1**	**118248.0**
5. निवेश	**29402.9**	**99734.4**	**81170.7**	**173602.7**	**383910.7**
जिसमें:					
(ए) म्यूचुअल फंड	44566.7	65173.9	64486.4	110825.1	285052.1
(बी) इक्विटी	-35221.8	5726.6	-15477.9	22524.3	-22448.9
6. अल्प बचत (पीपीएफ़ छोड़ कर)	**91197.8**	**77504.1**	**58607.4**	**82441.4**	**309750.7**
II. वित्तीय देयताएँ	**321678.0**	**526083.2**	**510729.2**	**550934.3**	**1909424.7**
जीडीपी का प्रतिशत	*4.8*	*7.8*	*6.7*	*7.0*	*6.6*
ऋण/उधार					
1. वित्तीय निगम (ए+बी)	**321560.7**	**525964.9**	**510611.0**	**550816.1**	**1908952.7**
(ए) बैंकिंग क्षेत्र	**213647.2**	**868822.7**	**402741.7**	**421973.2**	**1907184.8**
जिसमें:					
i. वाणिज्यिक बैंक	208026.5	875654.0	389898.0	382557.9	1856136.4
(बी) अन्य वित्तीय संस्थान	**107913.6**	**-342857.7**	**107869.2**	**128842.9**	**1767.9**
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	81448.8	59683.7	85031.8	100836.5	327000.7
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	23784.0	-404294.0	21233.4	25852.9	-333423.7
iii. बीमा कंपनियाँ	2680.7	1752.6	1604.0	2153.5	8190.9
2. गैर-वित्तीय निगम (निजी कॉरपोरेट व्यापार)	**33.7**	**34.7**	**34.7**	**34.7**	**138.0**
3. सामान्य सरकार	**83.5**	**83.5**	**83.5**	**83.5**	**334.0**

सं. 52(ए): हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियों और देयताओं का प्रवाह लिखत-वार *(समाप्त)*

(राशि ₹ करोड़ में)

मद	2024-25				
	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक
	1	2	3	4	5
निवल वित्तीय आस्तियां(I-II)	**568179.5**	**521327.5**	**354876.0**	**782732.1**	**2227115.2**
जीडीपी का प्रतिशत	*7.7*	*7.1*	*4.3*	*9.0*	*7.0*
I. वित्तीय आस्तियां	**856644.1**	**925845.5**	**774547.1**	**1243830.1**	**3800866.8**
जीडीपी का प्रतिशत	*11.6*	*12.5*	*9.3*	*14.3*	*11.9*
जिसमें:					
1. कुल जमाराशियां (ए+बी)	**274724.6**	**403467.5**	**157913.7**	**418478.7**	**1254584.5**
(ए) बैंक जमाराशियां	**255088.9**	**388251.6**	**140929.7**	**401919.4**	**1186189.6**
i. वाणिज्यिक बैंक	251171.1	389734.0	147864.7	395337.4	1184107.2
ii. सहकारी बैंक	3917.8	-1482.4	-6934.9	6581.9	2082.4
(बी) गैर-बैंक जमाराशियां	**19635.6**	**15215.9**	**16984.0**	**16559.3**	**68394.9**
जिसमें से:					
अन्य वित्तीय संस्थान (i+ii)	**7461.4**	**3041.8**	**4809.8**	**4385.1**	**19698.2**
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	6289.7	3230.0	4444.5	4220.0	18184.2
ii. आवास वित्त कंपनियां	1171.7	-188.2	365.4	165.1	1514.0
2. जीवन बीमा निधियाँ	**175176.3**	**178584.5**	**89908.7**	**186639.0**	**630308.4**
3. भविष्य और पेंशन निधि (पीपीएफ़ सहित)	**169375.0**	**169376.4**	**169915.2**	**280489.5**	**789156.1**
4. मुद्रा	**33989.7**	**-57614.7**	**70840.8**	**162235.6**	**209451.4**
5. निवेश	**137776.9**	**178564.4**	**245639.8**	**122472.3**	**684453.4**
जिसमें:					
(ए) म्यूचुअल फंड	111258.6	158830.5	149987.7	92689.1	512765.8
(बी) इक्विटी	-120.5	-17285.9	60420.8	-2661.7	40352.7
6. अल्प बचत (पीपीएफ़ छोड़ कर)	**65601.6**	**53467.4**	**40329.0**	**73515.0**	**232913.0**
II. वित्तीय देयताएँ	**288464.6**	**404518.0**	**419671.1**	**461098.0**	**1573751.7**
जीडीपी का प्रतिशत	*3.9*	*5.5*	*5.0*	*5.3*	*4.9*
ऋण/ उधार					
1. वित्तीय निगम (ए+बी)	**288285.8**	**404339.2**	**419492.4**	**460919.3**	**1573036.7**
(ए) बैंकिंग क्षेत्र	**204822.7**	**322195.6**	**320666.3**	**387474.4**	**1235158.9**
जिसमें:					
i. वाणिज्यिक बैंक	208525.3	321241.4	302569.3	379856.5	1212192.4
(बी) अन्य वित्तीय संस्थान	**83463.2**	**82143.7**	**98826.1**	**73444.8**	**337877.8**
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	65813.7	65488.7	75764.5	44572.0	251639.0
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	15125.2	14233.6	20561.4	25756.8	75677.0
iii. बीमा कंपनियाँ	2524.2	2421.4	2500.2	3116.0	10561.8
2. गैर-वित्तीय निगम (निजी कॉरपोरेट व्यापार)	**34.7**	**34.7**	**34.7**	**34.7**	**139.0**
3. सामान्य सरकार	**144.0**	**144.0**	**144.0**	**144.0**	**576.0**

टिप्पणियां: 1. हाउसहोल्ड की निवल वित्तीय बचत से तात्पर्य निवल वित्तीय आस्तियों से है, जिन्हें वित्तीय आस्ति और देयताओं के प्रवाह के बीच अतंर के रूप में मापा जाता है।

2. 2024-25 के लिए प्रारंभिक अनुमान और 2022-23 और 2023-24 के लिए संशोधित अनुमान।

3. एनएसओ द्वारा राष्ट्रीय आय, उपभोग व्यय, बचत और पूंजी निर्माण, 2024-25 के पहले संशोधित अनुमान जारी होने के साथ 2024-25 के प्रारंभिक अनुमानों में संशोधन किया जाएगा।

4. अन्य वित्तीय संस्थानों के अलावा गैर-बैंक जमा में राज्य ऊर्जा उपयोगिताएँ, सहकारी गैर-ऋण समितियाँ आदि शामिल हैं।

5. संभव है कि पूर्णांकन के कारण कॉलम के आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।

सं.52(बी): हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियों और देयताओं का स्टॉक- चुनिंदा संकेतक

(राशि ₹ करोड़ में)

मद	जून-2022	सितं-2022	दिसं-2022	मार्च-2023
	1	2	3	4
वित्तीय आस्तियां (ए+बी+सी+डी+ई+एफ़+जी+एच)	**32894206.1**	**33080388.3**	**33934151.1**	**33869902.8**
जीडीपी का प्रतिशत	*134.2*	*132.5*	*132.9*	*129.7*
(ए) बैंक जमाराशियाँ (i+ii)	**11840527.1**	**12139059.7**	**12393459.4**	**12717029.5**
i. वाणिज्यिक बैंक	10987692.1	11288257.2	11536717.0	11821685.0
ii. सहकारी बैंक	852834.9	850802.6	856742.4	895344.6
(बी) गैर-बैंक जमाराशियां				
जिसमें से:				
अन्य वित्तीय संस्थान	**216170.0**	**218246.7**	**226328.2**	**228562.2**
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	74794.2	78061.4	81308.3	85254.0
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	141375.8	140185.3	145020.0	143308.2
(सी) जीवन बीमा निधि	**5325967.3**	**5559681.9**	**5786592.6**	**5795430.6**
(डी) मुद्रा	**2950343.2**	**2895763.9**	**2972524.0**	**3121514.1**
(ई) म्यूचुअल फंड	**9323955.2**	**8920605.8**	**9107751.3**	**8383010.8**
जिसमें से:				
(i) म्यूचुअल फंड	2103069.7	2316994.5	2404351.7	2445222.9
(ii) इक्विटी	6617859.7	6047045.8	6134999.0	5366910.0
(एफ) सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ)	**851913.4**	**858591.1**	**864730.6**	**939449.0**
(जी) पेंशन निधि	**744459.2**	**796454.0**	**853412.0**	**898343.0**
(ज) लघु बचत (पीपीएफ को छोड़कर)	**1640870.6**	**1691985.1**	**1729352.9**	**1786563.5**
वित्तीय देयताएँ (ए+बी)	**8911860.9**	**9246740.6**	**9700657.2**	**10221696.3**
जीडीपी का प्रतिशत	*36.4*	*37.0*	*38.0*	*39.1*
ऋण/ उधार				
(ए) बैंकिंग क्षेत्र	**7095467.7**	**7358918.0**	**7729700.9**	**8117495.7**
जिसमें:				
i. वाणिज्यिक बैंक	6620073.1	6881338.5	7249643.0	7580934.1
ii. सहकारी बैंक	473897.0	476024.8	478486.9	534866.6
(बी) अन्य वित्तीय संस्थाएँ	**1816393.1**	**1887822.6**	**1970956.3**	**2104200.7**
जिसमें:				
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	869174.9	905825.3	961617.0	1056182.3
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	835181.3	868212.5	893115.8	929861.7
iii. बीमा निगम	112036.9	113784.8	116223.5	118156.7

सं.52(बी): हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियों और देयताओं का स्टॉक- चुनिंदा संकेतक *(जारी)*

(राशि ₹ करोड़ में)

मद	जून-2022	सितं-2022	दिसं-2022	मार्च-2023
	1	2	3	4
वित्तीय आस्तियां (ए+बी+सी+डी+ई+एफ़+जी+एच)	**35634250.1**	**37154705.4**	**39403782.4**	**41470111.9**
जीडीपी का प्रतिशत	*133.3*	*135.4*	*139.9*	*143.1*
(ए) बैंक जमाराशियाँ (i+ii)	**12970134.1**	**13471897.2**	**13749299.9**	**14179504.0**
i. वाणिज्यिक बैंक	12065518.9	12567779.6	12847876.2	13231336.9
ii. सहकारी बैंक	904615.2	904117.6	901423.7	948167.1
(बी) गैर-बैंक जमाराशियां				
जिसमें से:				
अन्य वित्तीय संस्थान	**228076.8**	**120094.7**	**125432.4**	**127257.3**
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	91373.3	96155.6	101051.4	102994.3
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	136703.5	23939.1	24381.0	24263.0
(सी) जीवन बीमा निधि	**6064436.9**	**6255801.1**	**6553726.0**	**6820611.8**
(डी) मुद्रा	**3072877.9**	**3036177.0**	**3092896.0**	**3239762.1**
(ई) म्यूचुअल फंड	**9495886.5**	**10337151.4**	**11812427.6**	**12782635.0**
जिसमें से:				
(i) म्यूचुअल फंड	2673033.0	2884735.4	3202983.4	3628236.4
(ii) इक्विटी	6246561.1	6858344.9	7973372.1	8406842.8
(एफ) सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ)	**955060.6**	**960343.6**	**964851.5**	**1051376.5**
(जी) पेंशन निधि	**970016.0**	**1017975.0**	**1091276.0**	**1172651.0**
(ज) लघु बचत (पीपीएफ को छोड़कर)	**1877761.2**	**1955265.4**	**2013872.8**	**2096314.2**
वित्तीय देयताएँ (ए+बी)	**10543257.0**	**11069222.0**	**11579833.0**	**12130649.0**
जीडीपी का प्रतिशत	*39.4*	*40.3*	*41.1*	*41.9*
ऋण/ उधार				
(ए) बैंकिंग क्षेत्र	**8331142.8**	**9199965.5**	**9602707.2**	**10024680.4**
जिसमें:				
i. वाणिज्यिक बैंक	7788960.6	8664614.6	9054512.6	9437070.5
ii. सहकारी बैंक	540401.7	533469.0	546276.5	585530.7
(बी) अन्य वित्तीय संस्थाएँ	**2212114.2**	**1869256.5**	**1977125.7**	**2105968.6**
जिसमें:				
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	1137631.1	1197314.8	1282346.6	1383183.0
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	953645.7	549351.7	570585.1	596438.0
iii. बीमा निगम	120837.4	122590.0	124194.0	126347.6

सं.52(बी): हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियों और देयताओं का स्टॉक- चुनिंदा संकेतक *(समाप्त)*

(राशि ₹ करोड़ में)

मद	जून-2022	सितं-2022	दिसं-2022	मार्च-2023
	1	2	3	4
वित्तीय आस्तियां (ए+बी+सी+डी+ई+एफ़+जी+एच)	**44131351.3**	**46225285.3**	**45714527.5**	**45384875.6**
जीडीपी का प्रतिशत	*148.6*	*152.6*	*147.2*	*142.7*
(ए) बैंक जमाराशियाँ (i+ii)	**14434592.9**	**14822844.5**	**14963774.3**	**15365693.6**
i. वाणिज्यिक बैंक	13482508.0	13872242.0	14020106.6	14415444.1
ii. सहकारी बैंक	952084.9	950602.5	943667.6	950249.5
(बी) गैर-बैंक जमाराशियां				
जिसमें से:				
अन्य वित्तीय संस्थान	**134718.7**	**137760.5**	**142570.3**	**146955.5**
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	109284.0	112514.0	116958.5	121178.5
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	25434.7	25246.5	25611.9	25777.0
(सी) जीवन बीमा निधि	**7123527.6**	**7385938.1**	**7272871.3**	**7358912.9**
(डी) मुद्रा	**3273751.8**	**3216137.1**	**3286977.8**	**3449213.5**
(ई) म्यूचुअल फंड	**14695182.8**	**16046630.8**	**15356794.5**	**14133914.9**
जिसमें से:				
(i) म्यूचुअल फंड	4128022.8	4559447.8	4500251.3	4439412.9
(ii) इक्विटी	9726482.7	10694844.2	10070749.6	8891531.9
(एफ) सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ)	**1059829.5**	**1063056.1**	**1064212.0**	**1157449.2**
(जी) पेंशन निधि	**1247832.0**	**1337535.0**	**1371615.0**	**1443509.0**
(ज) लघु बचत (पीपीएफ को छोड़कर)	**2161915.8**	**2215383.2**	**2255712.2**	**2329227.2**
वित्तीय देयताएँ (ए+बी)	**12418934.9**	**12823274.1**	**13242766.4**	**13703685.7**
जीडीपी का प्रतिशत	*41.8*	*42.3*	*42.6*	*43.1*
ऋण/ उधार				
(ए) बैंकिंग क्षेत्र	**10229503.1**	**10551698.6**	**10872364.9**	**11259839.3**
जिसमें:				
i. वाणिज्यिक बैंक	9645595.7	9966837.1	10269406.4	10649262.9
ii. सहकारी बैंक	581745.3	582578.2	600652.8	608109.1
(बी) अन्य वित्तीय संस्थाएँ	**2189431.8**	**2271575.4**	**2370401.5**	**2443846.4**
जिसमें:				
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	1448996.8	1514485.5	1590250.0	1634822.0
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	611563.2	625796.8	646358.2	672115.0
iii. बीमा निगम	128871.8	131293.2	133793.4	136909.3

टिप्पणियां: 1. जीडीपी के औसत के तौर पर डेटा की गणना आधार वर्ष 2022-23 वाली नई जीडीपी श्रृंखला के आधार पर की गई है, जिसे एनएसओ ने 27 फरवरी 2026 को जारी किया।
2. पेंशन निधि में राष्ट्रीय पेंशन योजना की निधि शामिल है।
3. लघु बचत के साथ बकाया जमा राशि भारत सरकार के लेखा महानियंत्रक से प्राप्त की जाती है।
4. अन्य वित्तीय संस्थानों के अलावा गैर-बैंक जमा में राज्य ऊर्जा उपयोगिताएँ, सहकारी गैर-ऋण समितियाँ आदि शामिल हैं। बकाया जमाराशियों के लिए आकंड़े केवल अन्य वित्तीय संस्थानों के लिए उपलब्ध हैं।
5. संभव है कि पूर्णांकन के कारण कॉलम के आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।

वर्तमान सांख्यिकी की व्याख्यात्मक टिप्पणियां

सारणी सं. 1
1.2 और 6 : वार्षिक आंकड़े महीनों के औसत हैं।
3.5 और 3.7 : वित्त वर्ष में अब तक वृद्धि के अनुपात से संबंधित है।
4.1 से 4.4, 4.8, 4.9 और 5 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार से संबंधित है।
4.5, 4.6 और 4.7 : माह / वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार को पांच प्रमुख बैंकों से संबंधित है।
4.10 से 4.12 : माह/ वित्त वर्ष के अंतिम नीलामी दिन से संबंधित है।
4.13 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम दिन से संबंधित है।
7.1 और 7.2 : यूएस डॉलर में विदेशी व्यापार से संबंधित है।

सारणी सं. 2
2.1.2 : चुकता पूंजी, आरक्षित निधि और दीर्घावधि परिचालनगत निधि शामिल हैं।
2.2.2 : नकदी, सावधि जमाराशियाँ और अल्पावधि प्रतिभूतियाँ / बॉण्ड जैसे - आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी, शामिल हैं।

सारणी सं. 4
http://nsdp.rbi.org.in के 'रिज़र्व टैम्पलेट' के अंतर्गत परिपक्वतावार बकाया वायदा संविदा की स्थिति दर्शायी गयी है।

सारणी सं. 5
अन्य अर्थात एक्ज़िम बैंक को विशेष पुनर्वित्त सुविधा 31 मार्च 2013 से बंद है।

सारणी सं. 6
अनुसूचित बैंकों के लिए, मार्च की समाप्ति के आंकडे अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार से संबंधित हैं।
1.1: संचलन में मौजूद नोटों में सीबीडीसी-खुदरा (आर) और सीबीडीसी-थोक (डब्ल्यू) शामिल हैं।
1.4: बैंकों द्वारा धारित नकदी में सीबीडीसी-डब्ल्यू शामिल है।
2.2 : आईएमएफ खाता सं. 1 की शेष राशि, आरबीआई कर्मचारी भविष्य निधि, पेंशन निधि, उपदान और अधिवर्षिता निधि शामिल नहीं हैं।

सारणी सं. 7 और 11
सारणी 7 में 3.1 और सारणी 11 में 2.4 : आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बॉण्ड शामिल हैं।

सारणी सं. 8
एनएम$_2$ और एनएम$_3$ में एफसीएनआर (बी) जमाराशियां शामिल नहीं हैं।
2.4 : चुकता पूंजी और आरक्षित राशियां शामिल हैं।
2.5 : बैंकिंग प्रणाली की अन्य मांग और मीयादी देयताएं शामिल हैं।

सारणी सं. 9
वित्तीय सस्थाओं में एक्ज़िम बैंक, सिडबी, नाबार्ड और एनएचबी शामिल हैं।
एल$_1$ और एल$_2$ मासिक आधार पर और एल$_3$ तिमाही आधार पर संकलित किए जाते हैं।
जहां आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, वहां अंतिम उपलब्ध आंकड़े पुनः दिए गए हैं।

सारणी सं. 13
कॉलम सं. (1) (2) और (3) में दर्शाये गए आंकड़े अंतिम और कॉलम सं. (4) और (5) में दर्शाए गए आंकड़े अनंतिम हैं।

सारणी सं. 14

कॉलम सं. (4) और (8) में दर्शाए गए आंकड़े अनंतिम हैं।

सारणी सं. 17

2.1.1 : राज्य सहकारी बैंकों में सहकारी सोसाइटियों द्वारा अनुरक्षित आरक्षित निधि शामिल नहीं है।

2.1.2 : आरबीआई, एसबीआई, आईडीबीआई, नाबार्ड, अधिसूचित बैंकों और राज्य सरकारों से लिए गए ऋण शामिल नहीं हैं।

4: आईडीबीआई और नाबार्ड से लिए गए ऋण शामिल हैं।

सारणी सं. 25

प्राथमिक व्यापारियों में, प्राथमिक व्यापारी का कारोबार करने वाले बैंक शामिल हैं।

सारणी सं. 31

प्राइवेट प्लेसमेंट और बिक्री के प्रस्ताव शामिल नहीं हैं।

1 : बोनस शेयर शामिल नहीं हैं।

2 : संचयी परिवर्तनीय अधिमान शेयर और इक्वी - अधिमान शेयर शामिल हैं।

सारणी सं. 33

आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बॉण्डों में निवेश, भारत सरकार द्वारा रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया को अंतरित एसडीआर तथा सार्क और एसीयू करेंसी स्वैप व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त विदेशी मुद्रा शामिल नहीं हैं। अमेरिकी डॉलर में दिखाई गई विदेशी मुद्रा आस्तियों में रिज़र्व में रखी गैर यूएस मुद्राओं (जैसे यूरो, स्टर्लिंग, येन और ऑस्ट्रेलिया डॉलर) के मूल्यवृद्धि/मूल्यह्रास के लिए शामिल किया गया है। विदेशी मुद्रा धारिता को रुपया - अमेरिकी डॉलर आरबीआई धारिता दरों पर रुपए में परिवर्तित किया गया है।

सारणी सं. 35

1.1.1.1.2 और 1.1.1.1.1.4 : अनुमान

1.1.1.2 : नवीनतम माह के लिए अनुमान

'अन्य पूंजी' एफडीआई उद्यम की मूल और अनुषंगी संस्थाओं / शाखाओं के बीच के ऋण सबंधी लेनदेनों से संबंधित है।

हो सकता है कि सूचना देने में हुए समय अंतराल के कारण ये आँकड़े भुगतान संतुलन के आंकड़ों से मेल न खाएं।

सारणी सं. 36

1.10 : पत्र-पत्रिकाओं के लिए अभिदान, विदेश में किए गए निवेशों का अनुरक्षण, छात्र ऋण चुकौती और क्रेडिट कार्ड भुगतान जैसी मदें शामिल हैं।

सारणी सं. 37

सूचकांकों में वृद्धि रुपये की मूल्यवृद्धि और विपरीत क्रम का संकेतक है। 6- मुद्राओं वाले सूचकांक के लिए, आधार वर्ष 2022-23 अस्थिर है जिसे प्रत्येक वर्ष अद्यतित किया जाता है। रीर के आंकड़े उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (संयुक्त) पर आधारित है। नीर//रीर सूचकांकों के संकलन के लिए प्रयुक्त कार्यप्रणाली का ब्यौरा आरबीआई बुलेटिन के दिसंबर 2005, अप्रैल 2014 और जनवरी 2021 के अंक में उपलब्ध है।

सारणी सं. 38

ईसीबी/विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बॉण्डों (एफसीसीबी) के लिए आवेदनों पर आधारित जिन्हें उस अवधि के दौरान ऋण पंजीकरण संख्या दी गई है।

सारणी सं. 40, 41, 42, 43 और 44

इन सारणियों के संबंध में व्याख्यात्मक टिप्पणियां आरबीआई बुलेटिन 2012 के दिसंबर अंक में उपलब्ध हैं।

सारणी सं. 45

भाग I-ए. भुगतान प्रणाली

1.1.3: प्रतिभूति खंड के अंतर्गत त्रि-पक्षीय रेपो का परिचालन 05 नवंबर 2018 से किया गया है।

भाग I-बी भुगतान प्रणाली

4.1.2: 'अन्य' में ई-कॉमर्स लेनदेन और एटीएम के माध्यम से किए गए डिजिटल बिल भुगतान आदि शामिल हैं।

4.2.2: 'अन्य' में ई-कॉमर्स लेनदेन, कार्ड से कार्ड अंतरण और एटीएम के माध्यम से डिजिटल बिल भुगतान आदि शामिल हैं।

5: दिसंबर 2010 से उपलब्ध है।

5.1: वॉलेट के माध्यम से माल और सेवाओं की खरीद और निधि अंतरण शामिल है।

5.2.2: ऑनलाइन लेनदेन और अन्य लेनदेनों के लिए पीपीआई कार्ड का उपयोग शामिल है।

6.1: तीन ग्रिडों - मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नै से संबंधित।

6.2: 'अन्य' में गैर-एमआईसीआर लेनदेन शामिल हैं। जो 21 बैंकों द्वारा प्रबंधित समाशोधन गृह से संबंधित है।

भाग II-ए अन्य भुगतान चैनल

1 : मोबाइल भुगतान -

- इसमें बैंकों के मोबाइल ऐप और यूपीआई ऐप के जरिए किए गए लेनदेन शामिल हैं।
- जुलाई 2017 के बाद के डेटा में मोबाइल के माध्यम से शुरू, संसाधित और अधिकृत किए गए केवल व्यक्तिगत भुगतान और कॉरपोरेट भुगतान शामिल हैं। मोबााइल के मााध्यम से शुरू, संसााधित और अधिकृत नहीं किए गए, अन्य कॉरपोरेट भुगतान शाामिल नहीं हैं।

2 : इंटरनेट भुगतान - 'नेटबैंकिंग' के माध्यम से केवल ई-कॉमर्स लेनदेन और बैंक की इंटरनेट बैंकिंग वेबसाइट से किया गया वित्तीय लेनदेन शामिल है।

भाग II-बी. एटीएम

3.3 और 4.2: केवल बैंक द्वारा जारी पीपीआई से किए गए लेनदेन से संबंधित है।

भाग III. भुगतान प्रणाली अवसंरचना

3: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) और व्हाइट लेबल एटीएम ऑपरेटर्स (डब्ल्यूएलएओ) के एटीएम शामिल हैं। डब्ल्यूएलए को अप्रैल 2014 से शामिल किया गया है।

सारणी सं. 47

(-): शून्य/ नगण्य को दर्शाता है।

बुलेटिन के जून 2023 के संस्करण से टेबल फार्मेट संशोधित किया है।

केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियों में विशेष प्रतिभूतियाँ और सॉवरेन गोल्ड बॉण्ड शामिल हैं।

राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में उज्ज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (यूडीएवाई) के अंतर्गत जारी विशेष बॉण्ड शामिल हैं।

वाणिज्यिक बैंकों के अंतर्गत बैंक के प्राथमिक डीलरों को शामिल किया गया है।

'अन्य' श्रेणी में राज्य सरकारें, डीआईसीजीसी, पीएसयू, ट्रस्ट, केंद्रीय विदेशी बैंक, हिंदू अविभक्त परिवार/व्यक्ति आदि शामिल हैं।

सितंबर 2023 के बाद के आंकड़ों में एक बैंक का एक गैर-बैंक के साथ विलय का प्रभाव शामिल है।

सारणी सं. 48

जीडीपी डेटा वर्ष 2011-12 के आधार पर आधारित है। वर्ष 2023-24 के लिए जीडीपी केंद्रीय बज़ट 2023-24 से ली गई है।

डेटा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित है।
1 और 2: आंकड़े केंद्र सरकार (एनएसएसएफ की पुन: चुकौती सहित) और राज्य सरकार की निवल चुकौती से संबंधित है।
1.3: राज्य द्वारा स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थानों को दिये गये मुआवजे और कार्य से संबंधित है।
2: यह डेटा केंद्र और राज्य सरकारों की उधार प्राप्तियों सहित केंद्र और राज्य सरकारों के नकदी शेष में हुए घटबढ़ से संबंधित निवल को दर्शाते हैं।
3ए.1.1: आंकड़े भारतीय रिज़र्व बैंक के अभिलेख के अनुसार हैं।
3बी. 1.1: दिनांकित प्रतिभूतियों के माध्यम से उधारियां शामिल हैं।
3बी.1.2: राष्ट्रीय लघु बचत निधि (एनएसएसएफ) की ओर से केंद्र और राज्य सरकारों की विशेष प्रतिभूतियों में किए गए निवल निवेश को दर्शाते हैं।
यह डेटा नए डेटा की उपलब्धता के साथ घटकों में समायोजन के कारण पिछले प्रकाशनों से भिन्न हो सकता है।
3बी. 1.6: केंद्र द्वारा राज्य सरकारों को दिये गये अर्थोपाय अग्रिमों सहित।
3बी. 1.7: खजाना बिल, वित्तीय संस्थानों से ऋण, बीमा और पेंशन निधि, विप्रेषण, नकदी शेष निवेश खाता सहित।

सारणी सं. 49
राज्य सरकारों द्वारा समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) और नीलामी खज़ाना बिल (एटीबी) के शेषों तथा सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए अन्य निवेशों को संपाश्विक के तौर पर रखते हुए विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ) प्राप्त की जाती है।
भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा राज्य सरकारों को उनके अल्पकालिक नकदी असंतुलन से निपटने के लिए अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) दिया जाता है।
राज्य सरकारों को उनकी अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) सीमा से अधिक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए ओवरड्राफ्ट दिया जाता है।
प्राप्त कुल सहायता (एसडीएफ / डब्ल्यूएमए / ओडी) को उन दिनों की संख्या से भाग देने पर, जिनके लिए माह के दौरान सहायता प्राप्त हुई, औसत राशि प्राप्त होती है।
-: नगण्य।

सारणी सं. 50
सीएसएफ और जीआरएफ वे आरक्षित निधियाँ हैं जो कुछ राज्य सरकारों द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के पास रखी जाती हैं।
एटीबी में राज्य सरकारों द्वारा प्राथमिक बाज़ारो में निवेश किए गए 91 दिवसीय, 182 दिवसीय तथा 364 दिनों के खज़ाना बिल शामिल हैं।
-- लागू नहीं (इस योजना का सदस्य नहीं है)।

वर्तमान सांख्यिकी के लिए अवधारणाएं और कार्यप्रणाली आरबीआई मासिक बुलेटिन की वर्तमान सांख्यिकी के लिए व्यापक मार्गदर्शिका में उपलब्ध हैं **(https://rbi.org.in/Scripts/PublicationsView.aspx?id=17618)**

'वर्तमान सांख्यिकी' का समय श्रृंखला डेटा https://data.rbi.org.in पर उपलब्ध है।
विस्तृत व्याख्यात्मक नोट आरबीआई द्वारा जारी प्रासंगिक प्रेस प्रकाशनियों और बैंक के अन्य प्रकाशनों/विज्ञप्तियों जैसे **भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकी पुस्तिका में उपलब्ध हैं।**

भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के प्रकाशन

प्रकाशन का नाम	मूल्य	
	भारत में	विदेश में
1. भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन 2026	₹350 एक प्रति ₹250 एक प्रति (रियायती दर*) ₹4,000 (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) ₹3,000 (एक वर्ष रियायती दर*)	15 अमेरिकी डॉलर, एक प्रति 150 अमेरिकी डॉलर (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
2. भारतीय राज्यों से संबंधित सांख्यिकी पुस्तिका 2024-25	₹550 (सामान्य) ₹600 (डाक प्रभार सहित)	24 अमेरिकी डॉलर (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
3. भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकी पुस्तिका 2024-25	₹600 (सामान्य) ₹650 (डाक प्रभार सहित) ₹450 (रियायती) ₹500 (रियायती डाक प्रभार सहित)	50 अमेरिकी डॉलर (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
4. राज्य वित्तः 2024-25 के बजटों का अध्ययन	₹600 एक प्रति (कांउटर पर) ₹650 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	24 अमेरिकी डॉलर, एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
5. मुद्रा और वित्त संबंधी रिपोर्ट 2023-24	₹575 एक प्रति (कांउटर पर) ₹625 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	22 अमेरिकी डॉलर, एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
6. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर खंड 45, सं. 1, 2024	₹200 एक प्रति (कांउटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	18 अमेरिकी डॉलर, एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
7. पंचायती राज संस्थाओं का वित्त	₹300 एक प्रति (कांउटर पर) ₹350 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	16 अमेरिकी डॉलर, एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
8. भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2024-25	आरबीआई बुलेटिन जनवरी, 2026 के पूरक के रूप में जारी किया गया।	
9. वार्षिक रिपोर्ट 2024-25	आरबीआई बुलेटिन जून, 2025 के पूरक के रूप में जारी किया गया।	
10. वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट-दिसंबर 2025	आरबीआई बुलेटिन जनवरी, 2026 के पूरक के रूप में जारी किया गया।	
11. मौद्रिक नीति रिपोर्ट - अक्तूबर 2025	आरबीआई बुलेटिन अक्तूबर 2025 में शामिल है।	
12. नगर निगम वित्त पर रिपोर्ट - नवंबर 2024	₹300 एक प्रति (कांउटर पर) ₹350 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	16 अमेरिकी डॉलर, एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
13. बैंकिंग शब्दावली (अंग्रेजी-हिन्दी)	₹100 एक प्रति (कांउटर पर) ₹150 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	

टिप्पणियां:

1. उपर्युक्त प्रकाशनों में से कई प्रकाशन आरबीआई की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर उपलब्ध हैं।
2. टाइम सीरीज़ डेटा भारतीय अर्थव्यवस्था के डेटाबेस में उपलब्ध हैं (https://data.rbi.org.in) |
3. भारतीय रिज़र्व बैंक का इतिहास 1935-2008 (5 खंड), भारत के प्रमुख पुस्तक भंडारों में उपलब्ध हैं।

* भारत में छात्रों, अध्यापकों / व्याख्याताओं, अकादमिक / शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को रियायत दी जाएगी बशर्ते उन्हें पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

सामान्य अनुदेश

1. सभी संचार निम्न को संबोधित किए जाएँ:
   निदेशक, रिपोर्ट और ज्ञान प्रसार प्रभाग,
   आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग (डीआरकेडी, डीईपीआर),
   भारतीय रिज़र्व बैंक, अमर भवन, तल मंजिल,
   सर पी. एम. रोड, फोर्ट, पोस्ट बॉक्स सं. 1036. मुंबई- 400 001
   टेलीफोन: 022-2260 3000 विस्तार: 4002, ईमेल: spsdepr@rbi.org.in
2. बिक्री के लिए प्रकाशन प्रातः 10:30 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक (सोमवार से शुक्रवार) उपलब्ध हैं।
3. प्रकाशनों को कैश ऑन डिलीवरी के आधार पर नहीं दिया जाएगा।
4. एक बार बेचे गए प्रकाशनों को वापस नहीं लिया जाएगा।
5. प्रकाशन के पिछले अंक आम तौर पर उपलब्ध नहीं होते हैं।
6. जहां रियायती मूल्य का संकेत नहीं दिया गया है, भारत में छात्रों, शिक्षकों, शैक्षिक/ अकादमिक संस्थानों, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं के लिए 25 प्रतिशत की छूट उपलब्ध है, बशर्ते पात्रता का प्रमाण प्रस्तुत किया जाए।
7. सदस्यता शुल्क के भुगतान के लिए एनईएफटी को प्राथमिकता दी जाए और भुगतानकर्ता के नाम, सदस्यता संख्या (यदि कोई हो), खाता संख्या, तारीख और राशि सहित लेनदेन विवरण **spsdepr@rbi.org.in** पर ईमेल किया जाए या डाक द्वारा भेजा जाए।

   ए. एनईएफटी ट्रांसफर के लिए अपेक्षित जानकारी इस प्रकार है:

लाभार्थी का नाम	आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, आरबीआई
बैंक का नाम	भारतीय रिज़र्व बैंक
शाखा और पता	फोर्ट, मुंबई
बैंक शाखा का आईएफएससी	RBIS0MBPA04
खाता प्रकार	चालू खाता
खाता संख्या	41-8024129-19

   बी. गैर- डिजिटल मोड के माध्यम से सदस्यता के मामले में, कृपया भारतीय रिज़र्व बैंक, मुंबई के नाम पर मुंबई में देय डिमांड ड्राफ्ट/ चेक भेजें।

8. 'प्रकाशन प्राप्त न होने' संबंधी शिकायतें दो माह की अवधि के अंदर भेजी जाएं।